

# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 23] नई दिल्ली, शनिवार, जून 9, 1979/ज्येष्ठ 19, 1901  
No. 23] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 9, 1979/JYAISTHA 19, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

### PART II—Section 3—Sub-section (i)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़ कर)  
केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा बिधि से अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम  
जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उपनियम आदि सम्मिलित हैं

General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc., of a general character) issued by the  
Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central  
Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

### संसदीय कार्य विभाग

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1979

सा० सा० नि० 765 :—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संसदीय कार्य विभाग, (भर्ती और सेवा की शर्तें) नियम, 1963 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम संसदीय कार्य विभाग (भर्ती और सेवा की शर्तें) नियम, 1979 है,

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. संसदीय कार्य विभाग (भर्ती और सेवा की शर्तें) नियम, 1963 के नियम 4 में,—

(क) विद्यमान उपनियम 2(क), उस उपनियम के नीचे टिप्पण और उपनियम (ख) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम और टिप्पण रखे जाएंगे, अर्थात् :—

“2(क) भ्रवर सचिवों की श्रेणी में 66-2/3 प्रतिशत रिक्तियां अनुभाग अधिकारियों की श्रेणी के ऐसे स्थायी अधिकारियों से, जिन्होंने उस श्रेणी में कम से कम 10 वर्ष अनुमोदित सेवा कर ली है, तथा संसदीय कार्य विभाग के चयन श्रेणी के प्राशुषिकों में से ऐसे स्थायी अधिकारियों से जिन्होंने उस श्रेणी में कम से कम 10 वर्ष की अनुमोदित

सेवा कर ली है और जो कम से कम दो वर्ष तक अनुभाग अधिकारी के रूप में कार्य कर चुके हैं, प्रोन्नति और चयन द्वारा भरी जाएंगी और शेष 33-1/3 प्रतिशत रिक्तियां, साधारणतया अखिल भारतीय सेवा, केन्द्रीय सेवा समूह “क” या राज्य सेवा समूह “क” के उपयुक्त अधिकारियों के स्थानांतरण या प्रतिलिपुक्ति द्वारा भरी जाएंगी :

परन्तु चयन श्रेणी प्राशुषिकों के किसी ऐसे अधिकारी को भी, जिसने दो वर्ष अनुभाग अधिकारी के रूप में कार्य नहीं किया है, भ्रवर सचिव की श्रेणी में प्रोन्नति के लिए विचार में लिया जा सकेगा किन्तु यह तब जब वह अन्यथा ऐसी प्रोन्नति के लिए पात्र है और केन्द्रीय सरकार के संवदाय कार्य विभाग का ऐसे कारणों से, जो लेखबद्ध किए जाएंगे, यह समाधान हो जाता है कि ऐसे व्यक्ति को सेवा का अत्यावश्यकताओं के कारण अनुभाग अधिकारी की श्रेणी में नियुक्त नहीं किया गया हो।

2(ख) खण्ड (क) में किसी बात के होते हुए भी संसदीय कार्य विभाग (भर्ती और सेवा की शर्तें), चौथा संशोधन नियम, 1976 के प्रारम्भ की तारीख से, प्रथम तीन वर्ष की अवधि में, भ्रवर सचिवों की श्रेणी में होने वाले किसी अस्थायी रिक्ति को अधिक से अधिक तीन मास की अवधि के लिए, अनुभाग अधिकारी की श्रेणी के ऐसे स्थायी

अधिकारियों से जिन्होंने उस श्रेणी में कम से कम सात वर्ष अनुमोदित सेवा कर ली है और संसदीय कार्य विभाग के चयन श्रेणी प्राशुलिपिकों में से ऐसे स्थायी अधिकारियों से, जिन्होंने उस श्रेणी में कम से कम सात वर्ष अनुमोदित सेवा कर ली है, ज्येष्ठता और योग्यता के आधार पर प्रोन्नति द्वारा भरा जाएगा।

टिप्पण :—उपनियम 2(क) और 2(ख) के प्रयोजन के लिए, चयन श्रेणी प्राशुलिपिकों का वंश में अनुमोदित सेवा में 17 अप्रैल, 1971 के पश्चात् श्रेणी 1 में उनके द्वारा की गई अनुमोदित सेवा की आधी अवधि को भी सम्मिलित किया जाएगा।”

(ख) उपनियम (3) में निम्नलिखित परन्तुक जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु विभाग के ऐसे चयन श्रेणी प्राशुलिपिका को, जिन्होंने उस श्रेणी में कम से कम दो वर्ष सेवा कर ली है, अनुभाग अधिकारी की श्रेणी में इ्यूटी पद पर नियुक्त किया जा सकेगा किन्तु ऐसी नियुक्ति की अवधि दो वर्ष से अधिक नहीं होगी। अनुभाग अधिकारियों की श्रेणी में इ्यूटी पद पर इस प्रकार नियुक्त किए गए चयन श्रेणी प्राशुलिपिक, समय-समय पर चयन श्रेणी प्राशुलिपिकों की श्रेणी में उन्हें अनुश्रेय श्रेणी-वेतन लेते रहेंगे।”

[सं० एक० 4(10)/77-प्रशा०]

एम० एल० आहुजा, अवर सचिव

## DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS

New Delhi, the 19th February, 1979

**G.S.R. 765.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Department of Parliamentary Affairs, (Recruitment and Conditions of Service) Rules, 1963, namely :—

1. (1) These rules may be called the Department of Parliamentary Affairs (Recruitment & Conditions of Service) Amendment Rules, 1979;

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In rule 4 of the Department of Parliamentary Affairs, (Recruitment and Conditions of Service) Rules, 1963,

(a) for the existing sub-rule 2(a), the Note below that sub-rule and sub-rule 2(b), the following sub-rules and the Note shall be substituted, namely :—

“2(a) 66-2/3 per cent of the vacancies falling in the grade of Under Secretaries shall be filled by promotion, by selection, from the permanent officers of the Section Officers' Grade who have rendered not less than ten years' approved service in that Grade and the permanent officers of the selection grade stenographers of the Department of Parliamentary Affairs who have rendered not less than ten years' approved service in that Grade and have worked as Section Officer for at least a period of two years and the remaining 33-1/3 per cent of the vacancies shall ordinarily be filled by transfer or deputation of suitable officers belonging Indian Administrative Service, Central Services Group 'A' or State Services Group 'A'.

Provided that an officer of the Selection Grade Stenographers who has not worked as Section Officer for the period of two years shall also be considered for promotion to the Grade of Under Secretary if he is otherwise eligible for such promotion and the Central Government in the Deptt. of Parliamentary Affairs is satisfied for the reasons to be recorded in writing that such a person was not appointed to to the Section Officer Grade in the exigencies of service.

2(b) Notwithstanding anything contained in Clause (a), for a period of three years beginning from the date of commencement of the Department of Parliamentary Affairs (Recruitment and Conditions of Service) Fourth Amendment Rules, 1976, any temporary vacancy for a period not exceeding three months in the Grade of Under Secretaries may be filled by promotion from the permanent officers of the Section Officer Grade who have rendered not less than seven years' approved service in that grade, and the permanent officers of the Selection Grade Stenographers of the Department of Parliamentary Affairs who have rendered not less than seven years' approved service in that grade on the basis of seniority-cum-fitness.

Note : For the purpose of these sub rules 2(a) & 2(b) in the case of Selection Grade Stenographers, approved service shall also include half of the approved service rendered by them in Grade I after 17th April, 1971.”

(b) the following proviso to sub-rule (3) shall be added, namely :—

“Provided that Selection Grade Stenographers of the Department, who have rendered not less than two years' service in that Grade may be posted to duty posts in the Section Officers' Grade, the period of such appointment being limited to two years. Selection Grade Stenographers so appointed to duty posts in the Section Officers' Grade shall continue to draw the grade pay admissible to them in the Grade of Selection Grade Stenographers from time to time.”

[No. F. 4(10)/77-Admn]

M. L. AHUJA, Under Secy.

### योजना मंत्रालय

(सांख्यिकी विभाग)

नई दिल्ली, 6 मार्च, 1979

सां० बि० 768:—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मंत्रिमण्डल मन्त्रालय (सांख्यिकी विभाग) की दिनांक 23 दिसम्बर, 1969 की अधिसूचना सं० 2122/69-स्था०-1 तथा योजना मंत्रालय (सांख्यिकी विभाग) की दिनांक 25 अप्रैल, 1977 की अधिसूचना सं० 20012/114/73-स्था० 1 का अधिक्रमण करते हुए राष्ट्रपति एतद्वारा योजना मंत्रालय (सां० बि०) में स्टाफकार इन्सपेक्टर के पद की भर्ती पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त शीर्षक तथा प्रारंभ :—(1) ये नियम सांख्यिकी विभाग ग्रुप सी (स्टाफ कार इन्सपेक्टर) भर्ती नियम, 1979 कहें जायेंगे।

(2) ये नियम भारत के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

2. पद-संख्या, वर्गीकरण तथा वेतनमान :—उक्त पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनसे संलग्न वेतनमान वे होंगे जो उक्त अनुसूची के 2 से लेकर 4 तक के कालमों में दिये गये हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अन्य अर्हताएं आदि :—उक्त पदों पर भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, अर्हताएं और उनसे सम्बद्ध अन्य बाने वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के 5 से लेकर 13 तक के कालमों में विनिर्दिष्ट हैं।

4. भ्रष्टाचार: (क) कोई व्यक्ति जो किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह करता है या विवाह की संविदा करता है जिसका पति/पत्नी जीवित हो भ्रष्टाचार (ख) कोई व्यक्ति जो कि पति/पत्नी के जीवित रहते हुए किसी व्यक्ति के साथ विवाह करता है/करती है भ्रष्टाचार विवाह की संविदा करता है/करती है सेवा में नियुक्ति का पात्र नहीं होगा। बशर्ते कि केन्द्रीय सरकार यदि इस बात से सन्तुष्ट हो जाए कि ऐसे व्यक्ति को इस प्रकार का विवाह स्वीय विधि के अन्तर्गत अनुज्ञेय है तथा ऐसा करने के लिए अन्य प्राधार भी हैं तो ऐसे व्यक्तियों के लिए इन नियमों के प्रवर्तन में छूट दे सकती है।
5. छूट देने की शक्ति:—जहां केन्द्रीय सरकार की राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है वहां वह उन कारणों से जो लेखबद्ध किए जायेंगे आदेश द्वारा व्यक्तियों के किसी वर्ग या प्रवर्ग के बारे में इन नियमों के उपबन्धों में से किसी को भी शिथिल कर सकेगी।
6. व्यावृत्ति:—इन नियमों से कोई भी नियम, इस बारे में समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किये गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन-जातियों, और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए प्रदान किये गये वाले आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगा।

## अनुसूची

स्टाफकार ड्राइवर के लिए भर्ती नियम

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	प्रवर्णन पद भ्रष्टाचार प्रवर्णन पद	सीधी भर्ती वाले व्यक्तियों के लिए आयु सीमा	सीधी भर्ती वालों के लिए अपेक्षित शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
स्टाफकार ड्राइवर	2	सामान्य केन्द्रीय सेवा गुरुपी भराजपक्षित अलिपिकवर्गीय	260-8-290-ब०रो० 6-326-8-366- ब०रो०-8-390 10-400 ब०	लागू नहीं होता	23 वर्ष से 30 वर्ष के बीच (सरकारी कर्मचारी के लिए नियमानुसार 35 वर्ष तक की आयु के लिए छूट दी जा सकती है ) टिप्पणी: आयु सीमा निर्धारित करने के लिए भारत के प्राधियों से (अंशमान व निकोबार द्वीप समूह तथा अण्डमानी के प्राधियों के प्रतिरिक्त)आवेदन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तारीख निर्णायक तारीख होगी।	अनिवार्य:— मोटर वाहन चलाने के लिए वैध ड्राइविंग लाइसेंस मोटर मैकेनिकी की जानकारी तथा मोटरकार चलाने का कम से कम पांच वर्ष का अनुभव हो। आवश्यक:— आठवीं पास
क्या सीधी भर्ती वालों के लिए निर्धारित आयु तथा शैक्षिक अर्हताएं पदोन्नत किए जाने वाले व्यक्तियों के संबंध में भी लागू होगी।	परिबीक्षा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति-सीधी से या पदोन्नति से भ्रष्टाचार प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण से तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भर्ती की जाने वाली रिक्तियों का प्रतिफल।	पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण से भर्ती किये जाने पर वे प्रेड जिनमें पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण किए जाने हैं	यदि विभागीय समिति विद्यमान है तो उसका गठन क्या है	पदोन्नति है तो	वे परिस्थितियां जिनमें भर्ती करने में संघ सीक सेवा आयोग से परामर्श करना है
8	9	10	11	12	13	
लागू नहीं होता	2 वर्ष	स्थानांतरण द्वारा ऐसा न होने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण द्वारा प्रथम से दोनों के न होने पर सीधी भर्ती द्वारा	स्थानांतरण : स्टाफकार ड्राइवरों में आवश्यक समझे जाने वाले योग्यता के मानदण्ड के संदर्भ में पद के लिए उपयुक्तता का परीक्षण करने हेतु रखी गयी ड्राइविंग परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियमित द्वितीय राइडरों में से (कालम 7 में विविष्ट योग्यतायें रखने वाले सांख्यिकी	ग्रुप सी के लिए विभागीय प्रोन्नति कमेटी 1. निदेशक, केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन—अध्यक्ष 2. उप सचिव (प्रशासन) —सदस्य 3. प्रवर सचिव (प्रशासन) —सदस्य	लागू नहीं होता	

8	9	10	11	12	13
			विभाग के ग्रुप 'सी' तथा ग्रुप डी कर्मचारियों में से स्थानान्तरण द्वारा।		
			प्रतिनियुक्ति: सांख्यिकी विभाग के सम्बद्ध/ अधीनस्थ कार्यालयों में स्टाफ कार ड्राइवरों अथवा डेप्यूटी राइटरों स्कूटर/ड्राइवरों में से जो कालम 7 में विनिर्दिष्ट योग्यताएँ रखते हैं जिनके न मिलने पर प्राप्य संज्ञासूचियों या विभागों में स्टाफकार ड्राइवरों के पद/पर कार्य कर रहे व्यक्तियों में से प्रतिनियुक्ति द्वारा (प्रतिनियुक्ति की अवधि सामान्यतः तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी।		

[सं० ए० 20012/114/73-स्था०-1]

पी० डी० घाटुआ, सचिव

## MINISTRY OF PLANNING

(Department of Statistics)

New Delhi, the 6th March, 1979

**G.S.R. 766.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, and in supersession of the Cabinet Secretariat (Department of Statistics) Notification No. 2/22/69-Estt. I, dated the 23rd December, 1969 and Ministry of Planning (Department of Statistics) Notification No. A-20012/114/73-Estt. I, dated the 25th April, 1977, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Staff Car Driver in Ministry of Planning (Department of Statistics), namely :—

1. Short title and commencement.—These rules may be called the Department of Statistics Group C (Staff Car Driver) Recruitment Rules, 1979.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, Classification and scale of pay.—The number of post, its classification and the scale of pay attached thereto, shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, other qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

## 4. Disqualification.—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that, the Central Government, may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the Provisions of these rules with in respect of any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit, and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

**SCHEDULE**  
Recruitment rules for the post of staff car driver

Name of post	No. of post	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or Non Selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits.
1	2	3	4	5	6	7
Staff Car Driver	2	General Central Service Group C Non-gazetted-Non Ministerial	Rs.260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400.	Not applicable	*Between 23 to 30 years. (Relaxable for Govt Servant upto 35 years as per rules) Note :—The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of application from candidates in India (other than those in the Union Territory of the Nicobar Islands and Lakshadweep).	Essential : Possession of a valid driving licence for motor cars, knowledge of motor mechanic and experience of driving motor car for at least five years Desirable : The 8th pays standard.
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various method.	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer grades from which promotion/deputation transfer to be made.	If a DPC exists what is its composition.	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment.	
8	9	10	11	12	13	
Not applicable	2 years	By transfer, failing which by deputation and failing both by direct recruitment.	Transfer : On the result of a test in driving designed to adjudge suitability for the post with reference to the standards of competence considered essential in Drivers of Staff Cars from amongst regular Despatch Riders (Group C and Group 'D' employees of the Deptt. of Statistics possessing the qualifications specified in column 7. Deputation : Staff Car Drivers or despatch Riders/Scooter Drivers in the Attached/Subordinate offices of the Department of Statistics possessing the qualifications specified in column 7, failing which persons holding the posts of Staff Car Driver, in other Ministries or Departments, (period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years	Group C DPC 1. Director, CSO— 2. DS (Admn)—Member 3. US (Admn)—Member.	Not applicable.	

**वित्त, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय**

(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 26 मई, 1979

सा. का. नि. 767—केन्द्रीय सरकार, एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 67 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार आयोग (अध्यक्ष और सदस्यों की सेवा की शर्तें) नियम, 1970 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम एकाधिकार तथा व्यापारिक व्यवहार आयोग (अध्यक्ष और सदस्यों की सेवा की शर्तें) संशोधन नियम, 1979 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार आयोग (अध्यक्ष और सदस्यों की सेवा की शर्तें) नियम, 1970 के नियम 7 के उपनियम (1) में, "भारत का राष्ट्रपति" शब्दों के स्थान पर "भारत का मुख्य न्यायाधीश या उसकी अनुपस्थिति में उच्चतम न्यायालय का उच्चतम न्यायाधीश जो उपलब्ध हो" शब्द रखे जाएंगे।

[फा. सं. ए. 12018/1/78-प्रशा. 1]

आई. एल. नागपाल, अवर सचिव

**MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS**

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 26th May, 1979

G.S.R. 767.—In exercise of the powers conferred by section 67 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Monopolies and Restrictive Trade Practices Commission (Conditions of Service of Chairman and Members) Rules, 1970 namely:—

1. (i) These rules may be called the Monopolies and Restrictive Trade Practices Commission (Conditions of Service of Chairman and Members) Amendment Rules, 1979.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the official gazette.

2. In sub-rule (1) of rule 7 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Commission (Conditions of Service of Chairman and Members) Rules, 1970, for the words, "President of India", the words "Chief Justice of India or, in his absence, the seniormost Judge of the Supreme Court available" shall be substituted.

[F. No. A. 12018/1/78 Admn. I]

I. L. NAGPAL, Under Secy.

(वित्त कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 18 मई, 1979

सा. का. नि. 768—केन्द्रीय सरकार, सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 (1908 का 5) की प्रथम अनुसूची के प्रादेश 27 के नियम 8ख के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, इससे उपाखण्ड अनुसूची के द्वितीय स्तम्भ में विनिर्दिष्ट व्यक्ति उक्त अनुसूची के प्रथम स्तम्भ में विनिर्दिष्ट किसी न्यायालय में दिल्ली में भूमि के बड़े पैमाने पर अर्जन, विकास और व्यवस्था संबंधी केवल उन मामलों में, जहां दिल्ली प्रशासन की बड़े पैमाने पर भूमि के अर्जन, विकास और व्यवस्था की योजना के अधीन भूमि अर्जन की गई है, उक्त प्रादेश के प्रयोजनों के लिए "सरकारी क्लिअर" के रूप में नियुक्त करती है।

**अनुसूची**

न्यायालय	अधिकारी
1	2
दिल्ली के जिला न्यायालय	यू. पी. सिंह, सहायक विधि सलाहकार, भूमि और भवन विभाग, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली

[सं. फा. 24(7)/79-न्यायिक]

के. सी. डी. गंगवानी, अवर विधि सलाहकार

(Department of Legal Affairs)

New Delhi, the 18th May, 1979

G.S.R. 768.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of the rule 8B of Order XXVII of the First Schedule to the Code of Civil Procedure 1908 (5 of 1908), the Central Government hereby appoints the person specified in the second column of the Schedule annexed hereto as Government Pleader for purposes of the said Order in relation only to large scale acquisition, development and disposal of land in Delhi cases where land is acquired under the scheme of large Scale Acquisition, Development and Disposal of Land undertaken by the Delhi Administration, in any court specified in the first column of the said Schedule.

**SCHEDULE**

Courts	Officers
(1)	(2)
District Courts in Delhi	Shri U. P. Singh, Assistant Legal Adviser, Land and Building Department, Delhi Administration Delhi.

[No. F. 24 (7)/79-Judl.]

K. C. D. GANGWANI, Addl. Legal Adviser

**वित्त मंत्रालय**

(वित्त कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 21 मई, 1979

**शुद्धि-पत्र**

सा. का. नि. 769—11 मार्च, 1978 के भारत के राजपत्र के भाग II, खंड 3, उपखंड (i) के पृष्ठ 477 पर प्रकाशित वित्त मंत्रालय (वित्त कार्य विभाग) मुख्य आर्थिक सलाहकार और आर्थिक सलाहकार भर्ती नियमावली, 1968 के संशोधन के मध्यस्थ में भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (वित्त कार्य विभाग) की अधिमूर्चना मध्या सा. का. नि. 337 दिनांक 6 फरवरी, 1978 में नियम 2, धारा (1), उपधारा (ख) में "3000-10-3500" के स्थान पर "3000-100-3500" पढ़ा जाए।

[सं. ए. 12018/2/77-प्रशा. II]

म. प्र. वर्मा, अवर सचिव

**गृह मंत्रालय**

(कानूनी और प्रशासनिक सुधार विभाग)

नई दिल्ली, 22 मई, 1979

सा. का. नि. 770.—भारतीय प्रशासन सेवा (संशोधन) नियम, 1954 के नियम 4 के उप नियम (2) के प्रथम परचुके धोरण नियम (1) के साथ पठित अधिल भारतीय सेवा अधिनियम, 1951 (1951 का 81)

की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उड़ीसा सरकार के परामर्श से भारतीय प्रशासन सेवा (संघर्ष संख्या का नियतन) विनियम, 1965 में धोर आने संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाती है, अर्थात्—

1. (1) इन विनियमों का नाम भारतीय प्रशासन सेवा (संघर्ष संख्या का नियतन) तृतीय संशोधन विनियम, 1979 है।

(2) ये विनियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

2 भारतीय प्रशासन सेवा (संघर्ष संख्या का नियतन) विनियम, 1955 की अनुसूची में "उड़ीसा" शीर्षक के अधीन तत्स्थानी पद "मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद/परियोजना प्रशासक, गहन आदिवासी विकास परियोजना/अपर जिला मजिस्ट्रेट/उप-कलक्टर ग्रेड-I बन्दोबस्त अधिकारी/उपनिदेशक चकबन्दी/19" के स्थान पर "मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद/महाप्रबंधक, जिला उद्योग सेक्टर/अपर जिला मजिस्ट्रेट उप-कलक्टर ग्रेड-I/बन्दोबस्त अधिकारी/उप-निदेशक चकबन्दी-19" प्रतिस्थापित किए जाएं।

[संख्या 11031/7/78-प्र०प्र०से० (2) क]

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(Department of Personnel and Administrative Reforms)

New Delhi, the 22nd May, 1979

G.S.R. 770.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), read with sub-rule (1), and the first proviso to sub-rule (2), of rule 4 of the Indian Administrative Service (Cadre) Rules, 1954, the Central Government, in consultation with the Government of Orissa, hereby makes the following regulations further to amend the Indian Administrative Service (Fixation of Cadre Strength) Regulations, 1955 namely —

1 (1) These regulations may be called the Indian Administrative Service (Fixation of Cadre Strength) Third Amendment Regulations, 1979

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette

2 In the Schedule to the Indian Administrative Service (Fixation of Cadre Strength) Regulations, 1955 under the heading "Orissa" for the existing entries —

Chief Executive Officer, Zilla Parishad/Project Administrator Intensive Tribal Development Project/Addl District Magistrate/Sub-Collector Grade I/Settlement Officer/Deputy Director, Consolidation 19" the following entries shall be substituted, namely —

"Chief Executive Officer, Zilla Parishad/General Manager, District Industries Centres/Addl District Magistrate/Sub-Collector Grade I/Settlement Officer/Deputy Director, Consolidation 19"

[No 11031/7/78 AIS(II)-A]

सा० का० नि० 771.—भारतीय प्रशासन सेवा (बेतन) नियम, 1954 के नियम 11 के साथ पठित प्रखिल भारतीय सेवा अधिनियम, 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, उड़ीसा सरकार के परामर्श से, भारतीय प्रशासन सेवा (बेतन) नियम, 1954 में सौर आने संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्—

1 (1) इन नियमों का नाम भारतीय प्रशासन सेवा (बेतन) तृतीय संशोधन नियम 1979 है।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

2 भारतीय प्रशासन सेवा (बेतन) नियम, 1954 की अनुसूची-III-क में "उड़ीसा" के अधीन तत्स्थानी पद "मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद/परियोजना प्रशासक, गहन आदिवासी विकास परियोजना/जिला परिषद/परियोजना प्रशासक, गहन आदिवासी विकास परियोजना अपर जिला मजिस्ट्रेट/उप-कलक्टर ग्रेड-1 बन्दोबस्त अधिकारी/उप निदेशक/चकबन्दी" के स्थान पर "मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद/महाप्रबंधक, जिला उद्योग सेक्टर/अपर जिला मजिस्ट्रेट/उप कलक्टर ग्रेड-1 बन्दोबस्त अधिकारी/उपनिदेशक चकबन्दी" प्रतिस्थापित किए जाएं।

[सं० 11031/7/78-प्र०प्र०से० (2) ख]

बी० प्रार० श्रीनिवासन, डेस्क अधिकारी

G.S.R. 771.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), read with rule 11 of the Indian Administrative Service (Pay) Rules, 1954, the Central Govt. in consultation with the Government of Orissa hereby makes the following rules further to amend the Indian Administrative Service (Pay) Rules, 1955, namely —

1 (1) These rules may be called the Indian Administrative Service (Pay) third Amendment Rules, 1979

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette

2 In Schedule II to the IAS(Pay) Rules, 1954 under the heading B Posts carrying pay in the senior scale of the Indian Administrative Service under the State Governments including posts carrying special pays in addition to pay in time scale," in the Table against Orissa occurring in the first column and the corresponding entries, in the second column, for the existing entries —

"Chief Executive Officer, Zilla Parishad/Project Administrator Intensive Tribal Development Project/Addl District Magistrate/Sub-Collector Grade I/Settlement Officer/Deputy Director, Consolidation" the following entries shall be substituted, namely —

"Chief Executive Officer, Zilla Parishad/General Manager, District Industries Centres/Addl District Magistrate/Sub-Collector Grade I/Settlement Officer/Deputy Director Consolidation"

[No 11031/7/78-AIS (II)-B]

V R SRINIVASAN, Desk Officer

नई दिल्ली 23 मई, 1979

सा० का० नि० 772.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति, केन्द्रीय भ्रष्टाचार ब्यूरो (श्रेणी-II पद) शर्ती नियम, 1969 में और संशोधन करने के लिये एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्—

1 (1) इन नियमों का नाम केन्द्रीय भ्रष्टाचार ब्यूरो (श्रेणी-III पद) शर्ती (संशोधन) नियम, 1979 है।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रबल होंगे।

2 केन्द्रीय भ्रष्टाचार ब्यूरो (श्रेणी-III पद) शर्ती नियम, 1969 में,

(1) जहाँ कहीं भी श्रेणी-III शब्द आए हो उनकी जगह "समूह ग" शब्द रखे जाएंगे।

(2) अनुसूची में कालम 2, 4, 10, 11 तथा 12 की प्रविष्टियों में केन्द्रीय भ्रष्टाचार ब्यूरो के ज्ञांक कार्यालयों में ध्वज श्रेणी लिपिक/मुख्यालय में बहिष्ठ अपराध निषिक्तों के पदों की जगह क्रमशः निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जाएंगी।

कालम-2 "86 (73 ऊपर श्रेणी लिपिक + 13 वरिष्ठ अपराध लिपिक)";

कालम-4 "330-10-380-12-500 ब०रो-15-560";

कालम-10 "(i) 75% वरिष्ठता तथा उपयुक्तता के प्रवीण पदोन्नति द्वारा, जिसके न होने पर प्रतिनिधित्वित प्रथम स्थापना द्वारा।

(ii) 25% सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा के माध्यम से पदोन्नति द्वारा";

कालम-11 वरिष्ठता तथा उपयुक्तता द्वारा प्रवीणता

(1) अपराध श्रेणी लिपिक/वरिष्ठ अपराध लिपिक जिनकी उक्त ग्रेड तथा केन्द्रीय प्रत्येकण ब्यूरो में कम से कम 8 वर्ष की नियमित सेवा हो।

(2) सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा प्रीक्षित अपराध श्रेणी लिपिक/वरिष्ठ अपराध लिपिक जिनकी उक्त ग्रेड तथा केन्द्रीय प्रत्येकण ब्यूरो में कम से कम 5 वर्ष की नियमित सेवा हो।

(3) प्रतिनिधित्वित प्रथम स्थापना केन्द्रीय प्रथम राज्य सरकारों के विभागों में समकक्ष पदों पर कार्य कर रहे उपयुक्त अधिकारियों में से होगी।

(प्रतिनिधित्वित की प्रवृत्ति सामान्यतः तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी)।"; तथा

कालम-12 "समूह 'ग' विभागीय पदोन्नति समिति

(1) केन्द्रीय प्रत्येकण ब्यूरो के संयुक्त निदेशक तथा विशेष पुलिस स्थापना के विशेष पुलिस महानिरीक्षक —अध्यक्ष

(2) केन्द्रीय प्रत्येकण ब्यूरो के उप पुलिस महानिरीक्षक —सदस्य

(3) कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के उप सचिव सतर्कता —सदस्य

(4) भारत सरकार के किसी मंत्रालय/विभाग का एक ऐसा अधिकारी जो कि अपराध सचिव के स्तर से कम स्तर का न हो हर बार केन्द्रीय प्रत्येकण ब्यूरो के निदेशक द्वारा मनोनीत किया जायेगा। —सदस्य

(5) केन्द्रीय प्रत्येकण ब्यूरो के प्रशासनिक अधिकारी (ई) —सदस्य"

[सं० 213/4/77/ए० बी० डी० (2)]

टी० के० सुब्रामनियम, अपराध सचिव

New Delhi, the 23rd May, 1979

G.S.R. 772.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Bureau of Investigation (Class III posts) Recruitment Rules, 1969 namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Bureau of Investigation (Class III Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Bureau of Investigation (Class III Posts) Recruitment Rules, 1969,

(1) for the expression "Class III" wherever it occurs; expression "Group C" shall be substituted;

(2) in the Schedule, for the entries in columns 2, 4, 10, 11 and 12 against the post of Upper Division

Clerk in Branch Offices/Senior Crime Clerk in Head Office of Central Bureau of Investigation, the following entries shall respectively be substituted, namely :—

Column-2 : "86 (73 Upper Division Clerks + 13 Senior Crime Clerks)";

Column-4 : "Rs. 330-10-380-12-500-EB-15-560";

Column-10 :

"(i) 75 per cent—By promotion by seniority-cum-fitness, failing which by deputation or transfer.

(ii) 25 per cent—By promotion through limited departmental competitive examination";

Column-11 :

"(1) Promotion by Seniority-cum-fitness : Lower Division Clerks/Junior Crime Clerks with at least 8 years' regular service in the grade in the Central Bureau of Investigation.

(2) Promotion through limited departmental competitive examination.—Lower Division Clerks/Junior Crime Clerks with at least 5 years regular service in the grade in the Central Bureau of Investigation.

(3) Deputation or transfer will be from suitable officers holding equivalent posts in the Central or State Government Departments.

(Period of deputation ordinarily not exceeding three years)"; and

Column-12 : "Group 'C' Departmental Promotion Committee.

(1) Joint Director, Central Bureau of Investigation and Special Inspector General of Police, Special Police Establishment. —Chairman

(2) Deputy Inspector General of Police, Central Bureau of Investigation. —Member

(3) Deputy Secretary (Vig.) Department of Personnel and Administrative Reforms. —Member

(4) An Officer of any Ministry/Deptt. of the Government of India of the rank not below that of Under Secretary, to be nominated on each occasion by Director Central Bureau of Investigation. —Member

(5) Administrative Officer (E), Central Bureau of Investigation. —Member"

[No. 213/4/77-Avd. II]

T. K. SUBRAMANIAN, Under Secy.

सुष्टि-पत्र

नई दिल्ली, 29 मई, 1979

सं० नि० 773.—भारत के प्रसाधारण राजपत्र के भाग II खण्ड 3 उप खण्ड (i) के पृष्ठ 328 पर सं० नि० संख्या 224(ई) के रूप में प्रकाशित गृह मंत्रालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग), भारत सरकार की दिनांक 5 अप्रैल, 1978 की अधिसूचना सं० 20014/42/77-अ० भा० सं० (iv) की पांचवीं पंक्ति में "अन्य स्थापित की जायेगी" के स्थान पर "रखी जायेगी" पढ़ें।

[संख्या 20014/42/77-अ० भा० सं० (iv) भाग-II]

के० एल० नेगी, अपराध सचिव

CORRIGENDUM

New Delhi, the 29th May, 1979

G.S.R. 773.—In the Notification of the Government of India in the Ministry of Home Affairs (Department of Personnel and Administrative Reforms), No. 20014/42/77-AIS(IV) dated the 5th April, 1978, published as G.S.R. No. 224(E) in the Gazette of India Extraordinary Part II Section 3 Sub-section (i) at page 329, line 2, for "substituted" read "inserted".

[No. 2001/42/77-AIS(iv)-Vol. II]

K. L. NEGI, Under Secy.



नई दिल्ली, 29 मई, 1979

सं० का० नि० 774.—राष्ट्रपति सचिवालय के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्था सहायक निदेशक (अंग्रेजी आशुलिपि और टंकण) भर्ती नियम 1976 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्था सहायक निदेशक (अंग्रेजी आशुलिपि और टंकण) भर्ती (संशोधन) नियम 1979 है।  
(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्था सहायक निदेशक (अंग्रेजी आशुलिपि और टंकण) नियम 1976 में :—

(क) नियम 6 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा अर्थात् :—

“श्रृंखला—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।”

(ख) अनुसूची के स्थान पर निम्नलिखित अनुसूची रखी जाएगी अर्थात् :—

## अनुसूची

पद का नाम	पद की संख्या	वर्गीकरण	वर्तमान	चयन पद अथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सेवाकाल में जोड़े गए वर्षों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम 1972 के नियम 30 के अधीन अनुमेय है या नहीं
1	2	3	4	5	6	6(क)
सहायक निदेशक (अंग्रेजी आशुलिपि और टंकण)	8	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह 'ख' राजपत्रित	650-30-740-35-810-40-रो० 35-880-40-1000-40-रो०-40-1200 रु०	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होगी या नहीं	परिवीक्षा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति/भर्ती होगी या पदोन्नति प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों भर्ती भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा या भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किस परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा
7	8	9	10	11	12	13

## प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण :

लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा।	(i) केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के श्रेणी 'क' अधिकारी ; या (ii) केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के ऐसे श्रेणी 'ख' अधिकारी, जिन्होंने इस रूप में 3 वर्ष नियमित सेवा कर ली है ; या (iii) केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के ऐसे श्रेणी 'ग' अधिकारी जिन्होंने इस रूप में आठ वर्ष नियमित सेवा कर ली है, और जिनके पास निम्नलिखित अर्हताएं हैं ;	लागू नहीं होता	भर्ती नियमों के किसी भी उपबन्ध को शिथिल करने के लिए संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा”
----------------	----------------	----------------	--------------------------------------	--	----------------	--

8	9	10	11	12	13
			<p>आवश्यक :</p> <p>डेस्क अधिकारी स्कीम के लिए पुनर्प्रशिक्षण स्कीम के अर्धीन पाठ्यक्रम या आशुलिपिक में निम्न श्रेणी लिपिक/उच्च श्रेणी लिपिक प्रशिक्षण के लिए पाठ्यक्रम (जिसके अन्तर्गत सिद्धांत (थ्योरी) और व्यवहारिक दोनों हैं) सफलतापूर्वक पूरा किया हो।</p> <p>बांछनीय :</p> <p>किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय से उपाधि या समतुल्य (प्रतिनिधित्व की अवधि साधारणतया 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)</p>		

[सं० 13012/5/77-टी प्रार जी-1]

एन० एस० शंकरन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th May, 1979

**G.S.R. 774.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Institute of Secretariat Training and Management Assistant Director (English Shorthand and Typewriting) Recruitment Rules, 1976, namely :—

1. (1) These rules may be called the Institute of Secretariat Training and Management Assistant Director (English Shorthand and Typewriting) Recruitment (Amendment) Rules, 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Institute of Secretariat Training and Management Assistant Director (English Shorthand and Typewriting) Recruitment Rules, 1976 :—

(a) for rule 6, the following rule shall be substituted, namely :—

“Saving :—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of the age limit, and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.”

(b) for the Schedule, the following Schedule shall be substituted, namely :—

## SCHEDULE

Name of post	No. of post	Classification	Scale of Pay	Whether selection Post or Non-Selection post.	Age Limit for direct recruits	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the CCS (Pension) Rules, 1972.	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	6(a)	7
Assistant Director (English Shorthand and Typewriting)	8	General Central Service Group 'B' Gazetted	Rs. 650-30-740 35-810-EB-35-880-40-1000-EB 40-1200.	Not applicable	Not applicable	Not applicable	Not applicable

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	If case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a D.P.C. exists what is its composition	Circumstances in which U.P.S.C. is to be consulted in making recruitment
8	9	10	11	12	13
Not applicable	Not applicable.	By transfer on deputation	Transfer on deputation (i) Grade 'A' Officers of the Central Secretariat Stenographers' Service; or (ii) Grade 'B' Officers of the Central Secretariat Stenographers Service with 3 years regular service as such; or (iii) Grade 'C' Officers of the Central Secretariat Stenographers Service with 8 years regular service as such and possessing the following qualifications : Essential : Must have successfully completed a course under the re-training scheme for Desk Officer Scheme or a course for training Lower Division Clerks/Upper Division Clerks in Stenography (covering theory as well as practical) Desirable : Degree of a recognised University or equivalent. (Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years)	Not applicable	U.P.S.C. shall be consulted for relaxation of any of the provision of the recruitment rules.

[No. 13012/5/77-Trg. I]

N. S. SANKARAN, Desk Officer.

नई दिल्ली, 29 मई, 1979

सा० का० नि० 775.—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल अधिनियम, 1949 (1949 का 66) की धारा 18 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नियम 1955 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है अर्थात् :—

1. (i) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय रिजर्व, पुलिस बल (संशोधन) नियम, 1979 है।

(ii) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नियम, 1955 के नियम 88 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“88 बल के अन्य वरिष्ठ अधिकारों और सदस्य”

(1) उप नियम (2) के उपबंधों के अधीन रहते हुए, बल के सभी वरिष्ठ अधिकारी और सदस्य उनसे भिन्न जिन्हें नियम 85 से 87 तक लागू होते हैं, तत्समप्र प्रवृत्त, केन्द्रीय सिविल सेवा (छुट्टी) नियम, 1972 के उपबन्धों में शासित होंगे।

(2) उप नियम (1) में अन्तर्निहित किसी बात के होते हुए भी बल के सभी वरिष्ठ अधिकारी और सदस्य, उनसे भिन्न जिसे नियम 85 से

87 तक लागू होते हैं, जब वे महानिदेशक/महानिरीक्षक/उपमहानिरीक्षकों के कार्यालयों के सिवाय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के किसी स्थापन में सेवा कर रहे हों; एक कलण्डर वर्ष में 60 दिन की उपजित छुट्टी के लिए निम्नलिखित रीति से हफ्तदार होंगे।

(i) प्रत्येक कलण्डर वर्ष वर्ष के प्रारम्भ पर उपजित छुट्टी की बाबत ऊपर के पैरा (2) में कथित सभी कार्मिकों के छुट्टी लेखों में छुट्टी 30 दिन की एक रूपात्मक दर से जमा की जाएगी।

(ii) ऊपर (1) के अनुसार जमा की जाने वाली छुट्टी में से पिछले अर्थ वर्ष में ली गई केवल असाधारण छुट्टी की अवधि के 1/6 भाग को, अधिकतम 30 दिन के अवधिधन रहते हुए, घटा दिया जाएगा।

(3) ऐसी अर्जित छुट्टी 120 दिन से अधिक संचित नहीं की जाएगी।

(4) ऐसी अर्जित छुट्टी, एक ही समय पर, 90 दिन से अधिक के लिए अनुवर्त नहीं की जाएगी, और

(5) तीन राष्ट्रीय अवकाश दिनों के सिवाय बंब अवकाश दिन और निर्बन्धित अवकाश दिन अनुज्ञेय नहीं होंगे।

स्पष्टीकरण—इस नियम के प्रयोजनों के लिए यूनिट अन्तर्गत महानिरीक्षक/महानिरीक्षकी/उप महानिरीक्षकी के कार्यालयों के सिवाय सभी केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल स्थापन आते हैं।

[सं० एस II-11/78-प्रशा०/सी आर पी एफ/पर्स II]

नरेन्द्र प्रसाद, निदेशक

New Delhi, the 29th May, 1979

**G.S.R. 775.**—In exercise of the powers conferred by section 18 of the Central Reserve Police Force Act 1949 (66 of 1949), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Reserve Police Force Rules 1955, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Reserve Police Force (Amendment) Rules 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Reserve Police Force Rules, 1955, for rule 88, the following rule shall be substituted, namely :—

88. "Other superior officers and members of the force"

(1) Subject to the provisions of sub-rule (2), all superior officers and members of the force, other than those to whom rules 85 to 87 apply shall be governed by the provisions of the Central Civil services (Leave) Rules 1972 for the time being in force.

(2) Not with standing any-thing contained in sub-rule (1) all superior officer and members of the force other than those to whom rules 85 to 87 apply, shall while serving in any establishment of Central Reserve Police Force except offices of Director General/Inspector Generals/Deputy Inspector Generals be entitled to 60 days earned leave in a calendar year in the following manner :—

(i) The credit to be afforded to the leave account of all the personnel as stated in para (2) above in respect of earned leave at the commencement of each calendar half year shall be at a uniform rate of 30 days.

(ii) The credit to be afforded vide (i) above shall be reduced by 1/6th of the period of extra-ordinary leave only availed of during the previous half year subject to a maximum of 30 days.

(3) No such earned leave shall be accumulated for more than 120 days.

(4) No such earned leave shall be granted for more than 90 days at a time ; and

(5) Except three National holidays, no closed holidays and restricted holidays shall be admissible.

Explanation :—For the purpose of this sub-rule, UNIT will include all Central Reserve Police Force establishments except that of offices of Director General/Inspector Generals/Deputy Inspector Generals.

[No. L. II-11/78-Adm-CRPF/Pers. II]

NADENDRA PRASAD, Director. (P).

New Delhi, the 29th May, 1979

#### CORRIGENDUM

**G.S.R. 776.**—In the Notification of the Government of India in the Ministry of Home Affairs No. E-24022/1/77-L & R(FP.I) dated the 6th April, 1979, published as GSR 564 in Part II, Section 3, Sub-Section (i) of the Gazette of India dated the 21st April, 1979, in item (c) of sub-rule (1) of rule 63, for the word "processing" occurring in the first line read "proceeding".

[No. E-24022/1/77-L&R(FP.I)]

BHUDEB PAL, Under Secy.

#### MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 29th May, 1979

#### CORRIGENDUM

**G.S.R. 777.**—In the Notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) No. G.S.R. 337, dated the 6th February, 1978, relating to the amendment of the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) Chief Economic Adviser and Economic Adviser Recruitment Rules, 1968, published at page 477 of the Gazette of India, Part II, section 3, sub-section (i), dated the 11th March, 1978, in rule 2, in clause (1), in sub-clause (b), for "3000-10-3500", read "3000-100-3500".

[No. A. 12018/2/77-Ad. II.]

M. P. VARMA, Under Secy.

#### वित्त मंत्रालय

भारतीय रिजर्व बैंक

विदेशी मुद्रा नियंत्रण

बम्बई, 28 मई, 1979

#### केन्द्रीय कार्यालय

सां०कां०नि० 778—विदेशी मुद्रा विनियम अधिनियम, 1973 (1973 का 46) की धारा 8 की उप धारा (1) और धारा 73 का उप धारा (3) के अनुसूचना में रिजर्व बैंक इसके द्वारा 24 नवम्बर 1977 की अधिसूचना सं एफ ई आर ए 47/77-आरबी में निम्नलिखित गशोरन करना है, अर्थात् :

उक्त अधिसूचना के खंड (ख) और (ग) के प्रथम उपबध में शब्द "तीस दिन" के स्थान पर शब्द "तीन महीने" प्रतिस्थापित किये जाएंगे।

[सं० एफ० ई० आर० ए० 55/79-आरबी]

पी० आर० नांगिया, उप गवर्नर

#### RESERVE BANK OF INDIA

(Exchange Control Department)

Bombay, 28th May, 1979

#### (Central Office)

**G.S.R. 778.**—In pursuance of sub-section (1) of Section 8 and sub-section (3) of Section 73 of the Foreign Exchange Regulation Act, 1973 (46 of 1973) the Reserve Bank hereby makes the following amendments in the Notification No. FERA. 47/77-RB dated 24th November 1977, namely :—

In the first proviso to Clauses (b) and (c) of the said Notification, for the words, "thirty days", the words "three months" shall be substituted.

[No. F.E.R.A. 55/79-RB]

P. R. NANGIA, Dy. Governor.

#### केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा-शुल्क बोर्ड

#### केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

नई दिल्ली, 9 जून, 1979

सा. का. नि. 779.—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमा-शुल्क बोर्ड, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 191-क के उप नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करता है कि वस्तुओं के विनिर्माण में प्रयुक्त उत्पाद-शुल्क माल पर शुल्क से रिबंट के अधीन वस्तुओं के भारत से बाहर निर्यात के लिए, उक्त नियम में अधिकारित प्रक्रिया, विद्युत मॉटरों से किट खराबों और पम्पों को लागू होगी।

[सं. 200/79-सी.ई.फा. सं. 281/30ख/1/78-सी. एक्स-8]

एस. बी. खरे, अवर सचिव

**CENTRAL BOARD OF EXCISE AND CUSTOMS**

New Delhi, the 9th June, 1979

**CENTRAL EXCISES**

**G.S.R. 779.**—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 191-A of the Central Excise Rules, 1944, the Central Board of Excise and Customs hereby declare that the procedure laid down in the said rule for export out of India of articles under rebate of duty on the excisable goods used in their manufacture shall apply to lathes and pumps fitted with electric motors.

[No. 200 79-C F.F. No 261/30B/1/76-CX 8]

S. D. KHARE, Under Secy.

**वाणिज्य नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्रालय**

(नागरिक पूर्ति और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, 1 जनवरी, 1979

सा० का० नि० 780—राष्ट्रपति, सविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्रालय (कम्प्यूटर/कम्प्यूटिस्ट) भर्ती नियम, 1976 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्रालय (कम्प्यूटर/कम्प्यूटिस्ट) भर्ती (संशोधन) नियम, 1978 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्रालय (कम्प्यूटर/कम्प्यूटिस्ट) भर्ती नियम, 1976 की अनुसूची में,
  - (1) स्तम्भ 6 में की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—  
“18 से 25 वर्ष”
  - (2) स्तम्भ 7 में की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—  
(1) मैट्रिकुलेशन या समतुल्य;  
(2) की पश्चिम परीक्षा उत्तीर्ण हो (आई० सी० एल० हस्त-पश्चिम मशीन में—30 मिनट में 42 कार्ड और आई० सी० एम० विद्युत मशीन में—30 मिनट में 84 कार्ड)

[स० ए०—1211/94/77-स्था० 1]

**MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND CO-OPERATION**

(Department of Civil Supplies and Co-operation)

New Delhi, the 1st January, 1979

**G.S.R. 780.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Ministry of Civil Supplies and Cooperation (Computer/Computist) Recruitment Rules, 1976, namely :—

1. (i) These rules may be called the Ministry of Civil Supplies and Cooperation (Computer/Computist) Recruitment (Amendment) Rules, 1978.
- (ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Schedule of the Ministry of Civil Supplies and Cooperation (Computer/Computist) Recruitment Rules, 1976.
  - (1) for the entry in Column 6 the following entry shall be substituted, namely :—  
“18 to 25 years”;

(2) for the entry in Column 7 the following entry shall be substituted, namely :—

“(i) Matriculation or equivalent.

(ii) Should have passed a key-punching test (In the I.C.L. Hand Punching Machine—42 Cards in 30 minutes and in the I.B.M. Electric Machine — 84 Cards in 30 minutes)”.

[No. A-12011/94/77-Estt. I]

सा० का० नि०—781.राष्ट्रपति सविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नागरिक पूर्ति और सहकारिता विभाग (अन्वेषक) भर्ती नियम, 1975 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम नागरिक पूर्ति और सहकारिता विभाग (अन्वेषक) भर्ती संशोधन नियम, 1978 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. नागरिक पूर्ति और सहकारिता विभाग (अन्वेषक) भर्ती नियम, 1975 की अनुसूची में, स्तम्भ 6 में की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—  
“20 से 26 वर्ष”।

[स० ए० 12011/94/77-स्था०—1]

क० एम० बाजवा, अवसर सचिव

**G.S.R. 781.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby make the following rules to amend the Department of Civil Supplies and Cooperation (Investigator) Recruitment Rules, 1975, namely :—

- 1 (i) These rules may be called the Department of Civil Supplies and Cooperation (Investigator) Recruitment Amendment Rules, 1978.
- (ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the schedule to the Department of Civil Supplies and Cooperation (Investigator) Recruitment Rules, 1975, for the entry in Column 6 the following entry shall be substituted, namely :—  
“20 to 26 years.”

[No. A. 12011/94/77-Estt-I]

K. S. BAJWA, Under Secy.

**उद्योग मंत्रालय**

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 28 मई, 1979

सा० का० नि० 782—केन्द्रीय सरकार, तारीख 6 मई, 1978 को भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3(i) में प्रकाशित उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) की 1978 की अधिसूचना सं० सा० का० नि० 593 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

“उक्त अधिसूचना में सक्षिप्त नाम से संबंधित खण्ड 1 के उपखण्ड (1) में विद्यमान अंको के स्थान पर ‘1978’ अंक रखे जाएंगे।”

[फा० सं० 7(13)/73—क० सी० आई० (1)]

आर० श्रीनिवासन, संयुक्त सचिव

**MINISTRY OF INDUSTRY**

(Deptt. of Industrial Development)

New Delhi, the 28th May, 1979

**G.S.R. 782.**—In the Notification No. G.S.R. 593 of 1978 of the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) published in the Gazette of India, Part II, Section

3(i), dated the 6th May, 1978, the Central Government hereby makes the following further amendment, namely :—

"For the existing figures in sub-section (1) of Section 1 relating to short title in the said Notification, the figures "1978" shall be substituted."

[F. No. 7(13)/73-KV1 (I)]

R. SRINIVASAN, Jt. Secy.

#### CENTRAL BOILER'S BOARD

New Delhi, the 23rd May, 1979

**G.S.R. 783.**—Whereas certain regulations, further to amend the Indian Boiler Regulations, 1950 were published as required by sub-section (1) of section 31 of the Indian Boilers Act, 1923 (5 of 1923) at page 2552 of the Gazette of India, Part II—Section 3-Sub-Section (i), dated the 11th November, 1978 under the notification of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) (Central Boilers Board) No. G.S.R. 1334 dated the 26th October, 1978, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby till the 30th December, 1978,

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 15th November, 1978.

And whereas no objections or suggestions have been received ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 28 of the Indian Boilers Act, 1923 (5 of 1923), the Central Boilers Board hereby makes the following regulations further to amend the Indian Boiler Regulations, 1950 namely :—

1. (1) These regulations may be called the Indian Boiler (11th Amendment) Regulations 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Indian Boiler Regulations, 1950, in regulation 561, for sub-clause (viii) of clause (b), the following sub-clause shall be substituted, namely :—

"(viii) Radiographic Examinations :—Every portion of the longitudinal and circumferential butt-welded seams of the shell of the boiler shall be subjected to radiographic or ultrasonic examination. Where ultrasonic examination is used, it shall be demonstrated to the satisfaction of the Inspecting Authority that the equipment and the technique used are satisfactory. The manufacturer shall ensure that the operator employed is competent to use the equipment, apply the technique and interpret the results of the examination.

The methods employed in obtaining the radiographs shall be such as to show clearly differences equal to 2 per cent of the thickness at the welded joints. To determine whether this result is being attained,

an indicator of approved form which includes a portion equivalent to not more than 2 per cent of the joint thickness shall be placed in the vicinity of the weld so as to make a record on each radiograph. Each section of every weld shall be marked so that the radiographs can be easily corrected to the particular part of the same represented.

The examination shall be made from the original films and the acceptability of the welds shall be decided by the Inspecting Authority. The welds deemed unsatisfactory shall be rejected or dealt with under the condition of regulation 560 and can be radiographed again. The films shall be retained by the manufacturer for a reasonable period for reference and be available to the Inspecting Authority, if required.

Note :—(1) Magnetic particle flaw detection :—Magnetic methods of flaw detection shall be employed wherever possible for ferritic steel.

(2) Dye-penetrant flaw detection :—Dye penetrant or equivalent methods of flaw detection shall be employed for Austenetic or other non-magnetic steel".

[F. No. BL-9(20)/69-EEI-Boilers]

New Delhi, the 28th May, 1979

**G.S.R. 784.**—Whereas certain regulations further to amend the Indian Boiler Regulations, 1950 were published as required by sub-section (1) of section 31 of the Indian Boilers Act, 1923 (5 of 1923) at page 2551 of the Gazette of India Part II—Section 3-Sub-section (i), dated the 11th November, 1978 under the notification of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) (Central Boilers Board) No. G.S.R. 1331 dated the 20th October, 1978 inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby till the 15th February, 1979.

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 15th November, 1978.

And whereas no objections or suggestions have been received ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 28 of the Indian Boilers Act, 1923 (5 of 1923), the Central Boilers Board hereby makes the following regulations further to amend the Indian Boiler Regulations, 1950, namely :—

1. (1) These regulations may be called the Indian Boiler (Sixth Amendment) Regulations, 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Indian Boiler Regulations 1950, in Appendix K, in the list of "Well-Known Forges", the following shall be added at the end, namely :—

"25. M/s. Punjab Steel Works,  
38-B, Mayapuri Industrial Area,  
New Delhi-110027"

[File No. 8(24)/77-Boilers]

S. C. DEY, Secy.

#### कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(ग्राम विकास विभाग)

नई दिल्ली, 9 मई, 1979

सां. कां. निं. 785—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कृषि और सिंचाई मंत्रालय (ग्राम विकास विभाग) में ज्येष्ठ गेस्टेटर प्रापरेटर के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ : (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम कृषि और सिंचाई मंत्रालय (ग्राम विकास विभाग) (ज्येष्ठ गेस्टेटर प्रापरेटर) भर्ती नियम, 1978 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवक्त होंगे।

2. पद संख्या, उसका वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पद की संख्या उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वे होंगे जो इन नियमों से उपावृत्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा अन्य अर्हताएं आदि :—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु सीमा अर्हताएं और उससे सम्बन्धित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हताएं :—वह व्यक्ति

(क) जिमने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित हैं, विवाह किया है, या

(ख) जिमने अपने पति या पत्नी के जीवित होने हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है, उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद है, तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है वहाँ वह, उसके लिए जो कारण है उन्हें पेशबद्ध करके इन नियमों के किसी उपबन्ध को, किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्याप्ति :—इन नियमों की कोई बात ऐसे आरक्षणों, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

#### अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अधचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
ज्येष्ठ रोमियो ऑपरेटर	दो	सामान्य केन्द्रीय सेवा समूह 'ग' अराज-पन्ति श्रमिक वर्गीय	260-6-306 ब०रो०-8-350 रु०	अध्ययन	18-25 वर्ष (सरकारी कर्मचारियों के मामले में 35 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है)	अनिवार्य : (1) मिडिल स्तर उत्तीर्ण (2) गेस्टेटर अथवा अन्य प्रकार की बिजली चालित बुल्बी-केटिंग मशीनों को चलाने में दक्षता।
सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की वषा में लागू होगी या नहीं	परिवीक्षा की अवधि, यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिपाद	प्रोन्नति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की वषा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति की जाएगी	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में सघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा	
8	9	10	11	12	13	
नहीं	दो वर्ष	प्रोन्नति द्वारा जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा	प्रोन्नति :— (1) कनिष्ठ गेस्टेटर ऑपरेटर या पुस्तकालय परिचारक जिन्होंने अपनी श्रेणी में तीन वर्ष नियमित सेवा कर ली हो। (2) ग्राम विकास विभाग में क्लर्की जिन्होंने अपनी श्रेणी में 6 वर्ष नियमित सेवा कर ली हो	समूह 'ग' विभागीय प्रोन्नति समिति जिसमें निम्नलिखित होंगे 1. उप सचिव (प्रशा०) —अध्यक्ष 2. अवर सचिव —सदस्य 3. अवर सचिव (प्रशा०) —सदस्य	लागू नहीं होता	

## MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION

(Department of Rural Development)

New Delhi, the 9th May, 1979

**G.S.R. 785.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Senior Gestetner Operator in the Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Rural Development), namely :—

1. Short title and commencement :—(1) These rules may be called the Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Rural Development) (Senior Gestetner Operator), Recruitment Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, Classification and scale of pay :—The number of post, its classification and the pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit and other qualifications etc. :—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualification :—No person, (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or (b) who, having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person; shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. power to relax :—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these with respect to any class or category of persons.

6. Saving :—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

## SCHEDULE

Name of the post	No. of post.	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or non-selection post.	Age limit for direct recruits.	Educational and other qualifications required for direct recruits.	
1	2	3	4	5	6	7	
Senior reneo operator	Two	General Central Service, Group 'C' Non-gazetted, Non-Ministerial	Rs.260-6-306-EB-8-350.	Non-selection	18-25 years. (Relaxable upto 35 years in case of Government servants)	Essential : (i) Middle standard pass. (ii) Proficiency in handling gestetner or other makes of electric operating duplicating machines.	
Whether age and educational qualifications prescribed for the direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment, whether by direct rectt. or by promotion or transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods		In case of recruitment by promotion/transfer, grades from which promotion to be made.		If a DPC exists what is its composition.	Circumstances in which UPSC is to be consulted while making recruitment.
8	9	10		11		12	13
No.	Two years	By promotion, failing which by direct recruitment.		Promotion (i) Junior gestetner operator and library attendant with 3 years' regular service in the respective grade. (ii) Dafties in the Department of Rural Development with 6 (six) years' regular service in the grade.		Group C Departmental Promotion Committee consisting of :— 1. Dy. Secretary (Admn.) —Chairman. 2. Under Secy.—Member. 3. Under Secy. (Admn.)	Not applicable.



## (कृषि विभाग)

नई दिल्ली, 22 मई, 1979

सं०का०नि० 786 —राष्ट्रपति अस्सविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कृषि विभाग, कृषि और सिंचाई मंत्रालय दिल्ली कुग्ध योजना में बिक्री सहायक (उत्पादन) के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं :- अर्थात् :-

1 मक्षिप्त नाम और प्रारम्भ (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम दिल्ली कुग्ध योजना बिक्री सहायक (उत्पादन) भर्ती नियम 1979 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

लागू होना — ये नियम इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट पद को लागू होंगे।

2 पद संख्या, उसका वर्गीकरण और वेतनमान — उक्त पद की संख्या उसका वर्गीकरण और वेतनमान वे होंगे जो इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 में विनिर्दिष्ट है।

3 भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, ग्रहृताएं आदि — उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, ग्रहृताएं और उससे सम्बन्धित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 में विनिर्दिष्ट है।

4 गिरहृताएं, — यह व्यक्ति —

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षाकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूब हैं, तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5 शिथिल करने की शक्ति — जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है वहाँ वह उसके लिए जो कारण है उन्हें लेखबद्ध करके तथा सब लोक सेवा आयोग से परामर्श/करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों या पदों के बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6 व्यावृत्ति — इन नियमों का कोई भी बात ऐसे आरक्षणों आयु सीमा शिथिल करने और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी जिनका केन्द्रीय सरकार, द्वारा इस सम्बन्ध में समय समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

## अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित शैक्षिक और अन्य ग्रहृताएं
1	2	3	4	5	6	7

बिक्री सहायक	11	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह 'य' अराज-पत्रित (भलिपिक-वर्गीय)	330-10-380-६० रौ०-12-500-15 560	चयन	18 से 25 वर्ष (सरकारी सेवकों के लिए शिथिल की जा सकेगी)	आवश्यक : (1) विश्व विद्यालय से उपाधि (2) किसी सरकारी कार्यालय में रोकड़ संचालने का 2 वर्ष का अनुभव (3) उपभोग्य पदार्थों के विशेषकर खाद्य सामग्री के विषय का कम से कम एक वर्ष का अनुभव
--------------	----	--	---------------------------------------	-----	---	--

वांछनीय :

उपभोग्य पदार्थों में विषय बढ़ाने और विपणन अनुसंधान में विशेष प्रशिक्षण और अनुभव

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए बिहित प्रायु और शैक्षिक प्रवृत्ताई प्रोन्नति की वषा में लागू होगी या नहीं	परिबीजा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिपात	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की वषा में वे श्रेणियां जिससे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा
--	----------------------------	--	---	---	---

8	9	10	11	12	13
नहीं	2 वर्ष	प्रोन्नति द्वारा जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा	रोकड़ सिपिकों/रोकड़ काउण्टर सिपिकों में से प्रोन्नति द्वारा जिन्हें उस श्रेणी में कम से कम 5 वर्ष सेवा कर ली है	समूह "ग" विभागीय प्रोन्नति समिति जिसमें निम्नलिखित होंगे : 1. उप महा-प्रबन्धक —प्रध्यक्ष 2. वित्त सलाहकार तथा मुख्य लेखा अधिकारी —सदस्य 3. प्रबन्धक (वितरण) —सदस्य 4. कार्मिक अधिकारी —सदस्य 5. प्रशासनिक अधिकारी —सदस्य	लागू नहीं होता

[सं० 3-32/78-एल०बी० I]

भार० एल० सूच, अवर सचिव

(Department of Agriculture)  
New Delhi, the 22nd May, 1979

G.S.R. 786.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Sales Assistant (Products) in the Delhi Milk Scheme under the Department of Agriculture Ministry of Agriculture and Irrigation, namely :—

1. Short title and Commencement.—(1) These rules may be called the Delhi Milk Scheme (Sales Assistant (Products) Recruitment Rules, 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of the post its classification and scale of pay attached thereto, shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications, etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualification.—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to any of the said posts :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limits and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the order issued by the Central Government from time to time in this regard.

## SCHEDULE

Name of the post	No. of posts.	Classification	Scale of pay	Whether selection post or Non-Selection post.	Age limit for direct recruit.	Educational and other qualifications required for direct recruits.
1	2	3	34	5	6	7
Sales Assistant (Products)	11	General Central Service Group 'C' Non-Gazetted (Non-Ministerial)	Rs.330-10-380-EB-12-500-EB-15-560	Selection	18-25 years. (Relaxable for Govt. Servants upto 35 years)	Essential : 1. University Degree— 2. Should possess two years experience of handling cash in Government offices. 3. Atleast one year's experience of sale of consumer products especially food commodities.  Desirable : Special training and experience in sales promotion and market research in relation to consumer goods.

Whether age and educational qualification prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any.	Method of recruitment—whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of vacancies to be filled by various methods.	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made.	If Departmental Promotion Committee exists what is its composition.	Circumstances in which Union Public Service Commission to be consulted in making recruitment.
8	9	10	11	12	13
No	Two Years	By promotion falling which by direct recruitment.	By promotion from amongst cash clerks/Cash Counter Clerks with atleast 5 years service in the grade.	Departmental Promotion Committee Group 'C' consisting of :— 1. Deputy General Manager (Admn.)—Chairman. 2. Financial Adviser and Chief Accounts Officer—Member. 3. Manager (Distribution) Member. 4. Personnel Officer—Member. 5. Administrative Officer (Estt.)—Member.	Not applicable.

[No. 3-32/78-L.D.I.]

R. S. SOOD, Under Secy.

नई दिल्ली, 24 मई, 1979

सांकांमि० 787.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के पराम्बुल द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, पावप रक्षण संगरोध तथा संभारण निदेशालय में तकनीकी सहायक क्वालिटी तथा प्रसंस्करण के पद पर भर्ती को पद्धति को विनियमित करने वाले निर्भालखित नियम बनाते हैं, यर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम पावप रक्षण संगरोध तथा संभारण निदेशालय तकनीकी सहायक (क्वालिटी तथा प्रसंस्करण) भर्ती नियम 1979 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, उसका वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वे होंगे जो इन नियमों से उपाबंध अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, ग्रहृताएं प्रायः—उक्त पत्र पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा ग्रहृताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. गिरहृताएं—वह व्यक्ति

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पत्र पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए, कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार की लागू स्वीय विधि के अधीन अनुश्रुत है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट वे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति:—जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है वहाँ, वह उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबंध को, किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों या पदों की बाबत, प्रादेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति:—इन नियमों की कोई बात ऐसे प्रारक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी जिनका, केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए प्रादेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना प्रयोजित है।

#### अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पत्र अथवा अचयन पत्र	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए प्रयोजित शैक्षिक और अन्य ग्रहृताएं
1	2	3	4	5	6	7
तकनीकी सहायक (क्वालिटी तथा प्रसंस्करण)	30 पद	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह 'ग' अराज-पक्षित	425-15-500-द०रो०- 15-500-20-700 ६०	अचयन	20 से 28 वर्ष तक (सरकारी सेवकों के लिए 35 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है)। टिप्पण:— 1. स्तम्भ 6 में विहित आयु सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख भारत में रहने वाले अध्यापियों (उनसे भिन्न जो अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप में रहते हैं) से प्राप्ति प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी। 2. जो पद रोजगार कार्यालय के माध्यम से भरे जाते हैं उनके लिए आयु-सीमा अवधारित करने की निर्णायक तारीख वह होगी जिस तारीख तक रोजगार कार्यालय को नाम भेजने के लिए कहा गया है।	आवश्यक : रसायन विज्ञान या कृषि रसायन विज्ञान या विश्लेषणीय रसायन विज्ञान में एम०एस सी० की उपाधि अथवा रसायन विज्ञान में बी०एस० सी० की उपाधि या रासायनिक इंजीनियरी में या रासायनिक प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा और किसी भी प्रकार के कीटनाशियों का प्रयोग-शाला में/किसी में रखरखाव कार्य का कीटनाशी विनिर्मित करने और उसी पैकिंग में प्रयुक्त होने वाली सामग्री के विश्लेषण कार्य का 3 वर्ष का अनुभव।

8	9	10	11	12	13
सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक ग्रहण प्रोन्नति की वशा में लागू होगी या नहीं	परिबीक्षा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति—सर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिशत	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा भर्ती की वशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग में परामर्श किया जाएगा
आयु नहीं	2 वर्ष	(i) 25 प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा, (ii) 75 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा ।	एसे प्रयोगशाला सहायको (रसायन) की प्रोन्नति द्वारा जिन्होंने उस श्रेणी में 5 वर्ष सेवा कर ली है ।	विभागीय प्रोन्नति समिति जिसमें निम्नलिखित होंगे— 1. सचिव (केन्द्रीय कीटनाशी बोर्ड) —प्रध्यक्ष 2. मुख्य प्रशासनिक अधिकारी—सदस्य 3. प्रशासन निदेशक विपणन तथा निरीक्षण निदेशालय—सदस्य 4. सहायक निदेशक (वनस्पति रक्षण)—सदस्य 5. प्रशासनिक अधिकारी (केन्द्रीय कीटनाशी प्रयोगशाला) —सदस्य	

[संख्या 13-8/78-पी.टी.एस. ii]

New Delhi, the 24th May, 1979

**G.S.R. 787.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Technical Assistant, (Quality and Processing) in the Directorate of Plant Protection, Quarantine and Storage, Department of Agriculture, namely :—

1. Short title and commencement.—(i) These rules may be called the Directorate of Plant Protection, Quarantine and Storage (Technical Assistant (Quality and Processing) Recruitment Rules, 1979.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age-limit and other qualifications, etc.—The method of recruitment, age limit, qualifica-

tions and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualification.—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or Non-selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Technical Assistant (Quality and Processing)	30 Posts	General Central Service Group 'C' Non-Gazetted	Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700	Non-selection	Between 20 to 28 years (Relaxable for Govt. servants upto 35 years) Note 1:—The crucial date for determining the age limit mentioned in column 6 of the recruit-	Essential : M Sc. degree in Chemistry or Agricultural Chemistry or Analytical Chemistry Or B Sc. degree in Chemistry or Diploma in Chemical Engineering or Chemical Technology with three years' experience in handling of any categories of pesticides in the Laboratory/

1	2	3	4	5	6	7
					ment rules shall in each case be the closing date for receipt of applications from candidates in India (Other than those in Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep). 2. In respect of posts, the appointments to which are made through the Employment Exchanges the crucial date for determining the age limit shall in each case, be the last date up to which the Employment Exchanges are asked to submit names.	Field/Analysis of Packaging material used for packaging of pesticides and their formulations.

Whether age and Educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer add percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If DPC exists what is its composition.	Circumstances in which the UPSC is to be consulted in making recruitment.
8	9	10	11	12	13
Age : No Qualification : Yes	Two Years	(i) 25% by promotion, failing which by direct recruitment. (ii) 75% by direct recruitment.	Promotion from the grade of Laboratory Assistant (Chemistry) with 5 years service in the grade.	Departmental Promotion Committee consisting of 1. Secretary (Central Insecticides Board) —Chairman. 2. Chief Administrative Officer—Member 3. Director of Administration, Directorate of Marketing and Inspection—Member. 4. Assistant Director (Plant Protection)—Member. 5. Administrative Officer (Central Insecticides Laboratory).—Member	Not applicable

[No. 13—8/78-PPS(ii)]

सा० का० नि० 788:—राष्ट्रपति, सचिवालय के अनुच्छेद 309 के परामर्श द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कृषि विभाग, वनस्पति रक्षण संगरोध तथा भण्डारण निदेशालय में तकनीकी सहायक (बायोएसे) के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ:—(1) इन नियमों का नाम वनस्पति रक्षण संगरोध तथा भण्डारण निदेशालय तकनीकी सहायक (बायोएसे) भर्ती नियम 1979 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद-संख्या, उसका वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वे होंगे जो इन नियमों से उपाध्यक्ष अनुसूची के स्तंभ 2 से 4 में विनिर्दिष्ट है।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं आदि :—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तंभ 5 से 13 में विनिर्दिष्ट है।

4. गिरहताएं :—वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद है, तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति : जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है वहां, वह उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा सब लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को, किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की भावत, भावेष द्वारा, शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति :—इन नियमों की कोई बात ऐसे आरक्षणों, आयु-सीमा में छूट और अन्य शिथिलताओं पर प्रभाव नहीं डालेगी जिनका, केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए भावेषों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष वर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

#### अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा प्रत्ययन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
तकनीकी सहायक (बायोएसे)	10	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह 'ग' अराजपक्षित	425-15-500-द० रो० 15-560-20-700 रु०	अध्ययन	20-28 वर्ष तक 1. टिप्पण :—आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह तथा लक्ष-द्वीप में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने के लिए विहित की गई अंतिम तारीख होगी। 2. टिप्पण :—जिन पदों को रोजगार कार्यालय के माध्यम से भरा जाना है उन मामलों में आयु सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख वह होगी जिस तारीख तक रोजगार कार्यालय को नाम भेजने के लिए कहा गया हो।	किसी माध्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से कृषि या जीव विज्ञान या कृषि जीव विज्ञान या प्राणी विज्ञान या कृषि प्राणी विज्ञान या कीट विज्ञान या पादर रोग विज्ञान अथवा संस्य विज्ञान में एम० एस० सी० की उपाधि या समतुल्य। अथवा कृषि या जीव विज्ञान में बी० एस० सी० की उपाधि तथा प्रयोगशाला/क्षेत्रीय/वमस्पति रक्षण कार्य का 3 वर्ष का अनुभव।

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अहताएँ प्रोन्नति की दशा में लागू होंगी या नहीं	परिबीक्षा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भर्ती जाने वाली रिक्तियों का प्रतिशत	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनमें प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा।	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में सन शोक सेवा प्रायोग से परामर्श किया जाएगा।
--	------------------------------	---	---	---	--

8	9	10	11	12	13
आयु : नहीं शैक्षिक योग्यताएं : हाँ	2 वर्ष	(1) 20 प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा जिसके नहीं सकने पर सीधी भर्ती द्वारा (2) 80 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा	प्रोन्नति : प्रयोगशाला सहायक (जीव विज्ञान) जिन्होंने उस श्रेणी में 5 वर्ष सेवा कर ली है।	विभागीय प्रोन्नति समिति जिसमें निम्नलिखित होंगे :- 1. सचिव (केन्द्रीय कीटनाशी बोर्ड) -- अध्यक्ष 2. मुख्य प्रशासन अधिकारी -- सदस्य 3. सहायक निदेशक (वन-स्पति रक्षण) -- सदस्य 4. प्रशासन निदेशक विपणन तथा निरीक्षण निदेशालय -- सदस्य 5. प्रशासन अधिकारी (केन्द्रीय कीटनाशी बोर्ड) -- सदस्य	लागू नहीं होता

[संख्या 13-8/78-पी० पी० एस० (i)]

**G.S.R. 788.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Technical Assistant (Bioassay) in the Directorate of Plant Protection, Quarantine and Storage, Department of Agriculture, namely :—

1. Short title and commencement.—(i) These rules may be called the Directorate of Plant Protection, Quarantine and Storage Technical Assistant (Bioassay) Recruitment Rules, 1979.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age-limit and other qualifications, etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualification.—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living ; or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the order issued by the Central Government from time to time in this regard.

#### SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection Post or Non-selection Post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Technical Assistant (Bioassay)	10	General Central Service Group 'C' Non-Gazetted	Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700.	Non-Selection	Between 20-28 years. Note 1 :—The crucial date for determining the	M Sc. Degree in Agriculture or Botany or Agricultural Botany or Zoology or Agricultural Zoology or Entomology or Plant Pathology or Agronomy



1	2	3	4	5	6	7
					age limit mentioned in column 6 of the recruitment rules shall in each case be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep.	from a recognised University or equivalent. Or B.Sc. degree in Agriculture or Biology and having 3 years experience of Laboratory/Field/Plant Protection work.
					Note 2 :—In respect of posts, the appointments to which are made through the Employment Exchanges, the crucial date for determining the age limit shall in each case be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit names.	

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer grade from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists what is its composition	Circumstances in which the U.P.S.C. is to be consulted in making recruitment
8	9	10	11	12	13
Age : No Qualification : Yes	Two years	(i) 20% by promotion falling which by direct recruitment. (ii) 80% by direct recruitment.	Promotion from Laboratory Assistant (Biology) with 5 years service in the grade.	Departmental Promotion Committee consisting of :— 1. Secretary (Central Insecticides Board —Chairman 2. Chief Administrative Officer—Member. 3. Assistant Director (Plant Protection) —Member. 4. Director of Administration, Directorate of Marketing and Inspection—Member. 5. Administrative Officer (Central Insecticides Laboratory)—Member	Not Applicable

सा० का० नि० 789 :—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, पादप रक्षण संगरोध तथा संवयन निदेशानय में पादप रोग विज्ञानी (नाशीकीट) भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम पादप रक्षण संगरोध तथा संवयन निदेशालय (पादप रोग विज्ञान कीटनाशी) भर्ती नियम, 1979 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, उसका वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वे होंगे जो इन नियमों से उपाध्व प्रनसूची के स्तम्भ 2 से 4 में विनिर्दिष्ट है।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं आदि :—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त प्रनसूची के स्तम्भ 5 से 13 में विनिर्दिष्ट है।

4. निरर्हताएं :—वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :—

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद है, तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है वहाँ, वह उसके लिए जो कारण है उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबंध को, किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों या पदों की बाबत, आदेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।

6. व्याप्ति :—इन नियमों की कोई बात ऐसे आदेशों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी जिनका, केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

#### अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	अन्य पद अथवा अध्ययन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
पादप रोग विज्ञानी (नाशीकीट)	1	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह 'क' राजपत्रित	1300-50-1700 रु०	अन्य	45 वर्ष से अधिक नहीं (सरकारी सेवकों के लिए शिथिल की जा सकती है) टिप्पण : आयु सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख भारत में रहने वाले अभ्याथियों से (उनसे भिन्न जो अंशमान और निकोबार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप में रहते हैं। आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी)।	आवश्यक : (1) किसी मान्यताप्राप्त विषय-विद्यालय से पादप रोग विज्ञान/कृषि पादप विज्ञान में एम० एस्० सी० की उपाधि तथा पादप रोग विज्ञान में विशेषज्ञता या समतुल्य। (2) अनुपयुक्त अनुसंधान में अनुभव सहित नाशीकीट नियंत्रण में 10 वर्ष का अनुभव जिसका साक्ष्य प्रकाशित रचना मांगी जाएगी। टिप्पणी : 1. अर्हताएं अभ्याथियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती हैं। टिप्पणी : 2. अनुभव संबंधी अर्हताएं संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित जनजातियों के अभ्याथियों के मामलों

1	2	3	4	5	6	7
						में उस बंश में शिक्षित की जा सकती है जबकि धन के किसी प्रक्रम पर संघ लोक सेवा की यह राय हो कि उनके लिए प्रारक्षित पदों पर भर्ती के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले इस समुदाय के अभ्यापी पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हो सकेंगे।
						वांछनीय :
						(1) विशिष्ट विषय में डाक्टरेट की उपाधि।
						(2) क्रय, जर्मन या किसी या स्पेनिश भाषाओं का कार्य-करण ज्ञान।
						(3) प्रशासनिक अनुभव

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित प्रायु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की बंश में लागू होगी या नहीं	परिवीक्षा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति भर्ती सीधे होगी प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिपात	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की बंश में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।
लागू नहीं होता	2 वर्ष	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण (अल्पावधि संविदा सहित) द्वारा जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण अल्पावधि संविदा सहित : केन्द्रीय/राज्य सरकारों, कृषि विरवविद्यालयों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, और अन्य माध्यताप्राप्त अनुसंधान संस्थानों में सबूत पद धारण करने वाले अधिकारी या 1100-1600 रु० या समतुल्य वेतनमान में 3 वर्ष का अनुभव रखने वाले अधिकारी जिनके पास स्तर 7 में सीधी भर्ती के लिए निम्नलिखित अर्हताएं हैं। (प्रतिनियुक्ति अल्पावधि की अवधि साधारणतया 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)	समूह "क" विभागीय प्रोन्नति समिति (केवल सीधी भर्ती किए गए व्यक्तियों की पुष्टि के लिए) जिसमें निम्नलिखित होंगे :-- 1. सवस्य, संघ लोक सेवा आयोग—अध्यक्ष 2. संयुक्त सचिव (प्रशासन) —सवस्य 3. संयुक्त सचिव (इनपुट्स) —सवस्य 4. भारत सरकार के रक्षण सलाहकार—सवस्य 5. उप-सचिव (पावप रक्षण) —सवस्य	प्रत्येक अवसर पर धन संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से किया जाएगा।

**G.S.R. 789.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Plant Pathologist (Insecticides) in the Directorate of Plant Protection, Quarantine and Storage, namely :—

1. Short title and commencement.—(i) These rules may be called the Directorate of Plant Protection Quarantine and Storage (Plant Pathologist Insecticides) Recruitment Rules, 1979.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications, etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post, shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualification.—No person,—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect of any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

#### SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection Post or Non-selection Post	Age limit for direct recruits	Educational and other Qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Plant Pathologist (Insecticide)	1	General Central Service Group 'A' Gazetted	Rs. 1300-50-1700.	Selection	Not exceeding 45 years (Relaxable for Government Servants). Note :—The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of application from candidates in India (Other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	Essential : (i) M.Sc. degree in Plant Pathology or Botany/Agricultural Botany with specialisation in Plant Pathology of a recognised University or equivalent. (ii) 10 years' experience of pest-control including adequate experience in applied research as evidenced by published papers. Note 1 : Qualifications relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified. Note 2 : The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes if, at any stage of selection the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite, experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them. Desirable : (i) Doctorate Degree in the subject of Specialisation. (ii) Working knowledge of French or German or Russian or Spanish. (iii) Administrative Experience.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees.	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case of recruitment by promotion deputation transfer grades from which promotion deputation/transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists what is its composition.	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.
8	9	10	11	12	13
Not Applicable	2 years	By transfer on deputation (including short-term contract) failing which by direct recruitment.)	Transfer on deputation (including short-term Contract) Officer under the Central/States Governments Agricultural Universities Indian Council of Agricultural Research and others recognised Research Institutions holding analogous posts or with atleast 3 years experience in posts in the scale of Rs. 1100-1600 or equivalent and possessing the qualifications prescribed for direct recruits in column 7 (Period of deputation/contract shall preliminary not exceed 3 years).	Group 'A' Departmental Promotion Committee (for confirmation only of direct recruits) consisting of:— 1. Member, Union Public Service Commission —Chairmen. 2. Joint Secretary (Administration)—Member. 3. Joint Secretary (Inputs)—Member. 4. Plant Protection—Member Adviser to the Government of India. 5. Deputy Secretary (Plant Protection) —Member	Selection on each occasion shall be made in consultation with the Union Public Service Commission.

[No. F. 13-5/78-PPS]

सा० का० नि० 790.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्पर द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जनसमरक्षण, संगरोध तथा संचयन निदेशालय में विधि अधिकारी के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ :—(1) इन नियमों का नाम जनसमरक्षण संगरोध तथा संचयन निदेशालय विधि अधिकारी भर्ती, नियम 1979 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, उसका वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और वेतनमान वे होंगे जो इन नियमों से उपाखण्ड अनुसूची के स्तंभ 2 से 4 में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं आदि :—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उनसे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तंभ 5 से 13 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हताएं:—बहु व्यक्ति :—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परंतु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूब हैं, तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति :—जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है वहां, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करने तथा संच लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबंध को, किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों या पदों की जागत, आदेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति :—इन नियमों की कोई बात ऐसे परिणामों, आयु सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी जिसका, केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

अनुसूची						
पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अभ्यन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
विधि अधिकारी	1	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "क" राजपत्रित	1100-50-1600 रु०	लागू नहीं होता	30 से 45 वर्ष तक टिप्पण :—आयु सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख भारत में रहने वाले अभ्याथियों से ( उनसे भिन्न जो अंशमान और निकोबार द्वीप-समूह तथा लक्षद्वीप में रहते हैं ) आवे- दन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी।	आवश्यक : मुम्बई अथवा या कलकत्ता उच्च न्यायालय के अटर्नी या किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से विधि में उपाधि । 2. अटर्नी या विधि व्यवसायी के रूप में 7 वर्ष का अनुभव । टिप्पण :—1. अर्हताएं अभ्याथी सुअर्हित अभ्याथियों की वशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती है । संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित जनजातियों के अभ्याथियों के मामलों में उस वशा में शिथिल की जा सकती है जबकि चयन के किसी प्राक्रम पर संघ लोक सेवा आयोग की यह राय हो कि इनके लिए अर्हता पर भर्ती के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले इन समुदायों के अभ्याथियों पर्याप्त संख्या में उपलब्ध हो सकेंगे ।
सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की वशा में लागू होगी या नहीं	परिक्षा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति-भर्ती सीधे होगी प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिशत	प्रोन्नति/ प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की वशा में वे श्रेणियां जिसने प्रोन्नति/ प्रतिनियुक्ति/ स्थानान्तरण किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा	
8	9	10	11	12	13	
लागू नहीं होता	2 वर्ष	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : केन्द्रीय विधि सेवा के वर्ग 4 के अधिकारी या उन पर नियुक्ति के लिए अनुमोदित अधिकारी या राज्य न्यायिक सेवा के सदस्य जिन्होंने कम से कम 7 वर्ष सेवा कर ली है या राज्य सरकार के विधि विभाग के किसी वरिष्ठ पद पर 5 वर्ष सेवा कर ली है या समूह "ब" राजपत्रित पद पर केन्द्रीय सरकार के सेवाकालिक कम से कम विधि कार्य का 7 वर्ष का अनुभव है ( प्रतिनियुक्ति की अवधि साधारणतया 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी )	समूह "क" विभागीय प्रोन्नति समिति जिसमें नियुक्ति पर राज्य निम्नलिखित होंगे :— 1. सर्वस्य संघ लोक सेवा आयोग 2. संयुक्त सचिव (अनुसूच) कार्यों का चयन संघ—सर्वस्य लोक सेवा आयोग के परामर्श से किया जाएगा । 3. संयुक्त सचिव (प्रशासन) परामर्श से किया जाएगा । 4. जनस्पति रक्षण सलाहकार—सर्वस्य 5. उपसचिव राज्य संपर्क तथा जनस्पति रक्षण—सर्वस्य (सीधी भर्ती से आए व्यक्तियों के लिए पुष्टि पर विचार करने के लिए)	सीधी भर्ती और प्रति-सरकारों के अधिकारी या केन्द्रीय सरकार के समूह "ब" के अधिकारियों का चयन संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से किया जाएगा ।	

**G.S.R. 790**.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Law Officer in the Directorate of Plant Protection, Quarantine and Storage, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Directorate of Plant Protection, Quarantine and Storage (Law Officer) Recruitment Rules, 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit and other qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualification.—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living or,

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age-limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

#### SCHEDULE

Name of post	No. of Post	Classification	Scale of Pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits.	Educational and other qualifications required for direct recruits.
1	2	3	4	5	6	7
Law Officer	One	General Central Service Group 'A' Gazetted.	Rs. 1100-50-1600	Not Applicable.	Between 30 and 45 years. (Relaxable for Government Servant) Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India. (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	Essential :— (i) An attorney of Bombay or Calcutta High Court or a Degree in Law of a recognised University. (ii) 7 years experience as an Attorney or Legal Practitioner. Note 1 : Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidate otherwise well qualified. Note 2 : The qualification regarding experience is relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes if, at any stage of selection, the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment—whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made.	If a DPC exists what is its composition	Circumstances in which the UPSC is to be consulted in making recruitment.
8	9	10	11	12	13
Not applicable	Two Years	By transfer on deputation, failing which by direct recruitment.	Transfer on deputation : Officers of Grade IV of the Central Legal Service or officers approved for appointment thereto or a member of a State Judicial Service for a period of not less than 7 years or a holder of a superior post in the Legal Department of a State Government for not less than 5 years or a Central Government servant having experience in Legal Affairs for not less than 7 years in at least a Group 'B' Gazetted post. (period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years)	Group 'A' Departmental promotion Committee consisting of :— (1) Member, Union Public Service Commission—Chairman (2) Joint Secretary (Inputs)—Member. (3) Joint Secretary—(Administration)—Member. (4) Plant Protection Adviser—Member. (5) Deputy Secretary (State Liaison and Plant Protection)—Member. (For considering confirmation of the direct recruit).	Consultation with the Union Public Service Commission necessary while making direct recruitment and appointing an Officer from a State Government or a Group 'B' Officer of Central Government on deputation.

[No. 13-8/78-PPS]

नई दिल्ली, 28 मई, 1979

सा० का० वि० 791:—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कृषि विमानन निदेशालय (वायुयान यांत्रिक) भर्ती नियम, 1975 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

- (1) इन नियमों का नाम कृषि विमानन निदेशालय (वायुयान यांत्रिक भर्ती) (संशोधन) नियम, 1979 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. कृषि विमानन निदेशालय (वायुयान यांत्रिक भर्ती) नियम, 1975 की अनुसूची में, स्तंभ 6 की प्रविष्टि के स्थान पर "35 वर्ष" की प्रविष्टि रखी जाएगी।

[संख्या 25-7/78-पी० पी० एस०]

एस० विश्वनाथन, धवर सचिव

New Delhi, the 28th May, 1979

G.S.R. 791.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Directorate of Agricultural Aviation (Aircraft Mechanic) Recruitment Rules, 1975, namely :—

1. (1) These rules may be called the Directorate of Agricultural Aviation (Aircraft Mechanic) Recruitment (Amendment) Rules, 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Directorate of Agricultural Aviation (Aircraft Mechanic) Recruitment Rules, 1975, for the entry in column 6, the entry "35 years" shall be substituted.

[No. 25-7/78-PPS]

S. VISWANATHAN, Under Secy.

(वायु विभाग)

नई दिल्ली, 25 मई, 1979

सा० का० वि० 792:—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अनाज बचाओ आन्दोलन संगठन (कनिष्ठ लेखापाल तथा भण्डारी) भर्ती नियम, 1978 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

- (1) इन नियमों का नाम अनाज बचाओ आन्दोलन संगठन (कनिष्ठ लेखापाल तथा भण्डारी) भर्ती (द्वितीय संशोधन) नियम, 1978 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. अनाज बचाओ आन्दोलन संगठन (कनिष्ठ लेखापाल तथा भण्डारी) भर्ती नियम, 1978 की अनुसूची के स्तंभ 11 में विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्:—

प्रोनति :

अनाज बचाओ आन्दोलन के प्रादेशिक कार्यालयों में ऐसे निम्न श्रेणी लिपिक जिन्होंने 8 वर्ष सेवा कर ली है और जिन्हें रोकड़ लेखा और भण्डार संबंधी कार्य का अनुभव है।



प्रतिनियुक्ति :

(1) केन्द्रीय सचिवालय, लिपिकीय सेवा के ऐसे उच्च श्रेणी लिपिक जिन्होंने उस श्रेणी में 5 वर्ष सेवा कर ली है और जो सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबंध संस्थान से रोकड़ और लेखा संबंधी कार्यों में प्रशिक्षित है।

(2) भारतीय भनाज भण्डारण संस्थान और इसके क्षेत्रीय केन्द्रों के ऐसे ज्येष्ठ लिपिक जिन्होंने उस श्रेणी में 5 वर्ष सेवा कर ली है और जिन्हें रोकड़ लेखा और भण्डार संबंधी कार्य का अनुभव है।

3. केन्द्रीय सरकार के अन्य कार्यालयों, महालेखाकार के कार्यालयों और लेखा कार्यालयों के ऐसे निम्न श्रेणी लिपिक जिन्होंने उस श्रेणी में 8 वर्ष सेवा कर ली है और ऐसे उच्च श्रेणी लिपिक या लेखा परीक्षक या कनिष्ठ लेखाकार जिन्होंने उस श्रेणी में 5 वर्ष सेवा कर ली है और जिन्हें रोकड़ लेखा और भण्डार संबंधी कार्य का अनुभव है।

(प्रतिनियुक्ति की अधिक साधारणतया 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)।

[फा० सं० ए० 12018/6/78-ई VI]

चानन राम, धवर सचिव

(Department of Food)

New Delhi, the 25th May, 1979

G.S.R. 792.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Save Grain Campaign Organisation (Junior Accountant-cum-Store Keeper) Recruitment Rules, 1978, namely :—

(1) These rules may be called the Save Grain Campaign Organisation (Junior Accountant-cum-Store Keeper) Recruitment (Second Amendment) Rules, 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Save Grain Campaign Organisation (Junior Accountant-cum-Store Keeper) Recruitment Rules, 1978, in column 11 for the existing entry, the following entry shall be substituted namely :—

"Promotion.—Lower Division Clerks in the Save Grain Campaign regional offices having put in 8 years' service with experience in maintaining cash, accounts and stores.

Deputation.—(1) Upper Division Clerks of the Central Secretariat Clerical Service with 5 years' service in the grade and trained in cash and accounts in Institute of Secretariat Training and Management.

(2) Senior Clerks of Indian Grain Storage Institute, and its field stations having 5 years' service in the grade with experience in maintaining cash, accounts and stores.

(3) Lower Division Clerks with 8 years' service and Upper Division Clerks or Auditors or Junior Accountants with 5 years' service in the grade, in other Central Government Offices, Offices of Accountants General and Accounts Offices, with experience in maintaining cash, accounts and stores.

(Period of deputation shall not ordinarily exceed 3 years)".

[F. No. A-12018/6/78-E. VI]  
CHANAN RAM, Under Secy.

## स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 24 मार्च, 1979

सा० फा० सं० 793.—सविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्वारा आयुर्वेदिक अस्पताल नई दिल्ली में चिकित्सा अधिकारी-सह-अधीक्षक तथा वरिष्ठ प्राथमिक चिकित्सक (आयुर्वेद) के पदों पर भर्ती की विधि को विनियमित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त शीर्षक और प्रारम्भ: (1) इन नियमों का नाम केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, चिकित्सा अधिकारी-सह-अधीक्षक, तथा वरिष्ठ प्राथमिक चिकित्सक (आयुर्वेद) भर्ती नियम, 1979 है।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि से लागू होंगे।

2. संख्या वर्गीकरण तथा वेतनमान:—पदों की संख्या उनका वर्गीकरण तथा वेतनमान वहीं होंगे जैसा कि अनुसूची के स्तम्भ 3 से 5 में निर्दिष्ट है।

3. भर्ती की विधि, आयुसीमा, अर्हताएँ आदि:—उक्त पदों पर भर्ती की विधि, आयुसीमा, अर्हताएँ तथा अन्य बातें वहीं होंगी जैसा कि उक्त अनुसूची के स्तम्भ 6 से 13 में निर्दिष्ट है।

4. अनुसूचिता: कोई व्यक्ति:—(क) जो किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह करता/करती है अथवा विवाह की सविदा करता/करती है जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित हो, अथवा (ख) जो व्यक्ति एक पति/एक पत्नी के जीवित रहते हुए किसी व्यक्ति के साथ विवाह करता/करती है अथवा विवाह की सविदा करता/करती है सेवा में नियुक्त होने का पात्र नहीं होगा।

परन्तु केन्द्रीय सरकार यह समाधान होने पर कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के दूसरे पक्षकार पर लागू होने वाली स्वीय विधि के अधीन अनुशेष है, और ऐसा करने के अन्य आधार हैं, किसी भी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।

5. छूट देने की शक्ति:—जहाँ केन्द्रीय सरकार का यह विचार हो कि छूट देना आवश्यक या उचित है वहाँ वह सध लोक सेवा आयोग के परामर्श से और लिखित कारणों के आधार पर आदेश द्वारा किसी श्रेणी या वर्ग से संबंधित व्यक्तियों को इन नियमों के किसी उपबन्ध से छूट दे सकती है।

6. व्याप्ति: इस संबंध में केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किये गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति तथा विशेष वर्गों के व्यक्तियों के लिये जिन आरक्षणों और अन्य रियायतों की व्यवस्था करना अपेक्षित है, उन पर इन नियमों की किसी बात का प्रभाव नहीं पड़ेगा।

नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	बेतनमान	न्यूनतम पद प्रत्यय पद	सीधी भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु सीमा	सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित शैक्षिक तथा अन्य प्रहृताएं
1	2	3	4	5	6	7
चिकित्सा अधिकारी-सह-अधीक्षक, आयुर्वेदिक अस्पताल, मई दिल्ली	2	सामान्य केन्द्रीय सेवा समूह 'क' राजपत्रित	1100-50-1600	न्यूनतम	45 वर्ष से अनधिक (सरकारी कर्मचारियों के लिए शिथिलनीय नोट: आयुसीमा प्रव-धारित करने की निर्णायक तारीख भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से (उनसे मिला जो अण्डमान और निकोबार द्वीप-समूह तथा लक्ष-द्वीप में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तारीख होगी।	प्रतिवादी:— (1) भारतीय आयुर्विज्ञान केन्द्रीय परिषद् अधिनियम, 1970 की द्वितीय अनुसूची के भाग-1 तृतीय अनुसूची के भाग-1 या चतुर्थ अनुसूची में सम्मिलित माध्यता प्राप्त चिकित्सा प्रहृता। (2) किसी माध्यता प्राप्त विश्व-विद्यालय/सांविधिक राज्य बोर्ड, परिषद्/संकाय की भारतीय चिकित्सा विज्ञान में स्नातकोत्तर डिग्री/आयुर्वेद में डिप्लोमा या समतुल्य (3) भारतीय चिकित्सा विज्ञान के केन्द्रीय या राजकीय रजिस्टर में पंजीकृत। (4) स्नातकोत्तर प्रहृता प्राप्त करने के पश्चात्, किसी आयुर्वेदिक अस्पताल में पांच वर्ष के कार्य के अनुभव समेत किसी जिम्मेवारी के पद पर कार्य करने का 8 वर्ष का व्यावसायिक अनुभव।
2. बरिष्ठ शल्य-चिकित्सक (आयुर्वेद)	1					

नोट-1: सुप्रसिद्ध उम्मीदवारों के मामले में सब लोक सेवा आयोग के विवेक पर प्रहृताएं शिथिलनीय हैं।

नोट-2: यदि सब लोक सेवा आयोग न्यूनतम करते समय किसी स्टेज पर यह महसूस करता है कि अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित पदों को भरने के लिए अपेक्षित प्रहृताएं रखने वाले इन जातियों के उम्मीदवार पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हैं तो इनके लिए प्रहृता (प्रहृताएं), अनुभव सब लोक सेवा आयोग के विवेक पर शिथिल की जा सकती हैं।

क्या सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक प्रवृत्ताएं प्रोन्नति की वशा में लागू होंगी	परिबीक्षा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति क्या भर्ती सीधी होगी या प्रोन्नति द्वारा या स्थानांतरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा भर्ती की वशा में वे प्रेड जिन्हें प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण किया जाएगा	यदि कोई विभागीय प्रोन्नति समिति हो तो उसकी संरचना	वे परिस्थितियाँ जिनमें भर्ती करने के लिए संव लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जायेगा
--	------------------------------	---	---	---	---

8	9	10	11	12	13
आयु : नहीं । प्रवृत्ता : हाँ । नोट : पाँच वर्ष के लिए , तथापि प्रोन्नतों की वशा में कोई प्रवृत्ता लागू नहीं होगी	2 वर्ष	प्रोन्नति द्वारा और इसके न होने पर सीधी भर्ती द्वारा ।	प्रोन्नति : नियमित आधार पर नियुक्ति के पश्चात् उस प्रेड में आठ वर्ष की सेवा वाले आयुर्वेदिक शल्य चिकित्सक	समूह 'क' विभागीय प्रोन्नति समिति 1. संव लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष/सदस्य—अध्यक्ष 2. संयुक्त सचिव, प्रभारी केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य सेवा योजना, स्वास्थ्य विभाग—सदस्य 3. निदेशक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना—सदस्य 4. सलाहकार (भारतीय-चिकित्सा पद्धति)—सदस्य ।	प्रोन्नति तथा सीधी भर्ती करने समय संव लोक सेवा आयोग से परामर्श लेना आवश्यक है ।

[सं० ए० 12018/5/76—के० स० स्व० यो० 1]

के० सी० कपूर, प्रवर सचिव

## MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

New Delhi, the 24th March, 1979

**G.S.R. 793.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the posts of Medical Officer-cum-Superintendent, Ayurvedic Hospital, New Delhi and Senior Physician (Ayurveda) namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Central Government Health Scheme, Medical Officer-cum-Superintendent and Senior Physician (Ayurveda) Recruitment Rules, 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, classification and scale of pay.—The number of the said posts, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 3 to 5 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 6 to 13 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualification :—No person —

- who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
  - who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,
- shall be eligible for appointment to the said post.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations relaxation of age limit and other concession required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

## SCHEDULE

The posts of senior physician (Ayurveda) and Medical Officer-cum-Superintendent, Ayurvedic Hospital, New Delhi.

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or non-Selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
1. Medical Officer-cum-Superintendent, Ayurvedic Hospital, New Delhi-1.	2	General Central Service Group 'A' Gazetted.	Rs.1100-50-1600.	Selection	Not exceeding 45 years (Relaxable for Government servants).	Essential :— (i) A recognised medical qualification included in part I of the Second Schedule, part I of the Third Schedule or

1	2	3	4	5	6	7
2. Senior Physician (Ayurveda)—1.					<p>Note : —The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).</p>	<p>in the Fourth Schedule to the Indian Medical central Council Act, 1970.</p> <p>(ii) Post-Graduate Degree/Diploma in Ayurvedic from a recognised University/Statutory State Board/Council/Faculty in Indian Medicine or equivalent.</p> <p>(iii) Enrolment on the Central or a State Register of Indian Medicine.</p> <p>(iv) 8 years' professional experience in a responsible position, including 5 years working experience in an Ayurvedic Hospital after the acquisition of post-graduate qualification.</p> <p>Note :—1. Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified.</p> <p>Note :—2. The qualification(s) regarding experience is relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to scheduled castes and scheduled Tribes If, at any stage of selection, the Union Public Service Commission of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.</p>
<hr/>						
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made.	If a DPC exists what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.	
8	9	10	11	12	13	
Age : No. Ed : Yes Note : for a period of 5 years, however no qualification shall apply to the promotees	2 years	By promotion falling which by direct recruitment	Promotion : Ayurvedic Physician with 8 years' service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis	Group A DPC (i) Chairman/Member, Union Public Service Commission.—Chairman. (ii) Joint Secretary, In-charge, CGHS in the Department of Health—Member. (iii) Director, CGHS Member. (iv) Adviser (ISM)—Member.	Consultation with the Union Public Service Commission necessary while making promotion and direct recruitment	

नई दिल्ली, 26 मई, 1979

सा० का० नि० 794.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एन० द्वारा अधिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान तथा जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता में कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक के श्रेणी-ग के पद पर भर्ती करने की विधि को विनियमित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

- संक्षिप्त शीर्षक और प्रारंभ: 1. अधिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान तथा जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता (कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक) भर्ती नियम, 1979
- ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि से लागू होंगे।
- संख्या, वर्गीकरण तथा वेतनमान: पदों की संख्या उनका वर्गीकरण तथा वेतनमान वहीं होंगे जैसा कि अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 में निर्दिष्ट है।
- भर्ती की विधि, आयुसीमा, अर्हताएं आदि: उक्त पदों पर भर्ती की विधि, आयुसीमा, अर्हताएं तथा अन्य बातें वही होंगी जैसा कि उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 में निर्दिष्ट है।
- अनर्हता: कोई व्यक्ति: (क) जो किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह करता/करती है अथवा विवाह की संविदा करना/करती है जिसका कि पति या जिसकी पत्नी जीवित हो, अथवा (ख) जो व्यक्ति एक पति/एक पत्नी के जीवन रहने हुए किसी व्यक्ति के साथ विवाह करना/करती है अथवा विवाह की संविदा करता/करती है, सेवा में नियुक्त होने का पात्र नहीं है/होगा।
- परन्तु केन्द्रीय सरकार यह समाधान देने पर कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के दूसरे पक्षकार पर लागू/होने वाली स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है, और ऐसा करने के अन्य आधार हैं, किसी भी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।
- छूट देने की शक्ति: जहाँ केन्द्रीय सरकार का यह विचार हो कि छूट देना आवश्यक या उचित है वहाँ वह संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से और लिखित कारणों के आधार पर आदेश द्वारा किसी श्रेणी या वर्ग से संबंधित व्यक्तियों को इन नियमों के किन्हीं उपबन्ध से छूट दे सकती है।
- व्याप्ति: इस सम्बन्ध में केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किये गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति तथा विशेष वर्गों के व्यक्तियों के लिए जिन आरक्षणों और अन्य रियायतों की व्यवस्था करना अपेक्षित है उन पर इन नियमों की किसी बात का प्रभाव नहीं पड़ेगा।

## अनुसूची

नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	पद संलेखन है अथवा नानसेलेखन	सीधी भर्ती के लिये आयुसीमा	सीधी भर्ती के लिए अपेक्षित शैक्षिक तथा अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक	एक	सामान्य केन्द्रीय सेवा-श्रेणी 'ग' भराजपत्रित लिपिकवर्गीय	425-15-500-द०रो० 15-560-20-700ब०	लागू नहीं होता	21 और 30 वर्ष के बीच (सरकारी कर्म-चारियों के लिए 35 वर्ष तक शिथिलसीय) नोट: आयु सीमा अव-धारित करने की निर्णा-मक तारीख भारत में रहने वाले अभ्यासियों से (उनसे भिन्न जो अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह तथा लख-द्वीप में रहते हैं) आवे-दन प्राप्त करने की अन्तिम तारीख होगी।	अनिवार्य: 1. किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से हिन्दी में एम०ए० और अंग्रेजी में बी० ए० अथवा किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से अंग्रेजी में एम० ए० और हिन्दी में बी० ए० अथवा किसी विषय में हिन्दी माध्यम से एम० ए० और अंग्रेजी में बी० ए० अथवा किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से एम० ए० या इसके समतुल्य और अंग्रेजी में बी० ए० जिसमें हिन्दी एक विषय हो। 2. अंग्रेजी से हिन्दी तथा हिन्दी के अंग्रेजी में अनुवाद करने का कम से कम 2 वर्ष का अनुभव। वांछनीय: जिस उम्मीदवारों को बिकल्पा तकनीकी विषयों में अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद करने का अनुभव होगा उन्हें सरजीह दी जाएगी।

क्या पदोन्नति से रखे परीक्षा की अवधि जाने वाले उम्मीदवार यदि कोई है के मामले में प्रत्यक्ष भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए निर्धारित आयु और शैक्षिक अर्हताएं लागू होंगी	भरती का तरीका सीधी भरती द्वारा या पदोन्नति के द्वारा स्थानान्तरण के द्वारा तथा विभिन्न तरीकों द्वारा भरे जाने वाले पदों की प्रतिशतता	पदोन्नति, प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण के द्वारा भर्ती के मामले में वह ग्रेड जिससे पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाता है	यदि विभागीय पदोन्नति समिति है तो उसका क्या गठन है	परिस्थितियाँ जिनमें भर्ती के लिए संघीय लोक सेवा आयोग से परामर्श लिया जाता है
---	--	---	---	--

8	9	10	11	12	13
साग नहीं होता	दो वर्ष	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा प्रत्यक्ष स्थानान्तरण (अन्य ढंग से) द्वारा और दोनों तरीकों से न पूरे जाने पर सीधी भर्ती द्वारा	प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण उच्च श्रेणी लिपिकों/ आशु-लिपिकों (ग्रेड-III)/ मुफ रीडरों (हिन्दी)/ अधर श्रेणी लिपिकों जिन्होंने अपने-अपने ग्रेडों में 5 वर्ष की सेवा कर ली है और जो कालम 7 में बताई गई शैक्षिक अर्हता रखने हैं में से चयन किया जाएगा।	वरिष्ठतम प्रोफेसर—अध्यक्ष संस्थान के उपनिवेशक—सदस्य . हिन्दी शिक्षण योजना, कलकत्ता के विभाग अध्यक्ष द्वारा नामजब किया गया कोई अधिकारी —सदस्य	लागू नहीं होना।
			प्रतिनियुक्ति की अवधि : सामान्यतः तीन वर्ष से अनधिक		

[संख्या ए० 12018/3/78-जन स्वास्थ्य ]

शिब दयाल, अधर सचिव

New Delhi, the 26th May, 1979

G.S.R. 794.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to Group 'C' post of Junior Hindi Translator in the All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta, namely —

1. Short title and commencement : (1) These rules may be called the All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta (Junior Hindi Translator) Recruitment Rules, 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, Classification and Scale of pay :—The number of post, its classification and scale of pay attached there to shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit and other qualifications :—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

4. Disqualification—No person;—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied, that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and other party and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax :—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving :—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

## SCHEDULE

Name of the post	No. of posts	Classification	Scale of Pay	Whether selection post or non selection post	Age limit for direct recruit	Education and other qualifications required
1	2	3	4	5	6	7
Junior Hindi Translator.	One	General Central Service Group 'C' Non-Gazetted Ministerial.	Rs.425-15-500-EB-15-560-20-700.	Not applicable.	Between 21 and 30 years (Relaxable for Government Servants upto 35 years. The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for the receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and in Lakshadweep).	Essential :— (i) M.A. (Hindi) from recognised University and B.A. with English as one of the subjects; OR M.A. (English) from a recognised University and B.A. with as one of the subjects; OR M.A. or its equivalent in any subject in Hindi medium and B.A. with English as one of the subjects; OR M.A. or its equivalent from any recognised University and B.A. with English and Hindi as one of the subjects. (ii) At least 2 years experience in translation from English to Hindi and vice versa. Desirable : Candidates with experience in translation from English to Hindi in Medical/Technical subjects will be preferred.
Whether age and educational qualifications prescribed for the direct recruits will apply in the case of promotees.	Period of Probation.	Method of recruitment whether by direct, promotion or transfer and percentage of vacancies to be filled by various methods.	In case of recruitment by promotion/transfer, grades from which promotion/transfer to be made.	If a DPC exists what is its composition.	Circumstances in which USPC is to be consulted in making recruitments.	
8	9	10	11	12	13	
Not applicable.	Two years.	By transfer on deputation failing which by transfer (otherwise) and failing both by direct recruitment.	Deputation/Transfer Selection from Upper Division Clerks/Stenographers (Grade III)/Proof Readers (Hindi)/Lower Division Clerks with 5 years' service in any of the Grades and who possess educational qualifications indicated in column 7. Period of deputation Ordinarily not exceeding three years.	Senior most Professor—Chairman Deputy Director of the Institute Member.  Any Officer nominated by the Head of the Hindi Teaching Scheme, Calcutta—Member.	Not applicable.	

[No. A. 12018/3/78-P.H.]  
SHIV DAYAL, Under Secy.

## भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

नई दिल्ली, 26 मई, 1979

सांकांजि० 795.—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (वर्ग 4, अराजपत्रित पद) भर्ती नियम, 1967 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :-

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (वर्ग 4, अराजपत्रित पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1979 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (वर्ग 4, अराजपत्रित पद) भर्ती नियम, 1967 में (जिन्हें इसमें प्रागे उक्त नियम कहा गया है) जहाँ जहाँ शब्द और अंक "वर्ग" 4 हैं, उनमें स्थान पर शब्द और अक्षर "समूह घ" रखे जायेंगे।

3. उक्त नियमों के नियम 4क में, परन्तुक के अन्त में शब्द "उसके द्वारा उल्लिखित किये जाने वाले कारणों के लिए" जोड़े जायेंगे।

4. उक्त नियमों की अनुसूची में, जूनियर मैकेनिक के पद से सम्बन्धित क्रम संख्या 1 के सामने—

(क) कालम 2 में, शब्द "जूनियर मैकेनिक" के स्थान पर शब्द "एस्टेम्पेज मैकेनिक" रखे जायेंगे।

(ख) कालम 12 में वर्तमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

- (1) मिडिल स्कूल उत्तीर्ण, जिसमें फारसी/उर्दू एक विषय रखा हो।
- (2) शिलालेखों की प्रतिलिपि उत्तारने में कम से कम 5 वर्ष का अनुभव।

[नं० 36-4/76-प्रशासन 2]

### ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi, the 26th May, 1979

**G.S.R. 795.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Archaeological Survey of India (Class IV, Non-Gazetted Posts) Recruitment Rules, 1967, namely :—

1. (1) These rules may be called the Archaeological Survey of India Class IV, (Non-Gazetted Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1979.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Archaeological Survey of India (Class IV, Non-Gazetted Posts) Recruitment Rules, 1967 (hereinafter referred to as the said rules) for the word and figure "Class IV" wherever they occur the word and letter "Group D" shall be substituted.
3. In rule 4A of the said rules, in proviso, the words "for reasons to be recorded by him in writing" shall be added at the end.
4. In the Schedule to the said rules, against serial number 1 relating to the post of Junior Mechanic,—
  - (a) in column 2, for the words "Junior Mechanic" the words "Estampage Mechanic" shall be substituted.
  - (b) in column 12, for the existing entry the following shall be substituted, namely :—
 

"Transfer on deputation from among Peons with the following qualifications :—

    - (i) Middle School Pass with Persian/Urdu as one of the subjects.
    - (ii) Minimum of 5 years experience in copying Inscriptions."

[No. 36-4/76-Adm. II]

सा० का० नि० 796—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (समूह 'ग' भराजपत्रित पद) भर्ती नियम, 1968 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (समूह 'ग' भराजपत्रित पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1979 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (समूह 'ग' भराजपत्रित पद) भर्ती नियम, 1968 की अनुसूची में रसायन सहायक के पद से सम्बन्धित कम संख्या 20 के सामने कालम 9 में वर्तमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि स्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

"विश्लेषण के ज्ञान के साथ-साथ रसायन में कम से कम द्वितीय श्रेणी में एम० एस० सी०"

[नि० 36-1/79-प्रशासन-2]

एस० के० मेमन, निदेशक (प्रशासन)

**G.S.R. 796.**—In exercise of the powers conferred by the Proviso to Article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Archaeological Survey of India (Group 'C' Non-Gazetted Posts) Recruitment Rules, 1968, namely :—

1. (1) These rules may be called the Archaeological Survey of India (Group 'C' Non-Gazetted Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1979.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Archaeological Survey of India (Group 'C' Non-Gazetted Posts) Recruitment Rules, 1968, against serial number 20 relating to the post of Chemical Assistant, in column 9, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely :—

"At least Second Class M.Sc. in Chemistry with knowledge of analysis".

[F. 36-1/79-Adm. III]

S. K. MENON, Director (Administration)

### जीवहन और परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 15 मई, 1979

### वाणिज्य जीवहन

सा० का० नि० 797—यतः वाणिज्य पोत परिवहन (भार रेखा) नियम 1977 का प्रावप वाणिज्य जीवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 436 के साथ पठित धारा 311 द्वारा यथापेक्षित भारत सरकार के जीवहन एवं परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) की अधिसूचना संख्या सा० का० नि० 423 दिनांक 25 अक्टूबर, 1977 के अन्तर्गत भारत के राजपत्र के भाग -2, खण्ड 3, उपखण्ड (1) पृष्ठ 659-659 पर दिनांक 25 मार्च, 1978 में प्रकाशित किया था, जिसमें उक्त अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 60 दिनों तक उन सभी व्यक्तियों से जिनका उससे प्रभावित होना संभव था, आक्षेप या सुझाव मांगे गये थे,

और यतः उक्त राजपत्र की प्रतियाँ तारीख 27 मार्च, 1978 का जनता के लिए उपब्ध की गई थी,

और यतः जनता से उक्त प्रावप पर आक्षेप या सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं,

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 436 के साथ पठित धारा 311 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

### भाग—1-प्रारम्भिक

1. संक्षिप्त नाम, प्रारम्भ और लागू होना :— (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वाणिज्य पोत परिवहन (भार रेखा) नियम, 1976 है।

(2) ये नियम तुरन्त लागू होंगे।

(3) ये नियम निम्नलिखित पर लागू होंगे—

(क) मुड़ पोत, मछली पकड़ने वाले पोत, क्रीड़ा नौका और पाल पोत के अलावा प्रत्येक भारतीय पोत चाहे वह किसी भी स्थान पर हो;

(ख) भारतीय पोत के अलावा कोई भी अन्य पोत जो मुड़ पोत जो मछली पकड़ने वाला पोत या क्रीड़ा नौका या पाल पोत न हो, जब वह भारत में किसी पत्तन या स्थान पर हो या भारत के भू-भागीय समुद्र की सीमा में हो और जो

(1) कुल 150 टन या उससे अधिक का विद्यमान पोत हो; या

(2) 24 मीटर या अधिक लम्बाई का नया पोत हो;

परन्तु ये नियम भारतीय पोत से भिन्न किसी पोत पर इस कारण से लागू नहीं होंगे क्योंकि वह भारत के किसी पत्तन या स्थान पर या भारत की भू-भागीय समुद्र की सीमा में आ गया है और वह पोत उस स्थान या पत्तन पर नहीं आता यदि उस पर मौसम या अन्य किसी परिस्थिति का बलाव न पड़ता और उस पोत के मास्टर या स्वामी या चार्टरकर्ता उन परिस्थितियों आदि का न तो निवारण कर सकते थे और न ही पूर्वानुमान।

2. परिभाषाएँ :— इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो—

(1) 'अधिनियम' से अभिप्राय वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) है;



(2) 'पोत मध्य' से अभिप्राय सम्बर्द्ध (ल) के मध्य से है ;

(3) अनुमोदित से अभिप्राय है कि केन्द्रीय सरकार या उसके द्वारा नियुक्त किसी अन्य अधिकारी द्वारा अनुमोदित ;

(4) 'समनुदेशन प्राधिकारी' से अभिप्राय उस महानिदेशक या किसी ऐसे अन्य व्यक्ति से है, जिसे केन्द्रीय सरकार द्वारा इन नियमों के प्रयोजनों के लिए राजपत्र में अधिवृत्तता द्वारा समनुदेशन प्राधिकारी नियुक्त किया गया हो ;

V

(5) 'अन्य गुणांक' या चिह्न (cb) से अभिप्राय है सूत्र  $cb = \frac{V}{L \cdot b \cdot d}$  में प्राय घनत्व गुणांक। जहाँ—

उभार रहित, पोत के मोल्डेड विस्थापन का आयतन V है, धातु खोल सहित पोत या जैसा भी मामला हो, खोल किसी भिन्न धातु का हो, के खोखू के बाह्य आवरण तक का विस्थापन आयतन दोनों d के दूकन के समय लिए गये हैं और d कम से कम खड़ी मोल्डेड गहराई के 85 प्रतिशत होना चाहिए।

(6) चौड़ाई या चिह्न (b) से पोत की अधिकतम चौड़ाई जो पोत मध्य से पोत के धातु आवरण को मोल्डेड रेखा तक या जैसा भी मामला हो, पोत जिसका आवरण किसी अन्य धातु का हो के खोखू के बाह्य पृष्ठ भाग तक नापी गई हो अभिप्रेत है।

(7) "फ्रीबोर्ड के लिए गहराई या चिह्न (d) से (क) उपनियम (ख) से विनिर्दिष्ट पोतों के भिन्न पोत के सम्बन्ध में पोत-मध्य का खड़ी गहराई अधिक फ्रीबोर्ड डेक की लंब पट्टा

T (L—S)

जहाँ लगाई गई हो, की मोटाई अधिकतम — का मूल्य

L

यदि खूना फ्रीबोर्ड डेक अधिसंरचना में पूर्णतया आच्छादित है, अभिप्रेत है जहाँ —

'T' से अभिप्रेत है डेक मुखों में स्पष्टतः दृश्यमान आवरण की मोटाई, और

'S' से अभिप्रेत है अधिसंरचना की कुल लम्बाई और

(ख) पोत, जिसमें पोत की चौड़ाई (B) के चार प्रतिशत से अधिक विस्था का वृत्ताकार गनल हो, के सम्बन्ध में या पोत जिसके शीर्ष भाग अनियमित रूप के हों, के सम्बन्ध में अभिप्रेत है पोत, जिसमें उर्ध्वधर शीर्ष भाग हो, और धरन उतने हो व्यास का तथा शीर्ष भाग का क्षेत्रफल पात मध्य भाग के क्षेत्रफल के बराबर हो,

(8) "मालगन अधिसंरचना" से अधिसंरचना जिसमें सक्षम बनाव के पोतगीत हो, ऐसे पोतगीतों में खूले बाले माग देहों तथा जलरोक द्वारा से फिट किए गए हो और ऐसे अधिसंरचना के वायव तथा छोर के अन्य सभी खूले मार्ग सक्षम जलरुद्ध तरीकों से बन्द किए गए हो, अभिप्रेत है; परन्तु इन आवश्यकताओं की पूर्ति करने वाले गुल या पंप इसमें समाविष्ट नहीं है जब तक कि उनके लिए मार्ग, जिसमें कमीशन मशीनरी तक पहुँच तक रेखा गया हो या पुन या पम्प के अन्य कार्यस्थल तक पहुँचने के लिए वैकल्पिक साधन सभी समय जब गुल या पंप के पोतगीतों में खूले बाले मार्ग होते हो, उपलब्ध हो ;

(9) "विद्यमान पोत" या "विद्यमान पात पोत" से पोत या पात पोत जिसका पठाण 21 जुलाई, 1968 के पूर्व डाला गया हो, अभिप्रेत है।

(10) "सपाट डेक पोत" से पोत जिसके फ्रीबोर्ड डेक पर अधिसंरचना न हो।

(11) "फ्रीबोर्ड से इन नियमों के नियम 15 में उपरिष्ठित रेखा रेखा के ऊपर किनारे से पोत मध्य में उर्ध्वधर रूप में नीचे की

और उचित भार-रेखा अंकन के ऊपरी किनारे तक की नापी हुई दूरी अभिप्रेत है ;

(12) "फ्रीबोर्ड डेक" से डेक जिससे फ्रीबोर्ड नियत किया जाता है अभिप्रेत है जो या तो

(क) "उच्चतम संपूर्ण डेक मौसम तथा समुद्र अभिप्रेत करे जिस पर उसके खुले भागों के सभी खूले मुक्त बंद स्थायी साधन हो और जिसके निम्न भाग में पोत की बाजू के सभी खुले मुख जलरोक द्वारा से बन्द करने के स्थायी साधन हों। पोत, जिसमें विभिन्न फ्रीबोर्ड डेक हैं, में खुले डेक की निम्नतम रेखा और उस रेखा से डेक के ऊपरी भाग तक के समानान्तर को फ्रीबोर्ड डेक माना जाता है, या —

(ख) स्वामी के आदेश पर तथा नौबहन महानिदेशक के अनुमोदन के अध्याधीन डेक जो परिच्छेद (क) में उपरिष्ठित से कम हो परन्तु वह पूर्ण और आगे से पीछे तक कम से कम वर्गीकृत, जगह और शिखर पोतगीतों और आगे तक अव्यच्छिन्न हो। जब यह निम्न डेक डेक की निम्नतम रेखा पर पड़ी रखना है और उस रेखा से अविरत एवं डेक के ऊपरी भाग तक समानान्तर होता है तब उस समानान्तर को फ्रीबोर्ड डेक माना जाता है ;

(13) "अधिसंरचना की ऊँचाई" से अधिसंरचना डेक धरन के शीर्ष की बाजू से फ्रीबोर्ड डेक धरन के शीर्ष तक नापी हुई न्यूनतम उर्ध्वधर ऊँचाई अभिप्रेत है ;

(14) "लम्बाई" या चिह्न (L) से पठाण के शीर्ष या मदान के अग्रभाग से जलरेखा, यदि यह बड़ी हो पर के राशर स्टाक के अग्र तक नापी हुई न्यूनतम मोल्डेड गहराई के पचासी प्रतिशत के पास जलरेखा पर कुल लम्बाई की छियायने प्रतिशत लम्बाई अभिप्रेत है ;

(15) "अधिसंरचना की लम्बाई" से अधिसंरचना के भाग, जो लम्बाई (L) में हो, की लम्बाई अभिप्रेत है ;

(16) पोत सम्बन्धित "मोल्डेड गहराई" से पठाण के शीर्ष में फ्रीबोर्ड डेक के शीर्ष की बाजू तक की नापी हुई उर्ध्वधर दूरी अभिप्रेत है ; परन्तु

(क) काष्ठ या मिश्र पोत के सम्बन्ध में, यह पठाण खाने के निम्न किनारे से नापी जाएगी जहाँ पोतमध्य खण्ड के निम्न भाग का आकार खोखले स्वरूप का हो, या जहाँ मोटी लम्ब पट्टियाँ लगाई गई हों, दूरी उस बिन्दु, जहाँ तल के सपाट मैदान की रेखा अन्तर्मुख होकर पठाण की बाजू को काटती है, से नापी जाएगी।

(ख) पोत जिनमें वृत्ताकार गनल हो वह डेक की मोल्डेड रेखाओं के छेदन बिन्दु और बाजू के जॉइंट तक नापी जाएगी, रेखाएं ऐसी बहती हैं कि मानो गनल कोणीय आकार का हो,

(ग) पोतों जिनमें फ्रीबोर्ड डेक पेशी रखना है और डेक का उभरा भाग उस तक विस्तारित होता है और जहाँ खड़ी गहराई बिन्दु निर्दिष्ट करनी है, खड़ी गहराई डेक जो डेक के उभरे भाग की समानान्तर रेखा के माथ हो, के निम्न भाग में विस्तारित सत्यम रेखा तक नापी जाएगी ,

(17) "नया पोत" या "पाल पोत" से पोत या पात पोत जिसका पठाण 21 जुलाई 1968 को या तदुपरांत डाला गया हो, अभिप्रेत है ;

- (18) "लम्ब" से अग्र और पश्च लम्ब जो नंबाई (L) के अग्रसे और पिछले छोर पर हों, अभिप्रेत है ;
- (19) "प्रधान अधिकारी" से संबंधित जिले के वाणिज्यिक समुद्री विभाग का प्रधान अधिकारी अभिप्रेत है ,
- (20) "पाल पोत" में सभी पोत जिनमें कैप्टन पालों के अधीन नौचालन के लिए पर्याप्त पाल क्षेत्र दिया गया हो चाहे उनमें नौका के यांत्रिक साधन लगाए हों या न हों ,
- (21) "अनुसूची" से इन नियमों के साथ संलग्न अनुसूची अभिप्रेत है
- (22) "अधिसंरचना" से फ्रीबोर्ड डेक के ऊपर के डेक संरचना जो दोनों ओर से विस्तारित हो, प्लेटिंग खोल प्लेटिंग के अंदर की बाज में चौड़ाई (बी) के चार प्रतिशत से अधिक न हो, और उभरे किस्म के डेक से समाविष्ट हो, अभिप्रेत है ;
- (23) 'प्रकाष्ठ डेक स्पोरा' से काष्ठ लुगदी या तम्बम स्पोरा जो फ्रीबोर्ड या अधिसंरचना डेक के अनाच्छादित भाग में बहने किया जाता है से भिन्न प्रकाष्ठ स्पोरा अभिप्रेत है ,
- (24) "वॉ क पोत" और "वॉ थ पोत " से ऐसे पोत अभिप्रेत हैं जिनका निर्माण प्रथम अनुसूची में दिया गया है ;
- (25) पोत के फ्रीबोर्ड डेक के नीचे के भाग के संबंध में "ज्वरॉक" से दाब या अग्रया के अधीन, जैसी भी स्थिति हो, पोत के उस भाग की कार्यकारिणी अपेक्षाओं की ओर उचित ध्यान देने हुए, पानी भी किसी भी दिशा में मार्ग का रोकने में समर्थ अभिप्रेत है ।
- (26) पोत के फ्रीबोर्ड डेक के ऊपर के किसी भाग के संबंध में "ज्वरॉक" से अभिप्रेत है कि समुद्र और उस पर एकाएक आने वाली वर्षा की स्थिति में पानी उस भाग में प्रवेश न कर सके ।

#### भाग—II

##### सर्वेक्षण तथा प्रमाणपत्र

3. सर्वेक्षण के लिए आवेदन पत्र — (1) पोत पर फ्रीबोर्ड नियत करने और पोत को भार-रेखा प्रमाणपत्र जारी करने के प्रयोजन से पोत के सर्वेक्षण के लिए आवेदन पत्र पोत के स्वामी या उसकी ओर से समनुदेशन प्राधिकारी को भेज दिया जाएगा । आवेदनकर्ता नीचे लिखे समनुदेशन प्राधिकारी को उसके द्वारा भेजा जाने पर पोत के डिजाइन और निर्माण संबंधी नक्शे, डाहंग, विशिष्ट विवरण और अन्य दस्तावेज तथा उनसे सम्बद्ध जानकारी भेजेगा :—

- (क) महानिदेशक की ओर से प्रधान अधिकारी ; और
- (ख) इन नियमों के उद्देश्यों के लिए शासकीय राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना के माध्यम से केन्द्रीय सरकार द्वारा समनुदेशन प्राधिकारी के रूप में नियुक्त कोई अन्य व्यक्ति हो भेजे वे ।

4. भारत रेखा सर्वेक्षण :— (1) आवेदन पत्र तथा नियम 3 के अधीन अपेक्षित सम्बद्ध अन्य जानकारी सहित दस्तावेज प्राप्त करने के बाद समनुदेशन प्राधिकारी किसी सर्वेक्षक द्वारा पोत का सर्वेक्षण कराएगा जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि :—

- (क) पोत इन नियमों के भाग 4 और प्रथम अनुसूची में उल्लिखित अपेक्षाओं की पूर्ति करता है या नहीं , और
- (ख) ऐसा अन्य विवरण जो
  - (i) इन नियमों के भाग 4 और द्वितीय अनुसूची के अनुसार पोत पर फ्रीबोर्ड नियत करने के लिए ; और
  - (ii) इन नियमों के भाग 6 और तृतीय अनुसूची के अनुसार पोत के कप्तान को स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए जानकारी दी जाए— आवश्यक हो ।

(2) उपनियम (1) के उपबंधों के अनुसार पोत के सर्वेक्षण के दौरान, पोत और उसका कोई फिटिंग ऐसे परीक्षण के लिए भेजे जाएंगे

जो समनुदेशन प्राधिकारी के मन में यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक हो कि पोत उपनियम (1) की अपेक्षाओं की पूर्ति करता है । पोत की स्थिरता से सम्बद्ध कोई परीक्षण नियम 31 की अपेक्षाओं के अनुसार होगा

(3) यदि पोत का स्वामी या उसकी ओर से कोई अन्य व्यक्ति नियम 3 के अधीन पोत के सर्वेक्षण के लिए आवेदन करेगा तो वह ऐसे सर्वेक्षण के लिए सभी आवश्यक सुविधाएँ प्रदान करेगा और समनुदेशन प्राधिकारी द्वारा अनुरोध करने पर समनुदेशन प्राधिकारी के उपयोग तथा पोत को आवश्यकतानुसार रोके रखने के लिए उसे ऐसे अन्य दस्तावेज और जानकारी देगा जो समनुदेशन प्राधिकारी को आवश्यक समझे ।

5. सर्वेक्षण की रिपोर्ट:— (1) सर्वेक्षण की समाप्ति पर, सर्वेक्षक समनुदेशन प्राधिकारी को सर्वेक्षण की रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा जिसमें सर्वेक्षण के परिणामों तथा नियम 4 की अपेक्षाओं के सब पात की स्थिति के बारे में उसके निष्कर्षों का उल्लेख किया जाएगा ।

(2) सर्वेक्षण की रिपोर्ट के साथ नियम 26 की अपेक्षाओं के अनुसार समनुदेशन की शर्तों का अभिलेख संलग्न किया जाएगा । यह अभिलेख चौथी अनुसूची में निर्धारित किए गए फार्म में दिया जाएगा । इसके अनावा रिपोर्ट के साथ इन नियमों के भाग V एवं दूसरी अनुसूची की अपेक्षाओं का पालन करने हुए फ्रीबोर्ड के अभिकर्षण भी दिए जाएंगे ।

(3) किसी ऐसे पोत की स्थिति में जितने स्थिरता संबंधी तृतीय अनुसूची के भाग-1 की अपेक्षाओं का पालन करता है सर्वेक्षण केन्द्रीय सरकार को ऐसी जानकारी देगा जो इस बात का निश्चित करने के लिए आवश्यक होगी कि क्या पोत इन अपेक्षाओं की पूर्ति करता है या नहीं ।

6. पोत के लिए फ्रीबोर्ड नियत करना :— (1) समनुदेशन प्राधिकारी

(क) यदि सर्वेक्षण की रिपोर्ट की संवोधा से संतुष्ट हो कि पोत इन नियमों के भाग II को प्रयोग्य अपेक्षाओं और प्रथम अनुसूची का पालन करता है, और

(ख) उस पोत पर विद्यमान महानिदेशक से यह सूचना प्राप्त हो जाए कि वह इस बात से संतुष्ट कि पोत इन नियमों के भाग VI और स्थिरता संबंधी तृतीय अनुसूची की अपेक्षाओं की पूर्ति करता है ।

तो वह इन नियमों के भाग V और दूसरी अनुसूची के अनुसार पोत के लिए फ्रीबोर्ड नियत करेगा

(2) फ्रीबोर्ड नियत करने के बाद , समनुदेशन प्राधिकारी पात के स्वामी को निम्नलिखित विवरण प्रस्तुत करेगा —

(क) इस प्रकार नियत किए गए फ्रीबोर्ड के विवरण ;

(ख) निम्नलिखित के बारे में हिवायते देगा

(i) इन नियमों के भाग III की अपेक्षाओं के अनुसार पोत पर रॉक की जाने वाली भार रेखाएं

(ii) वह स्थिति जिसमें भार रेखाएं और भार रेखा चिह्न अंकित किए जाएंगे ;

(ग) समनुदेशन की शर्तों के अभिलेख को दो प्रतियां ।

7. भार-रेखा प्रमाणपत्र और उनसे प्राप्त जारी करना :— नियम 12 उपबंधों के अनुसार समनुदेशन प्राधिकारी का जब यह तमिली हो जाए कि नियम 6 के अधीन स्वामी का वो गई हिदायते के अनुसार पात का ठीक तरह से अंकित किया गया है, तो वह अधिनियम की धारा 316 की अपेक्षाओं के अनुसार पांचवा अनुसूची में बताए गए फार्म में अंतरा-प्राप्त भार-रेखा प्रमाणपत्र, (1966) या भारतीय भार-रेखा प्रमाणपत्र जारी करेगा ।

8. प्रमाणपत्र की अवधि :— इन नियमों के अंतर्गत जारी किया गया प्रत्येक भार रेखा प्रमाणपत्र तब तक वैध माना जाएगा जब तक समनुदेशन प्राधिकारी उसकी तारीख निर्धारित नहीं करेगा । किन्तु नियम 4 के अधीन

पात के सर्वेक्षण की समाप्ति की तारीख से पांच वर्षों से अधिक अवधि निर्धारित नहीं की जाएगी। समनुवेशन अधिकारी या प्रमाणपत्र जारी करेगा, उनमें से प्रत्येक प्रमाणपत्र पर निर्धारित तारीख का उल्लेख किया जाएगा। ऐसा न करने पर प्रमाणपत्र ही नहीं माना जाएगा।

9) भार-रेखा प्रमाणपत्र को बढाना --(1) यदि पात का स्वामी वर्तमान प्रमाणपत्र की अन्तिम तारीख की समाप्ति पर नया प्रमाणपत्र जारी करने या आवेदन करता है और किसी ऐसे पात का सर्वेक्षण लिया जाता है जिस पर भार-रेखा प्रमाणपत्र लागू होता है या यदि समनुवेशन प्राधिकारी --

(1) सर्वेक्षण की रिपोर्ट की समीक्षा से समुष्टि हो जाए कि पात इन नियमों के भाग V की अपेक्षाओं और समनुवेशन की शर्तों से संबंधित प्रथम अनुसूची का पालन करता है, और

(11) केन्द्रीय सरकार से सूचना मिलने पर कि पात स्थिरता संबंधी तृतीय अनुसूची का अपेक्षाओं को पूर्ण करता है,

तो वह पात का वर्तमान प्रमाणपत्र की वैधता अधिक से अधिक पांच महीनों की अवधि के लिए स्थिति में बढ़ा सकता है यदि उनका यह विश्वास हो कि उचित रूप में नए प्रमाणपत्र जारी करना उपयोगी नहीं होगा। ऐसे प्रत्येक मामले में नया प्रमाणपत्र वर्तमान प्रमाणपत्र को बढ़ाई गई वैधता की तारीख के समाप्त होने पर जारी किया जाएगा।

(2) उपनियम (1) में अधोलिखित अवधि समनुवेशन अधिकारी जिस तारीख तक प्रमाणपत्र वैधता की तारीख बढ़ाई गई है उस तारीख के विवरण तथा तारीख बढ़ाए जाने के स्थान के विवरण और तारीख बढ़ाने की मजदूरी देने की तारीख के विवरण वर्तमान प्रमाणपत्र पर पृष्ठांकित नहीं करना तब तक बढ़ाई गई तारीख प्रभावी नहीं होगी।

(3) उपनियम (1) के अधीन अन्तर्गता पात को जारी किए गए नये प्रमाणपत्र को वैधता की अवधि उपनियम (1) में उल्लिखित सर्वेक्षण के समाप्त होने की तारीख से पांच वर्षों से अधिक नहीं होगी।

10) भार-रेखा प्रमाणपत्रों का रद्द होना (1) जहां केन्द्रीय सरकार की समनुवेशन प्राधिकारी या सर्वेक्षक की रिपोर्ट से या किसी अन्य कारण से यह तमल्ली हो जाए कि --

(1) जिस पात में प्रमाणपत्र संबंधित है वह पात समनुवेशन की शर्तों की पूर्ति नहीं करता, या

(11) पात का संरचना कम इतना कम है जो पात को असुरक्षित बनाए हुए है या

(111) जिस जानकारी के आधार पर पात में वे फोबोई नियत किये गये थे सामग्री के महत्व की दृष्टि से वह जानकारी गलत साबित हुई है

तो केन्द्रीय सरकार पात के स्वामी को अपना अभिवेदन करने के बारे में समुचित अवसर देने के पश्चात् इन नियमों के अधीन जारी किया गया कोई भी भार-रेखा प्रमाणपत्र रद्द कर सकेगी या रद्द करा सकेगी।

(2) जहां केन्द्रीय सरकार की नज़र में यह आये कि--

(1) पात का प्रमाणपत्र नियम की अपेक्षाओं के अनुसार पृष्ठांकित नहीं किया गया है, या

(11) पात के संबंध में नया प्रमाणपत्र जारी किया गया है, या

(111) अधिनियम की परिभाषा के अन्तर्गत पात भारतीय नहीं रहा है,

तो वह पात के स्वामी को अपना अभिवेदन करने के लिए समुचित अवसर देने के पश्चात् इन नियमों के अधीन जारी किया गया कोई भी भार-रेखा प्रमाणपत्र रद्द कर सकेगी या रद्द करा सकेगी।

11) पोतों का अवधिक निरीक्षण (1) इस नियम के उपबंधों के अनुसार जिस पोत का भार-रेखा प्रमाणपत्र लागू है उस पोत का सर्वेक्षक द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए सर्वेक्षण किया जाएगा कि--

(क) जुबनार (फिटिंग) और खुले मुखों के सुरक्षा साधित रक्षा छद्म विकास द्वारा और पोत में कमोदक आवासी के प्रवेश मार्ग कार्यक्षम स्थिति में है, और

(ख) पात के खोनों या अधिसंरचनाओं में कुछ बदल नहीं किये गये हैं या नहीं हो गए हैं जिससे वह विवरण गलत हो जाए जिसके आधार पर पोत के फोबोई नियत किये गये थे।

(2) आवधिक निरीक्षण के लिए पात के स्वामी या उनकी तरफ से समनुवेशन प्राधिकारी को आवेदनपत्र भेजा जाएगा जो निरीक्षण करने के लिए सर्वेक्षक की नियुक्ति करेगा।

(3) ऐसे किसी निरीक्षण के दौरान सर्वेक्षक ऐसे परीक्षण कर सकता है जो उसके विचार में यह निश्चित करने के लिए आवश्यक हो कि पोत उप-नियम (1) की अपेक्षाओं की पूर्ति करता है।

(4) इस नियम के अधीन दिए जाने वाले आवधिक निरीक्षण--वापिक आधार पर किए जाएंगे। यह सर्वेक्षण 9 से 15 महीने की अवधि के भीतर किए जाएंगे और यह अवधि प्रत्येक वर्ष उस तारीख से 3 महीने पहले पड़ने वाली तारीख से शुरू होगी और उस तारीख के 3 महीने बाद पड़ने वाली तारीख को समाप्त होगी जब जड़ाज का वह सर्वेक्षण कार्य पूरा हुआ था जिसके आधार पर उसे वर्तमान भार-रेखा प्रमाणपत्र जारी किया गया था।

यदि केन्द्रीय सरकार की यह तमल्ली हो जाए कि परिस्थितियों को ऐसी मांग है तो सरकार निश्चित अवधि से पूर्व या उसके पश्चात् निरीक्षण करने की अनुमति दे सकती है।

(5) यदि निरीक्षण के बाद सर्वेक्षण की यह तमल्ली हो जाए कि कि पोत उप-नियम (1) अपेक्षाओं की पूर्ति करता है तो वह भार-रेखा प्रमाणपत्र में उस प्रयोजन से छोड़े गए स्थान पर उस सर्वेक्षण का अभिलेख पृष्ठांकित करे और यह प्रमाणित करे कि--

(क) अन्तर्राष्ट्रीय भार-रेखा (1966) प्रमाणपत्र के संबंध में यह प्रमाणित करे कि अनुबन्ध के संबंधित उपबंधों की पूर्ति करना हुआ पाया गया, और

(ख) भारतीय भार-रेखा प्रमाणपत्र के संबंध में यह प्रमाणित करे कि पोत इन नियमों के सम्बन्ध उपबंधों की पूर्ति करता हुआ पाया गया।

ऐसे प्रत्येक पृष्ठांकन पर निरीक्षण करने वाला सर्वेक्षक हस्ताक्षर करेगा और तारीख डालेगा और उस समनुवेशन प्राधिकारी का उल्लेख करेगा जिसकी और से निरीक्षण किया गया था।

12) छूट तथा छूट प्रमाणपत्र --(1) यदि केन्द्रीय सरकार किसी पोत को इस अधिनियम की धारा 310 के उपबन्धों के अनुपालन में छूट देती है, तो पात परिवहन महानिदेशक उस पोत के संबंध में अन्तर्राष्ट्रीय भार-रेखा छूट प्रमाणपत्र पांचवी अनुसूची में निर्धारित किए गए फार्म में जारी करेगा।

(2) इन नियमों के विपरीत अपेक्षित किसी अन्य छूट की शर्तों और उनके स्वयं को छोड़ कर नियम 1 से 6 तक और 8 से 11 तक के उपबन्ध इस प्रकार छूट-प्राप्त किसी भी पोत पर निर्मा की ऐसे पोत के लिए इस प्रकार जारी किए गए किसी छूट प्रमाणपत्र पर उभरी तरीके से लागू होंगे जैसे वे किसी अन्य पोत पर लागू होते हैं, विशय इसके कि--

(1) उपर्युक्त नियमों में समनुवेशन प्राधिकारी को दिए गए सबंध केन्द्रीय सरकार को दिए गए सबंध माने जाएंगे, और

(2) नियम II का उप-नियम (5) निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया गया माना जाएगा, यद्यपि —

“(5) यदि निर्माण के बाद सर्वेक्षक की समझती हो जाती है कि पोल को जिन शर्तों के अधीन छूट दी गई थी, यह उस शर्तों या पाठों का पालन कर रहा है, तो सर्वेक्षक खाली छोड़े गए स्थान पर छूट प्रमाणपत्र का समर्थन कर देगा तथा उस समर्थन पर तारीख सहित अपने हस्ताक्षर करेगा।

### भाग—III

#### भार रेखाएं और चिह्न

13 उपयुक्त चिह्न — इस भाग के प्रयोजन के लिए, पोल से सम्बंधित “उपयुक्त चिह्न” का अभिप्राय उन भार रेखाओं से है जो नियम 6 के उप नियम (2) के खंड (ख) और डेक रेखा और भार रेखा चिह्न के अधीन पोल पर अंकित की जाती हैं।

14 अंकन — पोल स्वामी समन्वयेन प्राधिकारी से नियम 6 के उप-नियम (2) में उल्लिखित निर्देशों और विवरणों को प्राप्त करने के बाद इन निर्देशों और इस भाग की प्रपेक्षाओं के अनुसार पोल के हर तरफ उपयुक्त चिह्न अंकित करायेंगे।

15 डेक रेखा — (1) डेक रेखा 300 मिली मीटर लम्बी और 25 मिली मीटर चौड़ी क्षैतिज होगी। इस नियम के उपबन्धों के अनुसार यह पोल के हर तरफ पोल-मध्य में अंकित होगी ताकि फीबोर्ड डेक की स्थिति मालूम हो सके।

(2) पार पाण्ड पर डेक रेखा उप-नियम (3) के उपबन्धों के अधीन इस तरह अंकित होगी कि उसका ऊपरी सिरा पोल मध्य बिन्दु से होते हुए जाए और जहां से—

(क) फीबोर्ड डेक के ऊपर पृष्ठ, या

(ख) फीबोर्ड डेक के किसी आवरण,

पर निर्गमि होगी। पोल के खोल के बाह्य पृष्ठ का कमान जैसे आकृति एवं में दिया गया है, होगा।

(3) जहां समन्वयेन प्राधिकारी के विचार में पोल के डिजाइन या अन्य किसी परिस्थिति के कारण उप-नियम (2) के उपबन्धों के अनुसार डेक-रेखा को चिह्न लगाना व्यवहार्यक हो, यहाँ समन्वयेन प्राधिकारी नियम 6 के उपनियम (2) के अधीन दिए गए निर्देशों में यह भी निर्देश देगा कि पार पाण्ड में अन्य बिन्दु के मध्य में डेक-रेखा अंकित की जाए, इस संबंध में जो भी उप-नियम (2) में उल्लिखित स्थिति मरन और व्यवहार्यक हो, लागू होगा।

16 भार-रेखा चिह्न — भार रेखा चिह्न में जैसा आकृति 2 में दिखाया गया है, 300 मिली मीटर लम्बी व्यास और 25 मिली मीटर चौड़ाई वाला एक वक्र होगा। इसको 150 मिलीमीटर लम्बी और 25 मिली मीटर चौड़ी रेखा काटेगी, जिसका ऊपरी किनारा वक्र केन्द्र में गुजरता है। वक्र या केन्द्र डेक-रेखा के नीचे ऊर्ध्वाधर पोल-मध्य में अंकित किया जाए, ताकि सिवाय जैसा अन्यथा नियम 29 में बताया गया है, वक्र केन्द्र के डेक रेखा के ऊपरी किनारे तक दृष्टि पोल के निदिष्ट ग्रोम फीबोर्ड के बराबर होगी।

17 भार रेखाएं — (1) उप-नियम (2) और नियम 18 में दी गई भार रेखाएं उस अधिकतम गहराई की सूचक मानी जाएंगी जिस गहराई तक उनसे अंकित पोल उपयुक्त भार रेखाओं, क्षेत्रों, जोनों और सीमनों अवधिया के संदर्भ में छठी अनुसूची में दी गई परिस्थितियों में लादा जा सकता है।

(2) नियम 18 और नियम 28 में दी गई व्यवस्था के अलावा, भार-रेखाएं जैसा आकृति 2 में दिया गया है, 300 मिली मीटर लम्बी और 25 मिली मीटर चौड़ी रेखाएं होंगी, जो 25 मिली मीटर चौड़ी खड़ी रेखा के आगे या पीछे तक जाएंगी भार रेखा चिह्न के वक्र के केन्द्र के आगे 540 मिली मीटर और उस रेखा के समकोण पर अंकित होगी। अलग अलग भार रेखाएं निम्नलिखित होंगी।

(1) ग्रोम भार रेखा जिसका पूर्वोक्त ऊर्ध्वाधर रेखा के आगे विस्तार होगा और उस पर “G” अंकित किया जाएगा,

यह पक्षा स्थिति में भार रेखा चिह्न के वक्र के केन्द्र से गुजरने वाली रेखा के समान होगी,

(2) गोल भार रेखा जिसका पूर्वोक्त खड़ी रेखा के आगे विस्तार होगा और उस पर “W” अंकित किया जाएगा,

(3) गोल उसरी अटलांटिक भार रेखा जिसका पूर्वोक्त खड़ी रेखा के आगे विस्तार होगा और उस पर “NA” अंकित किया जाएगा,

(4) उष्ण कटिबंधीय भार रेखा जिसका पूर्वोक्त खड़ी रेखा के आगे विस्तार होगा और उस पर “T” अंकित किया जाएगा,

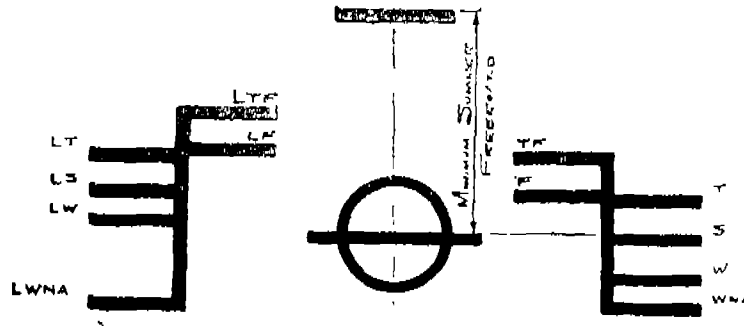
(5) मीठा पानी भार-रेखा जिसका पूर्वोक्त खड़ी रेखा के पीछे विस्तार होगा और उस पर “F” अंकित किया जाएगा,

(6) उष्ण कटिबंधीय मीठा पानी भार-रेखा जिसका पूर्वोक्त खड़ी रेखा के पीछे विस्तार होगा और इस पर “TF” अंकित किया जाएगा।

(3) उपनियम (1) में उल्लिखित लक्षणों की अधिकतम गहराई उपनियम (2) में दी गई उपयुक्त भार रेखा के ऊपरी किनारे द्वारा सूचित गहराई होगी।

## आकृतियाँ

नियम 15, 16 और 18 में वर्णित आकृतियाँ



18. काष्ठ भार रेखाएँ :—(1) काष्ठ भार रेखाएँ, जैसी आकृति 3 में दिखाई गई हैं, नियम 17 की ऐसी रेखाओं के मध्य में विशिष्ट परिमाणों की पड़ी रेखाएँ होंगी। यह उस नियम में ऐसी रेखा के लिए बड़ाए गए परिमाणों की खड़ी रेखा के आगे या पीछे तक रेखा बनी होगी। यह भार रेखा बिन्दु के कल्पित मध्य के पीछे 540 मिमी. मीटर और उस रेखा के समकोण पर प्रकीर्ण होगी। अलग अलग काष्ठ भार रेखाएँ इस प्रकार होंगी—

- (1) प्रथम काष्ठ भार रेखा जिसका उक्त खड़ी रेखा के पीछे विस्तार होगा और उस पर 'LS' प्रकीर्ण होगा।
- (2) शीत भार रेखा जिसका उक्त खड़ी रेखा के पीछे विस्तार होगा और उस पर 'LW' प्रकीर्ण होगा,
- (3) शीत उत्तरी अटमॉस्फेरिक काष्ठ भार रेखा जिसका उक्त खड़ी रेखा के पीछे विस्तार होगा और उस पर 'LWNA' प्रकीर्ण होगा;

- (4) उष्ण कटिबंधीय काष्ठ भार रेखा जिसका उक्त खड़ी रेखा के पीछे विस्तार होगा और उस पर 'LI' प्रकीर्ण होगा,
- (5) मोटा पानी काष्ठ भार रेखा जिसका उक्त खड़ी रेखा के आगे विस्तार होगा और उस पर 'LF' प्रकीर्ण होगा,
- (6) उष्ण कटिबंधीय मोटा पानी काष्ठ भार रेखा जिसका उक्त खड़ी रेखा के आगे विस्तार होगा और उस पर 'LTF' प्रकीर्ण होगा;

शक्ति होगी;

- (2) नियम 17 के उपनियम (1) में उल्लिखित भवन की अधिकतम गहराई उपयुक्त काष्ठ भार रेखा के उपरी किनारे पर चिह्नित गहराई होगी।

19 उपयुक्त भार रेखा :—पोंग के संबंध में उपयुक्त भार रेखा ठंडी अनुसूची के अनुबन्ध के अनुसार किसी निर्दिष्ट स्थान और समय पर निर्दिष्ट की जाएगी।

20. भार रेखाओं की स्थिति—पोत पर हर भार-रेखा अंकित करना अपेक्षित है। यह पोत के हर तरफ ऐसी स्थिति में अंकित की जाएगी कि एक रेखा के ऊपरी किनारे से नीचे की ओर खड़ी आपित तुरी सार रेखा के ऊपरी किनारे तक पोत के नियत फ्रीबोर्ड के बराबर होगी जो उस भार रेखा को उपयुक्त है।

21 अंकन की प्रणाली—(1) उप-नियम (2) और (3) की अपेक्षाओं के अनुसार पोत के हर तरफ उपयुक्त चिन्ह इस तरह अंकित किया जाएगा कि स्पष्ट रूप से दिखाई दे। (2) यदि पोत के पार्श्व धातु के हों तो उपयुक्त चिन्ह कट किये जाएंगे या मध्य पंच या घेरु किये जाएंगे यदि पोत के पार्श्व काष्ठ के हों तो फलक पर चिन्ह कम से कम 3 मिली मीटर गहराई में कट किये जाएंगे; यदि पार्श्व अन्य पदार्थों के बने हों और अंकन की यह प्रणालिया प्रभावशाली न हों, तो पोत के पार्श्व पर मोड़ देकर या अन्य कुछ प्रभावी प्रणाली से स्थायी तौर पर चिन्ह लगाए जाएंगे।

(3) यदि पृष्ठभूमि गहरी हो तो उपयुक्त चिन्ह सफेद या पीले रंग में और यदि पृष्ठभूमि हल्की हो तो काले रंग में चिह्नित किया जाएगा।

22 उपयुक्त चिन्हों को हटाने और का प्राधिकार—पोत पर उप-युक्त चिन्ह अंकित होने के पश्चात् समनुदेशन प्राधिकारी के प्राधिकार के बिना ऐसे चिन्ह न हटाए जाएंगे, न हटाए या मिटाए जाएंगे और न ही उनमें कोई परिवर्तन किया जाएगा।

23 समनुदेशन प्राधिकारी का चिन्ह—(1) उपनियम (2) में दिए गए समनुदेशन प्राधिकारी का चिन्ह पोत के हर तरफ भार-रेखा चिन्ह के साथ उस चिन्ह की खड़ी रेखा के ऊपर या नीचे अंकित होना चाहिए।

(2) समनुदेशन प्राधिकारी का चिन्ह, प्राधिकारी का नाम पहचानने के लिए आक्षरों से अधिक नहीं होना चाहिए, हर आक्षर की ऊंचाई लगभग 115 मिली मीटर और चौड़ाई 75 मिलीमीटर होनी चाहिए।

#### भाग—IV

##### समनुदेशन की शर्तें

24. फ्रीबोर्ड का समनुदेशन—(1) सिवाय जैसा अन्यथा उप-नियम (2) और (3) में दिया गया है प्रत्येक पोत जिसका फ्रीबोर्ड इन नियमों के अधीन समनुदेशित है प्रथम अनुसूची के भाग-I के अधीन लागू अपेक्षाओं का पालन करेगा।

(2) टाइप 'A' या प्रत्येक पोत जिस पर प्रथम अनुसूची के भाग-II की अपेक्षाएं लागू होती हैं या टाइप फ्रीबोर्ड समनुदेशित प्रत्येक पोत जिस पर प्रथम अनुसूची के भाग-IV की अपेक्षाओं का पालन करेगा जब तक कि उस अनुसूची के भाग-II, III या IV के अनुसार अन्यथा करना आवश्यक न हो।

(3) प्रत्येक विद्यमान पोत जो ऐसा पोत नहीं है जिस पर नियम 28 की धारा (ख) के परन्तु क साथ पठित इसी नियम की धारा (क) के अनुसार फ्रीबोर्ड समनुदेशित करना अपेक्षित है तो के फ्रीबोर्ड के समनुदेशन की ऐसी अपेक्षाओं का पालन करेगा जो इन नियमों के लागू होने से ठीक पहले लागू कानून के अधीन पालन की जाती थी।

25 समनुदेशन की शर्तों का पालन—(1) सिवाय जैसा अन्यथा उपनियम (2) में दिया गया है पोत निम्नलिखित स्थितियों में समनुदेशन की शर्तों का पालन करना हुआ नहीं समझा जाएगा (क) यदि किसी समय फ्रीबोर्ड के समनुदेशन के पश्चात् पोत के खाद्य अधिनियम (फिडिन्स) या उपकरणों में कोई परिवर्तन इस संस्था में होना है कि—

(1) नियम 24 के अधीन पोत पर लागू किसी विशेष या पाला नहीं किया गया है।

(2) नियम 26 के अनुसरण से पोत के संबंध में बनी समनुदेशन की शर्तों का अभिलेख काफी गहन दिया गया है, और

(ख) यदि नियम 26 के उपनियम (2) के अनुसार पोत पर समनु-देशन की शर्तों का अभिलेख नहीं रखा गया हो।

(2) पोत में उपनियम (1) की धारा (क) में वर्णित कोई परिवर्तन होने पर या पोत समनुदेशन की शर्तों का पालन करना हुआ समझा जाएगा, यदि—

(क) परिवर्तन के पश्चात् नया फ्रीबोर्ड पोत की शर्तों का उपयुक्त है और इस पर भार रेखा अंकित है और उक्त स्वामी को नया प्रमाणपत्र जारी कर दिया गया है या

(ख) समनुदेशन प्राधिकारी की ओर से परिवर्तन का निरीक्षण किया गया है और समनुदेशन प्राधिकारी सन्तुष्ट है कि यह परिवर्तन ऐसा नहीं है जिसके लिए पोत के समनुदेशन फ्रीबोर्डों में कोई बदलाव अपेक्षित है और परिवर्तन के सम्पूर्ण विवरण सहित निरीक्षण की तारीख और स्थान समनुदेशन की शर्तों के अभिलेख में गत्यक्षक द्वारा पृष्ठांकित किया गया है।

26 समनुदेशन की शर्तों का अभिलेख—(1) चौथी अनुसूची में दिए गए फार्म में उस पोत के खाद्य अधिनियम, जुबान (फिडिन्स) और उपकरणों का अभिलेख, जिसका फ्रीबोर्ड समनुदेशित है उस फार्म में होगा जो चौथी अनुसूची में दिया गया है, या परिस्थितियों के अनुसार उसमें यथासंभव मिलने जुलने फार्म में होगा और उक्त फार्म में अपेक्षित ब्यौरे दिए जाएंगे। ये ब्यौरे अभिलेख के साथ सर्वश्रेष्ठ रिपोर्ट की एक प्रति लगा कर और अभिलेख में इस रिपोर्ट के उद्धरण देकर दिए जा सकते हैं जिसमें सविधान अधीन दिए गए हैं।

(2) सर्वोच्च नियम के अनुसरण में पोत का सर्वक्षण निष्पादन करत हुए अभिलेख द्या करेगा और उसे नियम 5 के अनुसार के अनुसार समनुदेशन प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा। समनुदेशन प्राधिकारी अभिलेख सहित विवरणों और निर्देशों की दो प्रतियां पोत के स्वामी को भेजेगा, जो नियम 6 द्वारा प्रस्तुत करना अपेक्षित है।

(3) पोत स्वामी को समनुदेशन प्राधिकारी द्वारा प्रस्तुत समनुदेशन की शर्तों के अभिलेख विवरणों और निर्देशों की एक प्रति हर समय पोत पर कप्तान की कामरदा में रखनी होगी

#### भाग—V

##### फ्री बोर्ड

27 फ्रीबोर्ड के प्रकार (टाइप)—नियमों के अधीन किसी पोत का निम्नलिखित फ्रीबोर्ड समनुदेशित किए जा सकते हैं—

- (1) सीप्स फ्रीबोर्ड;
- (2) उष्ण कटिबंधीय फ्रीबोर्ड;
- (3) शीतकालीन फ्रीबोर्ड;
- (4) शीतकालीन उत्तरी अटलांटिक फ्रीबोर्ड;
- (5) मीठा पानी फ्रीबोर्ड;
- (6) उष्ण कटिबंधीय मीठा पानी फ्रीबोर्ड;
- (7) सीप्स काष्ठ फ्री बोर्ड;
- (8) शीतकालीन/काष्ठ फ्री बोर्ड;
- (9) शीतकालीन उत्तरीय अटलांटिक काष्ठ फ्रीबोर्ड;
- (10) सीप्स काष्ठ फ्रीबोर्ड;
- (11) मीठा पानी काष्ठ फ्रीबोर्ड, और
- (12) उष्ण कटिबंधीय मीठा पानी काष्ठ फ्रीबोर्ड।

28. फ्रीबोर्ड का निर्धारण—वेगा प्रत्येक नियम 29 में दिया गया है, उनके सिवाय—

(क) नए पोत का समनुदेशन किए जाने या पाला निर्धारित अनुसूची के अनुसार निर्धारित किए जाएंगे।

(ख) विद्यमान पोत को समनुदेशित किए जाने वाले फ्रीबोर्डों को इन नियमों के लागू होने से तत्काल पूर्ण लागू नियमों के अधीन पोत पर लागू उपबन्धों के अनुसार निर्धारित किया जाएगा;

लेकिन यदि विद्यमान पोत इस प्रकार निर्मित या परिवर्तित है जिसमें कि इस प्रकार के नए पोत पर लागू प्रथम अनुसूची की अपेक्षाओं का पालन हो रहा है और द्वितीय अनुसूची के अनुबन्धों के अनुसार निर्धारित फ्रीबोर्डों के समनुदेशन के लिए ऐसे पोत के संबंध में आवेदन किया जाए तो पोत को ऐसे फ्रीबोर्ड समनुदेशित किए जा सकते हैं।

29 फ्रीबोर्ड संबंधी अपवाद:—(1) न्यूनतम फ्रीबोर्ड से अधिक:—कोई पोत, स्वामी के उस विषय में आवेदन करने पर नियम 28 के अनुसार अवधार्य न्यूनतम फ्रीबोर्ड से महत्तर निम्नलिखित शर्तों पर समनुदेशित किया जाए, अर्थात्।

(क) नियम 4 के अनुसरण में पोत के सर्वेक्षण पर, समनुदेशन प्राधिकारी सन्तुष्ट है कि पोत—

- (1) इन नियमों के भाग 4,
- (2) इन में अन्य प्रथम अनुसूची से संबंधित स्थिरता;
- (3) इन नियमों के भाग 6 जहां तक स्थिरता से संबंध है, और
- (4) तृतीय अनुसूची जहां तक स्थिरता से संबंध है, की अपेक्षाओं का पालन करता है।

(ख) पोत काष्ठ फ्रीबोर्डों से समनुदेशित नहीं है।

(ग) यदि पोत को न्यूनतम फ्रीबोर्डों से अधिक समनुदेशित किया जाने वाला फ्रीबोर्ड इस तरह है कि पोत के पाश्वर्क में भार रेखा की स्थिति उस फ्रीबोर्ड से उपयुक्त है जो उसके अनुकूल या उससे नीचे होंगी और वह स्थिति जिस पर उस पोत के लिए भार-रेखाओं के निम्नतम उपयुक्त न्यूनतम फ्रीबोर्डों को अंकित किया जाएगा:—

- (1) पोत के पाश्वर्क में भार-रेखा उपयुक्त न्यूनतम फ्रीबोर्ड से अधिक और अलवण जल फ्रीबोर्ड अंकित करना चाहिए।
- (2) भार-रेखा उपयुक्त न्यूनतम फ्रीबोर्ड से अधिक 'सर्व मोसमी भार रेखा' कही जाएगी जिसकी अनुप्रस्थ रेखा चिन्ह पर काटने वाली है तदनुसार इस पर चिन्ह लगाए जाएंगे,
- (3) नियम 17 के उप-नियम (2) में बताई गई ऊर्ध्वधर रेखा छोड़ दी जाएगी।
- (4) धारा (III) के उपबन्धों के अधीन अलवण जल भार रेखा जैसे नियम 17 के उप नियम (2) में दी गई है तदनुसार अंकित कर दी जाएगी।

(2) न्यूनतम फ्रीबोर्डों से कम:—(1) हापर टाइप पोत के स्वामी के उस विषय में आवेदन करने पर जो अन्तर्राष्ट्रीय जलयानाग्राहों में अन्य जलयानाग्राहों में आवेद है, जो किसी समय भी जमीन के निकट पूर्व से 20 मीटर से आगे नहीं जा सकता है, द्वितीय अनुसूची के भाग IV में दी गई शर्तों के अधीन नौवहन महानिदेशक ऐसे पोतों को न्यूनतम फ्रीबोर्डों से इस तरह कम किया गया न्यूनतम फ्रीबोर्ड समनुदेशित कर सकता है:—

- (1) द्वितीय अनुसूची के भाग 5 में दिए गए देश 'ख' के अनुसार उपयुक्त न्यूनतम फ्रीबोर्ड का पालन बड़े आठ, या
- (2) द्वितीय अनुसूची की धारा 4 या धारा 5 के अनुसार उपयुक्त न्यूनतम फ्रीबोर्ड का आधा,

शर्त यह है कि किसी भी मामले में ऐसा फ्रीबोर्ड 150 मिकी मीटर से कम नहीं होगा।

30 भार रेखा की विशेष स्थिति और फ्रीबोर्डों की स्थिति:—ऐसे मामले में जिसमें भार रेखा नियम 15 के उपनियम (3) के उपबन्धों के अनुसार पोत पाश्वर्क पर अंकित की जाती है, पोत के समनुदेशित फ्रीबोर्डों को उस उर्ध्वधर दूरी की अनुमति के लिए संशोधित किया जाएगा, जिससे भार रेखा की स्थिति नियम 15 के उपनियम (3) के अनुबन्धों के आधार पर परिवर्तित हो। चिन्ह की स्थिति के जिसके संबंध में एक रेखा इस प्रकार अंकित की गई है और उस डेक की पहचान या फ्रीबोर्ड उके माना गया है, ऐसे पोत के संबंध में जारी किए गए भार रेखा प्रमाण पत्र में दी जाएगी।

#### भाग—VI

##### स्थिरता और लदान

31 पोत की स्थिरता के बारे में जानकारी:—(1) हर पोत का स्वामी जिस पोत के फ्रीबोर्ड इन नियमों के अधीन समनुदेशित है, पोत कप्तान के निर्देशन के लिए, इस नियम के अनुबन्धों के अनुसार पोत की स्थिरता संबंधी जानकारी देगा।

(2) ऐसी जानकारी में, पोत की स्थिरता के समुचित विवरण, तृतीय अनुसूची के भाग II में निर्दिष्ट सभी मामले सम्मिलित होंगे, तथा परिकलन प्रक्रिया और विवरणों के फार्म जहां तक भी व्यवहार्य हों उन अनुसूची के भाग III या उसके तुल्य अनुसूची के अनुसार होना चाहिए। स्थिरता प्रथम उक्त तृतीय अनुसूची के भाग-1 में बताए गए मापदण्डों के अनुसार होंगे।

(3) उपनियम (4) के अनुबन्धों के अधीन, जब जानकारी पहली बार दी जाएगी, यह श्रुत परीक्षण द्वारा स्थिरता निर्धारित करने के आधार पर होगी, जब तक महानिदेशक अन्यथा अनुमति न दे। ऐसे महानिदेशक द्वारा नियुक्त सर्वेक्षक की उपस्थिति में कार्यान्वित किया जाएगा जब कभी पोत के परिवर्तन द्वारा उसकी विपुलता पर्याप्त रूप से प्रभावित होगी। पहली बार की गई जानकारी के स्थान पर नई जानकारी दी जाएगी। यदि महानिदेशक इसे आवेदन दे, तो ऐसी ताजी जानकारी प्रत्येक शुकावी परीक्षण के आधार पर होगी।

##### (4) महानिदेशक:—

(क) किसी पोत के मामले में अनुमान दे सकने के लिए जानकारी शुकावी परीक्षण के द्वारा प्रमाण पोत की स्थिरता निर्धारण पर आधारित की जा सकती है;

(ख) किसी पोत के मामले में जो शुकावी परीक्षण के साथ विमुख द्रवों या खुला कच्चा बोझा बढ़ाने करने के लिए विशेषतया डिजाइन किया हुआ है, शुकावी परीक्षण का आग्रह सकता है यदि उम्मीद प्रकार के पोत के संबंध में उपलब्ध जानकारी में, वह सन्तुष्ट हो जाए कि पोत के अनुदान और व्यवस्था ऐसी है, कि सभी सम्भाव्य लदान की शर्तों में पर्याप्त से अधिक स्थिरता प्राप्त होगी, और

(5) जानकारी, उपनियम (3) के अनुबन्धों के अनुसरण के उसके बदले कोई ताजी जानकारी, कप्तान का भेजने में पूर्व, स्वामी द्वारा या उनकी ओर से महानिदेशक को उनके अनुमोदन के लिए प्रस्तुत की जाए इसके साथ एवं प्रति उनके अभिलेख के लिए प्रस्तुत की जाए और किसी विशेष मामले में जैसा महानिदेशक का आदेश हो ऐसे परिवर्तन और संशोधन समाविष्ट किए जाए।

(6) इस नियम के पिछले अनुबन्धों के अनुसरण में दी गई जानकारी स्वामी पुस्तक के रूप में कप्तान को भेजेगा और उसको कप्तान की संधिस्था में हर समय पाल पर रखा जाएगा।

32 पोत में लदान और नौवहन के बारे में जानकारी:—(1) किसी ऐसे पोत का स्वामी, जो पोत 150 मीटर से अधिक लम्बा है और विशेषतया द्रवों या खुला कच्चा बोझा बढ़ाने करने के लिए डिजाइन किया हुआ है जिसके फ्रीबोर्ड इन नियमों के अधीन समनुदेशित

है ऐसे पात्र कप्तान की जानकारी के लिए उपनियम (2) और (7) के उपबन्धों के अनुसार पत्र लदान और नीचम सबधी जानकारी देगा।

(2) ऐसी जानकारी में विभाग से कार्य करने के उक्त विनियम करने वाले अनुदेश शामिल होंगे जिसमें पत्र का लदान और नीचम भी है ताकि उसकी संरचना में अवांछनीय प्रतियोग बनाने से रोका जा सके और इसमें पत्र के लिए अतिरिक्त स्वीकार्य प्रतिक्रिया बचाए जाएंगे।

(3) नियम 31 के उपनियम (5) के अनुबन्ध उपनियम (1) के अधीन अपेक्षित जानकारी की तरह लागू होंगे। नियम 31 के उपनियम (6) के अनुबन्धों के अनुसरण में पत्र के कप्तान का महानिदेशक द्वारा विधिवत अनुमोदित पत्र के रूप में अन्तर्निष्ठ जानकारी दी जाएगी तथापि नियम 31 और 32 द्वारा वह जानकारी हर नियम के शीर्ष और मध्य विनिर्दिष्ट तर्ज वाले पृष्ठ कीर्णों के अधीन पथक दिखाई जाती है।

### प्रथम अनुसूची

(नियम 4, 6, 9, 24, 28 और 29 देखें)

### समनुदेशन की शर्तें

#### भाग—I सामान्य

1 निर्बंधन (1) 1 और 2 स्थितियाँ — इस अनुसूची के लिए फलकामुखों, द्वार मार्गों और रोजनवालों की वा स्थितियाँ निम्न प्रकार से परिभाषित हैं

स्थिति 1 खुले फ्रीबोर्ड और उठी छतरी पर और अग्र लंब से पत्र की लम्बाई के एक चौथाई पर अवस्थिति बिंदु से आगे स्थित खुले अधिसंरचना डेको के ऊपर।

स्थिति 2 अग्र लंब से पत्र की लम्बाई के एक चौथाई पीछे स्थित अधिसंरचना डेको के ऊपर।

(2) वर्ग 'क' के पत्र — (1) वर्ग 'क' का पत्र वह है जो धुला ब्रश पहन करने के लिए डिजाइन किया हुआ है और जिसमें माल टकियों के केवल छोटे खुले मार्गों को जलरोक वास्केट किए हुए इस्तेमाल के भावरणा या समान पदार्थों में बंध किया गया है। ऐसे पत्र की अनिवार्यतः अन्तर्भूत विशेषताएँ निम्नलिखित हैं —

(क) खुले डेक की उच्च अक्षरता, और

(ख) लंबी हुई माल जगहों की कम पारगम्यता और साधारणतः किए गए उपविभाजन के अंश में होने वाले आप्लावन के विरुद्ध उच्च काटि की सुरक्षा।

(2) वर्ग 'क' का पत्र यदि लम्बाई में 150 मीटर से अधिक है और जब सीमा भार रेखा तक लाया गया है रिक्त कक्ष रखता हुआ डिजाइन किया हुआ हो, इन रिक्त कक्षा के किसी एक का आप्लावन का 0.95 गृहीत पारगम्यता पर मुकाबला कर सकेगा और सतुलन की सतोषजनक तैरता रहेगा, तो जब तक नौबहन महानिदेशक द्वारा अन्यथा अपेक्षित न हो निम्नलिखित धारा (3) के अनुसार होगा। शर्त यह है कि यदि पत्र की लम्बाई 225 मीटर से अधिक है, उसकी मशीनरी जगह उक्त आप्लावन योग्य विभागों में से एक माली जाएगी परन्तु पारगम्यता 0.85 समझी जाएगी।

(3) आप्लावन प्रकार के सतुलन को अंतिम दशा।

पत्र कम से कम निम्नलिखित शर्तों का अनुपालन करेगा —

(क) आप्लावन के पश्चात् अन्तिम जल रेखा किसी मार्ग के निचले किनारे से नीचे है जिससे वर्तमान आप्लावन हो सकता है,

(ख) अभीहित आप्लावन से श्रुकाव का अधिकतम कोण 15 अंश है,

(ग) स्थिर विस्थापित प्रांशवा द्वारा परिकल्पित होने पर, आप्लावन दशा में, पत्र केन्द्रीय अर्धार्ध 5 म म म 50 मिमी मीटर हो

(घ) पत्र का अन्तिम आप्लावन दशा में पर्याप्त अवशिष्ट स्थिरता है।

(3) वर्ग 'ख' के पत्र — सभी पत्र जो उक्त उप-वर्ग (2) में वर्ग 'क' के पत्रों की परिधि में नहीं आते हैं उन्हें वर्ग 'ख' के पत्र समझा जाएगा।

2 समनुदेशन और छूट समनुदेशन प्राधिकारी नीचहन महानिदेशक के अनुमोदन पर —

(1) पत्र पर क्रमण किसी जुड़नार, सामग्री, साधन, उपकरण या विशेष व्यवस्था जो इस अनुसूची के अनुबन्धों में से किसी एक के अधीन अपेक्षित है, के स्थान पर किसी जुड़नार, साधन या उपकरण फिट करने की अनुमति दे सकता है, यदि वह उसकी जांच में या अन्यथा समुष्ट है कि यत्र जैसा अपेक्षित है कम से कम वैसा प्रभावी हो सके।

(2) इस अनुसूची के उक्त उपबन्धों के किसी एक की अपेक्षाओं में किसी विनिष्ठ सामग्री में छूट देने की शर्त यह है कि पत्र के समनुदेशित फ्रीबोर्डों का ऐसे हद तक बचाए कि पत्र का सुरक्षा और कर्मचारी का संरक्षण मिले जो यथास्थिति कम प्रभावी नहीं समझा जाएगा, यदि पत्र फ्रीबोर्ड के सामान्य नियम के साथ उन अपेक्षाओं का पूर्णतः अनुपालन करे।

#### भाग—II

#### सभी पत्रों के लिए समनुदेशन को सामान्य शर्तें

3 पत्र सामर्थ्य — पत्र का डिजाइन और स्थिति ऐसी होगी कि उसका सामान्य संरचनात्मक सामर्थ्य उसके समनुदेशित फ्रीबोर्ड के लिए पर्याप्त होगा।

4 पत्र स्थिरता — पत्र का डिजाइन और निर्माण ऐसा सुनिश्चित होगा कि उसकी स्थिरता सभी सभाव्य लदान की शर्तों में उसके समनुदेशित फ्रीबोर्डों के लिए छठवीं अनुसूची में दी गई सगणनाओं की प्रक्रियाओं तथा स्थिरता के मापदण्ड के अनुसार अभीष्ट निकाओं के लिए पर्याप्त होगा।

5 जलरोक दरवाजे — (1) पत्रभीतों के सभी खुले मार्ग सतुलन अधिसंरचना के छोरो या किसी अन्य पत्रभीतों या पाशों और अद्वयों के छोरो पर जहाँ ऐसे जलरोक दरवाजे प्रयुक्त हाना अपेक्षित हैं वहाँ इस्तेमाल या अन्य सामग्री के दरवाजे म्याई नीर पर और मजबूती से पत्रभीत के साथ सलग और चौखट स्थिर और प्रयुक्त किए जाएंगे ताकि सारी संरचना अछेद्य पत्र भीत के तुल्य सामर्थ्य की हो और जब बंद हो, वर्षादि हो। इन जलरोक दरवाजों की सुरक्षा के लिए साधनों में वास्केट और क्लेप साधन या अन्य समार्ह साधन होंगे और वे पत्रभीतों या उनके दरवाजों पर म्याई नीर पर सलग होंगे और वे दरवाजे इस तरह व्यवस्थित होंगे कि पत्रभीत के दोनों पाशों से संचालित हो सकें।

(2) सिवाय जैसा अन्यथा इस अनुसूची में उल्लिखित है पत्रभीतों में खुले मार्गों के देहल की ऊंचाई सतुल अधिसंरचना के किनारों पर कम से कम 380 मि० मी० डेक के ऊपर होगी।

6 अधिसंरचना के अन्तिम पत्रभीत — सलग अधिसंरचनाओं के अन्तिम अधिसंरचित पत्रभीत पर सक्षम निर्माण होगा।

7 फलकामुखों की सामान्य अपेक्षाएँ — (1) माल की ओर अन्य फलकामुखों की 1 और 2 स्थितियों में वर्षादि बनाने के लिए निर्माण और साधन कम से कम पैरा 8 और 9 की अपेक्षाओं के तुल्य होंगे।

(2) अधिसंरचना डेक के ऊपरी डेको पर अधिसंरचना फलकामुखों के आप्लावन और फलकामुखों प्रावरण ऐसे निर्माण होंगे और फलका-



मुख को वर्षाव रकने के लिए उसमें ऐसे साधन फिट होंगे जैसे उसकी स्थिति को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त है।

8. सुबाह्य आवरणों द्वारा बंद और तिरपाल और पट्टी साधनों द्वारा वर्षाव फलकामुख (1) फलकामुख आइवल्स द्वारा फलकामुख पर्याप्त निर्माण के आइवल्स का होगा जब तक अन्यथा अनुमति न हो। आइवल्स का निर्माण नरम इस्पात का होगा। डेक के ऊपर आइवल्स की ऊंचाई कम से कम निम्नलिखित होगी।

यदि फलकामुख स्थिति 1 में हो, 500 मिलीमीटर

यदि फलकामुख स्थिति 2 में हो, 450 मिलीमीटर।

(2) फलकामुख आवरण (क) फलकामुख आवरणों के लिए हरेक सतह की चौड़ाई कम से कम 65 मिलीमीटर होगी।

(ख) जहाँ आवरण काष्ठ के बने हो, वहाँ उसकी परिसंज्ञित मोटाई कम से कम 60 मिलीमीटर होगी जो विस्तार साक्षर्य में अधिक से अधिक 5 मीटर तक होगी और बड़े विस्तारों के लिए आवरण की मोटाई विस्तार के 1/5 मीटर के लिए 60 मिलीमीटर के अनुपात से बढ़ी होगी। काष्ठ आवरणों के छानों को गममनापूर्वक जस्तेदार इस्पात पट्टियों से सुरक्षित रखा जाएगा।

(ग) जहाँ आवरण नरम इस्पात के बने हो वहाँ उसका सामर्थ्य निम्न सारणी के अनुसार गृहीत भारों के साथ परिकल्पित किया जाएगा और इस प्रकार परिकल्पित अधिकतम प्रतिबल के गुणफल और 4/25 घटक सामग्री के न्यूनतम अंतिम सामर्थ्य से अधिक नहीं होंगे। आवरण भी ऐसे डिजाइन किए होंगे कि विचलन सीमा का इन भारों के अधीन विस्तार 0.0028 गुने से अधिक नहीं होगा।

#### भारों की सारणी

(प्रति वर्ग मीटर)

पोत की लंबाई (L)	स्थिति 1 में फलकामुख	स्थिति 2 में फलकामुख
24 मीटर	1 मीटरी टन	0.75 मीटरी टन
100 मीटर या अधिक	1.75 मीटरी टन	1.30 मीटरी टन
24 मीटर से अधिक लेकिन 100 मीटर से कम	रेखीय प्रलोचन द्वारा अभिनियमित की जाएगी।	

(3) सुबाह्य धरण — जहाँ सहायक फलकामुख आवरणों के लिए सुबाह्य धरण नरम इस्पात के बने हो वहाँ ऐसे धरणों का सामर्थ्य उपयुक्त गृहीत भार के साथ परिकल्पित होगा जो उक्त उपपैरा (2) की सारणी के अनुसार अभिनियमित होगा और इस प्रकार परिकल्पित अधिकतम प्रतिबल का गुणफल और घटक 5 सामग्री के न्यूनतम अंतिम सामर्थ्य से अधिक नहीं होगा। साथ ही ऐसे धरणों को इस तरह डिजाइन किया जाएगा कि उक्त गृहीत भारों के अधीन विचलन सीमा विस्तार के 0.0022 गुने से अधिक न हो।

(4) पीपा आवरण — (क) जहाँ नरम इस्पात के पीपा आवरण सुबाह्य धारी आवरणों के स्थान पर इस्तेमाल हुए हो वहाँ उनका सामर्थ्य उपयुक्त गृहीत भार के साथ परिकल्पित होगा जो उपपैरा (2) की सारणी के अनुसार अभिनियमित होगा और इस प्रकार परिकल्पित अधिकतम प्रतिबल का गुणफल और गुण 5 सामग्री के न्यूनतम अंतिम सामर्थ्य से अधिक नहीं होगा। साथ ही ऐसे धरणों को इस तरह डिजाइन किया जाएगा कि विचलन सीमा विस्तार के 0.0022 गुने से अधिक न हो।

(ख) ऐसे आवरणों के जोड़ पर नरम इस्पात प्लेट्स की मोटाई में पुर्तगी भारों के मध्य स्थानों के एक प्रतिशत या, यदि वह अधिक है, 6 मिलीमीटर से कम नहीं होगा।

(5) याधार धरणों का — याधार धरणों के लिए आधार या थाल निर्माण पर्याप्त को और धरना की पर्याप्त फिटिंग और सुरक्षा करने के लिए साधन होंगे जहाँ वेलाफोर धरण इस्तेमाल हुए हैं वहाँ याधारों से सुनिश्चित करना होगा कि जब फलकामुख बंद हो तब धरण स्थिति में हों।

(6) बल्ट — धर्मट जैसे गेट किए जाएंगे कि वेज के टेपर को फिट कर सकें, वे कम से 15 मिलीमीटर चौड़े और फलकामुख में अधिक से अधिक 150 मिलीमीटर तक अंतर पर होंगे।

(7) पट्टी और वेज — पट्टियाँ और वेज सक्षम और अच्छी हालत में हाने चाहिए। वेज ठोकर कठ या अन्य मुख्य सामग्री का होना चाहिए। उनके अधिक से अधिक 6 में 1 तक टेपर होने चाहिए और धर्म 13 मिलीमीटर से कम मोटा नहीं होना चाहिए।

(8) तिरपाल तिरपालों को कम से कम दो तरह अच्छी हालत में लिया जाये। या 2 मध्य फलकामुख के लिए ही जारी चाहिए। तिरपाल जब सड़ और पर्याप्त समर्थ के होने चाहिए। वे उन सामग्री के बने होंगे जो वज्रा और गुण में कम से कम अनुमानित स्तर के हों।

(9) फलकामुख आवरणों की सुरक्षा सभी फलकामुख के लिए 1 या 2 स्थिति में गममनापूर्वक के लिए इस्पात छड़ या अन्य समर्थ साधन दिए जाने चाहिए और तिरपाल पट्टी द्वारा याधार बंधने के पश्चात् फलकामुख आवरणों का हर खंड खननपूर्वक पुनर्निर्मित होना चाहिए। वहाँ से 15 मीटर से अधिक अंतिम गेटों की निर्माण साधनों द्वारा सुनिश्चित फलकामुख रखे जाने चाहिए।

(10) सामग्री — यदि कितना फलकामुख के आइवल्स आवरणों और धरना के निर्माण का सामग्री नरम इस्पात से इन सामग्री से बनी हो तो ऐसा सामग्री में बत प्रदान, आवरण और धरण ऐसे सामर्थ्य और क्षमता के होंगे जैसे नरम इस्पात के लिए इस अनुसूची में निर्दिष्ट है।

9. इस्पात के जलरोक आवरणों द्वारा या अन्य गार्केटो और क्लैपिंग साधनों के साथ प्रयुक्त मुख्य सामग्री द्वारा बंद फलकामुख (1) फलकामुख आवरण (1) फलकामुख के आइवल्सों का पर्याप्त निर्माण होना चाहिए। आइवल्स की शक्ति से कम ऊंचाई —

स्थिति 1 में 600 मिलीमीटर

स्थिति 2 में 450 मिलीमीटर

हानी चाहिए।

(ख) वगैरह कि यदि रोडरन महाविशेष अनुमोदित कर दें, प्रदान की ऊंचाई कम की जा सकती है या प्रदान विशेष परिकल्पितों में हटा दिया जा सकता है, इस बात पर कि पान की, बहुत खराब समुद्र और लूफानी व्यवस्था में सब से नगे पान से मिट्टन हों के कमस्वरूप अति से सुरक्षा को हानि नहीं पहुँचेगी।

(2) जलरोक आवरण, (क) नरम इस्पात के बने तीन जलरोकी आवरणों का सामर्थ्य पैरा 6(2) के भारों की सारणी के अनुसार गृहीत भार के साथ परिकल्पित किया जाएगा और इस तरह परिकल्पित अधिकतम प्रतिबल के गुणफल और घटक 4/25 सामग्री के न्यूनतम अंतिम सामर्थ्य से अधिक नहीं होंगे। साथ ही ऐसे धरणों को इस तरह डिजाइन किया जाएगा कि विचलन सीमा इन भारों के अधीन विस्तार के 0.0028 गुने से अधिक नहीं होगी।

(ख) ऐसे आवरणों के जोड़ पर नरम इस्पात प्लेट्स की मोटाई में पुर्तगी भारों के मध्य स्थानों के एक प्रतिशत या, यदि वह अधिक है, 6 मिलीमीटर से कम नहीं होगा।

(3) वर्षाव रकने के लिए साधन फलकामुख आवरण गार्केटो और क्लैपिंग साधनों के जुड़नार (फिटिंग) द्वारा वर्षाव रकने जाएंगे

यदि कोई मुख्य व्यवस्था अपनाई जाएगी तो मुनिष्ठित करना होगा कि किसी भी समुद्री स्थिति में रुकता बनाई रखा जा सकती है, इस हेतु रुकता के लिए परीक्षण प्रारम्भिक सर्वेक्षण पर अपेक्षित होंगे और आवश्यक सर्वेक्षणों और वार्षिक निरीक्षणों पर या बारबार अधिक समयान्तरालों पर अपेक्षित होंगे।

10 मशीनरी जगह के मार्ग —(1) मशीनरी जगह के मार्ग स्थिति 1 या 2 में पर्याप्त सामर्थ्य के इस्पात खोल द्वारा उचित रीति से निर्मित और सक्षमतापूर्वक संलग्न होंगे, उस सीमा का ध्यान रखा जाएगा, जिससे खोल अन्य सरचनाओं द्वारा सुरक्षित हैं।

(2) इस अनुसूची के पैरा 5 का अनुपालन करते हुए ऐसे खोलों में हर द्वार में इस अनुसूची के पैरा 5 के अनुसार दरवाजे लगे होंगे जिसके देहलों की कम से कम निम्नलिखित ऊंचाई होगी —

यदि मार्गस्थिति 1 में है तो डेक से ऊपर 600 मिलीमीटर

यदि मार्गस्थिति 2 में है तो डेक से ऊपर 380 मिलीमीटर, ऐसे खोल में अन्य मार्गों पर स्थायी तौर पर इस्पात के संलग्न आवरण प्रयुक्त होंगे जिनके द्वारा यह वर्षावृद्धि बढ़ किया जा सकता है और सिवाय ऐसे आवरण के मामले में जो बोस्टों से जड़ी प्लेट से बने हैं, दोनों पार्श्वों से परिष्कृत होने की क्षमता रखना है।

(3) किसी फिडले, फिनेल या संवाती मशीनरी जगह के अडवाल, फ्रीबोर्ड या अधिसंरचना डेक पर खुली स्थिति में जैसा व्यवहार्य हो, और इसकी स्थिति और समुद्र से पर्याप्त सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए डेक से अधिक से अधिक ऊंचाई पर होंगे।

11 फ्रीबोर्ड और अधिसंरचना डेको में विविध मार्ग (1) नर मोखे और सम्प्रवाह मोखे स्थिति 1 या 2 में या सलग्न अधिसंरचना से इतर अधिसंरचना में जलरोक बनाने में समर्थ आवरणों द्वारा बंद किए जाएंगे। जब तक ये पास-पास लगे पटखनियों से सुरक्षित न हों, ये आवरण स्थाई तौर पर सलग्न किए जाएंगे।

(2) डेक में फलकामुख, मशीनरी जगह के मार्ग, नरमोखा और सम्प्रवाह मोखा से अन्य मुख —

(क) यदि फ्रीबोर्ड डेक पर स्थित हो तो शीत और वर्षावृद्धि में पृष्ठांकित अधिसंरचना के मुख्य सलग्न अधिसंरचना या डेक धर या डेक सीढ़ी द्वारा सुरक्षित होंगे,

(ख) यदि पृष्ठांकित अधिसंरचना के ऊपर डेक में खुली स्थिति में स्थित हो, और उसी अधिसंरचना में अधिगम्य जगह देते हुए या फ्रीबोर्ड डेक में डेक-धर के शीर्ष पर और फ्रीबोर्ड-डेक के नीचे अधिगम्य जगह देते हुए हो, तो वर्षावृद्धि दरवाजे लगे दक्ष डेक-धर या डेक-सीढ़ी द्वारा सुरक्षित होंगे,

(ग) यदि सलग्न अधिसंरचना के ऊपर डेक से ऊपर डेक में खुली स्थिति में स्थित हो, और उस अधिसंरचना में अधिगम्य जगह देते हुए हो, तो उप-पैरा (ख) की अपेक्षाओं के अनुसार या उसकी स्थिति को ध्यान में रखते हुए किसी मात्रा में सुरक्षित होंगे।

(3) ऐसे दक्ष डेक-धर, डेक-सीढ़ी या सलग्न अधिसंरचना में द्वारों पर जैसे उप पैरा (2) में वर्णित है, पैरा 5 की अपेक्षाओं का अनुपालन करते हुए दरवाजे फिट होंगे और देहल को न्यूनतम ऊंचाई निम्नलिखित होगी —

स्थिति 1 में 600 मिलीमीटर

स्थिति 2 में 380 मिलीमीटर

12. संवाती —(1) फ्रीबोर्ड डेक या संलग्न अधिसंरचना के डेकों के नीचे की जगहों की स्थिति 1 या 2 में संवाती इस्पात के अडवालों या अन्य मुख्य धातु के होंगे। इनका निर्माण पर्याप्त होगा और वक्षतापूर्ण डेक से संबद्ध होंगे।

(2) (i) संवाती के अडवालों की कम से कम ऊंचाई निम्नलिखित होगी —

(क) यदि स्थिति 1 में संवाती हो तो डेक से ऊपर 900 मिलीमीटर;

(ख) यदि स्थिति 2 में संवाती हो तो डेक से ऊपर 760 मिलीमीटर; परन्तु जब संवाती ऐसी स्थिति में स्थित है कि उस पर विशेष रूप से मौसम और समुद्र का प्रभाव पड़ेगा तो अडवाल की ऊंचाई उक्त न्यूनतम ऊंचाई से पर्याप्त मात्रा में बढ़ा दी जाएगी ताकि इसकी स्थिति को ध्यान में रखते हुए इसे पर्याप्त सुरक्षा मिले।

(ii) जहाँ किसी संवाती के अडवाल ऊंचाई में 900 मिलीमीटर से अधिक हो तो वहाँ यह ब्रेकेटों, रस्सियों या अन्य साधनों से सक्षमता यामकर रखा जाएगा।

(3) संलग्न अधिसंरचनाओं से अन्य अधिसंरचनाओं में गुजरने वाली स्थिति 1 या 2 में संवाती, इस्पात के अडवाल या अन्य मुख्य धातु के होंगे। इनका निर्माण पर्याप्त होगा और ये फ्रीबोर्ड डेक से संबद्ध होंगे और उस डेक के ऊपर कम से कम 760 मिलीमीटर ऊपर होंगे।

(4) उप-पैरा (5) के अधीन स्थिति 1 या 2 में खुलने वाले हर संवाती के साथ ऐसा सक्षम उपकरण होगा जिससे यह बंद और वर्षावृद्धि रखा जा सके। ऐसा हर बंद करने का उपकरण जो 100 मीटर तक लंबाई वाले पोत पर लगाया जाएगा, स्थाई रूप से उस पर संलग्न होगा और अन्य पोत के मामले में या तो उसी तरह संलग्न होगा या जिस संवाती के यह फिट किया गया है, उस संवाती के पास सुविधानुसार रखा जाएगा।

(5) (क) स्थिति 1 में संवाती जिसका अडवाल डेक के ऊपर ऊंचाई में 4.5 मीटर से अधिक हो और स्थिति में संवाती जिसका अडवाल डेक के ऊपर ऊंचाई में 2.3 मीटर से अधिक हो उनमें बंध करने के उपकरण फिट करने की आवश्यकता नहीं है जब तक कि —

(1) यह मशीनरी जगहों या माल कक्ष के लिए प्रयुक्त न होता हो, या

(2) ऐसे उपकरण का जुड़ना, परिस्थितियों में आवश्यक न हो, ताकि पर्याप्त सुरक्षा मिल सके।

(ख) बैटरी कक्ष में मुख्य जगह की स्थिति 1 या 2 में संवाती के साथ बंध करने का उपकरण फिट नहीं होगा।

13. वायु नलियां —(1) जहाँ मोरम और अन्य टंकियों को वायु नलियां फ्रीबोर्ड या अधिसंरचना डेक के ऊपर विस्तार से हो वहाँ नलियों के छूने भाग पर्याप्त निर्माण के होंगे और किसी ऐसी वायुनली के छूने मुखों के वर्षावृद्धि बन्ध करने के लिए उनमें सक्षम साधन फिट होगी जो इसके साथ स्थायी रूप से संलग्न होंगे।

(2) (i) डेक के ऊपर वायु नली मुख की ऊंचाई जिसके द्वारा पानी नीचे प्रवेश पा सके, निम्नलिखित होंगी —

(क) यदि वह डेक फ्रीबोर्ड डेक है तो कम से कम 760 मिलीमीटर

(ख) यदि वह डेक मानक ऊंचाई की अधिसंरचना के ऊपर है या 760 मिलीमीटर तक ऐसी किसी ऊंचाई की अधिसंरचना के ऊपर है जो अधिसंरचना की मानक से कम ऊंचाई को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त सुरक्षा के लिए आवश्यक समझी जाए, तो कम से कम 450 मिलीमीटर हो।

(ii) परन्तु पिछले उप पैरा 2 (1) में वर्णित ऊंचाई, किसी विशेष मामले में न्यूनतम विनिर्दिष्ट ऊंचाई से कम हो सकती है, यदि ऐसी ऊंचाई से पोत कार्य में अनुचित रूप से बाधा पड़े और यदि बंध

करने की व्यवस्थाएं ऐसी हों कि निचली ऊंचाई तक समुद्र से पर्याप्त सुरक्षा सुनिश्चित हो।

14. माल द्वार तथा अन्य उसी प्रकार के मुख : (1) माल द्वारों और अन्य उसी प्रकार के मुखों की संख्या, फ्रीबोर्ड डेक के नीचे पोत पार्श्वों पर या उन अधिसंरचनाओं के छोरों, पर जो पोत के खोल की लगातार भाग हैं, पोत डिजाइन और उसके उचित कार्य चालन के अनुरूप होगी—

(2) ऐसे माल द्वार और मुखों पर बरबाजे लगे होंगे जो इस तरह फिट और डिजाइन किए गए होंगे कि यह सुनिश्चित हो जाए कि खोल की चारों ओर की प्लेटबंदी के अनुसार जलरूधता और संरचनात्मक अखंडता सुनिश्चित हो सके।

(3) जब तक लीवहुन महाविदेशक परिस्थितियों में ऐसी अनुमति न दे तब तक ऐसे मुखों के निचले ओर फ्रीबोर्ड डेक के एक और समोत्तर खींची गई रेखा से नीचे नहीं होंगे जिसके निम्नतम बिंदु पर सर्वोच्च भार रेखा का ऊपरी छोर है।

15. परनाले अंतर्गम और नाली (1) निम्नलिखित में से किसी से पोत के खोल में होकर बोर्ड पर न जाए गए सभी नलों पर—

- (क) फ्रीबोर्ड डेक के नीचे जगह, या
- (ख) संलग्न अधिसंरचना के अंदर जगह, या
- (ग) फ्रीबोर्ड डेक पर किसी ऐसे डेक घरों के भीतर जगह जिनमें पैरा 6 के अनुसार वर्षा रोक बरबाजे लगे हों।

पानी अंदर आने से रोकने के लिए निम्नलिखित उप-पैरा के अनुसार सक्षम और सुलभ साधन फिट होंगे।

(2) (क) धारा (ख) और (ग) के अधीन बंद करने के ऐसे साधनों में खोल पर एकल स्वचालित एकतरफ वाल्व होगा और फ्रीबोर्ड डेक से ऊपर की स्थिति से उसमें बंद करने का वास्तविक साधन होगा। ऐसी स्थिति तुरन्त पटुंच योग्य होगी और इसके साथ एक सूचक लगा होगा जिस से पता चल सके कि वाल्व खुला है या बंद है।

(ख) यदि ग्रीष्म जल भार रेखा से निकास पाइप के बोर्ड के अंदर बाने छोर तक खड़ी ऊंचाई 0.0 से अधिक हो तो निकास पाइप में बंद करने के निश्चित साधनों के बिना दो स्वचालित एक तरफ वाल्व हो सकते हैं जिनमें से बोर्ड के अंदर की ओर वाला वाल्व परीक्षा के लिए आसानी से पटुंच योग्य होना चाहिए तथापि जहां खड़ी ऊंचाई 0.02 से अधिक हो वहां बंद करने के निश्चित साधन के बिना एकल स्वाचालित एकतरफ वाल्व लगाया जा सकता है, यदि वह परिस्थितियों में सामान्य प्रभावी हों। एकल वाल्व और बाहरी वाल्व जहां दोनों हों वहां वे जहां तक व्यवहार्य हों, बोर्ड के तजवीक से तजवीक लगाए जाएं और पर्याप्त रूप से जोड़े जाएं।

(ग) किसी भी स्तर से शुरू होने वाले और खोल के अंदर फ्रीबोर्ड डेक से नीचे 550 मिली मीटर से अधिक तक जाने वाले या ग्रीष्म जल भार रेखा के ऊपर 600 मिली मीटर से कम तक जाने वाले सपर और निकास पाइपों में खोल पर एक ही एकतरफ वाल्व होगा।

यदि नलों का निर्माण काफी अच्छा हो और खंड (क) के अनुसार वाल्व लगाना आवश्यक न हो, तो वाल्व को छोड़ा जा सकता है।

(3) (क) कर्मचलयुक्त मशीनरी जगह में स्थित और मुख्य या सहायक समुद्र प्रवेश द्वार या नितल प्रवेश प्रणाली के रूप में काम कर रहे किसी वाल्व के नियंत्रण ऐसे स्थान पर लगाए जाएंगे कि सेवा स्थिति में वे हर समय तुरन्त पटुंच योग्य रहे। निम्नलिखित उप पैरा में उल्लिखित वाल्व में एक सूचक लगा होगा जिससे पता चल सके कि वाल्व खुला है या बंद है।

(ख) कर्मचल रहित मशीनरी जगह में स्थित और समुद्र प्रवेश द्वार या नितल प्रवेश प्रणाली के रूप में काम कर रहे किसी वाल्व के नियंत्रण

ऐसे स्थान पर लगाए जाएंगे कि सेवा स्थिति में वे हर समय तुरन्त पटुंच योग्य हों। पटुंचने या परिचालन नियंत्रण से संभाव्य ड्रेरी के संबंध में विशेषतया ध्यान दिया जाए। इसके अतिरिक्त जिस मशीनरी जगह में वाल्व स्थित है उसमें सक्षम चेतावनी साधन लगा होगा ताकि सामान्य परिचालन के परिणामस्वरूप मशीनरी के आने वाले पानी से इतर किसी अन्य तरीके से मशीनरी जगह में पानी आने की उपयुक्त नियंत्रण स्थिति पर चेतावनी मिल सके।

(ग) इस-उप पैरा में "कर्मचल रहित मशीनरी जगह" का अर्थ है ऐसी मशीनरी जगह जो समुद्र पर पोत के सामान्य परिचालन के दौरान किसी समय के लिए कर्मचल रहित हो और "कर्मचल युक्त मशीनरी जगह" का अर्थ है कर्मचल रहित मशीनरी जगह से इतर मशीनरी जगह।

(5) संलग्न अधिसंरचना से इतर अधिसंरचना से आने वाले या ऐसे डेक पर से जिसमें वर्षारोक बरबाजे न हों, आने वाले सभी परनाले बोर्ड के ऊपर जाएंगे।

(6) इस पैरा के उपबंध द्वारा अपेक्षित सभी वाल्व और खोल जुड़-भार हस्ता, कांस्व या अन्य उपयुक्त तुल्य सामग्री के होंगे और सभी पाइप जो इस पैरा में उल्लिखित हैं हस्ता या अन्य तुल्य सामग्री के होंगे।

16. पार्श्व मोखा (1) फ्रीबोर्ड डेक की निचली जगह में या संलग्न अधिसंरचनाओं के अंदर की जगहों में बने पार्श्व मोखा में सक्षम अन्तर्द्वी अंधौटियां फिट होगी ताकि वे प्रभावी रूप से वर्षा रोक रखी जा सके और बंद की जा सके।

(2) एक पार्श्व मोखा किसी भी ऐसी स्थिति में नहीं होंगे ताकि उन को देहल एक और फ्रीबोर्ड डेक के सामान्तर खींची गई रेखा के नीचे हो और उसका निम्नतम बिंदु ग्रीष्म भार रेखा के ऊपर चौड़ाई (बी) का 2.5 प्रति शत या 500 मिली मीटर, जो भी अधिक बूरी हो।

(3) पार्श्व मोखा अपने कांच सहित यदि कांच लगे हो और अपी-टियां पर्याप्त और अनुमोचित प्रकार से निर्मित होगी।

17. निकास मोखा :—(1) जहां फ्रीबोर्ड डेक के खुले मार्गों में अडवाल या अधिसंरचना डेक कूप आकृति के हो वहां डेक से जल हटाने और उसे भीम्रता से निकालने के लिए पर्याप्त व्यवस्था होगी। पोत के के हर पार्श्व में फ्रीबोर्ड डेक पर हर कूप के लिए निकास मोखा क्षेत्र (ए) को निम्नलिखित सूत्र के अनुसार किए जाएंगे :—

(क) उठान के साथ फ्रीबोर्ड डेक पर कूप के मार्ग में मानक से उठान के बराबर या उससे अधिक

जहां एल 20 मीटर या कम हो—

वहां ए =  $0.7 \times 0.035$  एल (वर्ग मीटर)

जहां एल 20 मीटर से अधिक हों।

वहां ए =  $0.07$  एल (वर्ग मीटर)

अडवाल की लंबाई (एल) 0.7 एल से अधिक किसी दो मामले में लेने की आवश्यकता नहीं है।

(ख) यदि अडवाल की लंबाई (एल) 1.2 मीटर से अधिक या 0.9 मीटर से कम हो तो निकास मोखा क्षेत्र निम्नलिखित मात्रा में बढ़ाएं या घटाए जाए।

जहां एल 1.2 मीटर से अधिक हो वहां उक्त पैरा (क) में निम्नलिखित द्वारा बढ़ाया जाए

ए =  $(0.9 \text{ एल})^{0.04}$  एल वर्ग मीटर

(ग) अधिसंरचना डेको पर निकास मोखा क्षेत्र पैरा (क) पैरा (ख) द्वारा यथा संशोधित द्वारा प्राप्त क्षेत्र के केवल आधा होगा।

(घ) बिना उठाने वाले पोतों में पैरा (क) और (ख) से परिकल्पित क्षेत्र 50 प्रतिशत रेबीय अन्तर्बेशन द्वारा प्राप्त होगा।

- (2) ऐसी अधिसंरचना वाले पोत में जिसके दोनों में से एक या दोनों छोर खुले हों, ऐसे अधिसंरचनाओं के अंदर निकास जगह की पर्याप्त व्यवस्था समनुदेशन प्राधिकारी की तसल्ली के अनुसार की जाएगी।
- (3) अपेक्षित निकास मोखा क्षेत्र का दो बड़े तीन उठाव बंध में न्यूनतम बिंदु के निकटस्थ रूप के आधे में दिया जाएगा।
- (4) निकास मोखा का निचला छोर, जहां तक व्यवहार्य होगा डेक के निकटतम होगा।
- (5) अडवाल में ऐसे सभी मार्गों को लगभग 230 मिलीमीटर जगह से पृथक जंगला या छड़ों से सुरक्षित रखा जाएगा। यदि निकास मोखों प्रयुक्त किए जाते हैं तो कत्तने के लिए पर्याप्त गुंजाइश रखी जाएगी। कच्चे असक्षरी धातु के पिन या घाव के होने। यदि शटरो में मजबूरी से बद करने के उपकरण लगे हैं तो इनका निर्माण अनुमोदित प्रकार का होगा।

### 18 कर्मिंदल का संरक्षण

(1) कर्मिंदल आवास के लिए प्रयुक्त डेक घर की क्षमता यथास्थिति नौबहन महानिदेशक या अन्य किसी समनुदेशन प्राधिकारी, की तसल्ली के अनुसार होगी।

$$E = (A - 1.3) \times 0.04 \times \text{एल बर्ग मीटर}$$

जहां एल 0.9 मीटर से कम हो वहां उक्त उप पैरा (क) में ए निम्नलिखित द्वारा धटाय जाए :

(2) सक्षम जंगला या अडवाल फीबोर्ड डेकों के सभी खुले मार्गों की परि-सीमाओं पर प्रयुक्त होंगे। अडवाल या जंगले की ऊंचाई कम से कम एक मीटर होगी। परंतु यदि इस ऊंचाई से कुछ विशेष विस्तार पर पोत के सामान्य परिचालन के समय हस्तक्षेप हो और समनुदेशन प्राधिकारी पूर्ण संतुष्ट हो जाए कि विकल्प या पर्याप्त संरक्षण दिया हुआ है तो उस विस्तार के ऊपर कम ऊंचाई अनुमोदित की जा सकती है। समनुदेशन प्राधिकारी खुली डेकों के विनिर्दिष्ट क्षेत्रों में जंगले के बचने बचाव तार के प्रयोग की अनुमति दे सकता है :

(3) जंगले या बचाव तारों के निम्नतम भाग के नीचे का मुख 230 मिली मीटर से अधिक नहीं होगा। अन्य भागों के बीच की दूरी 380 मिली मीटर से अधिक नहीं होगी गोल नलों वाले पोत के मामले में सीखचे, डेक की चपटी सीमा पर बांधे जाएंगे।

(4) कर्मिंदल की पोत के आवश्यक कार्य में इस्तेमाल किए जाने वाले भागों, उनके आवासों और मशीनरी जगहों में आने जाने में सुरक्षा प्रदान करने के लिए जंगलों, बचाव तार, रक्षा रस्सिया, गलियारे या डेक के नीचे के भागों की व्यवस्था की जाएगी।

(5) जब डेक माल ले जाया जा रहा हो इस अनुसूची में दी गई समनुदेशनों की भर्त्ता के साथ हस्तक्षेप नहीं होगी और न यह किसी भी तरह कर्मिंदल के लिए बचाव साधनों पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा।

### भाग III

वर्ग 'क' पोस्त के लिए समनुदेशन की विनिर्दिष्ट शर्तें

10. मशीनरी खोल :—वर्ग के पोतों की मशीनरी खोल (1) संलग्न रूप तथा पूल जो कम से कम मानक ऊंचाई का है, या (2) समान ऊंचाई और तूट्य सामान्य तथा जल रोकता के डेकघर से अभिरक्षित होगा, लेकिन निम्न स्थितियों में यह अपेक्षा लागू नहीं होगी और खोल समनुसार खुला होगा :—

- (क) यदि खोल में कोई ऐसा द्वार नहीं है जिससे फीबोर्ड डेक से मशीनरी जगह तक सीधा प्रवेश किया जा सके।

(ख) यदि खोल के एकमेव मार्ग का दरवाजा पैरा 5 के अनुसार इस्पात का जलरोक दरवाजा और ऐसी खुली जगह या गलियारा की ओर खुलने वाला है जो उतना ही महत्व निमित्त है जितना कि खोल और सीढ़ी से मशीनरी जगह को एक दूसरे समान इस्पात जलरोक दरवाजे द्वारा अलग किया गया हो।

20 गलियारा और प्रवेश मुख :—(1) वर्ग 'क' पोतों के लिए इस पैरे में किए गए पूरा या असम्बद्ध पुन विधायक सर्त में पूरा या असम्बद्ध पुन के स्थान पर प्रयुक्त और उनका कार्य करने वाले डेक घर भी शामिल है।

(2) पूरा और असम्बद्ध पुन के बीच का पड़चमार्ग निम्नलिखित में से एक होगा

(क) उप-पैरा की अपेक्षाओं की पूर्ति करने वाले गलियारे, या

(ख) उप-पैरा 5 की अपेक्षाओं की पूर्ति करने वाले अवरडेक मार्ग, या

(ग) अन्य समान प्रभावी और समतुल्य अनुमोदित प्रवेश द्वार।

(3) पोत, जिसके कर्मिंदल का अपने कर्तव्यों के दौरान प्रतिकूल मौसम की स्थिति में असम्बद्ध पुन के आगे के स्थान या स्थानों की ओर या, जहां असम्बद्ध पुन नहीं होता वहां पूरा के आगे की ओर जाना होता है और सभी कर्मिंदल आवास तथा मशीनरी जगह पान की पिछली और स्थित होती है, के मामले में, ऐसी जगहों के लिए प्रवेश मुख निम्नलिखित में से कोई एक होगा :

(क) उप-पैरा (4) की अपेक्षाओं की पूर्ति करने वाले गलियारे, या

(ख) उप-पैरा (5) की अपेक्षाओं की पूर्ति करने वाले अवर डेक मार्ग, या

(ग) उप-पैरा (6) की अपेक्षाओं की पूर्ति करने वाली पगडड़ी।

(4) गलियारा विनिर्दिष्ट अधिसंरचना या उसके बदले डेक घर या जोड़ने वाला, और इस भाग के अधीन अपेक्षित निम्न अपेक्षाओं की पूर्ति करेगा —

(क) गलियारा अधिसंरचना के स्तर पर स्थायी और सक्षम रूप से निर्मित हो। हरेक सिरे के पास गलियारे स्तर से डेक के प्रवेश के सक्षम साधन रखे जाएंगे।

(ख) गलियारा प्लेटफार्म कम से कम चौड़ाई में 1 मीटर होगा और न फिसलने वाली सामग्री का होगा। प्लेटफार्म उसकी पूरी लंबाई में हर बाजू पर जंगल या बचाव तारों से धम द्वारा लगाया जाएगा ऐसे जंगले या तार कम से कम तीन रद्दा के होंगे, निम्नतम रद्दा 230 मिलीमीटर प्लेटफार्म के ऊपर और मध्य 380 मिली मीटर तक की दूरी पर परंतु मधोच्च प्लेटफार्म में से 1 मीटर तक की दूरी पर हो। अगली या बचाव तारों को घालवित करने वाले धम 1.5 मीटर तक की दूरी पर होंगे।

(5) अवरडेक प्रवेश मार्ग विनिर्दिष्ट अधिसंरचनाओं या उनके बदले डेकघरों को जोड़नेवाले और अवधित प्रवेश देने वाले और इस भाग के अधीन अपेक्षित निम्न अपेक्षाओं की पूर्ति करने वाले होंगे।

(क) मार्ग फीबोर्ड डेक के तुरन्त नीचे तलरोक और गैररोक निर्मित होगा और संप्रकाशित तथा यांत्रिक संचालन द्वारा पर्याप्त संचालित होगा। इन मार्ग में समर्थ गैस परिचयन यंत्र लगाया होगा।

(ख) मार्ग, पोत की बाजू से पान की चौड़ाई (बी) के एक बड़े पांच की दूरी पर अपनी पूरी लंबाई में स्थित होगा परंतु जब कोई पोत इस तरह बना हो कि इस अपेक्षा को पूर्ति

करना व्यवहार्य न हो, तो उस के संबंध में दरी अवर डेक मार्ग रखे जाएंगे, एक बांधों और जमना बाजू जिसमें से हर एक एक खंड को छोड़कर सभी अपेक्षाओं को पूर्ति करेगा।

- (ग) गली से फीबीर्ड डेक तक जाने के लिए निर्गमक माधन इस प्रकार स्थित हों कि जो यथासंभव व्यवहार्य हों, कर्मिंदल के कार्यक्षेत्रों के तजदीक हो परन्तु किसी भी हालत में 90 मीटर से अधिक की दूरी पर न लगाए गए हों और उनमें बंद तथा खरित खोल देने लायक सक्षम माधन लगे हों और दोनों ओर से फीबीर्ड डेक पर प्रचाननजम हों। निर्गम का सुरक्षित रखने वाली डेक सीडी या फीबीर्ड डेक पर का डेक अर पर इस अनुसूची के पैरा 5 की अपेक्षाओं का पूर्ति करने वाला इस्पात दरवाजा लगा हो।

(6) यदि आवश्यक हों तो स्थायी बाधा पर उन्नत मार्ग के माधनों द्वारा अबाधित मार्ग देनेवाली और इस भाग के अन्तर्गत अपेक्षित पगडंडी निम्न अपेक्षाओं की पूर्ति करेंगी—

- (क) यह पगडंडी यथासंभव पात की मध्य रेखा के पास स्थित होगी और चौड़ाई में 1 मीटर से कम न होगी और इसमें इस पैरे के उप-पैरा (4) (ख) में उल्लिखित अपेक्षाओं के समान अपेक्षाओं की पूर्ति करने वाले जंगलों या बचाव तार लग होंगे।

- (ख) इस पगडंडी में फीबीर्ड डेक तक और उससे आने जाने के लिए मुक्त द्वार और वह ऐसे जंगलों या बचावतारों द्वारा कार्यक्षेत्रों के यथासंभव निकटतम होगी ताकि ऐसे द्वार पगडंडी के हर तीसरे में हो और दोनों बाजू पर एक दूसरे से अधिक से अधिक 90 मीटर तक की दूरी पर हो।

- (ग) यदि खुले डेक की अनुप्रस्थ लंबाई 70 मीटर से अधिक होती है तो पगडंडी पर पर्याप्त निमित्त आश्रय 15 मीटर तक की दूरी पर लगाए जाएंगे। ऐसा हर आश्रय कम से कम एक व्यक्ति को स्थान देने में समर्थ और इस प्रकार निमित्त हो कि आगे, डाखा और जमना बाजू से मोमम में रक्षा कर सके।

21. फलकामुख आवरण :—फीबीर्ड डेक पर खुली स्थिति में फलकामुखों का आवरण, फनी डेक या विस्तारित चौमोखे के शीर्ष पर, इस्पात से सक्षम निमित्त और अपरिपेक्ष हो।

22. निकास व्यवस्थाएं :—(1) फीबीर्ड डेक के सभी खुले मार्गों और वर्ग 'क' पोत की अधिसरचनाओं में डेक पोत बाजूओं की लंबाई के आधे पर अड्डालिया अन्य मुख्य प्रभाषी निकास, व्यवस्थाओं के बचने जंगलों या बचाव तार लगाए जाएंगे। ऐसे जंगले या बचाव तार इस भाग के पैरा 20 के उप-पैरा (4) ख में उनके लिए अपेक्षित अपेक्षाओं की पूर्ति करें और उठान पट्टी का ऊपरीकतारा यथासंभव नीचे हो।

(2) यदि वर्ग के पोतों की अधिसरचनाओं टुक से सक्षम हो तो टुक के मार्ग के फीबीर्ड डेक के खुले मार्गों में पोत बाजू के पास इस भाग के पैरा 20 के उप-पैरा (4) (ख) में उनके लिए उल्लिखित अपेक्षाओं की पूर्ति करने वाले जंगल या बचावतार लगाए जाएंगे।

(3) यदि पोत इस प्रकार निमित्त हो कि पोत निकास मोखों और व्यवस्थाओं के होने पर भी उसमें सेवास्थिति में फीबीर्ड डेक पर काफी पानी इकट्ठा होने की निहीतरूप में संभावना हो तो डेक पर उपयुक्त स्थितिधों में सक्षम पनकट लगाए जाएंगे।

#### भाग—IV

यहां ख ग. कम फीबीर्ड वाले पोत के लिए समनुवेशन की विशेष शर्तें

23. गलियारा और प्रवेश मुख :—जब कि वर्ग ख का कम फीबीर्ड जाने पात पैरा 20 का अपेक्षाओं का इसी प्रकार पूर्ति न करे जैसा कि वह वर्ग क का पोत होने पर करता, ऐसा पात निम्न पैरा की अपेक्षाओं की पूर्ति करे।

- (1) इस पैरे में दिए गए पूप या असंबद्ध पूप विषयक सबंधों में पूप या असंबद्ध पुल के स्थान पर लगाए गए और उनका काम करने वाले डेक धर शामिल है।

- (2) पूप और असंबद्ध पुल के बीच आने जाने के लिए उन संरचनाओं को जानने वाले पर्याप्त बल के सक्षमता पूत निमित्त गलियारे पोत के मध्य रेखा पर या उसके पास होंगे। गलियारा चौड़ाई में कम से कम 1 मीटर होगा और उसकी पूरी लंबाई में हर बाजू पर ऐसे जंगलों या बचाव तार जो पैरा 20 (4) (ख) में उल्लिखित ऐसे जंगलों या तारों के लिए अपेक्षित अपेक्षाओं की पूर्ति करें, लगाए जाएंगे। यदि गलियारे की लंबाई 70 मीटर से अधिक हो तो गलियारे के मार्ग में पैरा 20 (6) (ग) में उल्लिखित आश्रम सक्षम अपेक्षाओं की पूर्ति करने वाले आश्रम बनाए जाएंगे।

- (3) जिस पात के कर्मिंदल का अपने कर्मियों के दौरान प्रतिकूल मौसम की स्थिति में असंबद्ध पुल के प्रांगे के स्थान या स्थानों को छोड़ या जहां असंबद्ध पुल नहीं जाता वहां पूप के प्रांगे की ओर आना होता है और कर्मिंदल आवास तथा मशीनरी जगहें पात की विद्यता और स्थित होती हैं। उनके मामलों में ऐसे स्थानों का प्रवेश इस पैरे के उप-पैरे (2) के अन्तर्गत अधीन माधन द्वारा होगा।

परन्तु जिस पात फलकामुख अड्डाल डेक में ऊंचाई में 600 मिली मीटर या अधिक हो, उक्त स्थानों का प्रवेश देनेवाला और निम्न अपेक्षाओं की पूर्ति करने वाला दो पगडंडिया हो जाएंगे—

- (1) ये पगडंडिया पर्याप्त रूप से निमित्त यथाधानपूर्वक बन की होगी,
- (2) ये पगडंडिया हर एक चौड़ाई में कम से कम 1 मीटर हो और फीबीर्ड डेक पर फलकामुख अड्डाल संरचनाओं के बाह्य बाजू के पास, एक फलकामुखों का दाबा बाजू और दूसरा जमना बाजू हों,
- (3) हर पगडंडी पर फलकामुखों के बाह्य बाजू पर पैरा 20 (4) (ख) में ऐसे जंगलों या बचावतारों के लिए दी गई अपेक्षाओं की पूर्ति करने वाले जंगल या बचाव तार लगाए जाएंगे।

24. निकास दरवाजा :—पोत इस अनुसूची के पैरा 22 की अपेक्षाओं का पूर्ति करेगा।

#### भाग—V

काष्ठ काठोड धारक पोत के लिए समनुवेशन की विशेष शर्तें

25. अधिसरचना (1) पात की गलती कम से कम संलग्न अधिसरचना का मतलब ताराई की और कम से कम 0.07<sup>1</sup> को लंबाई की जानी चाहिए।

(2) यदि पात लंबाई में 100 मीटर से कम हो तो उस पर कम से कम मानक ऊंचाई पूप या छतरी जिस पर या तो डेक धर या मजबूत इस्पात हुए हो, लगाया जाएगा, ताकि उसका कुल ऊंचाई समान अधिसरचना की मानक ऊंचाई से कम न हो।

26. दुहरे तल का टंकिया :—दुहरे तल की टंकिया जहां पोत मध्य में पोत की आधी लंबाई में लगाई गई हो, ता उनपर समुच्छिन्नक धनुषीय वर्गीक प्रभाग होने चाहिए।

27. अड्डाल और टंकिया :—(1) पोत पर या तो स्थायी अड्डाल जो कम से कम ऊंचाई में 1 मीटर हों, विधेयत ऊपरी किनारे पर अनन्य

हों और डेक से संलग्न मजबूत मजबाल रस्ते से ठिका हो, लगाया जाएगा और इसमें इस अनुसूची के पैरा 17 की अपेक्षाओं की पूर्ति करने वाले विकास मोखे होंगे।

(2) पोत पर सक्षम जंगले और कम से कम 1 मीटर ऊंचाई के विशेष मजबूत निर्माण के और पैरा 18(2) की अपेक्षाओं की पूर्ति करने वाले होने चाहिए।

### द्वितीय अनुसूची

(नियम 4, 5, 6, 28, 29 देखिए)

#### फ्रीबोर्ड

#### भाग—I

#### सामान्य

1. लागू होना : (1) जैसा प्रत्येक उप पैरा (2) और (3) में दिया गया है, उसके सिवाय पोत के काष्ठ फ्रीबोर्ड से भिन्न नियत किए जाने वाले फ्रीबोर्ड, इस अनुसूची के भाग II के अनुबंधों के अनुसार निर्धारित किए जाएंगे, और पोत के नियत किए जाने वाले काष्ठ फ्रीबोर्ड भाग III के अनुसार निर्धारित किए जाएंगे।

(2) उप-पैरा (1) के अनुसार निर्धारित फ्रीबोर्ड वे फ्रीबोर्ड है जो पोत के लिए उचित है और जिसका संरक्षणीय सामर्थ्य समनुदेशन प्राधिकारी द्वारा अपेक्षित उच्चतम मानक की पूर्ति करने वाला हो और पोत के लिए नियत किए जाने वाले फ्रीबोर्ड, जिसका संरक्षणीय सामर्थ्य उस मानक की पूर्ति नहीं करता, वे होंगे जो इस प्रकार नियत किए जाएंगे परंतु हर मामले में ऐसी मात्रा से बढ़ाए जाएंगे और जैसे कि नौवहन मजबूत-निवेशक के अनुमोदन से समनुदेशन प्राधिकारी नियत करे जो पोत के संरक्षणीय सामर्थ्य के अनुपात में हों।

(3) पोत की लंबाई के अनुपात में सारणीबद्ध फ्रीबोर्ड इस अनुसूची के भाग में वर्ग क पोतों के लिए सारणी क में और वर्ग ख के पोतों के लिए सारणी ख में दिखाए गए हैं।

(4) ऐसे टगों या कर्मियों रहित जहाजों के लिए जिन पर फ्रीबोर्ड डेक के रूप में केवल एक छोटा सा जलरक्षक बंध मार्ग हो या प्रस्ताधारण संरक्षणीय प्रकृति के पोतों के लिए निर्धारित किए जाने वाले फ्रीबोर्ड हम अनुसूची के भाग V के उपबंधों के अनुसार नियत किए जाएंगे।

#### भाग—II

#### काष्ठ फ्रीबोर्डों से भिन्न प्रकार के फ्रीबोर्ड

2. फ्रीबोर्डों की संगणना : (1) ग्रीष्म फ्रीबोर्ड इस अनुसूची के पैरा 3 और 4 के उपबंधों के अनुसार नियत किया जाएगा :

बशर्त कि इस प्रकार प्राप्त किया फ्रीबोर्ड, किन्तु बिना कोई डेकरेखा के लिए शुद्धि के जैसा कि पैरा 6 में दिया है, 50 मिलीमीटर से कम न होगा सिवाय ऐसे पोत के मामले में जिसकी स्थिति 1 में फलके मुख है जो प्रथम अनुसूची के पैरा 8(4), 9 या 21 की अपेक्षाओं की पूर्ति नहीं करते, फ्रीबोर्ड 150 मिलीमीटर से कम न होगा।

(2) उष्ण कटिबंधीय फ्रीबोर्ड उस पोत को लागू होने वाले ग्रीष्म फ्रीबोर्ड से ग्रीष्मीय डुबाव के एक बड़ा मजबूततासीस (1/48) कम करके प्राप्त किया जाएगा।

बशर्त कि इस प्रकार प्राप्त किया फ्रीबोर्ड, परन्तु बिना कोई डेकरेखा के लिए शुद्धि के जैसा कि पैरा 6 में दिया है, 50 मिलीमीटर से कम न होगा सिवाय ऐसे पोत के मामले में जिसकी स्थिति में घाच्छादन सह फलके मुख जो प्रथम अनुसूची के पैरा (8) के (4) 9 या 21 की अपेक्षाओं की पूर्ति नहीं करते, फ्रीबोर्ड 150 मिलीमीटर से कम न होगा।

(3) शीत फ्रीबोर्ड पोत को लागू होने वाले ग्रीष्म फ्रीबोर्ड में ग्रीष्म डुबाव का एक बड़ा मजबूततासीस (1/48) जोड़कर प्राप्त किया जाएगा।

(4) जो पोत लंबाई में 100 मीटर से अधिक नहीं हैं, उनके लिए शीत उत्तर ध्रुवांक फ्रीबोर्ड पोत को लागू होने वाले शीत फ्रीबोर्ड में

50 मिलीमीटर जोड़कर प्राप्त किया जाएगा। अन्य पोतों के लिए शीत उत्तर ध्रुवांक फ्रीबोर्ड शीत फ्रीबोर्ड होगा।

(5) (क) भीटा पानी फ्रीबोर्ड, उप-पैरा (ख) के अधीन ग्रीष्म फ्रीबोर्ड से मात्रा

$$\frac{\Delta}{\Delta T} \text{ मिलीमीटर}$$

कम कर के प्राप्त किया जाएगा जहां  $\Delta$  द्वारा पानी में नैट्रिक टनों में ग्रीष्म भार जलरेखा के पास विस्थापन है, और  $T$  द्वारा पानी में उस जलरेखा के पास डुबाव प्रति सेंटीमीटर नैट्रिक टन है।

(ख) किसी भी मामले में जहां उस जल रेखा के पास विस्थापन प्राप्त नहीं किया जा सकता है, कमी पोत के ग्रीष्म डुबाव के एक बड़ा मजबूततासीस (1/48) होगी।

3. 'क' वर्ग पोतों के लिए ग्रीष्म फ्रीबोर्ड : "क" वर्ग पोत के लिए फ्रीबोर्ड निम्न प्रकार निश्चित किया जाएगा :

(1) (क) प्रथमतः पोत की लंबाई के अनुपात में सारणीबद्ध फ्रीबोर्ड निश्चित किया जाएगा।

(ख) जिन पोतों का घनत्व गुणांक (cb) 0.68 से बढ़कर नहीं है, उनके लिए मूल फ्रीबोर्ड सारणीबद्ध फ्रीबोर्ड होगा, और जिनका घनत्व गुणांक ( ) 0.68 से बढ़कर है, उनके लिए मूल फ्रीबोर्ड सारणीबद्ध फ्रीबोर्ड को बटक  $\left( \frac{cb + 0.68}{1.38} \right)$  से गुणा से प्राप्त किया जाएगा।

(2) मूल फ्रीबोर्ड इस अनुसूची के पैरा 5 से 14 तक की अपेक्षाओं के अनुसार विधिवत शुद्ध किया जाएगा।

(3) पैरा 2(1) के उपबंध के अधीन इस प्रकार शुद्ध किया फ्रीबोर्ड वर्ग क पोत के लिए समनुदेशित किया जाने वाला ग्रीष्म फ्रीबोर्ड होगा।

4. वर्ग 'ख' पोतों के लिए ग्रीष्म फ्रीबोर्ड : वर्ग 'ख' पोत के लिए ग्रीष्म फ्रीबोर्ड निम्न प्रकार निश्चित किया जाएगा :

(1) प्रथमतः पोत की लंबाई के अनुपात में सारणीबद्ध फ्रीबोर्ड निश्चित किया जाएगा।

(2) (क) यदि पोत पर स्थिति 1 में फलकेमुख हों, जिनके घावरण प्रथम अनुसूची के पैरा 8(4) पैरा 9 की अपेक्षाओं की पूर्ति करते हैं, सारणीबद्ध फ्रीबोर्ड इस पैरे के उप-पैरा (3) से (7) तक के ऐसे उपबंधों, जो कि पोत को लागू हों, के अनुसार शुद्ध किए जाएंगे।

(ख) यदि पोत पर स्थिति 1 में फलकेमुख हों, जिनके घावरण प्रथम अनुसूची के पैरा 8 की, उप-पैरा (4) को छोड़कर, अन्य अपेक्षाओं की पूर्ति करते हैं, सारणीबद्ध फ्रीबोर्ड इस पैरे के उप-पैरा (8) के उपबंधों के अनुसार शुद्ध किए जाएंगे।

(3) पोत का सारणीबद्ध फ्रीबोर्ड, जिसको उप-पैरा (2) (क) लागू होता है और जो लंबाई में 100 मीटर से बढ़कर हो, उप-पैरा (4) में विहित संख्या से कम किया जाएगा, यदि समनुदेशन प्राधिकारी संतुष्ट है कि—

(क) गलियारा और प्रवेश मुख प्रथम अनुसूची के पैरा 20 की अनुसार है,

(ख) कर्मियों की सुरक्षा के साधन प्रथम अनुसूची के पैरा 1 की अपेक्षाओं की पूर्ति करते हैं,

(ग) विकास मोखों की व्यवस्थाएं प्रथम अनुसूची के पैरा 17 की अपेक्षाओं की पूर्ति करती हैं,

- (घ) स्थितियाँ 1 और 2 में फलका मुहों के सभी आवरण प्रथम अनुसूची के पैरा 9 की अपेक्षाओं की पूर्ति करते हैं,
- (ङ) पोत, जब ग्रीष्म भार जलरेखा तक नौभरित हो, किसी एकहरे अतिप्रस्त कक्ष, उप पैरा (6) में उपर्युक्त संतुलन की स्थिति में गृहीत 0.95 की पारगम्यता की मशीनरी जगह से भिन्न के जलप्लावित होने के बाद तैरता रहेगा।
- परंतु यदि पोत की लंबाई 225 मीटर से अधिक हो तो मशीनरी जगह इस अपेक्षा के उद्देश्यों के लिए 0.85 की गृहीत पारगम्यता की जल प्लावित होने योग्य जगह मानी जाएगी।
- (4) उप पैरा (5) के अधीन उप पैरा (3) के अनुसार फीबोर्ड की कमी फीबोर्ड सारणी 'क' और फीबोर्ड सारणी 'ख' के अधीन पोत की लंबाई की उचित सारणी बद्ध फीबोर्ड के बीच के अंतर के 60 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।
- (5) पिछले पैरे में उल्लिखित 60 प्रतिशत की कमी 100 प्रतिशत तक बढ़ाई जा सकती है यदि समनुदेशन प्राधिकारी की तसल्ली है कि—
- (क) पोत प्रथम अनुसूची के पैरा 10 और 23 की अपेक्षाओं का इस प्रकार पालन करता है जैसे कि वह बर्ग क का पोत है
- (ख) पोत उप पैरा 3(क) से (ख) की अपेक्षाओं का पालन करता है और
- (ग) पोत जब ग्रीष्म भार जल रेखा तक नौभरित हो और
- (i) 0.95 की गृहीत पारगम्यता पर आगे और पीछे के सक्षिप्त के कोई दो कक्षों के प्लावित हो जाने के बाद जिसमें से एक भी मशीनरी जगह न हो, और
- (ii) लंबाई में 225 मीटर से अधिक वाले पोत के मामले में, गृहीत 0.85 की पारगम्यता पर केवल मशीनरी जगह प्लावित होने के बाद,
- उप पैरा (6) में बताई गई संतुलन की स्थिति में तैरता रहेगा।
- (6) उपर्युक्त उप-पैरा (3) और (5) में उल्लिखित संतुलन की स्थिति इस प्रकार है :—
- (क) प्लावन के उपरोक्त अंतिम जलरेखा किसी अक्षबाल संघातन के शीर्ष किसी वायु नालिका के मुख के निम्न किनारे, वर्षारोक दरवाजे लगे किसी प्रवेश मुख के बेहल के ऊपरी किनारे और अन्य किसी मुख जिससे वर्धमान प्लावन हो सकेगा, के निम्न किनारे के नीचे हैं
- (ख) असममित प्लावन से उत्पन्न नति कोण 15 अंश से अधिक नहीं होता
- (ग) स्थिर बिस्थापन प्रणाली का उपयोग करने से परिकल्पित जलकेन्द्री उंचाई का प्लावन के बाद उच्चावर स्थिति में कम से कम 50 मिली मीटर है, और
- (घ) पोत में पर्याप्त अविशिष्ट स्थिरता है।
- (7) उप-पैरा 3(ख) और 5 (ग) के अनुसार परिकल्पन के लिए निम्न धारणाएँ की जाएंगी :
- (क) क्षति का उच्चावर विस्तार क्षति के स्थान के पास से नापी गई, और पोत बाजू के पास पठान के निम्नबाजू

के फीबोर्ड डेक से समाविष्टित पोत की गहराई के बराबर है,

- (ख) क्षति का अनुप्रस्थ व्यापन पोत की चौड़ाई ( $\beta$ ) के पंचमांश से अधिक नहीं है यह अंतर पोतों में पोत बाजू से पोत की मध्यरेखा तक ग्रीष्म भार जलरेखा तक नापा जाता है, बशर्ते कि यदि कम विस्तार की क्षति से अधिक तीव्र स्थिति हो जाए तो ऐसा कम विस्तार स्वीकार्य होगा,
- (ग) उप-पैरा 5(ग)(1) में उल्लिखित कक्षों के मामले के सिवाय कोई प्रमुख अनुप्रस्थ पोत भीत अतिप्रस्त नहीं है,
- (घ) आधार रेखा के ऊपर गुब्बल केन्द्र की उंचाई माल फलकों के समरूप नौभरण और उपभोज्य द्रव तथा भंडारों की बिजाइन क्षमता के 50 प्रतिशत के लिए छूट देकर निर्धारित की गई है।
- (8) पोत का सारणी बद्ध फीबोर्ड जिसको इस पैरे का उप-पैरा (2)(ख) लागू है, पोत की उपर्युक्त लम्बाई में निम्न सारणी में दी गई माला से बढ़ाया जाएगा

मध्यवर्ती लंबाई के पास फीबोर्ड रेखीय प्रतिपादन द्वारा प्राप्त किया जाएगा। 200 मीटर से अधिक लंबाई के पोतों के मामले में बुद्धि ऐसी संख्या में होगी जो महानिवेशक प्रत्येक मामले में निर्धारित करें।

- (9) (क) यह उप-पैरा बर्ग ख के लंबाई में 100 मीटर तक के ऐसे पोतों पर लागू होगा जिस पर संलग्न अधिसंरचनाओं की प्रभावकारी कुल लंबाई पोत की लंबाई (L) के 35 प्रतिशत से अधिक न हो।

- (ख) ऐसे पोत के संबंध में उपर्युक्त उप-पैरा (1), (2) और (8) के अनुसार परिकल्पित फीबोर्ड सूत्र

$$7.5 (100.L) 0.35 - \frac{E}{L} \text{ मिली मीटर के अनुसार सुनिश्चित की गई संख्या से बढ़ाया जाएगा।}$$

- (10) जिस पोत का घनत्व गुणांक (cb) 0.68 से अधिक है उसके मामले में उपर्युक्त उप-पैरा (1) से (9) के अनुसार परिकल्पित फीबोर्ड बटक  $\frac{cb + 0.68}{1.36}$

से गुणा किया जाएगा।

- (11) बर्ग 'ख' पोत का आधारभूत फीबोर्ड वह है जो उप-पैरा (1) से (10) के अनुसार हो। आधारभूत फीबोर्ड इस अनुसूची के पैरा 5 से 14 के अनुसार विधिवत शुद्ध किया गया परंतु पैरा 2(1) के परन्तुक के अधीन पोत को ग्रीष्म फीबोर्ड नियत किया जाएगा।

5. गहराई के लिए शुद्धि :— (1) यदि फीबोर्ड की गहराई  $D = \frac{L}{15}$  से अधिक हो तो फीबोर्ड  $R = D - \frac{L}{15}$  मिलीमीटर से बढ़ाया जाएगा

जहां R लंबाई 120 मीटर से कम पर  $\frac{L}{0.48}$  और 120 मीटर और उससे अधिक पर 250 है।

(2) यदि फीबोर्ड की गहराई  $D = \frac{L}{15}$  से कम हो, तोत में कोई कमी नहीं की जाएगी सिवाय कि जहां पोत जिसपर कम से कम पोतमध्य अष्टाधित करने वाली अधिसंरचना जिसपर पूर्ण नौमोबा, या संलग्न भिन्न अधिसंरचनाएं और नौमोबा जो आगे पीछे बिस्तारित होते हैं का संयोग हो जहां फीबोर्ड उपर्युक्त उप-पैरा (1) में विहित वर से कम कर दिया जाएगा।

(3) बड़ा अधिसंरचना या चौमोखों की न्यूनतम मानक ऊँचाई से कम हो, बड़ा वास्तविक ऊँचाई मानक ऊँचाई के अनुपात में जैसे कि निम्न पैरा 7 में दिया गया है कम कर दी जाएगी।

6. डेक रेखा की स्थिति के लिए श्रुति—यदि डेक रेखा के ऊपरी किनारे तक की वास्तविक गहराई चौड़ाई D की गहराई में अधिक या कम हो, तो अगर यदि अधिक हो तो पोट के आधारभूत फ्रीबोर्ड में जोड़ दिया जाएगा या कम हो तो उसमें से घटा दिया जाएगा।

#### मानक अधिसंरचना और श्रुति

7 अधिसंरचनाओं की मानक ऊँचाई, लंबाई और प्रभावकारी लंबाई—

(1) अधिसंरचना की मानक ऊँचाई निम्न सारणी के अनुसार निर्धारित की गई पोट की लंबाई L के अनुसार ऊँचाई होगी।

पोट की लंबाई L (मीटर)	मानक ऊँचाई (मीटर)	अन्य सभी अधिसंरचना— नाएँ
	उठी छतरी	
30 या कम	0.90	1.80
75	1.20	1.80
125 या अधिक	1.80	2.30

पोट की मध्यवर्ती लंबाई के लिए मानक ऊँचाईयाँ रेखीय अन्तर्वेशन द्वारा प्राप्त की जाएगी।

(2) (क) उप-पैरा (ख) और (ग) के अधीन, अधिसंरचनाओं की लंबाई, अधिसंरचना के उन भागों की मध्य लंबाई होगी जो पोट ( ) की लंबाई के बीच होते हैं।

(ख) ऐसी बंद अधिसंरचना, जिसमें अन्य पोटभीत जो उसके अधिसंरचना की बाजूओं के साथ के छेदन के परे उचित वक्र में विस्तृत है, के मामले में अधिसंरचना(ओं) की लंबाई, उसकी उप-पैरा (क) के अनुसार निर्धारित समतुल्य समतल पोट भीत के आधार पर वक्रता के आगे पीछे के विस्तार की समतुल्य समतल पोट भीत के आधार पर वक्रता के आगे पीछे के विस्तार की दो तिहाई मात्रा से वर्धित लंबाई मानी जाएगी।

बशर्त कि लेखों में ली जाने वाली वक्रता की संख्या, अधिसंरचना के बक्र छोर उसकी बाजू के साथ छेदन बिंदु के पास अधिसंरचना की चौड़ाई के आधे से अधिक नहीं होगी।

(ग) ऐसी बंद अधिसंरचना जिसमें अन्य पोटभीत से विस्तार, जिसका विस्तार मध्य रेखा के हर बाजू पर पोट की चौड़ाई के कम से कम 30 प्रतिशत की चौड़ाई का हो, के मामले में अधिसंरचना(ओं) की लंबाई उप-पैरा (ख) के अनुसार समतुल्य अन्य पोटभीत परबलय के आकार में जो ऐसी अधिसंरचना और उसके विस्तार में पूर्णतः समाविष्ट है मानकर निर्धारित की जाएगी।

(3) अधिसंरचना की प्रभावकारी लंबाई (L) निम्न प्रकार होगी :

(क) उप-पैरा (ग) के अधीन, मानक ऊँचाई की बंद अधिसंरचना के मामले में E या तो—

(i) उसकी लंबाई S होगी, या

(ii) यदि अधिसंरचना पोट को बाजूओं से बनायी हो, तो उसकी लंबाई S अनुपात b/Bs में यथा संशोधित होगी, जहाँ 'b' अधिसंरचना को उसकी लंबाई के मध्य पर की चौड़ाई है और

'Bs' अधिसंरचना(ओं) को लंबाई के मध्य पर पोट की चौड़ाई है।

बशर्त कि यदि अधिसंरचना केवल उसकी लंबाई के भाग पर ही बनाई गई है, तो ऐसा संशोधन सिर्फ उस भाग पर ही लागू होगा।

(ख) उप-पैरा (ग) के अधीन, मानक ऊँचाई में कम की बंद अधिसंरचना के मामले में E अधिसंरचना की वास्तव ऊँचाई उसकी मानक ऊँचाई के अनुपात में कम कर के उसकी लंबाई S होगा।

(ग) उठी छतरी सहित बंद अधिसंरचना के मामले में, यदि डेक अधिकतम अग्र पोट भीत से लगाया है, J उसकी लंबाई S अधिकतम 0.6 L तक, और यदि इस प्रकार लगाया नहीं है तो उठी छतरी मानक ऊँचाई में कम के रूप में जैसी मानक निर्धारित की जाएगी।

(घ) जो अधिसंरचना, बंद अधिसंरचना नहीं है, उसकी प्रभावकारी लंबाई नहीं होगी।

8. चौमोखों की मानक ऊँचाई और प्रभावकारी लंबाई : (1) चौमोखों की मानक ऊँचाई उसी प्रकार निर्धारित की जाएगी जैसे कि पैरा 7(1) के अधीन उठी छतरी से भिन्न अधिसंरचना की जाती है।

(2) चौमोखों की प्रभावकारी लंबाई निम्नप्रकार निर्धारित की जाएगी—

(i) चौमोखा या उप-पैरा (3) में बताएँ जैसा सक्षम चौमोखा न हो तो उसकी प्रभावकारी लंबाई नहीं होगी :

(ii) सिवाय जैसे उप-पैरा (iii) में दिया है, सक्षम चौमोखों की प्रभावकारी लंबाई उसकी पूर्ण लंबाई उसकी मध्यवर्ती चौड़ाई और पोट की चौड़ाई B के अनुपात में कम कर दी गई होगी।

(iii) यदि सक्षम चौमोखों की वास्तव ऊँचाई मानक ऊँचाई में कम हो, उसकी प्रभावकारी लंबाई उप-पैरा (ii) के अनुसार चौमोखों की वास्तव और मानक ऊँचाई के अनुपात में कम करके परिकल्पित की जाएगी। इसके अतिरिक्त यदि पोट बर्ग ख का पोट हो और चौमोखो डेक पर फलकामुख अडवालों की ऊँचाई प्रथम अनुसूची के पैरा 8(1) या (9)(1) द्वारा अपेक्षित ऊँचाई से कम है, तो चौमोखों की वास्तव ऊँचाई से ऐसी संख्या, जो ऐसे अडवालों की वास्तव ऊँचाई और उनके लिए अपेक्षित ऊँचाई के अंतर के बराबर हो, कम कर दी जाएगी।

(3) चौमोखा सक्षम चौमोखा तब माना जाएगा जब कि वह निम्न शर्तों को पूरा करे,

(i) वह उसी प्रकार मजबूत हो जैसे कि अधिसंरचना के अधीन सक्षम चौमोखा,

(ii) चौमोखों के मार्ग के फलके मुख चौमोखों डेक में है और फलकामुख अडवाल और आवरण प्रथम अनुसूची के पैरा 7 से 9 की अपेक्षाओं को पूरा करते हैं,

(iii) फलकों के मार्ग की चौमोखों डेक सब पट्टी की चौड़ाई में संतोषजनक गलियारा और पांशिक दुर्घटना प्राप्त होती है।

(iv) चौमोखे डेक या अधिसंरचनाओं से सक्षम स्थायी गलियारे द्वारा असंबद्ध चौमोखे संबद्ध करने में प्रथम अनुसूची के पैरा 20(4) (ख) के अधीन लागू होने वाली अपेक्षाओं की पूर्ति करने वाले जंगले या बचाव तारो लगाया गया आगे पीछे का स्थायी कार्यक्षम प्लेटफार्म है।

(v) नेवातन चौमोखे, जलरोक आवरण समतुल्य द्वारा सुरक्षित किए गए हैं ;

(vi) फ्रीबोर्ड डेक के खुले मार्गों पर चौमोखों के मार्ग में कम से कम उनकी आधे लंबाई पर खुले जंगले या बचाव तार लगाये हैं ;



(vii) मशीनरी कोल चौमोखे द्वारा या कम से कम मानक ऊंचाई की संलग्न अधिसंरचना द्वारा या उर्गी ऊंचाई और बल के डेक पर और ऐसी अधिसंरचना के लिए उचित वर्ण रङ्गता के समतुल्य सुरक्षित किए गए हैं,

(viii) चौमोखे की चौड़ाई कम से कम पोत की चौड़ाई की 60 प्रतिशत है,

(ix) जहाँ अधिसंरचना नहीं है वहाँ चौमोखे की लम्बाई कम से कम 0.6 L है।

9. अधिसंरचना और चौमोखों के लिए छूट: (1) जहाँ पोत की अधिसंरचनाओं और चौमोखों की प्रभावकारी लम्बाई 1.0 (L) है, वहाँ पोत का मूल फीबोर्ड निम्नसारणी के अनुसार पोत की लम्बाई के लिए उचित मात्रा से कम कर दिया जाएगा:

#### सारणी

पोत की लंबाई (मीटर)	फीबोर्ड में कमी मिलीमीटर
24	350
85	860
122	1070

पोत की मध्यवर्ती लम्बाई के लिए फीबोर्ड में कमी अन्तर्वेशन द्वारा प्राप्त की जाएगी।

(2) जहाँ अधिसंरचना और चौमोखे की प्रभावकारी लम्बाई, 1.0 (L) से कम है वहाँ पोत का मूल फीबोर्ड निम्न प्रकार कम कर दिया जाएगा:

(क) वर्ग क के पोत के मामले में निम्न सारणी से प्रतिशतता निर्धारित करके जिस पोत पर सारणी में निर्दिष्ट के अनुसार मध्यवर्ती प्रभावकारी लम्बाई की अधिसंरचनाएं और चौमोखे हैं, उम के मामले में रेखीय अन्तर्वेशन द्वारा प्राप्त की जाती है -

#### सारणी

वर्ग "क" पोत के लिए छूट की प्रतिशतता

अधिसंरचना और चौमोखों की कुल प्रभावकारी लम्बाई									
सभी प्रकार की अधिसंरचनाओं के लिए छूट की प्रतिशतता									

(ख) वर्ग "ख" पोत के मामले में, निम्न सारणी के अनुसार प्रतिशतता और उसके संलग्न (i) से (ii) के निर्देशों के अनुसार जैसे परिस्थिति के अनुसार लागू हों, जिस पोत जिसमें सारणी में निर्दिष्ट लम्बाई के मध्यवर्ती प्रभावकारी लम्बाई के चौमोखे और अधिसंरचना हैं, उसके मामले में प्रतिशतता रेखीय अन्तर्वेशन द्वारा प्राप्त की जाएगी।

#### सारणी

अधिसंरचनाओं और चौमोखों की कुल प्रभावकारी लम्बाई

रेखा	0	0.1L	0.2L
फनी वाले या विलग पुल के सिवाय के पोत	1.0	15	10

फनी और विलग पुल वाले पोत

0 6.3 12.7

19 27.5 36 43 63 75.3 87.7 100

(i) जहाँ पुल की प्रभावकारी लम्बाई पोत मध्य के भागे 0.1L और पीछे 0.1 L से कम आच्छादित हो, वहाँ प्रतिशतता रेखीय अन्तर्वेशन द्वारा प्राप्त की जाएगी।

(ii) जहाँ फनी की प्रभावकारी लम्बाई 0.4 L से अधिक है, वहाँ प्रतिशतता रेखा ii से प्राप्त की जाएगी।

(iii) जहाँ फनी की प्रभावकारी लम्बाई 0.07 L से कम है, वहाँ प्रतिशतता

$$\frac{5 \times (0.07L - F)}{0.07L}$$

से कम कर दी जाएगी।

जहाँ F फनी की प्रभावकारी लम्बाई है।

#### मानक उठान और श्रृंखला

10. उठान का माप:—(1) उठान बाजू के डेक से पोतमध्य की उठान रेखा से पठान तक समान्तर खींची संवर्ध रेखा तक नापा जाएगा।

(2) पठान के झुकाव सहित डिजाइन किए हुए पोतों में, उठान डिजाइन भार जल रेखा के समानांतर खींची रेखा से अनुसार नापा जाएगा।

(3) फ्लग डेक वाले और विलग अधिसंरचनाओं वाले पोतों में उठान फीबोर्ड डेक पर मापा जाएगा।

(4) अनियमित शीर्ष बाजूओं के आकार, जिसमें पैरी या शीर्ष-बाजूओं में विलगाव है, ऐसे पोतों में, उठान पोतमध्य गहराई के अनुसार निर्धारित होगी।

(5) ऐसी मानक ऊंचाई की अधिसंरचना जो फीबोर्ड डेक की पूरी लम्बाई पर विस्तृत हो, वाले पोतों में, उठान अधिसंरचना डेक के पास नापा जाएगा। जहाँ ऊंचाई मानक से बढ़कर है, वास्तव और मानक ऊंचाई के बीच का न्यूनतम (Z) अंतर हर सिरे के झुकाव में जोड़ा जाएगा। उसी प्रकार हर लंब से 1/6L और 1/3L के अन्तर पर मध्यवर्ती भुजमान क्रमशः 0.444 Z और 0.111 Z बढ़ाया जाएगा।

(6) जहाँ संलग्न अधिसंरचना के डेक पर कम से कम उसी प्रकार का उठान हो जैसे कि खुले फीबोर्ड डेक पर होता है तो फीबोर्ड डेक के संलग्न भाग का उठान शामिल नहीं किया जायेगा।

(7) जहाँ संलग्न रूप या गलती मानक ऊंचाई की हो और फीबोर्ड डेक के उठान से अधिक उठान वाला हो या मानक ऊंचाई से अधिक हो, फीबोर्ड डेक उठान में पैरा 12(4) के अनुसार बढ़ोतरी की जायेगी।

2. मानक उठान पार्श्विका: मानक उठान पार्श्विका का भुजमान निम्न सारणी में किया गया है।

	स्टेशन	भुजमान (मि०मी० में)	घटक
पश्च	उत्तर लंब	$25 \frac{L}{3} + 10$	1
	1/6L उत्तर लंब से	11.1 (L/3 + 10)	3
प्राग्	1/3L उत्तर लम्ब से	2.8 (L/3 + 10)	3
	पोत मध्य	0	1
पश्च	पोत मध्य		0
	1/3L अग्र लम्ब से	5.6 (L/3 + 10)	3
प्राग्	1/6L अग्र लम्ब से	22.5 (L/3 + 10)	3
	अग्र लंब	50 (L/3 + 10)	1

12. मानक उठान पार्श्विका से विचलन का नाम:—(1) जहाँ उठान पार्श्विका मानक से भिन्न होती है, वहाँ अग्र या पश्च अर्ध में हर पार्श्विका के चार भुजमान, भुजमान की सारणी में दिए गए यथोचित

घटकों में गुणा किए जाएंगे। अपने अपने गुणफल के जोड़ और मानक के जोड़ के बीच का अन्तर 8 से विभाजित करके अग्र या पश्च में उठान की कमी या अधिकता नापी जाती है। अग्र या पश्च अर्धों में अधिकता या कमी के समान्तर मध्य से उठान की अधिकता या कमी नापी जाती है।

(2) जहाँ उठान पार्श्विका का पश्च अर्ध मानक से बढ़कर है और अग्र अर्ध मानक से घटकर है, वहाँ अधिक भाग के लिए कोई क्रेडिट स्वीकार नहीं किया जाएगा और केवल कमी नापी जाएगी।

(3) जहाँ उठान पार्श्विका का अग्र अर्ध मानक उठान पार्श्विका से बढ़कर होता है और उठान पार्श्विका का पश्च अर्ध मानक उठान पार्श्विका से 75 प्रतिशत कम है, वहाँ अधिक भाग के लिए क्रेडिट स्वीकार किया जायेगा।

जहाँ उठान पार्श्विका का पश्च अर्धमानक उठान पार्श्विका के 50 प्रतिशत से कम है वहाँ अधिक अग्र उठान के लिए कोई क्रेडिट नहीं दिया जाएगा।

जहाँ उठान पश्च अर्ध में मानक उठान पार्श्विका के 50 प्रतिशत और 75 प्रतिशत के बीच है, वहाँ अधिक अग्र उठान के लिए मध्यवर्ती छूट की जाएगी।

(4) जहाँ पूर या गलही के लिए उठान क्रेडिट दिया जाता है वहाँ निम्न सूत्र का उपयोग किया जाएगा,

$$S = -\frac{Y}{3} \frac{L'}{d}$$

जहाँ  $S$  = उठान क्रेडिट जो उठान की न्यूनता से घटाया जाता है या उठान की अधिकता में जोड़ दिया जाता है।

$Y$  = अग्र और पश्च लंब के पास अधिसरचना की वास्तव और मानक ऊँचाई के बीच का अन्तर।

$L'$  = पूर या गलही की मध्य संलग्न लंबाई जो अधिकतम 0.5L की लंबाई तक की हो।

उपयुक्त सूत्र फ्रीबोर्ड डेक के पास वास्तव उठान वक्र को स्पर्शीय परवलय के रूप में वक्र देना है और वह अधिसरचना डेक के नीचे ऐसे बिंदु पर जहाँ अधिसरचना की मानक ऊँचाई के सम दूरी हो, अत्यंत भुजमान को काटता है। अधिसरचना डेक वक्र के ऊपर किसी भी बिंदु पर मानक ऊँचाई से कम नहीं होगा। यह वक्र पों के अग्र और पश्च अर्धों के लिए उठान पार्श्विका निर्धारित करते समय उपयोग में लाया जाएगा।

13 मानक उठान से विचलनों के लिए शुद्धि—(1) उठान के लिए शुद्धि होगी पैरा 12 के द्वारा निर्धारित न्यूनता या अधिकता—गुणा  $X(0.75 - S/2L)$

(2) जहाँ उठान मानक से कम है, उठान की न्यूनता के लिए शुद्धि उप-पैरा (1) के अनुसार निर्धारित करके पों के मूल फ्री बोर्ड में जोड़ दी जायेगी।

(3) उप-पैरा (4) के अधीन उठान की अधिकता होने वाले पों के मामले में,

(क) यदि संलग्न अधिसरचना पोंमध्य के आगे (0.1)L और पीछे (0.1)L विस्तृत हो तो उठान की अधिकता के लिए उप-पैरा (1) के अनुसार निर्धारित शुद्धि पों के मूल फ्रीबोर्ड से कम की जाएगी।

(ख) यदि पोंमध्य पर कोई संलग्न अधिसरचना न हो तो पों के मूल फ्रीबोर्ड से कोई कमी नहीं की जाएगी।

(ग) यदि संलग्न अधिसरचना पों मध्य के आगे (0.1)L और पीछे (0.1)L से कम विस्तृत हो, तो उठान की अधिकता के लिए उप-पैरा (1) के अनुसार निर्धारित शुद्धि (0.2)L

पों मध्या की मध्या या (0.2)L तक अधिसरचना द्वारा अच्छादिन हो, के अनुपात में परिवर्तित की जाएगी।

(4) उठान अधिकता के लिए अधिकतम कमी लंबाई के 125 मिलीमीटर प्रति 100 मीटर लंबाई (L) की दर से होगी।

14 न्यूनतम मैदान ऊँचाई के लिये शुद्धि—(1) पों की मैदान ऊँचाई डिजाइन नति के पास पों की ग्रीष्म भार जल रेखा और बाजू के पाग खुले डेक के शीर्ष के बीच में अग्र लंब के पास का उद्घाटन अन्तर है जो निम्न प्रकार निश्चित की जाती है।

(क) जहाँ मैदान ऊँचाई उठान को समाविष्ट करके प्राप्त की जाती है, वहाँ उठान पों की लंबाई (L) अग्र लंब से नापित कम से कम 15 प्रतिशत तक विस्तारित होगा।

(ख) जहाँ मैदान ऊँचाई अधिसरचना की ऊँचाई को समाविष्ट करके प्राप्त की जाती है वहाँ ऐसे अधिसरचना

(1) मैदान से पों की अग्र लंब से नापित कम से कम लंबाई 0.07 (L) बिन्दु तक विस्तारित हो,

(2) यदि पों की लंबाई (L) 100 मीटर या कम हो, तब संलग्न अधिसरचना होगी, और

(3) यदि पों की लंबाई (L) लंबाई में 100 मीटर से अधिक होती है, तब करने में सतोलनक बद करने के उपकरण लगाए जाते हैं।

(2) पों की न्यूनतम मैदान ऊँचाई लंबाई (L) में 250 मीटर से कम लंबाई के पों के मामले में सूत्र 1 से और 250 मीटर या उससे अधिक लंबाई (L) के पों के मामले में सूत्र 2 से ली जाएगी

सूत्र 1

$$56L \left( \frac{1-6}{58} \right) \left( \frac{1.36}{cb} \right) \quad \text{मिली मीटर}$$

सूत्र-2

$$700 \left( \frac{1.36}{cb} \right) \quad \text{मिलीमीटर}$$

बशर्ते कि 65 मीटर या उससे कम लंबाई के टग से निम्न पों जो पत्तन या पीताश्रय के पास लगा हो और पों से किनारे तक की सेवा में लगाया गया है, के मामले में, मैदान ऊँचाई सूत्र 1 से प्राप्त की जाएगी, पर इसमें अंक 56 के स्थान पर अंक 40 कर दिया जाएगा।

(3) जहाँ पों की मैदान ऊँचाई पों की यथोचित मैदान ऊँचाई से कम हो, वहाँ पिछले पैरा के अनुसार फ्रीबोर्ड मैदान ऊँचाई और न्यूनतम मैदान ऊँचाई के बीच के अन्तर के बराबर की संख्या से बढ़ाई जाएगी।

(क) परंतु तथापि ऐसे पोट के मामले में जो अपवादात्मक प्रचालन आवश्यकताओं को निभाने के लिए निर्मित है, इस उप-पैरा के अनुसार की जाने वाली शुद्धियां कम कर दी जाएंगी या छूट दे दी जायगी। यदि नौवहन महानिदेशक संतुष्ट है कि पोट के सेवाकाल में खराब समुद्र और मौसम की हानि के परिणाम-स्वरूप पोट की सुरक्षा क्षीण नहीं होगी।

(ख) जहां विद्यमान पोट इस प्रकार पुनर्निर्मित है कि वह नया पोट को लागू होने वाली प्रथम अनुसूची के समनुदेशन की सभी शर्तों को पूरा करें परंतु उस पर;

(1) गलछी की लंबाई (0.07) L से कम हो और/या

(2) उठान पोट की अग्र लंब में नावित लंबाई के 15 प्रतिशत से कम तक विस्तृत हो।

पिछले पैरे के अनुसार पोट के लिए निर्धारित फ्रीबोर्ड प्रत्येक मामले में नौवहन महानिदेशक द्वारा अनुमोदित मात्रा से बढ़ाया जाएगा।

### भाग—III

#### प्रकाष्ठ फ्रीबोर्ड

15. ग्रीष्म काष्ठ फ्रीबोर्ड (1) उप-पैरा (1) पैरा (4) के (2) क और 9 से 10, जो इस अनुसूची के पैरा 5 से 8 तक के उपबंधों के अनुसार यथा-आवश्यक शुद्धिकृत है के अधीन पोट के लिए उचित फ्रीबोर्ड निर्धारित किया जाएगा।

(2) अधिसंरचनाओं की प्रभावकारी लंबाई के लिए कमी पैरा 9(1) और 9(2) (ख) के अनुसार उप-पैरा (1) की मान्यता से प्राप्त किए फ्रीबोर्ड से की जाएगी, परंतु सारणी वर्ग 'ख' पोटों के लिए कमी की प्रतिशतता के बढे निम्न सारणी का उपयोग किया जाएगा।

सभी प्रकार की अधिसंरचना  
के लिए कमी की प्रतिशतता

अधिसंरचनाओं की कुल प्रभावकारी लंबाई				
0.0.1L	0.2L	0.3L	0.4L	
20	31	42	53	64

0.5L	0.56L	0.6L	0.8L	0.9L	1.0L
70	76	82	88	94	100

अधिसंरचनाओं की मध्यवर्ती लंबाइयों के पास की प्रतिशतताएं रेखीय अन्तर्वेशन द्वारा प्राप्त की जाएंगी।

(3) पूर्ववर्ती उप-पैरा के अनुसरण में अभी तक प्राप्त फ्रीबोर्ड तदन्तर इस अनुसूची के पैरा 10 से 13 तक के अनुसार शुद्ध किए जाएंगे और इस प्रकार शुद्ध किए फ्रीबोर्ड पोट को समनुदेशित किए जाने वाले ग्रीष्म काष्ठ फ्रीबोर्ड होंगे।

16. अन्य काष्ठ फ्रीबोर्ड:—(1) शीत काष्ठ फ्रीबोर्ड, ग्रीष्म काष्ठ फ्रीबोर्ड में पोट के ग्रीष्म काष्ठ डुबाव का एक बड़ा छत्तीस (1/36) जोड़ कर प्राप्त किया जाएगा।

(2) शीत उत्तर घटलांतिक काष्ठ फ्रीबोर्ड वैसा ही होगा जैसा कि पोट के शीत उत्तर घटलांतिक फ्रीबोर्ड समनुदेशित किया है।

(3) उष्ण कटिबंधीय काष्ठ फ्रीबोर्ड ग्रीष्म काष्ठ फ्रीबोर्ड से पोट के ग्रीष्म काष्ठ का एक बड़ा अड़तालीस (1/48) कम करके प्राप्त किया जाएगा।

(4) (क) मीठा पानी काष्ठ फ्रीबोर्ड, उप-पैरा (ख) के अधीन ग्रीष्म काष्ठ फ्रीबोर्ड से मात्रा— $\frac{\Delta}{4T}$  मिलीमीटर कम करके प्राप्त किया जाएगा। जहां  $\Delta$  जल रेखा के पास लवण जल में मिट्टिक टन में विस्थापन तब होगा जब भार रेखाएं पोट की बाजू पर ग्रीष्म काष्ठ भार रेखा के अनुरूप खींची हों, और उस जल रेखा के पास लवण जल में प्रत्येक सेटीमीटर निभजन के मिट्टिक टन का प्रति सूचक है।

(ख) किसी भी मामले में जिसमें उस जल रेखा के पास विस्थापन निश्चित नहीं किया जाता, कभी पोट के डुबाव के ग्रीष्म काष्ठ डुबाव के एक बड़े अड़तालीस (1/48) होगी।

### भाग—IV

#### अन्य पोटों के लिए फ्रीबोर्ड

16. टय:—टयों के लिए समनुदेशित किए जाने वाले फ्रीबोर्ड वह फ्रीबोर्ड होंगे जो इस अनुसूची के भाग II के उपबंधों के अनुसार निर्धारित ऐसी संख्याओं से बढ़ाये जायेंगे जो हर मामले में नौवहन महानिदेशक निदेशित करें।

17. बिना कर्मीवल के बाजें: बिना कर्मीवल के बाजें जिनके फ्रीबोर्ड डेक पर हस्यात के जलरोक गास्केट ढक्कनों द्वारा बंद किए केवल छोटे प्रवेश मुख हों उनके लिए समनुदेशित किए जाने वाले फ्रीबोर्ड वह फ्रीबोर्ड होंगे जो इस अनुसूची के भाग II के उपबंधों के अनुसार पैरा 4 को छोड़कर निर्धारित किए गए हों।

18. विशेष निर्माण लक्षण के पोट:—विशेष निर्माण लक्षण के पोटों के लिए समनुदेशित किए जाने वाले फ्रीबोर्ड जैसे कि इस अनुसूची के अन्य भागों के अनुसार परिकल्पित किए फ्रीबोर्ड अनुचित या अभ्यवहार्य हों, तो विशेषरूप से हर विशिष्ट मामले में नौवहन महानिदेशक द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

19. न्यूनतम फ्रीबोर्ड से कम के फ्रीबोर्ड समनुदेशित करने की शर्त:—नौवहन महानिदेशक 150 मि०मी० (6 इंच) के न्यूनतम फ्रीबोर्ड और निम्न शर्तों के अधीन 5/8 (सारणी ख) 1/2 (सारणी ख-60) या 1/2 (सारणी 29.100) तक कम किए फ्रीबोर्ड के समनुदेशित करने के लिए प्राप्त आवेदन पत्र पर विचार करेंगे अर्थात्:—

(क) पोट का बल जहां डुबाव से कम किया हुआ फ्रीबोर्ड संबद्ध है वही पर्याप्त हो।

(ख) पोट "हापर" वर्ग का हो अर्थात् खोल में तल दरवाजे लगाए गए हों या ऐसे ही अन्य साधन जो माल को समुद्र की सभी हाथों और आपतकाल में तुरन्त फेंक देने में कम हों लगाए गए हों। पोट पर माल विमुक्त करने की व्यवस्थाओं के लिए समनुदेशित फ्रीबोर्ड जो छ 15/8 (सारणी ख) से कम है, 4 मिनट में पर्याप्त माल फेंक देने में

निम्न उप पैरा (क) की अपेक्षाओं की पूर्ति करने में समर्थ हों। हर मामले में व्यवस्थाओं के व्योरे परीक्षण तथा अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किए जाने चाहिए।

(ग) प्रचालनात्मक सीमाएं सामान्यतः भूभाग से 10 मीलों से अधिक न हों।

(घ) भविकल स्थिरता मापदंड, जैसे इस अनुसूची के भाग 1 में निर्दिष्ट है, प्रस्तावित कम किए हुए फ्रीबोर्ड के पास प्राप्त किया जाएगा।

(ङ) (i) जब 1/2 (नारणी ख-60) के बराबर फ्रीबोर्ड समनुदेशित किया जाता है, तब पोत क्षति पहुंचने के बाद इस अनुसूची के भाग II के पैरा 4(3)(क) में निर्दिष्ट रीति से द्वितीय अनुसूची के भाग II के पैरा 4(6) में दर्शित किसी भी कक्ष (इंजन कक्ष से समाधिष्टित) की पूरी सीमा तक उत्तरजीवी होने में सक्षम हो।

(ii) 1/2 (नारणी ख-100) के बराबर फ्रीबोर्ड समनुदेशित होता है, तब पात क्षति पहुंचने के बाद द्वितीय अनुसूची के भाग II के पैरा 4(5)(क) में निर्दिष्ट रीति से द्वितीय अनुसूची के भाग II के पैरा 4(7)(क) और 4(7)(ख) और 4(7)(ग) में दर्शित इंजन कक्ष या किन्हीं अन्य दो आगे पीछे के संलग्न कक्षों की पूरी सीमा तक उत्तरजीवी होने में सक्षम हो।

नोट—क्षति स्थिरता परीक्षणों में यह गृहीत किया जाए कि टक्कर के पश्चात् माल का एक अनुपात तत्काल उतारने में सक्षम हों बशर्ते माल विमुक्ति की व्यवस्थाएं इस तरह

डिजाइन हों कि वे पोत के कुल गृहीत क्षति हो जाने के पश्चात् परिचलित रहें—

(च) डुबाव सूचक, 1/2 (ख-60) या कम के फ्रीबोर्डों के पोतों में लगे होंगे।

(छ) पोत पाण्डों पर विशेष कार्यकारी भार रेखा चिन्ह, ऐसे मामलों में 762 मिलीमीटर डिस्क पिछले ताकैतिक चिन्हों के साथ लाल रंग में अंकित होगा।

20. लंबाई में 24 मीटर से 100 मीटर के विद्यमान पोत—24

से 100 मीटर की लंबाई वाले पोतों को, पोत और तट के मध्य या भारतीय तटों के मध्य देशी जलयानों के लिए सेवा में आबद्ध निवर्षण पोतों, हाथों, बजरो कर्षणाओं और जलयानों को बंदरगाह अनुक्षण में आबद्ध भारतीय याणिय पोत परिवहन (सार रेखा) नियम, 1934, के अधीन समनुदेशित फ्रीबोर्ड जारी रखे जाए, बशर्ते कि—

(i) समनुदेशिक की शर्तें, फलक विशेषतः वह जो बंद करने के उपकरणों से संबधो है, जहा तक उचित और व्यवहार्य हो, इन नियमों की अपेक्षाओं तक लाई जाएं।

(ii) इन नियमों की शर्तों के अनुसार ज्यामितीय फ्रीबोर्डों में कमी के बराबर कमी योपम डुबाव में नहीं की जाती है।

21. लंबाई में 60 मीटर के नीचे के न्यूनतम महीन ऊंचाई के तटीय पोत—भारत के तट व्यापार में आबद्ध ऐसे पोत जो लंबाई में 60 मीटर से कम हों, इस अवधि के दौरान जलयान निष्पादन करते समय जो भूमि के समीपस्थ 20 मील से अधिक दूरी पर न हो उनकी न्यूनतम मैदान की ऊंचाई सारणीबद्ध फ्रीबोर्ड पर और पोत को प्रयोज्य आगल लंब उठान स्तर के योग में कम नहीं होगी।

परन्तु अपवादात्मक, परिचालन की अपेक्षाएं होने पर नौवहन महा-निदेशक मैदान की न्यूनतम ऊंचाई को शर्त हटा सकता है।

#### भाग V

#### सारणीबद्ध फ्रीबोर्ड

इस अनुसूची के भाग 1 पैरा 1 के उप-पैरा 1(3) में उल्लिखित फ्रीबोर्ड सारणी

#### सारणी—क

वर्ग क के पोतों के लिए फ्रीबोर्ड सारणी

पोत की लंबाई (मीटर)	फ्री बोर्ड (मि०मि०)	पोत की लम्बाई (मीटर)	फ्री बोर्ड (मि०मी)	पोत की लंबाई (मीटर)	फ्री बोर्ड (मि०मि०)	पोत की लंबाई (मीटर)	फ्री बोर्ड (मि०मी०)
1	2	1	2	1	2	1	2
24	200	40	334	56	516	72	733
25	208	41	344	57	530	73	746
26	217	42	354	58	544	74	760
27	225	43	364	59	559	75	773
28	233	44	374	60	573	76	786
29	242	45	385	61	587	77	800
30	250	46	396	62	600	78	814
31	258	47	408	63	613	79	828
32	267	48	420	64	626	80	841
33	275	49	432	65	639	81	855
34	283	50	443	66	653	82	869
35	292	51	455	67	666	83	883
36	300	52	467	68	680	84	897
37	308	53	478	69	693	85	911
38	316	54	490	70	706	86	926
39	325	55	503	71	720	87	940

1	2	1	2	1	2	1	2
88	955	112	1837	196	2572	250	3012
89	969	143	1853	197	2582	251	3018
90	984	144	1870	198	2592	252	3024
91	999	115	1886	199	2602	253	3030
92	1014	146	1903	200	2612	254	3036
93	1029	147	1919	201	2622	255	3042
94	1044	118	1935	202	2632	256	3048
95	1059	149	1952	203	2641	257	3054
96	1074	150	1968	204	2650	258	3060
97	1089	151	1984	205	2659	259	3066
98	1105	152	2000	206	2669	260	3072
99	1120	153	2016	207	2678	261	3078
100	1135	154	2032	208	2687	262	3084
101	1151	155	2048	209	2696	263	3089
102	1166	156	2064	210	2705	264	3095
103	1181	157	2080	211	2714	265	3101
104	1196	158	2096	212	2723	266	3106
105	1212	159	2111	213	2732	267	3112
106	1228	160	2126	214	2741	268	3117
107	1244	161	2141	215	2749	269	3123
108	1260	162	2155	216	2758	270	3128
109	1276	163	2169	217	2767	271	3133
110	1293	164	2184	218	2775	272	3138
111	1309	165	2198	219	2784	273	3143
112	1326	166	2212	220	2792	274	3148
113	1342	167	2226	221	2801	275	3153
114	1359	168	2240	222	2809	276	3158
115	1376	169	2254	223	2817	277	3163
116	1392	170	2268	224	2825	278	3167
117	1409	171	2281	225	2833	279	3172
118	1426	172	2294	226	2841	280	3177
119	1442	173	2307	227	2849	281	3181
120	1459	174	2320	228	2857	282	3185
121	1476	175	2332	229	2865	283	3189
122	1494	176	2345	230	2872	284	3194
123	1511	177	2357	231	2880	285	3198
124	1528	178	2369	232	2888	286	3202
125	1546	179	2381	233	2895	287	3207
126	1563	180	2393	234	2903	288	3211
127	1580	181	2405	235	2910	289	3215
128	1598	182	2416	236	2918	290	3220
129	1615	183	2428	237	2925	291	3224
130	1632	184	2440	238	2932	292	3228
131	1650	185	2451	239	2939	293	3233
132	1667	186	2466	240	2946	294	3237
133	1684	187	2474	241	2953	295	3241
134	1702	188	2486	242	2959	296	3246
135	1719	189	2497	243	2966	297	3250
136	1736	190	2508	244	2973	298	3254
137	1753	191	2519	245	2979	299	3258
138	1770	192	2530	246	2986	300	3262
139	1787	193	2541	247	2997	301	3266
140	1803	194	2552	248	3000	302	3270
141	1820	195	2562	249	3006	303	3274

1	2	1	2	1	2	1	2
304	3278	320	3331	336	3373	351	3408
305	3281	321	3334	337	3375	352	3410
306	3285	322	3337	338	3378	353	3412
307	3288	323	3339	339	3380	354	3414
308	3292	324	3342	340	3382	355	3416
309	3295	325	3345	341	3385	356	3418
310	3298	326	3347	342	3387	357	3420
311	3302	327	3350	343	3389	358	3422
312	3305	328	3353	344	3392	359	3423
313	3308	329	3355	345	3394	360	3425
314	3312	330	3358	346	3396	361	3427
315	3315	331	3361	347	3399	362	3428
316	3318	332	3363	348	3401	363	3430
317	3322	333	3366	349	3403	364	3432
318	3325	334	3368	350	3406	365	3433
319	3328	335	3371				

पोत की मध्यवर्ती लम्बाई पर की बोर्ड अनुसूचीअन्तर्गत द्वारा प्राप्त किया जाएगा।

इस अनुसूची के भाग 1 के पैरा 1 के उप पैरा (3) में उल्लिखित की बोर्ड

सारणी—ख

वर्ग 'ख' के पोतों के लिए की बोर्ड सारणी

पोत की लम्बाई (मीटर)	की बोर्ड (मि०मी०)	पोत की लम्बाई (मीटर)	की बोर्ड (मि०मी०)	पोत की लम्बाई (मीटर)	की बोर्ड (मि०मी०)	पोत की लम्बाई (मीटर)	की बोर्ड (मि०मी०)
1	2	1	2	1	2	1	2
24	200	51	455	78	850	105	1380
25	208	52	467	79	868	106	1401
26	217	53	478	80	887	107	1421
27	225	54	490	81	905	108	1440
28	233	55	503	82	923	109	1459
29	242	56	506	83	942	110	1479
30	250	57	530	84	960	111	1500
31	258	58	544	85	978	112	1521
32	267	59	559	86	996	113	1543
33	275	60	573	87	1015	114	1565
34	283	61	587	88	1034	115	1587
35	292	62	601	89	1054	116	1609
36	300	63	615	90	1075	117	1630
37	308	64	629	91	1096	118	1651
38	316	65	644	92	1116	119	1671
39	325	66	659	93	1135	120	1690
40	334	67	674	94	1154	121	1709
41	344	68	689	95	1172	122	1729
42	355	69	705	96	1190	123	1750
43	364	70	721	97	1209	124	1771
44	374	71	738	98	1229	125	1793
45	385	72	754	99	1250	126	1815
46	396	73	769	100	1271	127	1837
47	408	74	784	101	1293	128	1895
48	420	75	800	102	1315	129	1880
49	432	76	816	103	1337	130	1901
50	443	77	833	104	1369	131	1921

1	2	1	2	1	2	1	2
132	1940	187	3044	242	3906	297	4595
133	1959	188	3062	243	3920	298	4607
134	1979	189	3080	244	3944	299	4618
135	2000	190	3098	245	3949	300	4630
136	2021	191	3116	246	3965	301	4642
137	2023	192	3134	247	3978	302	4654
138	2065	193	3151	248	3992	303	4665
139	2087	194	3167	249	4005	304	4676
140	2109	195	3185	250	4018	305	4686
141	2130	196	3202	251	4032	306	4695
142	2151	197	3219	252	4045	307	4704
143	2171	198	3235	253	4058	308	4714
144	2190	199	3249	254	4072	309	4725
145	2209	200	3264	255	4086	310	4736
146	2229	201	3280	256	4098	311	4748
147	2250	202	3296	257	4122	312	4757
148	2271	203	3313	258	4125	313	4768
149	2293	204	3330	259	4139	314	4779
150	2315	205	3347	260	4152	315	4790
151	2334	206	3363	261	4165	316	4800
152	2354	207	3380	262	4177	317	4812
153	2375	208	3397	263	4189	318	4823
154	2396	209	3413	264	4201	319	4834
155	2418	210	3430	265	4214	320	4844
156	2440	211	3445	266	4227	321	4855
157	2450	212	3460	267	4240	322	4866
158	2460	213	3475	268	4252	323	4878
159	2500	214	3490	269	4264	324	4890
160	2520	215	3505	270	4276	325	4899
161	2540	216	3520	271	4289	326	4909
162	2560	217	3537	272	4299	327	4920
163	2580	218	3554	273	4302	328	4931
164	2600	219	3570	274	4315	329	4943
165	2620	220	3586	275	4327	330	4955
166	2640	221	3601	276	4339	331	4965
167	2660	222	3615	277	4350	332	4975
168	2680	223	3630	278	4362	333	4985
169	2698	224	3645	279	4373	334	4995
170	2716	225	3660	280	4385	335	5005
171	2735	226	3675	281	4397	336	5015
172	2754	227	3690	282	4408	337	5025
173	2774	228	3705	283	4420	338	5035
174	2795	229	3720	284	4432	339	5045
175	2815	230	3735	285	4443	340	5055
176	2835	231	3750	286	4455	341	5065
177	2855	232	3765	287	4467	342	5075
178	2875	233	3780	288	4478	343	5086
179	2895	234	3795	289	4489	344	5097
180	2915	235	3808	290	4490	345	5108
181	2933	236	3821	291	4502	346	5110
182	2952	237	3835	292	4514	347	5130
183	2970	238	3849	293	4525	348	5140
184	2988	239	3864	294	4537	349	5150
185	3007	240	3880	295	4548	350	5160
186	3025	241	3893	296	4560	351	5170
					4572	352	5180
					4583	353	5190

1	2	1	2	1	2	
354	5200	357	5230	360	5260	363 5285
355	5210	358	5240	361	5268	364 5294
356	5220	359	5250	362	5276	365 5303

पोत की अक्षयवर्ती ऊँचाई पर प्रीबोर्ड अनुरेखा अन्तर्वेशन द्वारा प्राप्त किया जाएगा।

### तृतीय अनुसूची

(नियम 4, 5, 6, 7, 9, 29, 31 देखें)

#### स्थिरता और लदान

भाग—1

#### स्थिरता का मापवण्ड

1. पोत की स्थिरता सभी अर्थाष्ट लदान स्थितियों में सभी डुबावों पर पर्याप्त होगी। उपयुक्त की बोर्ड चिन्ह निमज्जन सूची होत चाहिये। जब तक पोत की विशिष्ट डिजाइन और सेवा की शर्तों को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार द्वारा अथवा आवश्यक न हो, निम्नलिखित मानदण्डों का पालन करने पर पोत की स्थिरता संतोषजनक मानी जाएगी।

(1) स्थिरक बल माप (जी जैड) बक के अधीन क्षेत्र निम्नलिखित से कम न होगा—

(क) 0.055 मीटर 30 अंश हील के कोण तक रेडियन,

(ख) 0.09 मीटर 40 अंश या कम हो तो Q एक के कोण के रेडियन/कोण क्यू एक वह कोण है जिस पर किसी सावू अर्ध-संरचनाओं या डैक चरों के द्वारा का निबना भागों पानी में डूब जाए, क्योंकि इन स्थानों के द्वारा भीमसकड बन्द नहीं किए जा सकते और इनसे लगातार पानी आने का संभावना है।

(ग) 0.03 मीटर हील के 30 और 40 अंश के कोणों के बीच और यदि ओ एक 40 अंश से कम हो तो 30 और आ एक अंशों के बीच रेडियन

(2) स्थिरक बल माप (जी जैड) 30 या उससे अधिक अंश के हील कोण पर कम से कम 0.20 मीटर होगा।

(3) अधिकतम स्थिरक बल माप (जी जैड) कम से कम 30 अंश के हील के कोण पर होता चाहिये।

(4) प्रारम्भिक अनुप्रस्थ शल केन्द्री ऊँचाई 0.15 मीटर से कम नहीं होगी।

2. केन्द्रीय सरकार, काष्ठ डक माल पोत को मार्ग भरण परिस्थितियों रस्सी और अन्य सेवा स्थितियों पर पूरी तरह विचार करने के बाद पिछले पैरा में दिये गए स्थिरता मानदण्डों से कम मानदण्डों का पालन करने की अनुमति दे सकती है।

3. उक्त पैरे 1 और 2 के उपबन्धों का पालन करने के अलावा पोत कप्तान को नौचानन, मालभरण और रस्सियों आदि के संबंध में विवेक और पूर्वापाद का उचित उपयोग भी करना चाहिए।

4. कोई पोत पैरा 1 और 2 में दिये गये स्थिरता मानदण्डों का पालन करता है या नहीं, इसका निश्चरण करने के लिये स्थिरता आँकड़े उस पोत के सुझाव परीक्षण पर आधारित होंगे जैसा कि इस नियमावली के नियम 31 में दिया गया है, जब तक कि इस नियम से छूट न दी गई हो।

### भाग—II

#### स्थिरता और लदान की शर्तें

5. इस अनुसूची के भाग 1 में दिए गए स्थिरता मानदंडों का पालन करने के लिए कम से कम निम्नलिखित लदान और नीरम शर्तों वाले स्थिरता लक्षणों की बाकायदा जाँच की जाए।

(1) प्रकाश शर्तें—यदि पोत पर स्याई नीरम हो तो प्रकाश शर्तें में दो शर्तें अर्थात् (1) ऐसे नीरम सहित प्रकाश शर्तें (2) ऐसे नीरम के बिना प्रकाश शर्तें, सम्मिलित होंगी चाहिए।

(2) नीरम शर्तें—इनमें भी दो शर्तें अर्थात् (1) सारी सामग्री, मोठा पानी, ईंधन और अन्य उपभोग्य सामग्री सहित पर माल के बिना नीरम प्रस्थान शर्तें और केवल दम प्रतिशत सामग्री, (2) मोठा पानी, ईंधन और अन्य उपभोग्य सामग्री सहित नीरम आगमन शर्तें।

(3) मानक लदान शर्तें—इनमें निम्नलिखित शामिल होंगी चाहिए (1) ग्रोम भार रेखा तक लदे पोत की प्रस्थान शर्तें इस पान के माल के लिए उपलब्ध सभी स्थानों में एक जैसा माल भरा हुआ, निवाय ऐसे स्थानों के जहाँ यह उचित न हो, उदाहरण के लिए इन पान के माल स्थानों के मामले में जो मात्र वाहनों और कट्टरों को ले जाने के लिए प्रयोग में लाया जाता हो (2) इसी तरह से लदे पोत की आगमन शर्तें लेकिन केवल 10 प्रतिशत भण्डार, ईंधन और अन्य उपभोग्य भण्डार सहित मोठा पानी।

(4) सर्विस लदान शर्तें—इनमें अनिवार्य लदान शर्तों को प्रस्थान और आगमन शर्तें शामिल होंगी चाहिए जिनके लिये पोत का डिजाइन बनाया गया है या जो सेवा शर्तें पोत स्वामियों द्वारा वांछित हैं।

6. (1) यात्री पोतों के लिए यात्रियों की संपूर्ण सङ्ख्या और उनका सामान उक्त पैरा 5 की (2) में (4) शर्तें में सम्मिलित करना चाहिए।

(2) यात्री पोतों में यात्रियों के चपत फिरने के प्रभाव का और पोत की मुड़ते समय युक्तिस्थान के दौरान नौते का पोत को स्थिरता पर प्रतिकूल प्रभाव को ध्यान में रखते हुए, यथावत परीक्षण किया जाएगा,

### भाग—III

#### स्थिरता गणना के रूप और पद्धति

7. स्थिरता और लदान से संबंधित इन नियमों के भाग 4 के प्रयोजनों के लिए स्थिरता गणनाओं की पद्धति और स्थिरता पुस्तिका का रूप जहाँ तक व्यवहार्य हो, निम्नलिखित पैरा के अनुसार होना चाहिए।

8. स्थिरता पुस्तिका में निम्नलिखित विवरण शामिल होना चाहिए—

(1) स्थिरता पुस्तिका के आरम्भ में, पोत का नाम, आधिकारिक संख्या, रजिस्ट्री, पत्तन, सकल और रजिस्टर टन भार, मुख्य परिभाग, विस्थापन, ग्रीष्म भार रेखा तक कुल भार और डुबाव उपयुक्त रूप से दिए जाएँ।

(2) पोत की पार्श्व आकृति, और यदि व्यवहार्य हो, पंमाने के अनुसार बनाई गई मानचित्र आकृति जिसमें नाम के साथ सभी मुख्य कक्षा, टकियों, भण्डारकक्षों और आवास जगहों की रूप रेखा दी गई हो।



(3) माल, ईंधन, भण्डार, बायलर पानी, मीठा पानी और जल नीरस के लिए उपलब्ध कक्षा की क्षमता और उनके खड़े और अनुवर्धन गुरुत्व केन्द्रों की स्थिति वाहन फेरी के मामले में, जिन कक्षों में वाहन ले जाए जाते हैं, उनका खड़ा गुरुत्व केन्द्र गाड़ियों के अनुमानित गुरुत्व केन्द्रों पर आधारित होगा न कि कक्षा के आयामविक केन्द्रों पर।

(4)(क) यात्रियों और उनके सामान और (ख) कर्मियों और उनके सामान का कुल अनुमानित भार और ऐसे प्रत्येक कुल भार के गुरुत्व केन्द्र (अनुवर्धन और खड़े) ऐसे गुरुत्व केन्द्र ज्ञात करने के लिये यात्रियों और कर्मियों को पोत पर उन जगहों पर वितरित माना जाएगा जो जगह वे सामान्यतः धरेंगे, इनमें वे सबसे ऊँचे डेक भी शामिल हैं जहाँ दोनों या दोनों में से कोई एक जा सकता है।

(5) पोत खुले डेक पर उचित रीति में अधिक से अधिक जितना डेक माल ले जा सकता है, उसका अनुमानित भार, विन्यास, और गुरुत्व केन्द्र ऐसे डेक माल के मामले में जिसकी पानी सांख्यिकी संभावना है, अनुमानित वजन में ऐसे सांख्यिकी जा सकने वाले और आयामन शर्तों में स्वीकार्य पानी का अनुमानित भार शामिल होगा, काष्ठ डेक माल के मामलों में यह भार 1.5 प्रतिशत माना जाएगा।

(6) पोत में ऐसी टकियों के अबाध तल का स्थिरता पर प्रभाव जिन पर द्रव्यों को ले जाया जाए और अबाध तल प्रभाव के लिये बल केन्द्रों की ऊँचाई किम प्रकार डीक की जाए, इसका उदाहरण।

9 स्थिरता पुस्तिका में निम्नलिखित आरेख या उसके स्थान पर अनु-संकेतित सारणीबद्ध विवरण दिए जाए :—

(1) कुल भार विस्थापन स्केल का आरेख, जिसमें भार रेखा बिन्दु तदनु-रूपी फी बोर्डों, विस्थापन हर सेटीमीटर निमज्जन, मीटरी टन के साथ भार रेखा, चिह्न और भार रेखा और हलकी स्थिति में पौन की जल रेखा और गहनतम भार रेखा सूचक जल रेखा के बीच माध्य बुझावों के अनुरूप कुल भार टन।

(2) पोत के द्रव—स्थैतिक विवरणों का आरेख या सारणीबद्ध विवरण—इसमें हलकी स्थिति में पोत की जल रेखा और गहनतम भार रेखा सूचक जल रेखा के बीच माध्य बुझावों की श्रृंखला के लिये निम्न-लिखित शामिल होंगे :

- (1) आधार रेखा के ऊपर अनुवर्धन और अनुप्रस्थवल केन्द्रों की ऊँचाई।
- (2) उत्पावकता केन्द्र दोनों ऊर्ध्वधर और अनुवर्धनों की स्थितियाँ;
- (3) प्लवन के अनुवर्धन केन्द्रों की स्थितियाँ।
- (4) एक सेटीमीटर गति बलने को पूर्णका मान।
- (5) आशी-काट क्षेत्र (यॉन्जियन थक) और जलस्तर क्षेत्र के मान।

जहाँ सारणीबद्ध विवरण प्रयुक्त हों वहाँ ऐसे बुझावों के मध्य अंतराल काफी करीब होंगे ताकि सही अन्तर्वेशन हो सके। झुकने वाले पठाण के पोत के मामले में, उत्पावकता और बल केन्द्रों की ऊँचाई के लिये वही माप प्रयुक्त होंगे जैसे पैरा 8 में उल्लिखित गुरुत्व केन्द्रों के लिये होते हैं।

(3)(1) स्थिरता के आड़ी बलों का आरेख जिसमें उन अक्षीय पर पठाण बिन्दु स्पष्टतः दिखाए गए हों जहाँ से स्थिरक बल माप मापा जाता है और नति को प्रतीत किया जाता है। झुकने वाले पठाणों के पोत के मामले में जहाँ शीर्ष कील से दूर माप प्रयुक्त हो इसकी स्थिति भी सही सूचना दी जाए।

झुकान कोणों की पर्याप्त दूरी के लिये पर्याप्त संख्या में आड़ी-बलों और ऐसा हर एक गहनतम रेखा से पोत की हल्की अवस्था में विस्थापन दूरी के ऊपर विस्तार होना चाहिए ताकि सभी वनात्मक दूरी के ऊपर 164 GI/79—9

स्थिरक बल मापों के सांख्यिकीय स्थिरता बल प्रदर्शकों द्वारा पर्याप्त यथार्थता में प्राप्त किने जा सकें।

(2) आड़ी बलों में स्थिरक बल माप बल ( OZ ) जैसे प्राप्त किया जा सकता है, इसके लिये एक निदेशी उदाहरण दिया जाए।

10 इस अनुसूची के भाग II में अपेक्षित हर लदान शर्त के स्थिरता लक्षण स्थिरता पुस्तिका में निम्नलिखित आरेखों और विवरणों द्वारा प्रदर्शित होंगे। (1) पात का अनुवर्धन आरेख कुल भार के त्वर उद्देश्य के निर्देशन को दिखाने वाले योग्य लक्षण से ख़ासा गया,

(2) हल्काभार, कुल भार का विन्यास और सघटका का पूर्ण, अंतिम विस्थापन, गुरुत्व केन्द्र, चलकेन्द्र, अबाध तल प्रभाव और चल केन्द्रों ऊँचाई की अवधि तल प्रभाव के लिए संशोधित की गई तबनुस्वी स्थिति।

(3) स्थिरक बल माप ( GZ ) के सांख्यिकीय स्थिरता बल का आरेख। जहाँ काष्ठ डेक मालकी उत्पावकता के लिये मान्यता दी गई है वहाँ स्थिरक बल माप के बल दोनों के साथ और इस मान्यता के बिना, खिचाना आवश्यक है। अबाध तल प्रभाव के लिए, स्थिरक बल माप के बल विधिवत सही किए जाएंगे।

11. (1) स्थिरता के कामबद्ध निकालने के लिये अधिसंरचना और कारगर बीमोबी में प्राप्त स्थिरता और उत्पावकता का भी ध्यान रखा जाए। ऐसी अधिसंरचनाएं द्वितीय अनुसूची के पैरा 7 और 8 में बताई गई हैं।

(2) निम्नलिखित अधिसंरचनाओं द्वारा दी गई स्थिरता और उत्पावकता को भी काम बल निकालने समय ध्यान में रखा जाए और नौबहन महानिदेशक हर विशेष मामले में उनके स्थल, अखण्डता और बन्द करने के गावन, को ध्यान में रखते हुए ऐसे अनुमोदित करें—

(1) अधिसूचना डेक के ऊपर स्थित अधिसंरचना।

(2) फोर्बोर्ड डेक के चाहे सम्पूर्ण अवका मास्र एक भाग में डेक पर,

(3) फोर्बोर्ड डेक के ऊपर अथवा उस पर फलकामुख संरचना। काष्ठ डेक माल ले जाने वाले पोत के मामले में अतिरिक्त रूप में यदि नौबहन महानिदेशक ऐसा अनुमोदित करें तो ऐसा मान ले जा रहे पोत के अनुरूप पूरक स्थिरता बल निकालने के लिए काष्ठ डेक माल या उसके किसी अंश का आयवन भी ध्यान में रखा जाए।

(3) जहाँ स्थिरता परिकलन के लिये अधिसंरचना या अन्य किसी संरचना को उत्पावकता ली जाती है वहाँ आड़ी-बलों पर सदा उचित पूर्णांकन किया जाए और ऐसी मात्रा का स्पष्ट उल्लेख किया जाए। जलरोक वरवाजों के समीप या अन्य किसी विशेष मुख पर ऐसे नोटिस स्पष्ट रूप से लगाए जाएंगे कि जब पौन गमूत्र में हो तो ये सूख स्थिरता के लिये इस प्रकार बन्द रखे जाएंगे कि जलरुद्ध रहे।

### अनुसूची

(नियम 5 और 26 देखिए)

अन्तर्राष्ट्रीय भार रेखा संगमन 1966

समनुदेशन की जर्नी का अभिलेख-भार रेखा सर्वेक्षण

पोत का नाम ..... सर्वेक्षण का पत्तन और तारीख  
..... अधिकारिक संख्या  
..... सर्वेक्षक के हस्ताक्षर .....  
राष्ट्रिकता और रजिस्ट्री का पत्तन ..... सर्वेक्षण संगठन

निर्माणा और याह सं० निर्माण वर्ष  
 म्बामी  
 पोत वर्ष (विद्यमान वर्ग क/वर्ग ख)  
 फ्री बोर्ड की लंबाई सकल टन भार

## 1. पोतों की अधिसंरचना (पैरा 6)

सामग्री और बटक मुब्बों का म्बोरा बंध करने के उपकरण  
 पानी फलका मुब्ब  
 पुल भ्रम फलका मुब्ब  
 पुल पिछला फलका मुब्ब  
 पूष फलका मुब्ब

क्या अधिसंरचना का निर्माण कारगर है।

## 2. फ्री बोर्ड और अधिसंरचना डैको में फलकामुब्ब (पैरा 8 और 9)

विवरण	फलका सं०	फलका सं०	फलका सं०	फलका सं०	फलका सं०	फलका सं०
मुब्ब का परिमाण						
अवबाल						
फलका कड़ी बटक						
माप और बेथारिग तल						
भ्रम और पिछले बटक						
फलका बोर्ड पीपा आचरण						
बर्बाद फलका आचरण						

क्या नियम की अपेक्षाओं के अनुसार फलको को बन्ध करने वाले बाधन मजबूत या सक्षम हैं।

## मम्बोमरी जगह के मुब्ब (पैरा 10)

किडली, चिमनी खोलों की सामग्री	रोशनदान और बटकों के विवरण	वहल और मुत्ती के विवरण	बन्ध करने वाले माबिद्धों का विवरण
1			
2			
3			
4			

क्या मम्बोमरी खोलों पर बातायन मम्बोमी तरह सुरक्षित है?

## 4. फ्री बोर्ड और अधिसंरचना डैको पर विविध मुब्ब (पैरा 11)

(क) मरमोखे और सपाट मातों के मुब्बों और बंध वाले उपकरणों का विवरण दें।

क्या ऐसे निर्माण प्रथम हैं,

(ख) डेक सीढ़ी का विवरण :

## 5. फ्री बोर्ड और अधिसंरचना डैका पर खली स्थिति में बातायन पैरा (12)

बातायनों की स्थितियां	मुब्बों का माप अवबाल की ऊंचाई और मोटाई	सकलित जगह बन्ध करने के उपकरण
1		
2		
3		
4		

क्या बातायन ऐसी जगह हैं जो विशेष रूप से मौसम और समुद्र से प्रभावित हो सकती हैं, यदि ऐसा है तो उनका बचाव कैसे किया गया है।

## 6. फ्री बोर्ड और अधिसंरचना डैको पर अभिवर्धित स्थिति में वायु नलियों (पैरा 13)

स्थिति	वायु नलियों की संख्या और प्रकार	भ्यास और ऊंचाई बन्ध करने के उपकरण
1		
2		
3		
4		

(क) मानक ऊंचाई से कम के अधिसंरचना डैक पर स्थित किसी वायु नली का विवरण दें।

(ख) क्या सभी वायु नलियों मजबूती से निमित्त हैं?

## 7. पात पार्श्व में माल द्वार और ऐसे ही मुब्ब (पैरा 14)

(क) फ्री बोर्ड के नीचे माल द्वारों और ऐसे ही मुब्बों की अनुवैय स्थिति आकार और संख्या हैं।

(ख) किसी ऐसे माल द्वार या ऐसे ही मुब्ब के, फ्री बोर्ड डैक के पार्श्व से समान्तर खींची गई और गहनतम भार रेखा के ऊपरी छोर से जाने वाली रेखा के संबंध में, निचले छोर की खड़ी पूरी बताएं।

(ग) ऐसे मुब्बों को बंध करने के उपकरणों का म्बोरा दें और क्या ऐसे बंध करने के उपकरणों से संरचना की अखंडता और जल-दृढ़ता सुनिश्चित होती है।

## 8. परबाल, प्रवेक द्वार और नलियां (पैरा 15)

पाइप के अंतर्द्वनी छोर की खड़ी स्थिति	कख / निकासी हुए	डैक पीपी की संख्या होते और ब्यास और बंध करने के उपकरणों और सामग्री के प्रकार
SL WL	के ऊपर	
पठान से	0.01L	
SL WL	के ऊपर	
0.01L से 0.02 L		
SL WL	के ऊपर	
0.02L से अधिक		

(क) बाल्वों के नियंत्रण स्थान और सुगमता का विवरण दे :-

(i) प्रयोग में ली गई मशीनरी जगह और (ii) प्रयोग में न ली गई मशीनरी जगह ।

(ख) प्रयोग में न ली गई मशीनरी जगह में जल के प्रवेश पर चेतावनी देने वाले उपकरणों के विवरण दें ।

9. मूका ( पैरा 16 )

(क) मूकों, अंबोटियों और बीजों के स्थान और उनके निर्माण का विवरण दें ।

(ख) क्या सभी मूकों की वेहूनियों पर या फ्री बोर्ड डेक के पार्श्व से सर्वांतर खींची गई रेखा के ऊपर हैं और उनका सबसे नीचा पाइंट ।

(i) ग्रीष्म भार रेखा के ऊपर B से 2.3 प्रतिशत है, या

(ii) ग्रीष्म भार रेखा के ऊपर 500 मि० मीटर है ।

10. निकासमोखा और व्यवस्थाएं ( पैरा 17 )

(क) खुले डेक पर निकास व्यवस्था

अवबाल की संख्या	निकास मोखों की संख्या	हर ओर का जंघाई	हर ओर का जंघाई
-----------------	-----------------------	----------------	----------------

अथ कूप

पिछला कूप

(ख) बंद अधिसंरचना से इतर अधिसंरचना से जल निकास के लिए की गई व्यवस्थाओं का विवरण दें। क्या ऐसी व्यवस्थाएं कारगर हैं।

11. कमींदल की सुरक्षा ( पैरा 18 )

(क) अधिसंरचना डेकों और खुले फ्री बोर्ड के परिभाषा पर प्रयुक्त जंगले, बचाव तार और खम्बों की ऊंचाई इहित दी जाने वाली जगह का विवरण दें ।

(ख) सीढ़ी, घबर डेक गली और अन्य साधनों में कमींदल को उनके आबाख, मशीनरी जगह और अन्य कार्य करने की जगहों के मध्य घाते जाने वाले साधनों का विवरण दें ।

(ग) रखा रस्सी, पहुंच सीढ़ियां, जंगले, बचाव तार, हथपट्टियां और अन्य सुरक्षा जुड़नारों (फिटिंग्स) का विवरण दें । बर्न क या बर्न ख के पोतों, कम फ्री बोर्ड के पोतों पर लागू विशेष ध्येक्षाएं ।

12. मशीनरी खोल ( पैरा 19 )

यदि खोल स्थिति 1 वा स्थिति 2 में संलग्न मशीनरी जगह मुख पूव पुल या डेक पर द्वारा सुरक्षित नहीं है, तो उसके कारण वे या अपनाए गए ऐसे ही सुरक्षा साधनों का विवरण दें ।

13. सीढ़ी और पहुंच ( पैरा 20 और 23 )

जहां पोत के पूव अंसंबद्ध पुल या ऐसे अगले भाग के मध्य जहां अंसंबद्ध पुल नहीं है, पहुंच स्थायी सीढ़ी से इतर साधनों द्वारा प्राप्त की जाती है वहां की गई ऐसी ही व्यवस्था का विवरण दें ।

14. निकास व्यवस्थाएं ( पैरा 22 और 24 )

(क) जहां जंगले, बचाव तार और खंबे फ्री बोर्ड और अधिसंरचना डेकों के कम से कम प्राची लंबाई के लिये नहीं दिए गये हों ऐसी ही निकास व्यवस्था का विवरण दें ।

(ख) पनकट दीवारों के प्रकार और स्थितियां और संख्या यदि ऐसे जुड़नार समझ हों ।

फाट फ्री बोर्ड समुनवेक्षित पोतों पर लागू विशेष ध्येक्षाएं ।

15. अवबाल जंगले और खम्बे ( पैरा 27 )

(क) अवबालों के स्थिर और घालवों का विवरण दें ।

क्या ऐसी व्यवस्था पर्याप्त सबल और समझ है ?

(ख) जहां अवबाल प्रयुक्त न हों वहां उनके बगले में दिये गये अगले और खम्बों का, यदि न पर्याप्त रूप से मजबूत हों, विवरण दें ।

नोट:-इस अधिलेख में पैरों का संवर्ध, इन नियमों की प्रथम अनुसूची के पैरों का संवर्ध है ।

कॉम एस० एल० ( भारत )

पांचवी अनुसूची

प्रमाणपत्र संख्या

(नियम 7 और 12 देखिए)

अन्तर्राष्ट्रीय भार रेखा प्रमाणपत्र ( 1966 )

भारत सरकार के प्राधिकार के अधीन नौबहन महाविभाग द्वारा भार रेखा पर अन्तर्राष्ट्रीय संगमन 1966 के उपबंधों के अधीन जारी

पोत का नाम	सुस्पष्ट संख्या या अक्षर	रजिस्ट्री पसन	अनुच्छेद 2 (8) में परिभाषित लंबाई
समुनवेक्षित फ्री बोर्ड :			
{ नए पोत			{ पोत वर्ग :
{ विद्यमान पोत			{ वर्ग क
			{ वर्ग ख
			{ वर्ग ग के साथ कम किया गया फ्री बोर्ड
			{ वर्ग ख के साथ बढ़ाया गया फ्री बोर्ड
† जो लागू न हों काट दें			
डेक रेखा से फ्री बोर्ड			
उष्ण कटिबंधीय	मिलीमीटर ( )	( ग्रीष्म ) ऊपरी	मिलीमीटर
ग्रीष्म	मिलीमीटर ( )	मध्य मध्य रेखा का उपरी छोर	मिलीमीटर
शीत	मिलीमीटर ( )	( ग्रीष्म ) नीचे	मिलीमीटर

शीत उत्तर अटलांटिक	मिलीमीटर ( )	( ग्रीष्म ) नीचे	मिलीमीटर
काष्ठ उष्ण कटिबंधीय	मिलीमीटर ( )	( प्रकाष्ठ ग्रीष्म ) ऊपर	मिलीमीटर
काष्ठ ग्रीष्म	मिलीमीटर ( )	( ग्रीष्म ) ऊपर	मिलीमीटर
काष्ठ शीत	मिलीमीटर ( )	( काष्ठ ग्रीष्म )	मिलीमीटर
काष्ठ शरव उत्तर अटलांटिक	मिलीमीटर ( )	( काष्ठ ग्रीष्म )	मिलीमीटर

नोट : फ्री बोर्ड और भार रेखा जो प्रमाणपत्र में

प्रविष्ट करने की आवश्यकता नहीं हैं। काष्ठ फ्री बोर्ड के लिये  
काष्ठ से इतर तभी फ्री बोर्ड के लिये मीटे पानी की छूट।

ईक रेखा के ऊपरी छोर जहाँ से फ्री बोर्ड

मि० मी० है

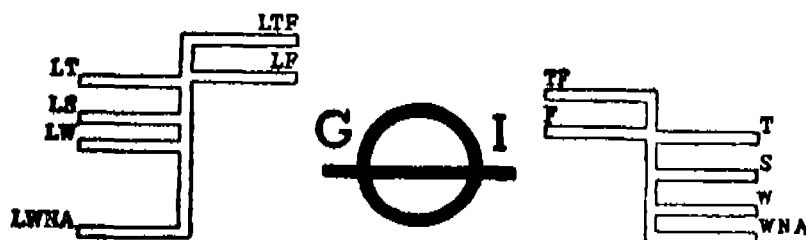
काष्ठ फ्री बोर्डों के लिये—मि० मी० है।

नापे गए हैं : .....

मि० मी० है।

ईक के पाश्च पर

आकृति संलग्न है



प्रारंभिक या अतिरिक्त सर्वेक्षण की तारीख—

प्रमाणित किया जाता है कि इस पोत का सर्वेक्षण कर दिया गया है और उपर्युक्त समनुवैशित फ्री बोर्ड और भार रेखाएं भार रेखा अंतर्राष्ट्रीय संगमन 1966 के अनुसार दिखाई गई हैं।

यह प्रमाण पत्र संगमन के अनुच्छेद 14 (1) (ग) के अनुसार आवधिक निरीक्षणों के अधीन — तक वैध है।

पत्तन— तारीख— जारी किया गया।

मैं घोषणा करता हूँ कि मैं सरकार द्वारा इस प्रमाणपत्र को जारी करने के लिए विधिवत प्राधिकृत हूँ।

नीबहम महानिदेशक,

नीबहम और परिवहन मंत्रालय

यह प्रमाणित किया जाता है कि संगमन के अनुच्छेद 14 (1) (ग) द्वारा अपेक्षित आधिकारिक निरीक्षण पर यह पोत संगमन के संबंध उपबन्धों का पालन करते हुए पाया गया था ;

स्थान—

तारीख—

सर्वेक्षक

स्थान—

तारीख—

सर्वेक्षक

स्थान—

तारीख—

सर्वेक्षक

स्थान—

तारीख—

सर्वेक्षक

यह पोत संगमन के उपबन्धों का पूर्ण रूप से पालन करता है,

इस प्रमाणपत्र की वैधता संगमन के अनुच्छेद 19 (2) के अनुसार

तक है।

स्थान—

तारीख—

सर्वेक्षक

नोट :

(1) जब पोत नदी या आन्तरिक जलश्रेष्ठ पर स्थित पत्तन से प्रस्थान करता है तो लवान की गहराई प्रस्थान पत्तन और समुद्र के मध्य ईश्वर और अन्य सभी अपेक्षित सामग्री का बजन के अनुकूल होगी।

(2) जब पोत इकाई बनरब के मीठे पानी में हो ता उपर्युक्त भार रेखा मीठे जल को उबन दिखाई गई छूट को माक्षा से नियंत्रित हो सकती है। जहाँ बनरब एक से इतर हो, तो छूट 1.025 और वास्तविक बनरब के मध्य अंतर अनुपात में होगी।

फार्म एल० एल० ( भारत )

भारत सरकार द्वारा जारी हुआ  
भारतीय भार रेखा प्रमाणपत्र

प्रमाणपत्र सं० . . . .

पोत का नाम	सुस्पष्ट संख्या या अक्षर	रजिस्ट्री पत्तन	वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम 1958 सकल टन भार की धारा 311 के अधीन बने नियमों द्वारा परिभाषित संवाई (b)
समनुदेशित फ्री बोर्ड नया पोत			पोत वर्ग वर्ग क
विद्यमान पोत			वर्ग ख वर्ग ब कम किये गये फ्री बोर्ड के साथ वर्ग ब के बढ़ाए गए फ्री बोर्ड के साथ

ओ लागू न हों, काट दे :

भार रेखा से फ्री बोर्ड	भार रेखा	मी० मी०
उष्ण कटिबंधीय	मि० मी० (T) S (ग्रीष्म) से ऊपर	मी० मी०
ग्रीष्म	मि० मी० (S) बलय मध्य से रेखा का ऊपरी छोर	—
शीत	मि० मी० (W) S (ग्रीष्म) से नीचे	मी० मी०
	सभी फ्री बोर्डों के लिए भीटे जल की छूट—	मी० मी०

नोट . जो फ्री बोर्ड और भार रेखा लागू न हों, उसे प्रमाणपत्र में भरने की आवश्यकता नहीं है। भार रेखा के ऊपरी छोर जिसने ये फ्री बोर्ड नापे जाते हैं मि० मी० पाथ पर यह प्रमाणित किया जाता है कि इस पोत का सर्वेक्षण कर दिया गया है और उक्त दिखाई गई भार रेखाएं और फ्री बोर्ड वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 की धारा 311 के अधीन बने नियमों, के अधीन समनुदेशित किए गए हैं। यह प्रमाणपत्र वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 की धारा 311 के अधीन बने नियमों की व्यवस्थाओं के अनुसार आवश्यक निरीक्षण के अधीन तक वैध है।

पत्तन पर तारीख . . . . . को जारी किया गया

नौवहन महानिदेशक  
नौवहन और परिवहन मंत्रालय

माट :

(1) जब पोत नदी या आन्तरिक जल क्षेत्र पर स्थित पत्तन से प्रस्थान करता है तो लयान की गहराई प्रस्थान पत्तन और समुद्र के मध्य ईंखन और सभी अपेक्षित मामलों के वजन के अनुरूप होगी।

(2) जब पात इकाई घनत्व के गांठे पानी में है तो उपर्युक्त भार रेखा भीटे जल का उक्त दिखाई गई छूट का मात्रा में निमाजन हो सकती है। जहां घनत्व एक से कम है, तो छूट 1.025 और आन्तरिक घनत्व के मध्य अनुपात में होगा।

यह प्रमाणित किया जाता है कि वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 की धारा 311 के अधीन बने नियमों द्वारा अपेक्षा आवश्यक निरीक्षण पर यह पोत उक्त नियमों में संबंध उपर्युक्त का पालन करने हुए पाया गया था।

स्थान-----	तारीख-----
	सर्वेक्षक
स्थान-----	तारीख-----
	सर्वेक्षक
स्थान-----	तारीख-----
	सर्वेक्षक
स्थान-----	तारीख-----
	सर्वेक्षक

फार्म एल० एल० ( भारत )

भारतीय भार रेखा छूट प्रमाणपत्र

प्रमाणपत्र संख्या . . . . .

भारत सरकार के प्राधिकार के अधीन नौवहन महानिदेशक द्वारा भार रेखाओं पर अन्तर्राष्ट्रीय सममत, 1966 के उपबंधों के अधीन जारी

पोत का नाम	सुस्पष्ट संख्या या अक्षर	रजिस्ट्री पत्तन
------------	--------------------------	-----------------

यह प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त पोत का उक्त सममत के अनुच्छेद 6 (2)/अनुच्छेद 6 (4) द्वारा प्रदत्त प्राधिकार के अधीन 1966 के सममत के उपबंधों से छूट दी गई है।

सममत के उपबंधों जिसमें पान का अनुच्छेद 6 (2) के अधीन छूट दी गई है, निम्नलिखित है ---

जल यात्रा जगहों पर अनुच्छेद 6 (1) के अधीन छूट दी गई है

से-----

का-----

अनुच्छेद 6 (2) या अनुच्छेद 6 (4) के अधीन जो छूट दी गई है, उसके नियम ---

यह प्रमाण पत्र गगन की अनुच्छेद 14(1) (ग) अनुसार उपर्युक्त आवधिक निर्दिष्टता व प्रदान करने के लिए है

पत्र पर तारीख जारी किया गया

मे घाघणा वरुण कुनि म उत गगन मरुत रत प्रमाणपत्र का मरुत वरुण व वरुण प्रमाणपत्र

जा लागू न हो काट द

यह प्रमाणित किया जाता है कि यह पत्र उन शर्तों का अनुपालन करता है कि इसके अन्तर्गत यह छूट दी गई थी।

स्थान-----

तारीख-----

महोदय

स्थान-----

तारीख-----

महोदय

स्थान-----

तारीख-----

महोदय

स्थान-----

तारीख-----

महोदय

यह पत्र उन शर्तों का अनुपालन करता है कि इसके अन्तर्गत यह छूट दी गई थी, यह प्रमाणपत्र का वैधता, गगन की अनुच्छेद 14(2) (क) के अनुसार जारी किया गया है।

स्थान-----

तारीख-----

महोदय

### छठवीं अनुसूची

(नियम 17 और 19 देखिए)

#### जोन, क्षेत्र और विशेष अवधियां

1 इस अनुसूची में जोन और क्षेत्र सामान्यतः निम्नलिखित माप-वर्णक के आधार पर हैं।

ग्रोथम—बल 8 बाफ्ट (34 नाट) या अधिक की 10 प्रतिशत वायु तक उष्ण कटिबंधीय बल 8 बाफ्ट (34 नाट) या अधिक की 1 प्रतिशत वायु तक। किसी एक पृथक पंचायत में 5 अंश वर्ग के एक क्षेत्र में 10 वर्षों में एक उष्ण कटिबंधीय तूफान तक।

कुछ विशेष क्षेत्रों में व्यावहारिक कारणों के लिए कुछ अथवा कुछ स्वीकार्य है।

इस अनुसूची पर निम्नपरिभाषित जोन और क्षेत्रों का चार्ट सलग्न है।

#### उत्तरी शीतकाली मौसमी जोन और क्षेत्र

2-(1) उत्तरी शीतकालीन मौसमी जोन और क्षेत्र

(क) उत्तरी अटलांटिक शीतकालीन मौसमी जोन, ग्रीनलैंड तट से 50 अंश पश्चिम देशान्तर से 45 अंश उत्तरी अक्षांश के याम्योत्तर वहां से 45 अंश उत्तरी अक्षांश के समान्तर 15 अंश पश्चिम देशान्तर, वहां से 15 अंश पश्चिम देशान्तर से 60 अंश उत्तरी, वहां से 60 अंश उत्तरी अक्षांश समान्तर ग्रीनविच याम्योत्तर, और वहां से इस याम्योत्तर से उत्तर की ओर, के भीतर है।

#### मौसमी अवधियां.

शीतकाल : 16 अक्टूबर से 15 अप्रैल

ग्रीष्मकाल : 16 अप्रैल से 15 अक्टूबर

(ख) उत्तरी अटलांटिक शीतकालीन जोन दो, संयुक्त राज्य के तट से 68 अंश 30 अंश पश्चिमी देशान्तर से 40 अंश उत्तरी अक्षांश, के याम्योत्तर वहां से 36 अंश उत्तरी अक्षांश बिन्दु से रम्ब रेखा, 70 अंश पश्चिमी देशान्तर, वहां से 36 अंश उत्तरी अक्षांश के समान्तर से 25 अंश पश्चिमी देशान्तर और वहां से रम्ब रेखा से कैप तरीनामा, के अन्तर्गत है।

इस जोन में उत्तरी अटलांटिक शीतकालीन जोन एक और स्कारिक में स्कव के समान्तर अक्षांश द्वारा परिवर्द्ध वास्तिक सागर शामिल नहीं है।

#### मौसमी अवधियां :

शीतकाल : 1 नवम्बर से 31 मार्च

ग्रीष्मकाल : 1 अप्रैल से 31 अक्टूबर

(2) उत्तरी अटलांटिक शीतकालीन क्षेत्र

उत्तरी अटलांटिक शीतकालीन क्षेत्र की सीमा

संयुक्त राज्य के तट से 68 अंश 30 "पश्चिमी देशान्तर से 40 अंश उत्तर अक्षांश के याम्योत्तर वहां से रम्ब रेखा, कनाडा और उसके पूर्वी तटों और संयुक्त राज्यों के तट के साथ 61 अंश पश्चिमी देशान्तर के याम्योत्तर के सुदूर दक्षिण भाग में कटान।

#### मौसमी अवधियां.

100 मीटरो (328 मीटर) से अधिक की लम्बाई वाले पोतों के लिए।

शीतकाल : 16 दिसम्बर से 15 फरवरी

ग्रीष्मकाल : 10 फरवरी से 15 दिसम्बर

100 मीटरो (328 फीट) और उस से कम लम्बाई वाले पोतों के लिए :

शीतकाल : 1 नवम्बर से 31 मार्च

ग्रीष्मकाल : 1 अप्रैल से 31 अक्टूबर

(3) उत्तरी प्रशांत महासागरीय शीतकालीन जोन

उत्तरी प्रशांत महासागर के जोन की दक्षिणी सीमा निम्नलिखित है :

रूस के पूर्वी तट से सरबालिन के पश्चिम तट 50 अंश उत्तरी अक्षांश के समान्तर वहां से सखालिन के पश्चिमी तट से कुलिन की दक्षिणी अक्षांश वहां से रम्ब रेखा के बक्कानाथ, होक्काइडो जापान वहां से 145 अंश पश्चिमी देशान्तर से होक्काइडो के पूर्वी और दक्षिणी तट, वहां से 35 अंश उत्तरी अक्षांश से 145 अंश पूर्वी देशान्तर के याम्योत्तर वहां से 35 अंश

उत्तरी अक्षांश से 150 अंश पश्चिमी देशांतर से समांतर और वहाँ से रम्ब रेखा हूँ और अलास्का द्वीप की दक्षिणी अक्षांश।

मौसमी अवधिया :

शीतकाल : 16 अक्टूबर से 15 अप्रैल

ग्रीष्मकाल : 16 अप्रैल से 15 अक्टूबर

दक्षिणी शीतकालीन जोन

3 दक्षिणी शीतकालीन जोन की उत्तरी सीमा निम्नलिखित है :—

अमेरिका महाद्वीप के कैप ट्रैस पुन्टास पर, पूर्वी तट से 34 अंश दक्षिणी अक्षांश 50 अंश पश्चिमी देशांतर तक रम्ब रेखा, वहाँ से 31 अंश दक्षिणी अक्षांश से 17 अंश पूर्वी देशांतर के समांतर वहाँ से 35 अंश 10 दक्षिणी अक्षांश 20 अंश पूर्वी देशांतर के सुसंगत, से रम्ब रेखा, वहाँ से रम्ब रेखा के साथ 35 अंश 30 दक्षिणी अक्षांश, 118 अंश पूर्वी देशांतर के सुसंगत और वहाँ से तस्मानिया के उत्तरी और पूर्वी तटों के साथ बने द्वीप के सूतूर दक्षिणी बिन्दु, वहाँ से स्टवार्ट द्वीप पर काला रोक बिन्दु से रम्ब रेखा, वहाँ से रम्ब रेखा 47 अंश दक्षिणी अक्षांश 170 अंश पूर्वी देशांतर के सुसंगत, वहाँ से रम्ब रेखा साब सुसंगत 33 अंश दक्षिणी अक्षांश, 170 अंश पश्चिमी देशांतर और वहाँ से अमेरिका महाद्वीप के पश्चिमी तट से 33 अंश दक्षिणी समांतर।

मौसमी अवधिया :

शीतकाल : 16 अप्रैल से 15 अक्टूबर

ग्रीष्मकाल : 16 अक्टूबर से 15 अप्रैल

बिलियम-47

उष्ण कटिबंधीय जोन

(1) उष्ण कटिबंधीय जोन की उत्तरी सीमा :

उष्ण कटिबंधीय जोन की उत्तरी सीमा निम्नलिखित है :—

अमेरिका महाद्वीप के 60 अंश पश्चिमी देशांतर के पूर्वी तट से 13 अंश उत्तरी अक्षांश के समांतर वहाँ से रम्ब रेखा 10 अंश उत्तरी अक्षांश 58 अंश पश्चिमी देशांतर के सुसंगत, वहाँ से 20 अंश पश्चिमी देशांतर से 30 अंश उत्तरी अक्षांश को याम्योत्तर और वहाँ से अफ्रीका के पश्चिमी तट से 30 अंश उत्तरी अक्षांश के समांतर अफ्रीका के पूर्वी तट से 8 अंश उत्तरी अक्षांश 70 अंश पूर्वी देशांतर से 13 अंश उत्तरी अक्षांश वहाँ से भारत के पश्चिमी तट से 13 अंश उत्तरी अक्षांश के समांतर वहाँ से भारत के पूर्वी तट पर 10 अंश 30 उत्तर अक्षांश भारत के दक्षिणी तट, वहाँ से रम्ब रेखा 9 अंश उत्तरी अक्षांश 82 अंश पूर्वी देशांतर के सुसंगत, वहाँ से याम्योत्तर के 82 अंश पूर्वी देशांतर से 8 अंश उत्तरी अक्षांश, वहाँ से मनेशिया के पश्चिमी तट से 8 अंश उत्तरी अक्षांश के समांतर वहाँ से 10 अंश उत्तरी अक्षांश पर दक्षिण पूर्व एशिया के तट से बियतनाम के पूर्वी तट, वहाँ से 10 अंश उत्तरी अक्षांश से 145 अंश पूर्वी देशांतर के समांतर वहाँ से 145 अंश पूर्वी देशांतर से 13 अंश उत्तरी अक्षांश के याम्योत्तर और वहाँ से अमेरिका महाद्वीप के पश्चिमी तट से 13 अंश उत्तरी अक्षांश के समांतर।

सोमोन को उष्ण कटिबंधीय जोन और मौसमी उष्ण कटिबंधीय क्षेत्र की सीमा रेखा समझा जाता है।

(2) उष्ण कटिबंधीय जोन की दक्षिणी सीमा :

उष्ण कटिबंधीय जोन की दक्षिणी सीमा निम्नलिखित है :—

सन्टोस, ब्राजील पत्तन से रम्ब रेखा उस बिन्दु पर जहाँ 40 अंश पश्चिमी देशांतर के याम्योत्तर मकर रेखा को काटती है, वहाँ से अफ्रीका के पश्चिमी तट पर मकर रेखा, अफ्रीका पूर्वी तट के समान्तर मदगास्कर के पश्चिमी तट से 20 अंश दक्षिणी अक्षांश वहाँ से 50 अंश पूर्वी देशांतर से मदगास्कर के पश्चिमी और उत्तरी तट, वहाँ से 50 अंश पूर्वी देशांतर से 10 अंश दक्षिणी अक्षांश के याम्योत्तर वहाँ से 10 अंश दक्षिणी अक्षांश से 98 अंश पूर्वी देशांतर के समांतर वहाँ से जर्बिन पत्तन आस्ट्रेलिया को रम्ब

रेखा, वहाँ से कैप धेस्तन के पूर्व में आस्ट्रेलिया और बैम्सेल द्वीप के तट वहाँ से कैप यार्क के पश्चिमी और 11 अंश दक्षिणी अक्षांश के समांतर कैपयार्क के पूर्वी तट से 11 अंश दक्षिणी अक्षांश से 150 अंश पश्चिमी देशांतर के समांतर वहाँ से रम्ब रेखा 26 अंश दक्षिणी अक्षांश, 35 अंश पश्चिमी देशांतर के सुसंगत और वहाँ से रम्ब रेखा अमेरिका महाद्वीप के पश्चिमी तट से 30 अंश दक्षिणी अक्षांश, काकिम्बे और मन्टोम उष्ण कटिबंधी और ग्रीष्म जोन की सीमा रेखा माने जाते हैं।

उष्ण कटिबंधी जोन में शामिल किए जाने वाले क्षेत्र

उष्ण कटिबंधी जोन में निम्नलिखित क्षेत्रों को शामिल समझा जाए :—

(क) स्वेज नहर, लाल सागर और अदन की खाड़ी पोर्ट मई से 45 अंश पूर्वी देशांतर के याम्योत्तर

अदन और बेरबेरा उष्ण कटिबंधी और उष्ण कटिबंधी मौसमी जोन की सीमा रेखा माने जाते हैं।

(ख) फारम की खाड़ी से 59 अंश पूर्वी देशांतर के याम्योत्तर।

(ग) आस्ट्रेलिया के पूर्वी तट से ग्रेड ब्रारियर रीफ तक 22 अंश दक्षिण अक्षांश के समांतर परिवर्द्ध क्षेत्र वहाँ से 11 अंश दक्षिणी अक्षांश से ग्रेड ब्रारियर रीफ 1 क्षेत्र के उत्तरी सीमा उष्ण कटिबंधी जोन की दक्षिणी सीमा है।

उष्ण कटिबंधीय मौसमी क्षेत्र

3. उष्ण कटिबंधीय मौसमी क्षेत्र निम्नलिखित हैं :

(1) उत्तरी अटलांटिक में उत्तर में रम्ब रेखा के कैप कटोचे बूकान से कैप सन अन्टोनिया क्यूबा 20 अंश उत्तरी अक्षांश से क्यूबा के उत्तरी तट और वहाँ से 20 अंश उत्तरी अक्षांश से 20 अंश पश्चिमी देशांतर के समांतर,

पश्चिम में अमेरिका महाद्वीप का तट

दक्षिण और पश्चिम में उष्ण कटिबंधी जोन की उत्तरी सीमा से

धिरा क्षेत्र

मौसमी अवधिया :

उष्ण कटिबंधी : 1 नवम्बर से 15 जुलाई

ग्रीष्म काल : 16 जुलाई से 31 अक्टूबर

(2) अरब सागर में :

पश्चिम में अफ्रीका का तट, अदन की खाड़ी में 45 अंश पूर्वी देशांतर के याम्योत्तर, दक्षिणी अरब का तट और अदन की खाड़ी में 59 अंश पूर्वी देशांतर के याम्योत्तर।

उत्तर और पूर्व में भारत और पाकिस्तान के तट

दक्षिण में उष्ण कटिबंधी जोन की उत्तरी सीमा से धिरा क्षेत्र

मौसमी अवधिया :

उष्ण कटिबंधी : 1 नवम्बर से 31 मई

ग्रीष्म काल : 1 जून से 31 अगस्त

(3) बंगाल की खाड़ी में :

उष्ण कटिबंधी जोन की उत्तरी सीमा के उत्तर में बंगाल की खाड़ी :

मौसमी अवधिया :

उष्ण कटिबंधी : 1 दिसम्बर से 30 अप्रैल

ग्रीष्मकाल : 1 मई से 30 नवम्बर

(4) दक्षिणी हिंद महासागर में :

(क) उत्तर और पश्चिम में और मदगास्कर के पूर्वी तट और दक्षिणी सीमा या उष्ण कटिबंधी जोन

दक्षिण में 20 अंश दक्षिणी अक्षांश के समांतर,

पूर्व में 20 अंश दक्षिणी अक्षांश 50 अंश पूर्वी देशांतर बिन्दु से रम्ब रेखा, 15 अंश दक्षिणी 51 अंश 30 पूर्व देशांतर के सुसंगत, और वहाँ से 31 अंश 30 पूर्व देशांतर से 10 अंश दक्षिणी अक्षांश के याम्योत्तर से धिरा क्षेत्र।

## मौसमी अवधियां.

उष्ण कटिबंधी : 1 अप्रैल से 30 नवम्बर  
ग्रीष्मकाल : 1 दिसम्बर से 31 मार्च

(ख) उत्तर में उष्ण कटिबंधीय जॉन की दक्षिणी सीमा, पूर्व में आस्ट्रेलिया का तट,

दक्षिण में 15 अंश दक्षिण अक्षांश से 51 अंश 30 पूर्व देशांतर, 15 अंश दक्षिणी अक्षांश के समांतर, में और वहां से आस्ट्रेलिया तट को 120 अंश पूर्व देशांतर के योऋत्योत्तर, पश्चिम में 51 अंश 30 पूर्व देशांतर के योऋत्योत्तर से चिरा क्षेत्र मौसमी अवधियां;

उष्णकटिबंधी: 1 मई से 30 नवम्बर  
ग्रीष्मकाल: 1 दिसम्बर से 30 अप्रैल

## 5. चीन सागर में:

वियतनाम के तट और सुएलपोर्ट (लुजेन द्वीप) पश्चिम और उत्तर में और 10 अंश उत्तर अक्षांश को लुजेन मगर और लैण्टे द्वीपों के पश्चिमी तट।

दक्षिण में 10 अंश अक्षांश के समांतर से चिरा क्षेत्र हांगकांग और मुद्गल उष्णकटिबंधीय क्षेत्र और ग्रीष्मकालीन जॉन की सीमा भंग हो जाते हैं।

## मौसमी अवधियां:

उष्ण कटिबंधी: 21 जनवरी से 30 अप्रैल  
ग्रीष्मकाल: 1 मई से 20 जनवरी

## (6) उत्तरी प्रशांत सागर में:

उत्तर में 25 अंश उत्तरी अक्षांश के समांतर पश्चिम में 160 अंश पूर्व देशांतर के याम्योत्तर दक्षिण में 13 अंश उत्तरी अक्षांश के समांतर पूर्व में 130 अंश पश्चिमी देशांतर के याम्योत्तर से चिरा क्षेत्र मौसमी अवधियां:

उष्ण कटिबंधी: 1 अप्रैल से 31 अक्टूबर  
ग्रीष्मकाल: 1 जुलाई से 31 मार्च  
उत्तर और पूर्व में अमेरिका महाद्वीप की पश्चिमी तट

पश्चिम में 33 अंश उत्तरी अक्षांश से अमेरिका महाद्वीप के तट से 123 अंश पूर्वी देशांतर के याम्योत्तर और 33 अंश उत्तर अक्षांश 123 अंश पश्चिमी देशांतर के बिन्दु से 13 अंश उत्तरी अक्षांश, 105 अंश पश्चिमी देशांतर के सुसंगत रम्ब रेखा, दक्षिण में 13 अंश उत्तरी अक्षांश के समांतर से चिरा क्षेत्र।

## मौसमी अवधियां:

उष्ण कटिबंधी: 1 मार्च से 30 जून और 1 नवम्बर से 30 नवम्बर  
ग्रीष्मकाल: 1 जुलाई से 31 अक्टूबर 1 दिसम्बर से 28/29 फरवरी

## (7) दक्षिणी प्रशांत महासागर में:

(क) 11 अंश दक्षिणी अक्षांश के दक्षिण में कार्पेन्टारिया की खाड़ी मौसमी अवधियां:

उष्ण कटिबंधी: 1 अप्रैल से 30 नवम्बर  
ग्रीष्मकाल: 1 दिसम्बर से 31 मार्च

## (ख)

उत्तर और पूर्व में उष्ण कटिबंधी जॉन की दक्षिणी सीमा दक्षिण में आस्ट्रेलिया के पूर्वी तट से 150 अंश पश्चिमी देशांतर तक मकर रेखा वहां से 150 अंश पश्चिमी देशांतर से 20 अंश दक्षिणी अक्षांश के याम्योत्तर और वहां से 20 अंश दक्षिणी अक्षांश के समांतर से उस बिन्दु

तक जहां वह उष्ण कटिबंधी जॉन की दक्षिणी सीमा की काटती है, पश्चिम में उष्ण कटिबंध में शामिल ग्रेट बेरियर रीफ के अन्तर्गत क्षेत्र की सीमाएं और आस्ट्रेलिया का पूर्वी तट से चिरा क्षेत्र मौसमी अवधियां:

उष्ण कटिबंधी: 1 अप्रैल से 30 नवम्बर  
ग्रीष्मकाल: 1 दिसम्बर से 31 मार्च

## 6. ग्रीष्म जॉन

बाकी क्षेत्र ग्रीष्म जॉन में आते हैं।

तथापि 100 मीटर (328) फुट और कम लंबाई वाले पोतों के लिये। उत्तर और पश्चिम में संयुक्त राज्य का पूर्वी तट पूर्व में 40 अंश उत्तरी अक्षांश से संयुक्त राज्य के तट से 68 अंश 30 पश्चिमी देशांतर के याम्योत्तर और वहां से रम्ब रेखा 36 अंश उत्तरी अक्षांश, 73 अंश पश्चिमी देशांतर के सुसंगत, दक्षिण में 36 अंश उत्तरी अक्षांश के समांतर, से चिरा क्षेत्र शीत कालीन मौसमी क्षेत्र है।

## मौसमी अवधियां:

शरदकाल: 1 नवम्बर से 31 मार्च  
ग्रीष्मकाल: 1 अप्रैल से 31 अक्टूबर

## 7. परिचिष्ट समूह:

## (1) बाल्टिक सागर—

स्कांडेनैविक में स्काब के अक्षांश के समांतर द्वारा परिबद्ध यह सागर ग्रीष्म जॉन में सम्मिलित है:

तथापि 100 मीटर (328) फुट और कम ऊंचाई वाले पोतों के लिए यह शीत कालीन मौसमी क्षेत्र है।

## मौसमी अवधियां:

शीतकालीन: 1 नवम्बर से 31 मार्च  
ग्रीष्मकाल: 1 अप्रैल से 31 अक्टूबर

## (2) कालासागर:

यह सागर ग्रीष्म जॉन में सम्मिलित है।

तथापि 100 मीटर (328) फुट और कम लम्बाई वाले पोतों के उत्तरी अक्षांश का उत्तरी क्षेत्र शीतकालीन मौसमी क्षेत्र है।

## मौसमी अवधियां:

शीतकालीन: 1 दिसम्बर से 28/29 फरवरी  
ग्रीष्मकाल: 1 मार्च से 30 नवम्बर

## (3) भूमध्य सागर

यह सागर ग्रीष्म जॉन में सम्मिलित है।

तथापि 100 मीटर (328) फुट और कम लंबाई वाले पोतों के लिए, उत्तर और पश्चिम में फ्रान्स और स्पेन के तट और 40 अंश उत्तरी अक्षांश के स्पेन के तट से 3 अंश पूर्व देशांतर के याम्योत्तर।

दक्षिण में सबोनिया के पश्चिमी तट से 3 अंश पूर्व देशांतर से 40 अंश उत्तरी अक्षांश के समांतर,

पूर्व में 40 अंश उत्तरी अक्षांश से 9 अंश पूर्व देशांतर से सबोनिया के उत्तरी पश्चिमी तट और वहां से 9 अंश पूर्व

देशांतर के याम्योत्तर से 9 अंश पूर्व देशांतर के दक्षिण और वहां से कैप सीमिया को रम्ब रेखा

से चिरे क्षेत्र शीत कालीन मौसमी क्षेत्र है।

## मौसमी अवधियां:

शीतकालीन: 16 दिसम्बर से 15 मार्च  
ग्रीष्मकाल: 16 मार्च से 15 दिसम्बर

## (4) जापान सागर:



50 अंश उत्तरी अक्षांश के दक्षिण में यह समुद्र प्रीम्स जोन में सम्मिलित है।

तथापि 100 मीटर (328) फुट और कम लंबाई वाले पोत के लिये 50 अंश उत्तरी अक्षांश और कोरिया के पूर्वी तट से रम्ब रेखा के समांतर का क्षेत्र, जापान, होबूकी के पश्चिमी तट से 38 अंश उत्तरी अक्षांश और 43 अंश 12' उत्तरी अक्षांश पर शरवकालीन मौसमी क्षेत्र।

मौसमी अवधियां :

शीतकाल : 1 दिसम्बर से 28/29 फरवरी

ग्रीष्मकाल : 1 मार्च से 30 दिसम्बर

8. शीतकालीन उत्तरी अटलांटिक भार रेखा

उत्तरी अटलांटिक के भाग में निम्नलिखित शामिल हैं :

- (क) उत्तरी अटलांटिक शरदकालीन जोन 11 का वह भाग जो 15 अंश पश्चिमी और 50 अंश पश्चिमी के ग्यामोत्तरी के मध्य स्थित है,
- (ख) समस्त उत्तरी अटलांटिक शीतकालीन मौसमी जोन I क्षेत्रलैट्रू द्वीपों को सीमा पर समा जाता है।

[नं० 5एमएसआर (4)/75-एमए]

के० लाल, धरर सचिव

## MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

New Delhi, the 15th May, 1979

**G.S.R. 797.**—Whereas a draft of the certain rules further to amend Merchant Shipping (Load Line) Rules, 1977, was published, as required by section 311 read with section 436, of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958) at pages 690 to 718 of the Gazette of India, Part II Section 3 Sub-Section (i), dated the 25th March, 1978 with the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport, (Transport Wing), No. G.S.R. 423, dated the 25th October, 1977 inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby till the expiry of sixty days from the date of publication of the said notification in the Official Gazette;

And whereas the copies of the said Gazette were made available to the public on the 27th March, 1978;

And whereas no objections or suggestions have been received from the public on the said draft;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 311, read with section 436 of the said Act, the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

### PART I

#### Preliminary

1. Short title, commencement and application :—(1) These rules may be called the Merchant Shipping (Load Line) Rules 1979.

(2) They shall come into force at once.

(3) They shall apply to—

(a) every Indian ship, other than a ship of war, a fishing vessel, a pleasure yacht or a sailing vessel, wherever it is;

(b) every ship other than an Indian ship, not being a ship of war, a fishing vessel, a pleasure yacht or a sailing vessel, while it is at a port or place

in India or within the territorial waters of India, which is—

(i) an existing ship of 150 tons gross or more; or

(ii) a new ship of 24 metres or more in length;

Provided that these rules shall not apply to any ship other than Indian ship by reason of its being at a port or place in India or within the territorial waters of India if it would not have been at any such port or place but for the stress of weather or any other circumstances that neither the master nor the owner or charterer, if any, of the ship could have prevented or forestalled.

2. Definitions :—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(1) "Act" means the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958);

(2) "amidships" means at the middle of the length (L);

(3) "approved" means approved by the Central Government or by any other officer appointed by it in this behalf;

(4) "Assigning Authority" means the Director General or any other person appointed by the Central Government to be the assigning authority for the purposes of these rules by a notification in the Official Gazette;

(5) "block co-efficient" or the symbol (cb) means block co-efficient obtained by the formula  $CB = \frac{\nabla}{L \cdot B \cdot d}$  Block

where,  $\nabla$  is volume of the moulded displacement of the ship, excluding bossing, in a ship with metal shell or, as the case may be, the volume of displacement to the outer surface of the hull in a ship with a shell of any other material, both taken at a moulded draught of  $d_1$ ; and  $d_1$  is 85 per cent of the least moulded depth;

(6) "breadth" or the symbol (B) means the maximum breadth of the ship, measured amidships to the moulded line of the frame in a ship with a metal shell, or as the case may be, to the outer surface of the hull in a ship with a shell of any other material;

(7) "depth for freeboard" or the symbol (D)—

(a) in relation to a ship other than those referred to in sub-clause (b) means, the moulded depth of the ship amidships plus the thickness of the freeboard deck stringer plate, where fitted, plus the value of the expression  $T \frac{L-S}{L}$  if the exposed

freeboard deck is completely sheathed between superstructures, where "T" means thickness of the exposed sheathing clear of deck opening; and "S" means the total length of superstructures; and

(b) in relation to a ship having a rounded gunwale with a radius greater than four per cent of the breadth of the ship (B), or in relation to a ship having topsides of unusual form means—the depth for freeboard of a ship having midship section with vertical topsides and with the same round of beam and area of top side section equal to that provided by the actual midship section;

(8) "enclosed superstructure" means a superstructure with enclosing bulk-heads of efficient construction, access openings in such bulk-heads being fitted with sills and weathertight doors and all other openings in sides and ends of such superstructures being fitted with efficient watertight means of closing but does not include a bridge or a poop fulfilling these requirements unless access is provided by which the crew can reach machinery and other working spaces within the bridge or poop by alternative means which are available for the purpose at all times when access openings in the bulkheads of the bridge or poop are closed;

(9) "existing ship" or "existing sailing vessel" means a ship or sailing vessel the keel of which was laid before the 21st day of July, 1968;

(10) "flush deck ship" means a ship which has no superstructures on a freeboard deck;

- (11) "freeboard" means the distance measured vertically downwards amidships from the upper edge of the deckline described in rule 15 of these rules to the position at which the upper edge of the appropriate load line mark lies;
- (12) "freeboard deck" means the deck from which the freeboard is assigned, being either—
- (a) the uppermost complete deck exposed to weather and sea, which has permanent means of closing all openings in the weather part thereof, and below which all openings in the sides of the ship are fitted with permanent means of watertight closing. In a ship having a discontinuous freeboard deck, the lowest line of the exposed deck and the continuation of that line parallel to the upper part of the deck is taken as the freeboard deck; or
  - (b) on the application of the owner and subject to the approval of the Director General, a deck lower than that described in paragraph (a), provided it is a complete and permanent deck continuous in the fore and aft direction at least between the machinery space and peak bulkheads and continuous athwartships. When this lower deck is stepped the lowest line of the deck and the continuation of that line parallel to the upper part of the deck is taken as the freeboard deck;
- (13) "height of a superstructure" means the least vertical height measured at side from the top of the superstructure deck beams to the top of the freeboard deck beams;
- (14) "length" or the symbol (L) means ninety-six per cent of the total length on a water line at eighty-five per cent of the least moulded depth measured from top of the keel, or the length from the fore side of the stem to the axis of the rudder stock on the water line if that be greater;
- (15) "length of a superstructure" means length of the part of the superstructure which lies within the length (L);
- (16) "moulded depth" in relation to a ship means the vertical distance measured from the top of the keel to the top of the freeboard deck beam at side:  
Provided that—
- (a) in the case of a wood or composite ship, it shall be measured from the lower edge of keel rabbet. Where the form at the lower part of the midship section is of a hollow character, or where thick garboards are fitted, the distance is measured from the point where the line of the flat of the bottom continued inwards cuts the side of the keel;
  - (b) in ships having rounded gunwale, it shall be measured to the point of intersection of the moulded lines of the deck and side plating, the lines extending as though the gunwale were of angular design;
  - (c) in ships where the freeboard deck is stepped and the raised part of the deck extends over the point at which the moulded depth is to be determined, the moulded depth shall be measured to a line of reference extending from the lower part of the deck along a line parallel with the raised part of the deck;
- (17) "new ship" or "new sailing vessel" means a ship or sailing vessel the keel of which was laid on or after the 21st day of July, 1968;
- (18) "perpendiculars" means the forward and after perpendiculars taken at the forward and the after end of the length. (L);
- (19) "principal officer" means the Principal Officer of the Mercantile Marine Department of the district concerned;
- (20) "sailing vessel" includes all ships provided with sufficient sail area for navigation under sails alone, whether or not fitted with mechanical means of propulsion;
- (21) "Schedule" means a Schedule appended to these rules;
- (22) "superstructure" means a decked structure on the freeboard deck, extending from side to side plating

not being inboard of the shell plating more than four per cent of the breadth (B), and includes a raised quarter deck;

- (23) "timber deck cargo" means a cargo of timber other than wood pulp or similar cargo carried on uncovered part of a freeboard or super-structure deck;
- (24) "type A ship" and "type B ship" means ships as interpreted in the First Schedule;
- (25) "watertight" in relation to any part of ship below the freeboard deck means capable of preventing the passage in any direction of water under pressure or otherwise as the case may be having regard to the functional requirement of that part of the ship;
- (26) "weathertight" in relation to any part of ship above the freeboard deck means that water cannot penetrate through that part into the ship under any condition of sea and weather encountered at sea.

## PART II

### SURVEYS AND CERTIFICATES

3. Application for Survey.—Application for the survey of a ship for the purposes of assignment of freeboard and for the issue of a load line certificate to the ship shall be made to the Assigning Authority by or on behalf of the owner of the ship. The applicant shall furnish to the Assigning Authority as described hereunder such plans, drawings specifications and other documents and information relating to the design and construction of the ship as the Assigning Authority may require—

- (a) the Principal Officer on behalf of the Director General; and
- (b) any other person appointed by the Central Government to be an Assigning Authority for the purposes of these rules by a notification published in the Official Gazette.

4. Load Line Surveys.—(1) After receipt of the application and the documents together with other relevant information required by rule 3, the Assigning Authority shall cause the ship to be surveyed by a surveyor with a view to ascertaining—

- (a) whether the ship complies with such of the requirements of Part IV of these rules and the First Schedule; and
  - (b) such other data as may be necessary—
- (i) for the assignment of freeboard to the ship in accordance with Part V of these rules and the Second Schedule; and
  - (ii) to enable the stability information to be supplied to the master of the ship pursuant to Part VI of these rules and the Third Schedule.

(2) In the course of survey of a ship pursuant to the provisions of sub-rule (1), the ship and any of its fittings shall be submitted to such tests as may, in the opinion of the Assigning Authority, be necessary to ascertain that the ship complies with the requirements of sub-rule (1). Any test pertaining to stability of a ship shall be subject to the requirements of rule 31.

(3) The owner or any other person on his behalf applying for the survey of the ship under rule 3, shall afford all necessary facilities for such survey and shall, at the request of the Assigning Authority, furnish, for the Assigning Authority's use, and retention if necessary, such further documents and information as the Assigning Authority may require.

5. Report of Survey : (1) On completion of the survey, the Surveyor shall submit a report of survey to the Assigning Authority giving the results of the survey and his findings on the condition of the ship with reference to the requirements of rule 4.

(2) The report of survey shall be accompanied by the Record of Conditions of Assignment in the form set out in the Fourth Schedule complying with the requirements of rule

26 and the computations of freeboard complying with the requirement of Part V of these rules and the Second Schedule.

(3) In the case of any ship which is required to comply with the requirements of Part I of the Third Schedule relating to stability the surveyor shall furnish to the Central Government such information as may be necessary to determine whether the ship complies with these requirements.

6. Assignment of freeboards : (1) The Assigning Authority shall—

- (a) if satisfied on scrutiny of report of survey that the ship complies with the applicable requirements of Part IV of these rules and the First Schedule, and
- (b) on receipt of an intimation from the Director General that it is satisfied that the ship complies with the requirements of Part VI of these rules and the Third Schedule relating to stability—

assign freeboards to the ship in accordance with Part V of these rules and the Second Schedule.

(2) On assignment of freeboards, the Assigning Authority shall furnish to the owner of the ship—

- (a) particulars of freeboards so assigned;
- (b) directions specifying—
  - (i) the load lines to be marked on the ship in accordance with the requirements of Part III of these rules;
  - (ii) the position in which those load lines, the deck line and the load line mark are to be so marked; and
- (c) two copies of the Record of Conditions of Assignment.

7. Issue of Load Line Certificates and forms thereof.—Subject to the provision of rule 12, the Assigning Authority shall, on being satisfied that the ship has been duly marked in accordance with the directions given to the owner of the ship under rule 6, issue either an International Load Line Certificate, (1966) or an India Load Line Certificate, as may be required by section 316 of the Act, in the form set out for such certificates in the Fifth Schedule.

8. Duration of Certificates.—Every Load Line Certificate issued under these rules shall be valid until a date to be determined by the Assigning Authority, not being a date more than five years after the date of completion of survey of the ship under rule 4. Such date shall be specified by the Assigning Authority in every certificate issued by it failing which the certificate shall not be deemed to be a valid certificate.

9. Extension of Load Line Certificate.—(1) Where any ship, in respect of which a Load Line Certificate is in force, has been surveyed following an application made by the owner to issue of the fresh certificate to take effect on the expiry of the current certificate, the Assigning Authority may—

- (i) if satisfied on scrutiny of report of survey that the ship complies with applicable requirements of Part V of these rules and of the First Schedule relating to conditions of assignment.
- (ii) on receipt of an intimation from the Central Government that the ship complies with the requirements of the Third Schedule relating to stability extend the validity of the current certificates of the ship by a period not exceeding five months, if he considers that it is not reasonable practicable to issue a fresh certificate. In every such case, a fresh certificate shall be issued after the expiry of the extended date of validity of the current certificate.

(2) No such extension granted under sub-rule (1) shall have effect unless particulars of the date upto which the period of validity of the certificate is extended, together with particulars of place at and date on which extension was granted, are endorsed by the Assigning Authority on the current certificate.

(3) The period of validity of a fresh certificate ultimately issued to a ship under sub-rule (1) shall not exceed five years from the date of completion of survey referred to in sub-rule (1).

10. Cancellation of Load Line Certificates.—(1) Where the Central Government is satisfied, whether by a report from an Assigning Authority or a Surveyor or otherwise, that—

- (i) the ship to which the certificate relates does not comply with the conditions of assignment, or
- (ii) the structural strength of the ship is lowered to such an extent as to render the ship unsafe, or
- (iii) information on the basis of which freeboards were assigned to the ship has proved to be incorrect in matters of material importance,

it may, after giving the owner of the ship a reasonable opportunity of making his representation, cancel or cause to cancel any Load Line Certificate issued under these rules.

(2) Where it comes to the notice of the Central Government that—

- (i) the certificate of a ship is not endorsed as required by rule 11; or
- (ii) a new certificate is issued in respect of the ship; or
- (iii) the ship has ceased to be an Indian Ship within the meaning of the Act,

it may, after giving the owner of the ship a reasonable opportunity of making his representation, cancel or cause to cancel any Load Line Certificate issued under these rules.

11. Periodical Inspection of Ships.—(1) Every ship in respect of which a Load Line Certificate is in force shall be periodically inspected by a surveyor in accordance with the provisions of this rule in order to ensure that—

- (a) the fittings and appliances for the protection of openings, the guard rails, the freeing ports and the means of access to crew's quarters in the ship are in an effective condition; and
- (b) no changes have been made or taken place in the hull or superstructures of the ship which may render inaccurate any data on the basis of which freeboards had been assigned to the ship.

(2) Application for the periodical inspection shall be made by or on behalf of the owner of the ship to an Assigning Authority, who shall appoint a surveyor to carry out the inspection.

(3) The surveyor may, in the course of any such inspection, require such tests to be carried as, in his opinion, may be necessary to establish that the ship complies with the requirements of sub-rule (1).

(4) Periodical inspections required by this rule shall be carried out annually within a period of nine to fifteen months commencing on the date three months before and concluding three months after each anniversary of the date of completion of the survey of the ship leading to the issue of its current Load Line Certificate :

Provided that the Central Government may, if it is satisfied that the circumstances so require permit the annual inspection to be carried out before or after the period specified therefor.

(5) The surveyor, if satisfied after inspection that the ship complies with the requirements of sub-rule (1), shall, in the space provided for this purpose in the Load Line Certificate, endorse a record of such inspection and certify—

- (a) in the case of an International Load Line Certificate (1966), that the ship was found to comply with the relevant provisions of the Convention; and
- (b) in the case of an India Load Line Certificate, that the ship was found to comply with the relevant provisions of these rules.

Every such endorsement shall be dated and signed by the surveyor carrying out the inspection, specifying the Assigning Authority on whose behalf the inspection was carried out.

12. Exemption and Exemption Certificate:— (1) Where the Central Government exempts any ship pursuant to the provisions of Section 316 of the Act, the Director General shall issue in respect of such ship an International Load Line Exemption Certificate in the form set out in the Fifth Schedule.

(2) Save in so far as the nature and terms of any such exemption require to the contrary, the provisions of rules 1 to 6 and of rules 8 to 11 shall apply to any ship so exempted and to any exemption certificate so issued to any such ship in the like manner as they apply to any other ship except that —

- (i) references in the aforesaid rules to Assigning Authority shall be deemed to be references to the Central Government; and

- (ii) sub-rule (5) of rule 11 shall be deemed to have been substituted by the following, namely:—

“(5) the surveyor, if satisfied after inspection that the ship continues to comply with the conditions subject to which the exemption was granted shall endorse the exemption certificate to that effect in the space provided and date and sign the endorsement.”

### PART III

#### Load Lines and Marks

13. Appropriate Marks.—For the purposes of this part, the expression appropriate marks in relation to a ship means the load lines required to be marked on the ship under clause (b) of sub-rule (2) of rule 6 and the deck-line and load line mark.

14. Marking.—The owner of a ship, on receipt from the Assigning Authority of particulars and directions referred to in sub-rule (2) of rule 6, shall cause the appropriate marks to be marked on each side of the ship in accordance with the said directions and requirements of this part.

15. Deck-line.—(1) The deck-line shall consist of a horizontal line 300 millimetres in length and 25 millimetres in width. It shall be marked amidships on each side of the ship in accordance with the provisions of this rule so as to indicate the position of the freeboard deck.

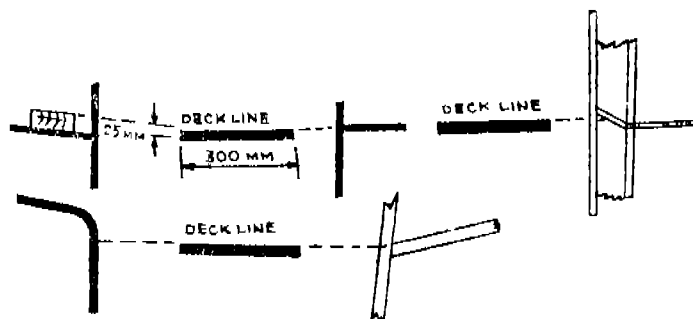


Fig 1. Deck Line

(2) Subject to the provisions of sub-rule (3), the deck-line shall be marked in such a position on the side of the ship that its upper edge passes through the point amidships where the continuation outward—

- (a) of the upper surface of the freeboard deck, or
- (b) of any sheathing of the freeboard deck, intersects the outer surface of the shell of the ship as shown in figure 1.

(3) Where, in the opinion of the Assigning Authority, the design of the ship or any other circumstance renders it in practicable to mark the deck-line in accordance with the provisions of sub-rule (2), the Assigning Authority may, in

the directions given under sub-rule (2) of rule 6, include a direction that the deck-line may be marked by reference to another point on the side of the ship which is as near as practicable to the position referred to in sub-rule (2).

16. Load line mark.—The load line mark shall consist, as shown in Figure 2, of a ring 300 millimetres in outside diameter and millimetres wide, intersected by a horizontal line 450 millimetres long and 25 millimetres wide the upper edge of which passes through the centre of the ring. The centre of the ring shall be marked amidships vertically below the deck-line, so that, except as otherwise provided in rule 29, the distance from the centre of the ring to the upper edge of the deck-line is equal to the Summer freeboard assigned to the ship.

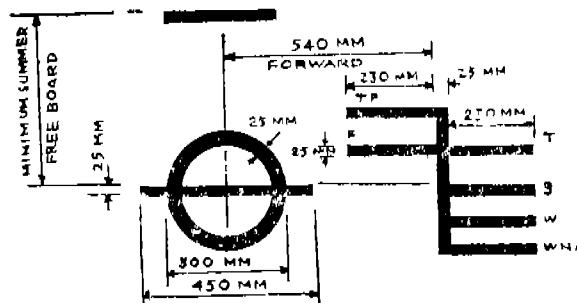


Fig. 2. Load Line Mark and lines to be used with this mark

17. Load lines.—(1) Load lines as described in sub-rule (2) and rule 18 shall be deemed to indicate the maximum depth to which a ship marked therewith may be loaded in the circumstances described in the sixth Schedule in relation to appropriate load lines, zones, areas and seasonal periods.

(2) Except as otherwise provided in rule 1 and rule 29, load lines shall consist, as shown in Figure 2, of horizontal lines each 280 millimetres in length and 25 millimetres in width extending forward or abaft of a vertical line 25 millimetres in width marked 540 millimetres forward of the

centre of the ring of the load line mark and at right angles to that line. The individual load lines shall be—

- (i) the summer load line, which shall extend forward of the aforesaid vertical line and be marked "S". It shall correspond horizontally with the line passing through the centre of the ring of the load line mark;
- (ii) the Winter load line, which shall extend forward of the aforesaid vertical line and be marked "W";
- (iii) the Winter North Atlantic load line, which shall extend forward of the aforesaid vertical line and be marked "WNA";
- (iv) the Tropical load line, which shall extend forward of the aforesaid vertical line and be marked "T";
- (v) the fresh Water load line, which shall extend abaft the aforesaid vertical line and be marked "F";

- (vi) the Tropical fresh Water load line, which shall extend abaft the aforesaid vertical line and be marked "TF".

(3) The maximum depth of loading referred to in sub-rule (1) shall be the depth indicated by the upper edge of the appropriate load line described in sub-rule (2).

#### ATLANTIC

18. Timber load lines.—(1) Timber load lines, as shown in figure 3, shall consist of horizontal lines of the dimensions specified in respect of such lines in rule 17, extending abaft or forward of a vertical line of the dimensions specified in respect of such a line in that rule, marked 540 millimetres abaft the centre of the ring of load line mark and at right angles of that line. Individual timber Load Lines shall be as follows:—

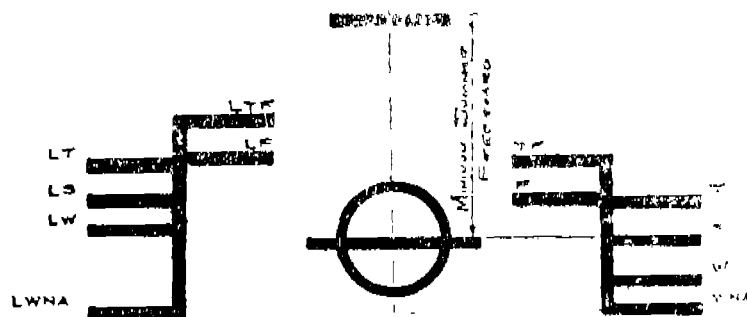


Fig. 3. Timber Load Line Mark and Lines to be used with this mark

- (i) the Summer timber load line, which shall extend abaft the said vertical line and be marked LS;
- (ii) the Winter load line, which shall extend abaft the said vertical line and be marked LW;
- (iii) the Winter north atlantic timber load line which shall extend abaft the said vertical line and be marked LWNA;
- (iv) the Tropical timber load line, which shall extend abaft the said vertical line and be marked LT;
- (v) the Fresh water timber load line, which shall extend forward of the said vertical line and be marked LF;
- (v) the Fresh water timber load line, which shall extend forward of the said vertical line and be marked LTF;

(2) The maximum depth of loading referred to in sub-rule (1) of rule 17 shall be the depth indicated by the upper edge of the appropriate timber load line.

19. Appropriate load line.—The appropriate load line in respect of a ship at any particular place and time shall be ascertained in accordance with the provisions of the Sixth Schedule.

20. Position of load lines.—Each load line required to be marked on a ship shall be marked in such a position on each side of the ship that the distance measured vertically downwards from the upper edge of the deckline to the upper edge of the load line is equal to the freeboard assigned to the ship which is appropriate to that load line.

21. Methods of marking.—(1) The appropriate marks shall be marked on each side of the ship in accordance with the requirements of sub-rules (2) and (3) in such a manner as to be plainly visible.

(2) If the sides of the ship are of metal, the appropriate marks shall be cut in, centre punched or welded; if the sides of the ship are of wood, the marks shall be cut into the planking to a depth of not less than 3 millimetres; if the sides are of other materials to which the foregoing method of marking cannot be effectively applied, the marks shall be permanently affixed to the sides of the ship by bonding or some other effective method.

(3) The appropriate marks shall be painted in white or yellow if the background is dark, and in black if the background is light.

22. Authorisation of removal etc. of appropriate marks.—After the appropriate marks have been marked on a ship, such marks shall not be concealed, defaced or obliterated or they shall not be removed or altered except under the authority of the Assigning Authority.

23. Mark of assigning authority.—(1) The mark of the Assigning Authority described in sub-rule (2) shall be marked on each side of the ship in a position alongside the load line mark either above the horizontal line forming part of that mark, or above and below it.

(2) An Assigning Authority's mark shall consist of not more than four initials to identify the Authority's name, each measuring approximately 115 millimetres in height and 74 millimetres in width.

#### PART IV

##### Conditions of Assignment

24. Assignment of freeboards.—(1) Except as otherwise provided in sub-rules (2) and (3), every ship to which freeboards are to be assigned under these rules shall comply with the requirements applicable to it under Part I of the First Schedule.

(2) Every ship, being a ship of Type 'A', to which requirements of Part II of the First Schedule apply, every ship, being a ship of Type 'B' to which the requirements, of Part III of the First Schedule apply or every ship, being a ship to be assigned with timber freeboards, to which the requirements of Part IV of the First Schedule apply shall comply with the requirements of the respective part of the First Schedule and also the requirements of Part I of the said Schedule except in so far as the compliance of Part II, III or IV as the case may be, of the said Schedule may otherwise require.

(3) Every existing ship, not being a ship to which freeboards are required to be assigned in accordance with clause (a) of rule 28 read with the proviso to clause (b) thereof, shall comply with such of the requirements relevant to the assignment of freeboards to ships as were applicable to it

under the law in force immediately prior to the coming into force of these rules.

25. Compliance with conditions of assignment.—(1) Except as otherwise provided in sub-rule (2), a ship shall be deemed to be not complying with the conditions of assignment—

(a) if at any time after the assignment of freeboards to it, there has been any alteration of the hull superstructures, fittings or appliances of the ship to such extent that either—

(i) any requirement applicable to the ship under rule 24 is not complied with by it; or

(ii) the record of conditions of assignment made in relation to the ship pursuant to rule 26 is rendered inaccurate in a material respect; or

(b) if the record of conditions of assignment is not kept on board the ship in accordance with sub-rule (2) of rule 26.

(2) Notwithstanding any alteration in the ship as described in clause (a) of sub-rule (1), a ship shall be deemed to be complying with the conditions of assignment if either—

(a) fresh freeboards appropriate to the conditions of ship after the alterations have been assigned to it and it has been marked with load line and a fresh certificate has been issued to its owner; or

(b) the alteration has been inspected by a surveyor on behalf of the Assigning Authority, and the assigning authority is satisfied that the alteration is not such as to require any change in the freeboards assigned to the ship and full particulars of the alteration together with date and place of inspection have been endorsed by the surveyor on the record of conditions of assignment.

26. Record of conditions of assignment.—(1) The record of conditions of assignment in respect of the hull, superstructure fittings and appliances of a ship to which freeboards are assigned shall be in the form set out in the Fourth Schedule, or a form as near thereto as circumstances permit, and shall contain the particulars required by that form. Such particulars may be furnished by attaching to the record a copy of report of survey and specifying in the record passages from that report in which the relevant particulars are given.

(2) The record shall be completed by the surveyor carrying out the survey of the ship pursuant to rule 4 and shall be furnished by him to the assigning authority in accordance with the provisions of rule 5. Two copies of the record shall be sent by the assigning authority to the owner of the ship together with the particulars and directions required to be so furnished by rule 6.

(3) One copy of the record of conditions of assignment particulars and directions furnished by the assigning Authority to the owner of the ship shall, at all times, be kept on board the ship in the custody of the master of the ship.

## PART V

### FREE BOARDS

27. Types of freeboards.—The freeboards assignable to any ship under the rules shall be—

- (i) Summer freeboard ;
- (ii) Tropical freeboard;
- (iii) Winter freeboard;
- (iv) Winter North Atlantic freeboard;
- (v) Fresh Water freeboard;
- (vi) Tropical Fresh Water freeboard;
- (vii) Summer Timber freeboard;
- (viii) Winter Timber freeboard;
- (ix) Winter North Atlantic Timber freeboard;
- (x) Tropical Timber freeboard;
- (xi) Fresh Water Timber freeboard; and
- (xii) Tropical Fresh Water Timber freeboard.

28. Determination of freeboards.—Except as otherwise provided in rule 29,

(a) the freeboards to be assigned to a new ship shall be determined in accordance with the provisions of the Second Schedule; and

(b) the freeboards to be assigned to an existing ship shall be determined in accordance with the provisions applicable in that behalf to the ship under the rules in force immediately prior to the coming into force of these rules :

Provided that if an existing ship has been so constructed or altered as to comply with the requirements of the First Schedule applicable to a new ship of its type, and an application is made in respect of such ship for the assignment of freeboards determined in accordance with the provisions of the Second Schedule, such freeboards may be assigned to the ship.

29. Exceptions regarding freeboards.—(1) Greater than minimum freeboard.—Any ship may, on the application of the owner made in that behalf, be assigned greater than the minimum freeboard determinable in accordance with rule 28, subject to the following conditions, namely:—

(a) On survey of the ship pursuant to rule 4, the assigning authority is satisfied that the ship complies with the requirements of—

(i) Part IV of these rules;

(ii) the First Schedule, other than those relating to stability;

(iii) Part VI of these rules in so far as they relate to stability; and

(iv) the Third Schedule in so far as they relate to stability.

(b) The ship is not assigned with timber freeboards.

(c) If the greater than minimum freeboard to be assigned to the ship is such that the position of load lines on the sides of the ship appropriate to that freeboard would correspond to, or be lower than, the position at which the lowest of the load lines appropriate to minimum freeboards for that ship would have been marked,—

(i) load line appropriate to the greater than minimum freeboard and the fresh water freeboard should only be marked on the sides of the ship;

(ii) the load line appropriate to the greater than minimum freeboard shall be called the "All seasons load line" which shall consist of horizontal line intersecting the load line mark and such mark shall be placed accordingly;

(iii) the vertical line described in sub-rule (2) of rule 17 shall be committed; and

(iv) subject to the provisions of clause (iii), the fresh water load line shall be as described in sub-rule (2) of rule 17 and shall be marked accordingly.

(2) Lesser than minimum freeboard.—On an application made in this behalf by the owner of a hopper type ship, which is engaged on voyages other than international voyages during the course of which it does not go farther than 20 miles from the nearest land at any time, the Director-General of Shipping may, subject to the conditions set out in Part IV of the Second Schedule, assign such ship lesser than minimum freeboard reduced to—

(i) five-eighth of the appropriate minimum freeboard determinable in accordance with the Table B set out in Part V of the Second Schedule; or

(ii) one-half of the appropriate minimum freeboard determinable in accordance with clause (4) or clause (5) of paragraph 4 of the Second Schedule:

Provided that such freeboard shall not in either case be less than 150 millimetres.

30. Special position of deck-line and correction of freeboards.—In any case in which the deck-line is to be marked on the sides of a ship in accordance with the provisions of sub-rule (3) of rule 15, the freeboards to be assigned to the ship shall be corrected to allow for the vertical distance by which the position of the deck-line is altered by virtue of the provisions of sub-rule (3) of rule 15. The location of the point by reference to which the deckline has been so marked and the identity of the deck which has been regarded as the freeboard deck shall be specified in the load line certificate issued in respect of such ship.

## PART VI

### Stability and loading

31. Information as to stability of ships.—(1) The owner of every ship to which freeboards are assigned under these rules shall, for the guidance of the master of the ship, provide information relating to the stability of the ship in accordance with the provisions of this rule.

(2) Such information shall include stability particulars appropriate to the ship in respect of all matters specified in Part II of the Third Schedule and the method of computation and the form of the particulars should be so far as practicable, in accordance with Part III of that Schedule or equivalent thereto. The stability characteristics shall comply with the criteria specified in Part I of the Third Schedule.

(3) Subject to the provisions of sub-rule (4), the information shall, when first supplied, be based on the determination of stability by means of an inclining test which shall, unless the Director-General otherwise permits, be carried out in the presence of the Surveyor appointed by the Director-General. The information first supplied shall be replaced by fresh information whenever its accuracy is materially affected by alteration of the ship. Such fresh information shall, if the Director-General so requires be based on a further inclining test.

(4) The Director General may—

- (a) in the case of any ship, permit the information to be based on the determination of stability of a sister ship by means of an inclining test;
- (b) in the case of any ship specially designed for the carriage of liquids or ore in bulk dispense with the inclining test if from the information available in respect of similar ships, he is satisfied that the ship's proportions and arrangements are such as to ensure more than sufficient stability in all probable loading conditions.

(5) The information, and any fresh information to replace the same pursuant to the provisions of sub-rule (3), shall, before issue to the master, be submitted by or on behalf of the owner to the Director General for his approval, together with a copy thereof for his record, and shall incorporate such additions and amendments as the Director-General may in any particular case require.

(6) Information provided pursuant to the foregoing provisions of this rule shall be furnished by the owner of the ship to the master in the form of a book which shall be kept on board the ship at all times in the custody of the master of the ship.

32. Information as to loading and ballasting of ships.—(1) The owner of any ship, being a ship of more than 150 metres in length specially designed to carry liquids or ore in bulk, to which freeboards are assigned under these rules shall, for the information of the master of the ship, provide information relating to the loading and ballasting of the ship in accordance with the provisions of sub-rules (2) and (3).

(2) Such information shall consist of working instructions specifying in detail the manner in which the ship is to be loaded and ballasted so as to avoid the creation of unacceptable stresses in its structure and shall indicate the maximum stresses permissible for the ship.

(3) The provisions of sub-rule (5) of rule 31 shall apply in the like manner to information required under sub-rule

(1). Information duly approved by the Director-General shall be contained in the book to be furnished to the master of the ship pursuant to the provisions of sub-rule (6) of rule 31, so however, that information required by rule 31 and rule 32 is separately shown in the book under separate headings specifying the number and heading of each rule.

## THE FIRST SCHEDULE

(See rules 4, 6, 9, 24, 28 and 29)

### Conditions of Assignment

#### PART I

##### General

1. Interpretations.—(1) Positions 1 and 2: For the purpose of this schedule two positions of hatchways, doorways and ventilators are defined as follows :

Position 1—Upon exposed freeboard and raised quarter decks, and upon exposed superstructure decks situated forward of a point located a quarter of the ship's length from the forward perpendicular.

Position 2—Upon exposed superstructure decks situated abaft a quarter of the ship's length from the forward perpendicular.

(2) Type 'A' ships. (i) A type 'A' ship is one which is designed to carry liquid cargoes in bulk, and in which cargo tanks have only small access openings closed by watertight gasketed covers of steel or equivalent material. Such a ship necessarily has the following inherent features :

- (a) high integrity of the exposed deck ; and
- (b) high degree of safety against flooding, resulting from low permeability of loaded cargo spaces and the degree of sub-division usually provided.

(ii) A type 'A' ship, if over 150 metres in length, and designed to have empty compartments when loaded to her summer load line, shall be able to withstand the flooding of any one of these empty compartments at an assumed permeability of 0.95, and remain afloat in a satisfactory condition of equilibrium which unless otherwise required by the Director General of Shipping shall be in accordance with the following clause (iii). Provided that if the ship exceeds 225 metres in length, its machinery space shall also be treated as one of the floodable compartments mentioned above but with an assumed permeability of 0.85.

(iii) The final condition of equilibrium of a flooded type. A ship shall at least comply with the followings :

- (a) The final waterline after flooding is below the lower edge of any opening through which progressive flooding may take place ;
- (b) the maximum angle of heel due to unsymmetrical flooding is of the order of 15° ;
- (c) the metacentric height in the flooded condition is at least 50mm when calculated by the constant displacement method ;
- (d) the ship has adequate residual stability in the final flooded condition.

(3) Type 'B' Ships.—All ships which do not come within the purview of type 'A' ships in sub-paragraph (2) above shall be considered as type 'B' ships

#### 2. Equivalents and Exemptions :

The assigning authority may with the approval of the Director-General of Shipping —

(1) allow any fitting, material, appliance or apparatus to be fitted in a ship, in place of any fitting, material, appliance, apparatus or provision respectively which is required under any of the provisions of this Schedule, if satisfied by trial thereof or otherwise that it is at least as effective as that so required.

(2) grant in any exceptional case exemptions from the requirements of any of the said provisions of this

Schedule on condition that the freeboards to be assigned to the ship are increased to such an extent that the safety of the ship and protection afforded to the crew will be considered no less effective than would be the case if the ship fully complied with those requirements with the usual rule freeboard

## Part II

### General conditions of Assignment for all ships

3. Strength of ship.—The design and the condition of the ship shall be such that her general structural strength shall be sufficient for the freeboard assigned to her.

4. Stability of ship.—The design and the construction of the ship shall be such as to ensure that her stability in all probable loading conditions will be sufficient for the freeboards to be assigned to her for the intended services in accordance with the criteria of stability and methods of calculations laid down in the Sixth Schedule.

5. Watertight Doors.—(i) All access openings in bulkheads at ends of enclosed superstructure or on any other bulkheads or sides and ends of casings where such watertight doors are required to be fitted shall be fitted with doors of steel or other equivalent material, permanently and strongly attached to the bulkhead, and framed, stiffened and fitted so that the whole structure is of equivalent strength to the unpierced bulkhead and watertight when closed. The means for securing these doors watertight shall consist of gaskets and clamping devices or other equivalent means and shall be permanently attached to the bulkhead or to the doors themselves and the doors shall be so arranged that they can be operated from both sides of the bulkhead.

(ii) Except as otherwise provided in this Schedule, the height of the sills of access openings in bulkheads at the ends of enclosed superstructure shall be at least 380 millimetres above the deck.

6. Superstructure end bulkheads.—Bulkheads at exposed ends of enclosed superstructures shall be of efficient construction.

7. General requirements of hatchways.—(1) The construction and the means for securing the watertightness of cargo and other hatchways in positions 1 and 2 shall be at least equivalent to the requirements of paragraphs 8 and 9.

(2) Coverings and hatchway covers to exposed hatchways on decks above the superstructure deck shall be of such construction and be fitted with such means for securing the watertightness of the hatchway as are adequate having regard to its position.

8. Hatchways closed by portable covers and secured watertight by tarpaulins and battening devices :—(1) Hatchway coamings : Every hatchway shall have a coaming of substantial construction. The coaming shall be constructed of mild steel unless otherwise permitted. The height of the coaming above the deck shall be at least —

600 millimetres if the hatchway is in Position 1

450 millimetres if the hatchway is in Position 2.

(2) Hatchway covers.—(a) The width of each bearing surface for hatchway covers shall be at least 65 millimetres.

(b) Where the covers are made of wood, the finished thickness shall be at least 60 millimetres in association with a span of not more than 1.5 metres and the thickness of cover for larger spans shall be increased in the ratio of 60 millimetres to a span of 1.5 metres. The ends of wooden covers shall be protected by galvanised steel bands efficiently secured.

(c) Where the covers are made of mild steel the strength shall be calculated with assumed loads in accordance with the table below and the product of the maximum stress thus calculated and the factor 4.25 shall not exceed the minimum ultimate strength of the material. Covers shall also be so designed as to limit the deflection to not more than 0.0028 times the span under these loads.

Table of Loads  
(per sq. metre)

Ship's Length (L)	Hatchway in Position 1	Hatchway in Position 2
24 Meters	1 metric ton	0.75 metric ton
100 Meters or over	1.75 metric ton	1.30 metric ton
Over 24 meters but less than 100 metres	to be ascertained by interpolation	by linear interpolation

(3) Portable beams.—Where portable beams for supporting hatchway covers are made of mild steel, the strength of such beams shall be calculated with the appropriate assumed load ascertained in accordance with the Table in the subparagraph (2) above and the product of the maximum stress thus calculated and the factor 5 shall not exceed the minimum ultimate strength of the material. Further, such beams shall also be so designed as to limit the deflection to not more than 0.0022 times the span under the above assumed loads.

(4) Pontoon covers.—(a) Where pontoon covers of mild steel are used in place of portable beams and covers, their strength shall be calculated with the appropriate assumed load ascertained in accordance with the Table in the subparagraph (2) and the product of the maximum stress thus calculated and the factor 5 shall not exceed the minimum ultimate strength of the material. Further such beams shall also be so designed as to limit the deflection to not more than 0.0022 times the span.

(b) Mild steel plating forming to tops of such covers shall be not less in thickness than 1 per cent of the spacing of the stiffeners or 6 millimetres, whichever is the greater.

(5) Carriers or sockets.—Carriers or sockets for portable beams shall be of substantial construction and shall provide means for the efficient fitting and securing of the beams. Where rolling types of beams are used, the arrangements shall ensure that the beams remain properly in position when the hatchway is closed.

(6) Cleats.—Cleats shall be set to fit the taper of the wedges. They shall be at least 65 millimetres wide and spaced not more than 150 millimetres from the hatch.

(7) Battens and wedges.—Battens and wedges shall be efficient and in good condition. Wedges shall be tough wood or other equivalent material. They shall have a taper of not more than 1 in 6 and shall be not less than 13 millimetres thick at the toes.

(8) Tarpaulins :—At least two layers of tarpaulin in good condition shall be provided for each hatchway in position 1 or 2. The tarpaulin shall be waterproof and of ample strength. They shall be of a material of at least an approved standard weight and quality.

(9) Security of hatchway covers.—For all hatchways in position 1 or 2 steel bars or other equivalent means shall be provided in order to efficiently and independently secure each section of hatchway covers after the tarpaulins are battened down hatchway covers of more than 1.5 metres in length shall be secured by least two such securing appliances.

(10) Material.—If the material of construction of any hatchway coamings, covers and beams are made of other than mild steel the coamings covers and beams made from such materials shall be of equivalent strength and stiffness as those specified in this schedule for mild steel.

9 Hatchways closed by watertight covers of steel or other equivalent material fitted with gaskets and clamping devices :—(1) Hatchway coamings : (a) The coamings of hatchways shall be of substantial construction. The height of coamings shall be at least

600 millimetres in Position 1

450 millimetres in Position 2



(b) Provides if the Director General of Shipping so approves the height of the coaming may be reduced or in exceptional circumstances the coaming may be dispensed with, subject to the condition that the safety of the ship will not thereby be impaired in consequence in the worst sea and weather condition likely to be encountered by the ship in service.

(2) Weathertight Covers.—(a) The strength of weathertight covers, made of mild steel shall be calculated with an assumed load in accordance with the Table of Load in paragraph 6(2) and the product of the maximum stress thus calculated and the factor 4.25 shall not exceed the minimum ultimate strength of the material. Further such covers shall be so designed as to limit the deflection to not more than 0.0028 times the span under these loads.

(b) Mild steel plating forming the tops of covers shall not be less in thickness than one per cent of the spacing of stiffeners or 6 millimetres if that be greater.

(3) Means for securing weathertightness.—The hatch-covers shall be made weathertight by fitting gaskets and clamping devices. Any equivalent arrangements, if adopted, shall ensure that the tightness can be maintained in any sea conditions and for this purpose tests for tightness shall be required at the initial survey, and may be required at periodical Surveys and at annual inspections or at more frequent intervals.

10. Machinery space openings.—(1) Machinery space openings in position 1 or 2 shall be properly framed and efficiently enclosed by steel casing of ample strength, account being taken of the extent, if any, to which the casing is protected by other structures.

(2) Every doorway in such casings shall be fitted with doors complying with paragraph 5 of this Schedule having sills of at least the following heights :

600 millimetres above the deck if the opening is in Position 1.

480 millimetres above the deck if the opening is in Position 2.

Other openings in such casing shall be fitted with permanently attached covers of steel, by which it can be closed weathertight and except in the case of a cover consisting of a plate secured by bolts is capable of being operated from both sides.

(3) Coamings of any liddley, funnel or machinery space ventilator in a exposed position on the freeboard or superstructure deck shall be as high above the deck as practicable having regard to its position and adequate protection from the sea.

11. Miscellaneous openings in freeboard and superstructure decks.—(1) Manholes and flush scuttles in position 1 or 2 or within superstructure other than enclosed superstructure shall be closed by substantial covers capable of being made watertight. Unless secured by closely spaced bolts, the covers shall be made permanently attached.

(2) Openings in a deck other than a hatchway, machinery space opening, manhole and flush scuttle,—

(a) if situated in the freeboard deck shall be protected by an enclosed superstructure or by a deck-house or companion way equivalent in strength and weathertightness to an enclosed superstructure ;

(b) if situated in an exposed position in a deck over an enclosed superstructure and giving access to space within that superstructure or on top of a deckhouse on the freeboard deck and giving access to space below the freeboard deck, shall be protected by an efficient deckhouse or companionway fitted with weathertight doors ;

(c) if situated in an exposed position in a deck above the deck over an enclosed superstructure and giving access to space within that superstructure, shall be protected either in accordance with the requirements of sub-paragraph (b) or to such lesser extent as having regard to its position.

(3) Doorways in such efficient deckhouse companionway or enclosed superstructure as referred to in sub-paragraph (2) shall be fitted with doors complying with the requirements of paragraph 5 and shall have the following minimum sill heights —

600 millimetres in Position 1

380 millimetres in Position 2

12. Ventilators.—(1) Ventilators in position 1 or 2 to spaces below the freeboard deck or decks of enclosed superstructure shall have coaming of steel or other equivalent material, substantially constructed and efficiently connected to the deck.

(2) (i) The height of the ventilator coamings shall be, at least

(a) 900 millimetres above the deck if the ventilator is in Position 1 ;

(b) 760 millimetres above the deck if the ventilator is in Position 2 :

Provided that where a ventilator is situated in a position in which it will be particularly subjected to weather and sea the height of the coaming shall be increased sufficiently over the above minimum height so as to provide adequate protection, having regard to its position.

(ii) Where the coaming of any ventilator exceeds 900 millimetres in height it shall be efficiently supported by brackets, stays or other means.

(3) Ventilators in Position 1 or 2 passing through superstructures other than enclosed superstructures shall have coaming of steel or other equivalent material, substantially constructed and connected to the freeboard deck and at least 760 millimetres in height above the deck.

(4) Subject to the subparagraph (5), every ventilator opening in Position 1 or 2 shall be provided with an efficient appliance by which it can be closed and secured weathertight. Every such closing appliance so provided on board a ship of not more than 100 metres in length shall be permanently attached to and in the case of any other ship shall either be so attached or be conveniently stowed near the ventilator to which it is fitted.

(5)(a) A ventilator in Position 1 the coaming of which exceeds 4.5 metres in height above the deck, and a ventilator in Position 2 the coaming of which exceeds 2.3 metres in height above the deck, need not be fitted with a closing appliance unless—

(i) it serves the machinery spaces or a Cargo compartment or

(ii) the fitting of such an appliance is necessary in the circumstances in order to provide adequate protection.

(b) A ventilator in Position 1 or 2 leading to space in a battery room shall not be fitted with a closing appliance.

13. Air Pipes.—(1) Where air pipes to ballast and other tanks, extend above the freeboard or super structure decks, the exposed parts of the pipes shall be of substantial construction and the exposed opening of any such air pipe shall be fitted with efficient means of closing weathertight which shall be permanently attached thereto.

(2) (i) The height above the deck of the air pipe opening through which water may gain access below shall be—

(a) at least 760 millimetres if that deck is freeboard deck.

(b) at least 450 millimetres if that deck is above the superstructure of standard height or such greater height not exceeding 760 millimetres as is considered necessary for adequate protection having regard to the lower height of superstructure than the standard.

(ii) Provided that the height described in the preceding sub-paragraph 2(i) may in any particular case be lower than the minimum specified therein, if such height may unreasonably interfere with the working of the ship and if the closing

arrangements are such as to ensure adequate protection from the sea even with the lower height.

14. Cargo ports and other similar openings.—(1) The number of cargo ports and other similar openings in the sides of the ship below the freeboard deck or in the sides or ends of superstructure which form continuous part of the shell of the ship shall be as few as compatible with the design and proper working of the ship.

(2) Such Cargo ports and openings shall be provided with doors so fitted and designed as to ensure watertightness and structural integrity commensurate with surrounding shell plating.

(3) Unless so permitted by the Director General in the circumstances, the lower edge of such openings shall not be below a line drawn parallel to the freeboard deck at side, which has at its lowest point the upper edge of the uppermost load line.

15. Scuppers, inlets and discharges :—(1) All discharges led overboard through the shell of a ship from either—

- (a) spaces below the freeboard deck, or
- (b) spaces within enclosed superstructure, or
- (c) spaces within any deckhouses on the freeboard deck fitted with weathertight doors in accordance with paragraph 5.

shall be fitted with efficient and accessible means for preventing water from passing inboard in accordance with the following sub-paragraphs

(2) (a) Subject to clauses (b) and (c) such means of closing shall consist of a single automatic non-returns valve fitted at the shell and having positive means of closing from a position above the freeboard deck. Such position shall be readily accessible and shall be provided with an indicator showing whether the valve is open or closed.

(b) If the vertical distance from the summer load water line to the inboard end of the discharge pipe exceeds 0.01L, the discharge may have two automatic non-return valves without positive means of closing, the inboard one of which should always be easily accessible for examination, where, however, that vertical distance exceeds 0.02L, a single automatic non-return valve without positive means of closing may be provided if it will be equally effective in the circumstances. The single valve or the outboard valve where there are two shall be situated as close to the hull as practicable and substantially connected thereto.

(c) Suppers and discharge pipes originating at any level and penetrating the shell either more than 450 millimetres below the freeboard deck or less than 600 millimetres above the summer load waterline shall be provided with a non-return valve at the shell. This valve, unless required by clause (a), may be dispensed with, if the piping is of substantial construction.

(4)(a) The controls of any valve situated in a manned machinery space, and serving a main or auxiliary sea inlet or discharge or bilge injection system shall be so sited as to be readily accessible at all times under service conditions. Valves referred to in this and the following subparagraph shall be equipped with an indicator showing whether the valve is open or closed,

(b) The controls of any valve situated in an unattended machinery space and serving a sea inlet or discharge of bilge injection system shall be so sited as to be readily accessible at all times under service conditions, particular attention being paid in this regard to possible delay in reaching or operating the controls. In addition, the machinery space in which the valve is situated shall be equipped with an efficient warning device to give warning at suitable control position of any entry of water into the machinery space other than water resulting from the normal operation of the machinery.

(c) In this sub-paragraph "unattended machinery space" means a machinery space which during normal operation of the ship at sea is unmanned for any period, and "manned

machinery space" means a machinery space other than an unattended machinery space

5. Every scupper leading from a superstructure other than an enclosed superstructure or from a deckhouse not fitted with weathertight doors shall be led overboard.

6. All valves and shell fittings required by the provision of this paragraph shall be of steel, bronze or other suitable ductile material, and all pipes referred to in this paragraph shall be steel or other equivalent material.

16. Side scuttles.—(1) Side scuttles to spaces below the freeboard deck or to spaces within enclosed superstructures shall be fitted with efficient inside deadlights arranged so that they can be effectively closed and secured watertight.

(2) No side scuttle shall be fitted in a position so that its sill is below a line drawn parallel to the freeboard deck at side and having its lowest point 2.5 per cent of the breadth (B) above the Summer Load Line or 500 millimetres, whichever is the greater distance.

(3) The side scuttles, together with their glasses, if fitted, and deadlights, shall be of substantial and approved construction

17. Freeing ports.—(1) Where bulkheads on weather portions of freeboard deck or superstructure decks form wells, ample provision shall be made for rapidly freeing the deck of water and draining them. The minimum freeing port area (A) on each side of the ship for each well on the freeboard deck shall be given by the following formulae—

(a) On freeboard deck with sheer in way of well being equal to or greater than the standard shear; where I is 20 metres or less—

$$A = 0.7 + 0.035 \text{ (sq metres) where } L \text{ is greater than } 20 \text{ metres—}$$

$$A = 0.07 \text{ (sq. metres).}$$

the length of bulkhead (L) in no case need be taken greater than 0.71.

(b) If the height of the bulkhead (h) is higher than 1.2 metres or less than 0.9 metre, the freeing port areas are to increase or decrease by the following amounts :

Where h is greater than 1.2 metres, A in sub-para(a) above is to increase by

$$a = (h - 1.2) \times .004 \times I \text{ sq metres—}$$

Where h is less than 0.9 metres, A in sub-para (a) above is to decrease by

$$a = (0.9 - h) 0.0004 \times L \text{ sq metres.}$$

(c) On superstructure decks the freeing port area shall be only one-half of the area obtained from paragraph (a) as amended by paragraph (b)

(d) In ships with no sheer the calculated area from paragraphs (a) and (b) shall be increased by 50 per cent. Where the sheer is less than the standard, the percentage shall be obtained by linear interpolation.

(2) In ships having superstructures which are open at either or both ends, adequate provision of freeing the space within such superstructures shall be made to the satisfaction of the Assigning Authority

(3) Two-thirds of freeing port area required shall be provided in the half of the well nearest the lowest point of the sheer curve.

(4) The lower edges of the freeing ports shall be as near to the deck as practicable.

(5) All such openings in the bulkheads shall be protected by rails or bars spaced approximately 230 millimetres apart. If shutters are fitted to freeing ports, ample clearance shall be provided to prevent jamming. Hinges shall have pins or bearings of non-corrodible material. If shutters are fitted with securing appliances, these appliances shall be of approved construction.

18. Protection of the Crew.—(1) The strength of the deck-houses used for the accommodation of the crew shall be to the satisfaction of the Director-General or any other Assigning Authority as the case may be.

(2) Efficient guard rails or bulkheads shall be fitted on the boundaries of all exposed parts of the freeboard decks. The height of the bulkheads or guard rails shall be at least 1 metre.

Provided that if this height would interfere with the normal operation of the ship at some particular span, a lesser height over that span may be approved by the Assigning authority on being fully satisfied that alternative or adequate protection is provided. In specified areas of the exposed decks, the assigning authority may also permit the use of guard wire in lieu of guard rails.

(3) The opening below the lowest course of the guard rails or wires shall not exceed 230 millimetres. The other courses shall not be more than 380 millimetres apart. In the case of ships with rounded gunwales, the stanchions shall be secured to the flat boundary of the deck.

(4) Satisfactory and safe means in the form of guard rails, guard wires, lifelines, gangways or under-deck passages, etc., shall be provided for the protection of the crew in getting to and from their quarters, the machinery space and all other parts used in the necessary work of the ship.

(5) Deck Cargo when carried shall not interfere with the conditions of assignments enumerated in this schedule nor shall it in any way adversely affect the protective measures for the crew.

### PART III

#### Special conditions of assignments for type A ships

19. Machinery casings.—The Machinery Casing on Type A ships shall be protected by (i) an enclosed poop or bridge at least standard height, or (ii) a deckhouse of equal height and equivalent strength and weathertightness :

Provided that this requirement shall not apply and the casing may accordingly be exposed—

- (a) if there is no opening in the casing which gives direct access from the freeboard deck to the machinery space ; or
- (b) if the only opening in the casing has a steel weathertight door complying with paragraph 5 and leads to a space or passageway which is as strongly, constructed as the casing and is separated from the stairway to the machinery space by a second similar steel weathertight door.

20. Gangway and access.—(1) References in this paragraph to a poop or detached bridge on Type A ships include reference to a deckhouse fitted in lieu of and serving the purpose of a poop or detached bridge.

(2) Access between the poop and the detached bridge shall be by means of either—

- (a) gangway complying with the requirements of sub-para (4), or
- (b) an underdeck passage complying with the requirements of sub-para (5), or
- (c) other equally effective and equivalent approved means of access.

(3) In the case of a ship the crew of which may in the course of their duties be required to go in adverse weather conditions to a position or positions forward of the detached bridge, or forward of the poop in cases where there is no detached bridge and all crew accommodation and machinery spaces are situated at the after end of the ship, access to such positions shall be by means of either —

- (a) a gangway complying with the requirements of sub-para (4), or
- (b) an underdeck passage complying with the requirements of sub-para (5), or

(c) a walkway complying with the requirements of sub-para (6).

(4) A gangway, connecting the specified super-structure or deckhouse in lieu and required under this Part, shall comply with the following requirements —

- (a) The gangway shall be permanently and efficiently constructed at the level of the superstructure deck. Efficient means of access from gangway level to the deck shall be provided at each terminal.
- (b) the gangway platform shall be at least 1 metre in width and of non-slip material. The platform shall be fitted at each side throughout its length with guard rails or guard wires supported by stanchions. Such rails or wires shall consist of not less than 3 courses, the lowest being not more than 230 mm above the platform and intermediate ones being not more than 380 mm apart, but the uppermost one being not less than 1 metre above the platform. The stanchions supporting the rails or guard wires shall be at intervals of not more than 1.5 metres.

(5) An underdeck passageway connecting and providing unobstructed access between specified superstructures or deck-houses in lieu, and required under this Part, shall comply with the following requirements —

- (a) the passage shall be constructed oil-tight and gastight immediately below the freeboard deck and shall be well-lighted and adequately ventilated by mechanical ventilation. The passage shall be fitted with efficient gas detection system.
- (b) the passage shall be situated throughout its length at distance from the shipside of not less than one-fifth of the breadth (B) of the ship. Provided that in the case of a ship so designed as to render compliance with this requirements is not practicable, two under-deck passages may be provided, one to port and one to starboard, each of which shall comply with all requirements except the requirement of this clause.

(c) The means of exit from the passage to the freeboard deck shall be so arranged as to be as near as practicable to the working areas of the crew but in no case be more than 90 metres apart and fitted with efficient means of closing capable of quick release and operable from either sides. The companion-way or deckhouse on the freeboard deck protecting the exit shall be fitted with steel door complying with paragraph 5 of this Schedule.

(6) A walkway providing unobstructed passage if necessary by means of elevated passage over permanent obstruction, and required under this Part, shall comply with the following requirements —

- (a) the walkway shall be situated as near as practicable to the centreline of the ship and shall be not less than 1 metre in width and fitted with guard-rails or guardwires complying identically with those in sub-para (4) (b) of this paragraph ;
- (b) the walkway shall provide free access to and from freeboard deck, set in such guard rails or guard wires as near as practicable to the working areas, so however, that such openings shall be on the alternate sides of the walkway and be situated not more than 90 metres apart on either side ;
- (c) if the length of the exposed deck to be traversed exceeds 70 metres, the walkway shall be provided with shelters of substantial construction set out from the walkway at intervals not exceeding 45 metres, every such shelter being capable of accommodating at least one person and so constructed as to afford weather protection on the forward, port and starboard sides.

21. Hatchway covers :—The covers of hatchway in an exposed position on the freeboard deck, on a fore-castle deck or on the top of an expansion trunk shall be of steel, of efficient construction, and watertight when secured.

22. Freeing arrangements :—(1) All exposed parts of the freeboard deck and superstructure decks of Type 'A' ships shall be fitted at ship sides for at least half their length with guard rails or guard wires in lieu of bulkheads or other equally effective freeing arrangements. Such guard rails or guard wires shall comply with the requirements for them in sub-para(4)(b) of paragraph 20 of this Part and the upper edge of the sheer strake shall be as low as practicable.

(2) If the superstructures of the Type A ships are connected by a trunk, the exposed parts of the freeboard deck in way of the trunk shall be fitted at ship sides with guard rails or guard wires complying with the requirements for them in sub-para (4)(b) of paragraph 20 of this Part.

(3) If the ship is so constructed that notwithstanding the provisions of freeing ports and arrangements it will be particularly subjected under service conditions to the building up of quantities of water on the freeboard deck, efficient break-water shall be fitted in suitable positions on that deck.

#### PART IV

Special conditions of assignment for type B ships with reduced freeboard

23. Gangway and access :—Unless a Type B ship with reduced freeboard complies fully with requirements of paragraph 20 as if the ship were a Type A ship, such a ship shall comply with the requirements of the following sub-paragraphs, namely :—

(1) References in this paragraph to a poop or detached bridge include references to a deckhouse fitted in lieu of and serving the purpose of a poop or detached bridge.

(2) Access between the poop and the detached bridge shall be by means of an efficiently constructed gangway of substantial strength connecting those structures, fitted on or near the centre line of the ship. The gangway shall be at least 1 metre in width and shall be fitted at each side throughout its length with guard rails or guard wires complying with the requirements set out in relation to such rails or wires in paragraph 20(4)(b). If the length of the gangway exceeds 70 metres, shelters complying with requirements set out in relation to shelters in paragraph 20(6)(c) shall be provided in way of gangway.

(3) In the case of a ship the crew of which in the course of their duties are required to go in adverse weather conditions to a position or positions forward of the detached bridge, or forward of the poop in cases where there is no detached bridge and the crew accommodation and machinery spaces are situated at the after end of the ship, access to such positions shall be by means required under sub-paragraph (2) of this paragraph :

Provided that in the case of a ship the hatchway coamings of which are 600 millimetres or more in height from the deck, two walkways giving access to the said positions and complying with the following requirements may be provided; namely :—

- (i) the walkways shall be efficiently constructed and of satisfactory strength ;
- (ii) the walkways shall each be at least 1 metre in width and shall be fitted on the freeboard deck alongside the outboard structure of hatchway coamings, one to port and the other to starboard of the hatchways ;
- (iii) each walkway shall be fitted on the side outboard of the hatchways with guard rails or guard wires complying with the requirements set out in relation to such wires or rails in paragraph 20(4)(b).

24. Freeing arrangement :—The ship shall comply with the requirements of paragraph 22 of this Schedule.

#### PART V

Special Conditions of Assignment for ships with Timber Freeboard

25. Superstructure :—(1) The ship shall have a fore-castle of not less than the standard height of an enclosed superstructure and a length of not less than 0.07L.

(2) If the ship is less than 100 metres in length it shall be fitted with a poop of not less than standard height or a raised quarter deck having either a deckhouse or a strong steel hood, so that the total height thereof is not less than the standard height of an enclosed superstructure.

26. Double bottom tanks :—Double bottom tanks where fitted within the midship half-length of the ship shall have satisfactory watertight longitudinal sub-division.

27. Bulwark and tanks :—(1) The ship shall be fitted with either permanent bulwark at least 1 metre in height, especially stiffened on the upper edge and supported by strong bulwark stays attached to the deck and provided with freeing ports complying with the requirements of paragraph 17 of this Schedule.

(2) Efficient guard rails and stanchions at least 1 metre in height, of specially strong construction and complying with the requirements of paragraph 18(2).

#### THE SECOND SCHEDULE

(See rules 4, 5, 6, 28 and 29)

#### FREE BOARDS

##### PART I

##### GENERAL

1. Applications :—(1) Except as otherwise provided in sub-paragraphs (2) and (3), the freeboards to be assigned to a ship other than Timber freeboards shall be determined in accordance with the provisions of Part II of this Schedule, and Timber freeboards to be assigned to a ship shall be determined in accordance with Part III.

(2) Freeboards determined as described in sub-paragraph (1) are the freeboards appropriate to ships the structural strength of which complies with the highest standard required by an Assigning Authority; and the freeboard to be assigned to ships the structural strength of which does not comply with that standard shall be freeboards so determined but increased in each case by such amount as the Assigning Authority with the approval of the Director General may determine as appropriate to the ship's structural strength.

(3) Tabular freeboards appropriate to the ship's length are set out in Freeboard Table A for Type A ships and Freeboard Table B for Type B ships in Part V of this Schedule.

(4) The freeboards to be assigned to tugs and unmanned barges having as the freeboard deck only small access closed watertight or ships with unusual constructional features shall be determined in accordance with provisions of Part IV of this Schedule.

##### PART II

Freeboards other than Timber Freeboards

2. Computation of Freeboards :—(1) The Summer freeboard shall be determined in accordance with the provisions of paragraphs 3 and 4 of this Schedule :

Provided that the freeboard so obtained but without any correction made for the deck line as provided in paragraph 6 shall not be less than 50 millimetres except in case of a ship having in position 1 hatchways which do not comply with the requirements of paragraphs 8(4), 9 or 21 of the first Schedule, in which case the freeboard shall not be less than 150 millimetres. (2) The Tropical freeboard shall be obtained by deducting from the Summer freeboard applicable to the ship one forty-eighth (1/48) of the summer draft of the ship :

Provided further that the freeboard so obtained but without any correction made for the decline as provided in paragraph 6 shall not be less than 50 millimetres except in case of a ship having in Position 1 hatchways with covers which do not comply with the requirements of paragraphs 8(4), 9 or 21 of First Schedule, in which case the freeboard shall not be less than 150 millimetres.

(3) The Winter Freeboard shall be obtained by adding to the Summer freeboard applicable to the ship one forty-eighth (1/48) of the summer draft of the ship.

(4) For ships not more than 100 metres in length, the Winter North Atlantic freeboard shall be obtained by adding 50 millimetres to the Winter freeboard applicable to the ship. For other ships, the Winter North Atlantic freeboard shall be the winter freeboard.

(5) (a) The Fresh Water freeboard shall, subject to sub-paragraph (b), be obtained by deducting from the summer freeboard the quantity—

$$\frac{\Delta}{4T} \text{ Millimetres}$$

where  $\Delta$  is the displacement in salt water in metric tons at summer load waterline and T represents metric tons per centimetre immersion in salt water at that waterline.

(b) In any case in which the displacement at that waterline cannot be ascertained the deduction shall be one-forty-eighth (1/48) of the summer draft of the ship.

3. Summer Freeboard for Type A ships.—The summer freeboard for Type A ships shall be determined as follows :

(1) (a) There shall first be ascertained the Tabular Freeboard appropriate to the ship's length.

(b) For ships having block co-efficient (Cb) of not exceeding 0.68, the basic freeboard shall be tabular freeboard and for ships having block co-efficient (Cb) exceeding 0.68, the basic freeboard shall be obtained by multiplying the Tabular freeboard by the factor

$$\frac{Cb + 0.68}{1.36}$$

(2) The basic freeboard shall then be duly corrected in accordance with the requirements of paragraphs 5 to 14 of this Schedule.

(3) Subject to the proviso to paragraph 2(1), the basic freeboard so corrected shall be the summer freeboard to be assigned to the Type A ship.

4. Summer Freeboard for Type B ships.—The summer freeboard for Type B ship shall be determined as follows :

(1) There shall first be ascertained the Tabular freeboard appropriate to the ship's length.

(2) (a) If the ship has hatchways in Position 1, the covers of which comply with the requirements of paragraph 8(4) or with those of paragraph 9 of the First Schedule, the tabular freeboard may be corrected in accordance with such of the provisions of sub-paragraphs (3) to (7) of the paragraphs as are applicable to the ship.

(b) If the ship has hatchways in Position 1, the covers of which comply with the requirements of paragraph 8 of the First Schedule with the exception of sub-paragraph (4) of that paragraph, the tabular freeboard shall be corrected in accordance with the provision of Sub-paragraph (8) of this paragraph.

(3) The tabular freeboard of a ship to which sub-paragraph (2) (a) applies and which exceeds 100 metres in length may be reduced by an amount prescribed in sub-paragraph (4), if the assigning authority is satisfied that—

- (a) the gangway and access are in accordance with paragraph 20 of the First Schedule ;
- (b) the measures for the protection of the crew comply with the requirements of paragraph 18 of First Schedule ;
- (c) the freeing arrangements comply with the requirements of paragraph 17 of First Schedule ;
- (d) all covers of hatchways in Positions 1 and 2 comply with the requirements of paragraph 9 of First Schedule ;
- (e) the ship when loaded to the Summer load waterline will remain afloat, after the flooding of any single damaged compartment other than the machinery space at an assumed permeability of 0.95 in the condition of equilibrium described in sub-paragraph (6) ;

Provided that if the length of the ship exceeds 225 metres the machinery space shall rank as a

floodable compartment with an assumed permeability of 0.85 for the purposes of this requirement.

(4) Subject to sub-paragraph (5), reduction of freeboard pursuant to sub-paragraph (3) shall not exceed 60 per cent of the difference between the Tabular freeboards appropriate to the ship's length under Freeboard Table A and Freeboard Table B.

(5) The reduction of 60 per cent referred to in the preceding paragraph may be increased to 100 per cent if the assigning authority is satisfied that—

- (a) the ship complies with the requirements of paragraphs 19 and 22 of the First Schedule as if it were a Type A ship ;
- (b) the ship complies with the requirements of sub-paragraph 3(a) to (d) ; and
- (c) the ship when loaded to the summer load waterline ; and
- (i) After the flooding of any two compartments adjacent fore and aft, neither of which is the machinery space, at an assumed permeability of 0.95 and also ;
- (ii) in the case of a ship exceeding 225 metres in length, after the flooding of the machinery space alone, at an assumed permeability of 0.85,

will remain afloat in the conditions of equilibrium described in sub-paragraph (6).

(6) The condition of equilibrium referred to in sub-paragraphs (3) and (5) above is as follows :

- (a) the final waterline after flooding is below the top of any ventilator coaming, the lower edge of any air pipe opening, the upper edge of the still of any access opening fitted with a watertight door, and the lower edge of any other opening through which progressive flooding may take place ;
- (b) the angle of heel due to unsymmetrical flooding does not exceed 15 degrees ;
- (c) the metacentric height calculated using the constant displacement method has a positive value of at least 50 millimetres in the upright condition after flooding ; and
- (d) the ship has adequate residual stability.

(7) The following assumptions shall be made for the purposes of calculations pursuant to sub-paragraphs (3) (d) and (5) (c)—

- (a) that the vertical extent of damage is equal to the depth of the ship at the point of damage, measured from the including the freeboard deck to the under-side of the keel as ship side ;
- (b) that the transverse penetration of damage more than one fifth of the breadth of the ship (B), this distance being measured in board from ship side to the centre line of the ship at the level of the summer load waterline ;

Provided that if damage of a lesser extent results in a more severe condition, such lesser extent shall be assumed ;

- (c) that, except in the case of compartments referred to in sub-paragraph (5)(c)(i), no main transverse bulkhead is damaged ;
- (d) that the height of the centre of gravity above the base-line is assessed allowing for homogenous loading of cargo holds and for 50 per cent of the designed capacity of consumable fluids and stores.

(8) The tabular freeboard of a ship to which sub-paragraph (2) (b) of this paragraph applies shall be increased

by the amount shown by the following Table to the appropriate ship's length—

Freeboard at intermediate length shall be obtained by linear interpolation. The increase in the case of ships of more than 200 metres in length shall be such amount as the Director—General may determine in each particular case.

(9)(a) This sub-paragraph applies to every Type B ship of not more than 100 metres in length having enclosed superstructures the total effective length of which does not exceed 35 per cent of the ship's length (L).

(b) The freeboard calculated in respect of such a ship in accordance with sub-paragraph (1), (2) and (3) above shall be increased by an amount ascertained in accordance with the formula.

$$7.5 (100-L) (0.35-L) \text{ millimetres.}$$

(10) In the case of a ship the block co-efficient ( $C_b$ ) of which exceeds 0.68 the freeboard calculated in respect of the ship in accordance with sub-paragraph (1) to (9) above shall be multiplied by the factor  $C_b + 0.68$ .

1.36

(11) The basic freeboard of a Type B ship is that calculated in accordance with sub-paragraphs (1) to (10) above. The basic freeboard duly corrected in accordance with paragraphs 5 to 14 of this Schedule but subject to the proviso to paragraph 2(1) shall be assigned as the Summer freeboard to the ship.

5. Correction for depth.—(1) If the depth for freeboard  $D$  exceeds  $\frac{L}{15}$  the freeboard shall be increased by  $\frac{R_D L}{15}$  millimetres where  $R$  is  $\frac{L}{0.48}$  at lengths less than 120 metres and 250 at 120 metres length and above.

(2) If the depth for freeboard  $D$  is less than  $\frac{L}{15}$  no reduction shall be made except in a ship with an enclosed superstructure covering at least 0.6L amidships, with a complete trunk, or combination of detached enclosed superstructures and trunks which extend all fore and aft, where the freeboard shall be reduced at the rate prescribed in sub-paragraph (1) above.

(3) Where the height of superstructure or trunk is less than the standard height, the reduction shall be in the ratio of the actual to the standard height as defined in paragraph 7 below.

6. Correction for position of deck line.—If the actual depth to the upper edge of the deck line is greater or less than the depth for freeboard  $D$ , the difference if greater shall be added to or if less shall be deducted from the basic freeboard of the ship.

#### Standard superstructure and correction

7. Standard height, length and effective length of superstructures.—(1) The standard height of a superstructure shall be the height appropriate to the ship's length  $L$  determined in accordance with the following Table :

Ship Length L (metres)	Standard Height (metres)	
	Raised Quarter Deck	All other superstructures
30 or less	0.90	1.80
75	1.20	1.80
125 or more	1.80	2.30

Standard heights for intermediate length of ship shall be obtained by linear interpolation.

(2) (a) Subject to sub-paragraphs (b) and (c), the length of a superstructure(s) shall be the mean length of the parts of the superstructure which lie within the length of the ship (L).

(b) In the case of an enclosed superstructure having an end bulkhead which extends in a fair convex curve beyond its intersection with the superstructure sides, the length of the superstructure(s) may be taken as its length ascertained in accordance with sub-paragraph (a) increased on the basis of

an equivalent plane bulkhead by the amount of two-thirds of the fore and aft extent of the curvature :

Provided that the amount of the curvature to be taken into account shall not exceed one half the breadth of the superstructure at the point of intersection of the curved end of the superstructure with its side.

(c) In the case of an enclosed superstructure having an extension from an end bulkhead, which extension has a breadth on each side of the centre line at least 30 per cent of the breadth of the ship, the length of the superstructure (s) may be ascertained in accordance with sub-paragraph (b) by assuming an equivalent end bulkhead in the form of a parabola which is completely contained within such a superstructure and the extension thereto.

(3) The effective length of a superstructure (E) shall be as follows:—

(a) Subject to sub-paragraph (c), E in the case of an enclosed superstructure of standard height shall be either—

(i) its length S, or

(ii) if the superstructure is set in from the sides of the ship, its length S modified in the ratio  $b/B_s$ , where—

'b' is the breadth of the superstructure at the middle of its length and

'B<sub>s</sub>' is the breadth of the ship at the middle of the length of the superstructure(s).

Provided that if the superstructure is so set in fore part of its length, such modification shall be applied only to that part.

(b) Subject to sub-paragraph (c), E in the case of an enclosed superstructure of less than standard height shall be its length S reduced in the ratio of the actual height of the superstructure to its standard height.

(c) E in the case of an enclosed superstructure consisting of a raised quarter deck shall, if the deck is fitted with an intact front bulkhead be its length S subject to a maximum of 0.6L; and if not so fitted, be ascertained by treating the raised quarter deck as a poop of less than standard height.

(d) A superstructure which is not an enclosed superstructure shall have no effective length.

8. Standard height and effective length of trunk.—(1) The standard height of a trunk shall be determined in the same manner applicable to a superstructure other than a raised quarter deck under paragraph 7(1).

(2) The effective length of a trunk shall be determined as follows—

(i) A trunk which is not an efficient trunk as described in sub-paragraph (3) shall have no effective length;

(ii) Except as provided in sub-paragraph (iii), the effective length of an efficient trunk shall be its full length reduced in the ratio of its mean breadth to the breadth of the ship B.

(iii) If the actual height of an efficient trunk is less than the standard height, its effective length shall be the length calculated in accordance with sub-paragraph (ii) reduced in the ratio of the actual to the standard height of the trunk. In addition if the ship is a Type B ship and the height of the hatchway coamings on the trunk deck is less than that required by paragraphs 8(1) or 9(1) of the First Schedule, a reduction from the actual height of the trunk shall be made of an amount corresponding to the difference between the actual height of such coamings and the height so required for them.

(3) A trunk shall be treated as an efficient trunk subject to complying with the following conditions, namely—

(i) that it shall be as strong as an efficient trunk subject superstructure;

- (ii) that the hatchways in way of the trunk are in the trunk deck, and the hatchway coamings and covers comply with the requirements of paragraphs 7 to 9 of the First Schedule ;
- (iii) that the width of the trunk deck stringer in way of the hatch provides a satisfactory gangway and sufficient lateral stiffness ;
- (iv) that a permanent working platform fore and aft fitted with guard rails or guard wire complying with the requirements applicable thereto under paragraph 20(4)(b) of the First Schedule is provided by the trunk deck, or by detached trunks connected to super-structures by efficient permanent gangways ;
- (v) that the ventilators are protected by the trunk by watertight covers or by equivalent means ;
- (vi) that open rails or wires are fitted on the weather parts of the freeboard deck in way of the trunk for at least half their length.
- (vii) that the machinery casings are protected by the trunk, or by an enclosed superstructure of at least standard height or by a deckhouse of the same height and of strength and weathertightness equivalent to those of such a superstructure ;
- (viii) that the breadth of the trunk is at least 60 percent of the Breadth of the ship B ;

(ix) that where there is no superstructure the length of the trunk is at least 0.6L.

9. Deduction for superstructure and trunks.—(1) Where the effective length of superstructures and trunks of a ship is 1.0(L), the basic freeboard of the ship shall be reduced by an amount determined appropriate to the Ship's length in accordance with the following Table; namely :—

TABLE

Length of a ship l (metre)	Reduction in freeboard millimetre
24	350
85	860
122	1070

The reduction in freeboard for intermediate lengths of ships shall be obtained by interpolation.

(2) Where the effective length of superstructure and trunks is less than 1.0(L) the basic freeboard of a ship shall be reduced as follows :

- (a) in the case of a Type 'A' ship, by a percentage determined from the following Table, the percentage in the case of a ship having superstructures and trunks of an effective length intermediate to those specified in the Table being obtained by linear interpolation—

TABLE

Percentage of deduction for type A ships

	0	0.1(L)	0.2L	0.3L	0.4L	0.5L	0.6L	0.7L	0.8L	0.9L	1.0L
Percentage of reduction for all types of superstructures	0	7	14	21	31	41	52	63	75.3	87.7	100

- (b) in the case of a Type B ship, by a percentage determined from the following Table and to such of directions (i) to (iii) appended thereto as apply in the circumstances, the percentage in the case of a

ship having superstructures and trunks of an effective length intermediate to those specified in the Table being obtained by linear interpolation

TABLE

Total Effective length of superstructures and trunks

Line	0	0.1L	0.2L	0.3L	0.4L	0.5L	0.6L	0.7L	0.8L	0.9L	1.0L
Ships with forecastle and without detached bridge I	0	15	10	15	23.5	32	46	63	75.3	87.7	100
Ships with forecastle and detached bridge II	0	6.3	12.7	19	25.5	36	43	63	75.3	87.7	100

- (i) Where the effective length of a bridge covers less than 0.1L before and 0.1L abaft amidships the percentages shall be obtained by linear interpolation ;
- (ii) Where the effective length of a forecastle is more than 0.4L, the percentages shall be obtained from line II ;
- (iii) Where the effective length of a forecastle is less than 0.07L, the above percentages shall be reduced by  $(0.07L-f)$   
 $5 \times \frac{(0.07L-f)}{0.07L}$ —Where f is the effective length of the forecastle.

#### Standard sheer and corrections

10. Measurement of sheer.—(1) The sheer shall be measured from the deck at side of a line of reference drawn parallel to the keel through the sheer line at amidships.

(2) In ships designed with a rake of keel, the sheer shall be measured in relation to a reference line drawn parallel to the design load water line.

(3) In flush deck ships and in ships with detached superstructures, the sheer shall be measured at the freeboard deck.

(4) In ships with topsides of unusual form in which there is a step or break in the topsides, the sheer shall be considered in relation to the equivalent depth amidships.

(5) In ships with a superstructure of standard height which extends over the whole length of the freeboard deck, the sheer shall be measured at the superstructure deck. Where the height exceeds the standard the least difference (z) between the actual and the standard heights shall be added to each end ordinate. Similarly, the intermediate ordinates at distance of  $1/6 L$  and  $1/3 L$  from each perpendicular shall be increased by 0.444Z and 0.111Z respectively.

(6) Where the deck of an enclosed superstructure has at least the same sheer as the exposed freeboard deck, the sheer

of the enclosed portion of the freeboard deck shall not be taken into account.

(7) Where an enclosed poop, or forecastle is of standard height with greater sheer than that of the freeboard deck, or is of more than standard height, an addition to the sheer of the freeboard deck shall be made as provided in paragraph 12(4).

11. Standard sheer profile :—The ordinate of the standard sheer profile are given in the following Table; namely :—

Station		Ordinate (in millimetres)	Factor
After Half	After perpendicular	25 (L/3+10)	1
	1/6L from A.P.	11.1 (L/3+10)	3
	1/3L from A.P.	2.8 (L/3+10)	3
	Amidships	0	1
Forward Half	Amidships	0	1
	1/3L from F.P.	5.6 (L/3+10)	3
	1/6L from F.P.	22.2 (L/3+10)	3
	Forward perpendicular	50 (L/3+10)	1

12. Measurement of variation from standard sheer profile :—

(1) Where the sheer profile differs from the standard, the four ordinates of each profile in the forward or after half shall be multiplied by the appropriate factors given in Table of ordinates. The difference between the sums of the respective products and those of the standard divided by 8 measures the deficiency or excess of sheer in the forward or after half. The arithmetical mean of the excess or deficiency in the forward and after halves measures the excess or deficiency of sheer.

(2) Where the after half of the sheer profile is greater than the standard and the forward half is less than the standard, no credit shall be allowed for the part in excess and deficiency only shall be measured.

(3) Where the forward half of the sheer profile exceeds the standard sheer profile and the after half of the sheer profile is not less than 75 percent of the standard sheer profile, credit shall be allowed for the part in excess.

Where the after half of the sheer profile is less than 50 percent of the standard sheer profile, no credit shall be given for the excess sheer forward.

Where the sheer in the after half is between 50 percent and 75 per cent of the standard sheer profile, intermediate allowances may be granted for excess sheer forward.

(4) Where the sheer credit is given for a poop or forecastle the following formula shall be used :

$$S = Y/3 \quad L'/L$$

Where S=sheer credit, to be deducted from the deficiency or added to the excess of sheer.

y=difference between actual and standard height of superstructure at forward and after perpendicular.

L'=mean enclosed length of poop or forecastle upto a maximum length of 0.5L.

The above formula provides a curve in the form of a parabola tangential to the actual sheer curve at the freeboard deck and intersecting the end ordinate at a point below the superstructure deck a distance equal to the standard height of a superstructure. The superstructure deck shall not be less than standard height above the curve at any point. This curve shall be used in determining the sheer profile for the forward and after halves of the ship.

13. Correction for variations from standard sheer :—(1) The correction for sheer shall be the deficiency or excess of sheer determined by paragraph 12 multiplied by  $[0.75-S/2L]$ .

(2) Where the sheer is less than the standard, the correction for deficiency of sheer determined in accordance with sub-paragraph (1) shall be added to the basic freeboard of the ship.

(3) Subject to sub-paragraph (4), in the case of a ship having an excess of sheer—

(a) if an enclosed superstructure covers (0.1) L before and (0.1) L abaft amidships, the correction for excess of sheer determined in accordance with sub-paragraph (1) shall be deducted from the basic freeboard of the ship;

(b) if no enclosed superstructure covers amidships, no deduction shall be made from the basic freeboard of the ship;

(c) if an enclosed superstructure covers less than (0.1)L before and (0.1)L abaft, amidships, the correction for excess of sheer determined in accordance with sub-paragraph(1) shall be modified in the ratio of the amount of (0.2)L amidships which is covered by the superstructure to (0.2)L.

(4) The maximum deduction for excess sheer shall be at the rate of 125 millimetres per 100 metres of length(L).

14. Correction for minimum bow height :—(1) The bow height of a ship is the vertical distance at the forward perpendicular between the summer load waterline of the ship at the designed trim and the top of the exposed deck at side ascertained as follows :

(a) Where the bow height is obtained by including sheer, the sheer shall extend for not less than 15 per cent of the ship's length (L) measured from the forward perpendicular;

(b) Where the bow height is obtained by including the height of the superstructure, such superstructure shall :

(i) extend from the stem to a point not less than 0.07 of ship's length(L) measured from the forward perpendicular;

(ii) if the ship's length(L) is 100 metres or less, be an enclosed superstructure; and

(iii) if the ship's length (L) exceeds 100 meters in length, be fitted with satisfactory closing appliances ;

(2) The minimum bow height for a ship shall be derived from formula 1 in the case of a ship of less than 250 metres



in length (L) and from formula 2 in the case of a ship of 250 metres or more in length (L) :

Formula 1

$$56L(1-L/500)(1.36/C_b - 0.68) \text{ millimetres}$$

Formula 2

$$7000 \frac{(1.36 - C_b - 0.68)}{C_b - 0.68} \text{ millimetres;}$$

Provided that in the case of a ship other than a tug of 65 metres or less, in length, being based at a port or an open readstead and carrying out ship to shore service, the bow height may be obtained from formula 1 with the figure 56 being replaced by figure 40.

(3) Where the bow height of a ship is less than the minimum bow height appropriate to the ship, the freeboard determined in accordance with the foregoing paragraphs shall be increased by an amount equal to the difference between the bow height and the minimum bow height :

(a) Provided, however, in the case of a ship which is constructed to meet exceptional operation requirements, the corrections to be made pursuant to this sub-paragraph may be reduced or waived if the Director General is satisfied that the safety of the ship will not be impaired in consequence in the

worst sea and weather conditions likely to be encountered by the ship in service.

(4) Where an existing ship has been so reconstructed as to comply with all the conditions of assignments in the First Schedule as applicable to a new ship but having

(i) the forecastle of length less than 0.07L; and/or

(ii) the sheer extending over less than 15 per cent of the ship's length measured from the forward perpendicular,

the freeboard determined for the ship in accordance with the foregoing paragraph shall be increased by such amount as the Director General may approve in each particular case.

### PART III

#### TIMBER FREEBOARDS

15. Summer timber freeboard.—(1) There shall first be ascertained the freeboard appropriate to the ship under the provisions of sub-paragraphs (1), (2)(a), and (9) to (10) of paragraph 4, corrected as necessary in accordance with the provisions of paragraphs (5) to 8 of this Schedule).

(2) Deduction for the effective length of superstructures shall be made from the freeboard obtained pursuant to sub-paragraph (1) in accordance with paragraph 9(1) and 9(2)(b) but substituting the following table for the Table 'Percentage of Deduction for Type B ships'.

	Total Effective Length of Superstructure										
	0	0.1L	0.2L	0.3L	0.4L	0.5L	0.6L	0.7L	0.8L	0.9L	1.0L
Percentage of deduction for all types of superstructure	20	31	42	53	64	70	76	82	88	94	100

Percentages at immediate lengths of superstructures shall be obtained by linear interpolation.

(3) The freeboard so far obtained pursuant to the preceding sub-paragraphs shall then be corrected in accordance with paragraphs 10 to 13 of this Schedule, and the freeboard so corrected shall be the Summer Timber Freeboard to be assigned to the ship.

16. Other timber freeboards :—(1) The Winter timber freeboard shall be obtained by adding to the Summer timber freeboard one thirtysixth (1/36th) of the summer timber draught of the ship.

(2) The Winter north atlantic timber freeboard shall be same as the Winter north atlantic freeboard assigned to the ship.

(3) The Tropical timber freeboard shall be obtained by deducting from the summer timber freeboard one forty-eight (1/48th) of the summer timber draught of the ship.

(4) (a) The Fresh Water Timber freeboard shall, subject to sub-paragraph (b), be obtained by deducting from the Summer Timber freeboard the quantity—

$$\frac{\Delta}{4T} \text{ millimetres.}$$

Where  $\Delta$  is the displacement in salt water in metric tonne at the waterline which will when load lines have been marked on the ship's side correspond to the Summer Timber load line, and  $T$  represents metric tons per centimetre immersion in salt water at that waterline.

(b) In any case in which the displacement at that waterline cannot be ascertained the deduction shall be one forty-eight (1/48th) of the summer timber draught of the ship.

164 GT/79—12

### PART IV

#### Freeboard for other ships

16. Tugs :—The freeboard to be assigned to tugs shall be freeboard determined in accordance with provisions of Part II of this Schedule increased by such amounts as the Director General may direct in each case.

17. Unmanned barges :—The freeboard to be assigned to unmanned barges having on the freeboard deck only small access openings closed by watertight gasketed covers of steel shall be freeboards determined in accordance with provisions of Part II of this Schedule omitting paragraph 4.

18. Ships with special construction features :—The freeboard to be assigned to ships with constructional features such as to render freeboard calculated in accordance with the other Parts of this Schedule unreasonable or impracticable shall be especially determined by the Director General in each particular case.

19. Conditions for assigning freeboards less than minimum freeboard :—The Director-General shall consider applications for the assignment of a freeboard reduced to 5/8 (Table B), 1/2 (Table B-60) or 1/3 (Table B-100) subject to a minimum freeboard of 150 mm (6 inches) and to the following conditions, namely :—

(a) The strength of the ship shall be adequate at the draught associated with the decreased freeboard ;

(b) The ships shall be of the "hopper" type, i.e. fitted with bottom doors in the shall or having other similar means capable of quickly jettisoning the cargo under all sea-going conditions and in an emergency. The cargo releasing arrangements on ships assigned a freeboard less than 5/8 (Table B) should be capable of jettisoning sufficient cargo within 4 minutes

to enable the requirements of sub-paragraph (e) below to be complied with. In each case details of the arrangements are to be submitted for examination and approval.

- (c) The operational limits shall not normally exceed 29 miles from land.
- (d) The intact stability criteria specified in Part I of the Third Schedule should be achieved at the proposed decreased freeboard.
- (e) (i) When a freeboard equivalent to  $\frac{1}{4}$  (Table B-60) is assigned, the ship shall be capable of surviving in a manner stated in paragraph 4(3)(c) of Part II of Second Schedule after sustaining damage, to the total extent indicated in paragraph 4(6) of Part II of the Second Schedule to any one compartment (including the engine room).
- (ii) When a freeboard equivalent to  $\frac{1}{4}$  (Table B-100) is assigned, the ship shall be capable of surviving in a manner specified in paragraph 4(5)(c) of Part II of the Second Schedule after sustaining damage, to the total extent indicated in paragraph 4(7)(a), 4(7)(b) and 4(7)(c) of Part II of the Second Schedule to the engine room or to any other two adjacent fore and aft compartments.

Note :—In the damage stability calculations it may be assumed that a proportion of the cargo is capable of being jettisoned immediately after the collision provided the cargo releasing arrangements are so designed that they will operate after the ship has sustained the total assumed damage.

(f) Draught indicators shall be fitted to ships requiring freeboards of  $\frac{1}{4}$  (B-60) or less.

(g) A special working load line mark in RED shall be marked on ship sides with disc 762 mm abaft normal marks, in all such cases.

20. Existing ships from 24 metres to 100 metres in length.—Ships of length range 2 to 100 metres, engaged in harbour maintenance, dredgers, hoppers, barges, tugs and crafts engaged in service between ship and shore, or for domestic voyages along the coasts of India may continue to be assigned freeboards, under the Indian Merchant Shipping (Load Line) Rules, 1934 :

Provided that,—

- (i) the conditions of assignment, more particularly the ones relating to hatch closing appliances, are brought up to the requirements of these rules as far as is reasonable and practicable; and
- (ii) no increase in the summer draught corresponding to a decrease in the geometric freeboards is made under the terms of these rules.

21. Minimum bow height of coastal ships below 60 metres in length.—Ships engaged on the coasting trade of India of less than 60 metres in length performing voyages during the course of which they are at no time more than 20 miles from the nearest land shall be required to have a minimum bow height which shall not be less than the aggregate of the tabular freeboard and the standard sheer at the forward perpendicular applicable to the ship :

Provided that the Director-General may dispense with the requirement of minimum bow height where exceptional operational requirements are involved.

#### PART V

##### Tabular Freeboards

The following is Freeboard Table A referred to in sub-paragraph (3) of paragraph I of Part I of this Schedule

TABLE A  
FREEBOARD TABLE FOR TYPE "A" SHIPS

Length of ship (metres)	Freeboards (milli-metres)	Length of ship (metres)	Freeboard (milli-metres)	Length of ship (metres)	Freeboard (milli-metres)	Length of ship (metres)	Freeboard (milli-metres)
24	200	50	443	76	786	102	1166
25	208	51	455	77	800	103	1181
26	217	52	467	78	814	104	1196
27	225	53	478	79	828	105	1212
28	233	54	490	80	841	106	1228
29	242	55	503	81	855	107	1244
30	250	56	516	82	869	108	1260
31	258	57	530	83	883	109	1276
32	267	58	544	84	897	110	1293
33	275	59	559	85	911	111	1309
34	283	60	573	86	926	112	1326
35	292	61	587	87	940	113	1342
36	300	62	600	88	955	114	1359
37	308	63	613	89	969	115	1376
38	316	64	626	90	984	116	1392
39	325	65	639	91	999	117	1409
40	334	66	653	92	1014	118	1426
41	344	67	666	93	1029	119	1442
42	354	68	680	94	1044	120	1459
43	364	69	693	95	1059	121	1476
44	374	70	706	96	1074	122	1494
45	385	71	720	97	1089	123	1511
46	396	72	733	98	1105	124	1528
47	408	73	746	99	1220	125	1546
48	420	74	760	100	1135	126	1563
49	432	75	773	101	1151	127	1580

Note:—Freeboard at intermediate lengths of ship shall be obtained by linear interpolation.

Length of ship (metres)	Freeboards (milli- metres)	Length of ship (metres)	Freeboards (milli- metres)	Length of ship (metres)	Freeboards (milli- metres)	Length of ship (metres)	Freeboard (millimetres)
128	1598	187	2474	247	2993	307	3288
129	1615	188	2486	248	3000	308	3292
130	1632	189	2497	249	3006	309	3295
131	1650	190	2508	250	3012	310	3298
132	1667	191	2519	251	3018	311	3302
133	1684	192	2530	252	3024	312	3305
134	1702	193	2541	253	3030	313	3308
135	1719	194	2552	254	3036	314	3312
136	1736	195	2562	255	3042	315	3315
137	1753	196	2572	256	3048	316	3318
138	1777	197	2582	257	3054	317	3322
139	1787	198	2592	258	3060	318	3325
140	1803	199	2602	259	3066	319	3328
141	1820	200	2612	260	3072	320	3331
142	1837	201	2622	261	3078	321	3334
143	1853	202	2632	262	3084	322	3337
144	1870	203	2641	263	3089	323	3339
145	1886	204	2650	264	3095	324	3342
146	1968	205	2659	265	3101	325	3345
147	1919	206	2669	266	3106	326	3347
148	1935	207	2678	267	3112	327	3350
149	1952	208	2687	268	3117	328	3353
150	1968	209	2696	269	3123	329	3355
150	1964	210	2705	270	3128	330	3358
151	2000	211	2714	271	3133	331	3361
152	2016	212	2723	272	3138	332	3363
153	2032	213	2732	273	3143	333	3366
154	2048	214	2741	274	3148	334	3368
155	2064	215	2749	275	3153	335	3371
156	2080	216	2758	276	3158	336	3373
157	2096	217	2767	277	3163	337	3375
158	2111	218	2775	278	3167	338	3378
159	2126	219	2784	279	3172	339	3380
160	2141	220	2792	280	3176	340	3382
161	2155	221	2801	281	3181	341	3385
162	2169	222	2809	282	3185	342	3387
163	2184	223	2817	283	3189	343	3389
164	2198	224	2825	284	3194	344	3392
165	2212	225	2833	285	3198	345	3394
166	2226	226	2841	286	3202	346	3396
167	2240	227	2849	287	3207	347	3399
168	2254	228	2857	288	3211	348	3400
169	2268	229	2865	289	3215	349	3403
170	2281	230	2872	290	3220	350	3406
171	2294	231	2880	291	3224	351	3408
172	2307	232	2888	292	3228	352	3410
173	2320	233	2895	293	3233	353	3412
174	2332	234	2903	294	3237	354	3414
175	2345	235	2910	295	3241	355	3416
176	2357	236	2918	296	3246	356	3418
177	2369	237	2925	297	3250	357	3420
178	2381	238	2932	298	3254	358	3422
179	2392	239	2939	299	3258	359	3423
180	2405	240	2946	300	3262	360	3425
181	2416	241	2953	301	3266	361	3427
182	2428	242	2959	302	3270	362	3428
183	2440	243	2966	303	3274	363	3430
184	2451	244	2973	304	3278	364	3432
185	2463	245	2979	305	3281	365	3433
186		246	2986	306	3285		

Note :—Freeboard at intermediate lengths of ship shall be obtained by linear interpolation.

The following is Freeboard Table B referred to in sub-paragraph(3) of paragraph 1 of Part I of this Schedule.

TABLE B  
FREEBOARD TABLE FOR TYPE "B" SHIPS

Length of ship (metres)	Freeboard (milli- metres)	Length of ship (metres)	Freeboard (milli- metres)	Length of ship (meters)	Length of millimetres	Freeboards (millimeters)	
24	200	80	887	136	2021	193	3151
25	208	81	905	137	2043	194	3167
26	217	82	923	138	2065	195	3185
27	225	83	942	139	2087	196	3202
28	233	84	960	140	2109	197	3219
29	242	85	978	141	2130	198	3235
30	250	86	996	142	2151	199	3249
31	258	87	1015	143	2171	200	3264
32	267	88	1034	144	2190	201	3280
33	275	89	1054	145	2209	202	3296
34	283	90	1075	146	2229	203	3313
35	292	91	1096	147	2250	204	3330
36	300	92	1116	148	2271	205	3347
37	308	93	1135	149	2293	206	3363
38	316	94	1154	150	2315	207	3380
39	325	95	1172	151	2334	208	3397
40	334	96	1190	152	2354	209	3413
41	344	97	1209	153	2375	210	3430
42	354	98	1229	154	2396	211	3445
43	364	99	1250	155	2418	212	3460
44	374	100	1271	156	2440	213	3475
45	385	101	1293	157	2460	214	3490
46	396	102	1315	158	2480	215	3505
47	408	103	1337	159	2500	216	3520
48	420	104	1359	160	2520	217	3537
49	432	105	1380	161	2540	218	3554
50	443	106	1401	162	2560	219	3570
51	455	107	1421	163	2580	220	3586
52	467	108	1440	164	2600	221	3601
53	478	109	1459	165	2620	222	3615
54	490	110	1479	166	2640	223	3630
55	503	111	1500	167	2660	224	3645
56	516	112	1521	168	2780	225	3660
57	530	113	1543	169	2698	226	3675
58	544	114	1565	170	2716	227	3690
59	559	115	1587	171	2735	228	3705
60	573	116	1609	172	2754	229	3720
61	587	117	1630	173	2774	230	3735
62	601	118	1651	174	2795	231	3750
63	615	119	1671	175	2815	232	3765
64	629	120	1690	176	2835	233	3780
65	644	121	1709	177	2855	234	3795
66	659	122	1729	178	2875	235	3808
67	674	123	1750	179	2896	236	3821
68	689	124	1771	180	2915	237	3835
69	705	125	1793	181	2933	238	3849
70	721	126	1815	182	2952	239	3864
71	738	127	1837	183	2970	240	3880
72	754	128	1859	184	2988	241	3893
73	769	129	1880	185	3007	242	3906
74	784	130	1901	186	3025	243	3920
75	800	131	1921	187	3044	244	3934
76	816	132	1940	188	3062	245	3949
77	833	133	1959	189	3080	246	3965
78	850	134	1979	190	3098	247	3978
79	868	135	2000	191	3116	248	3992
				192	3134	249	4005

Note :—Freeboard at intermediate lengths of ship shall be obtained by linear interpolation.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
230	4018	279	4385	308	4714	337	5025
251	4032	280	4397	309	4725	338	5035
252	4045	281	4408	310	4736	339	5045
253	4058	282	4420	311	4748	340	5055
254	4072	283	4432	312	4755	341	5065
255	4085	284	4443	313	4768	342	5075
256	4098	285	4455	314	4779	343	5086
257	4112	286	4467	315	4790	344	5097
258	4125	287	4478	316	4801	345	5108
259	4139	288	4490	317	4812	346	5119
260	4152	289	4502	318	4823	347	5130
261	4165	290	4513	319	4834	348	5140
262	4177	291	4525	320	4844	349	5150
263	4189	292	4537	321	4855	350	5160
264	4201	293	4548	322	4866	351	5170
265	4214	294	4560	323	4878	352	5180
266	4227	295	4572	324	4890	353	5190
267	4240	296	4583	325	4899	354	5200
268	4252	297	4595	326	4909	355	5210
269	4264	298	4607	327	4920	356	5220
270	4276	299	4618	328	4931	357	5230
271	4289	300	4630	329	4943	358	5240
272	4302	301	4642	330	4955	359	5250
273	4315	302	4654	331	4965	360	5260
274	4327	303	4665	332	4975	361	5268
275	4339	304	4676	333	4985	362	5276
276	4350	305	4686	334	4995	363	5285
277	4362	306	4695	335	5005	364	5294
278	4373	307	2704	336	5015	365	5303

Note :—Freeboard, at intermediate lengths of ship shall be obtained by linear interpolation.

### THE THIRD SCHEDULE

(See rules 4, 5, 6, 9, 29 and 31)

### STABILITY AND LOADING

#### PART I

##### Criteria of stability

1. The stability of the ship in all intended loading conditions shall be adequate at all drafts not submerging the appropriate freeboard marks. Unless otherwise required by the Central Government having regard to the special design features and the service conditions of a ship, the stability of the ship will be considered satisfactory upon compliance with the following criteria :—

(i) The area under the righting lever (GZ) curve shall not be less than :—

(a) 0.055 metre—radians upto an angle of heel of 30 degrees ;

(b) 0.09 metre—radians to an angle of either 40 degrees or an angle of  $\phi$  if that be less. The angle of  $\phi$  is the angle at which the lower edges of any openings in the hull, superstructures or deckhouses, being openings which cannot be closed weathertight and which are likely to cause progressive flooding are immersed.

(c) 0.03 metre—radians between the angles of heel of 30 and 40 degrees, or between 30 and  $\phi$  degrees, if  $\phi$  is less than 40 degrees.

(ii) The righting lever (GZ) shall be at least 0.20 metre at an angle of heel equal to or greater than 30 degrees.

(iii) The maximum righting lever (GZ) should occur at an angle of heel not less than 30 degrees.

(iv) The initial transverse metacentric height shall be not less than 0.15 metre.

2. The Central Government may allow a timber deck cargo ship to comply with such lesser criteria of stability than those of the preceding paragraph having fully reviewed the circumstances of cargo stowage and lashing and other service conditions.

3. In addition to complying with the provisions of the above paragraph 1 and 2, the ship master should also exercise due precaution and discretion as regards navigation, cargo stowage and lashing, etc.

4. To assess if a ship complies with the stability criteria in paragraphs 1 and 2, the stability data shall be based on including testing of that ship, as provided by the rule 31 of these rules, unless exempted by the same rule.

#### PART II

##### Stability and loading conditions

5. The stability characteristics of at least the following loading and ballasting conditions should be duly investigated in order to ensure compliance with the criteria of stability laid down in Part I of this Schedule.

(1) Light condition.—If the ship has permanent ballast, the light condition should include two conditions, e.g. (i) light condition with such ballast and (ii) light condition without such ballast.

(2) Ballast conditions.—These should include two conditions, e.g. (i) ballast departure condition with full stores, fresh water, fuel and other consumable stores but without cargo and (ii) ballast arrival condition with only 10 per cent stores, fresh water fuel and other consumable stores.

(3) Standard loading conditions.—These should include (i) the departure condition with the ship loaded to

the summer load line with homogenous cargo filling all spaces available for cargo, except cargo spaces where this is clearly inappropriate, for example, in the case of cargo spaces in a ship which are intended to be used exclusively for the carriage of vehicles, or of containers and (ii) the arrival condition with the ship similarly loaded but with only 10 per cent stores, fresh water, fuel and other consumable store.

- (4) Service loading condition.—These should include the departure and arrival conditions of additional loading conditions for which the ship is designed or which service conditions are desired by the ship-owners.

6. (1) For passenger ships, the full number of passengers and their luggage should be included in conditions (2) to (4) of paragraph 5 above.

(2) In passenger ships, the effect of the movement of passengers and the heeling of the ship during turning manœuvres shall also be duly examined having regard to the adverse effect on the stability of the ship.

### PART III

#### Method and form of stability calculations

7. For the purposes of Part VI of these rules relating to stability and loading, the method of stability calculations and the form of the stability booklet should, so far as practicable, be in accordance with the following paragraphs.

8. The stability book should include the following particulars :

- (1) The ship's name, official number, port of registry, gross and register tonnages, principal dimensions, displacement, deadweight and draught to the summer load line, suitably stated in the beginning of the stability booklet.
- (2) A profile view and if practicable, plan views of the ship drawn to scale showing with their names outlines of all main compartments, tanks, store-rooms and accommodation spaces.
- (3) The capacity and the positions of the vertical and longitudinal centres of gravity of compartments available for the carriage of cargo, fuel, stores, feed water, fresh water and water ballast.

In the case of a vehicle ferry, the vertical centre of gravity of compartments for the carriage of vehicles shall be based on the estimated centres of gravity of the vehicles and not on the volumetric centres of compartments.

- (4) The estimated total weight of (a) passengers and their effects and (b) crew and their effects, and the centres of gravity (longitudinal and vertical) of each such total weight. In determining such centres of gravity, passengers and crew shall be assumed to be distributed about the ship in the spaces they will normally occupy including the highest decks to which either or both have access.
- (5) The estimated weight and the disposition and the centres of gravity of the maximum amount of deck cargo which the ship may reasonably be expected to carry on an exposed deck. The estimated weight shall include in the case of deck cargo likely to absorb water: the estimated weight of water likely to be so absorbed and allowed for in arrival conditions, such weight in the case of timber deck cargo being taken to be 15 per cent by weight.
- (6) The effect on stability of free surface in tanks in the ship in which liquids may be carried, including an example on how to correct the metacentric height for the free surface effect.

9. The following diagrams or approved tabular statements in lieu thereof should be provided in the stability booklet :

(1) A diagram of the deadweight-displacement scale illustrating load line mark and the load lines with particulars of the corresponding freeboards, displacement, metric tons per centimetre immersion, and deadweight tons corresponding to a range of mean draughts extending between the waterline representing the deepest load line and the waterline of the ship in light condition.

(2) A diagram or tabular statement showing the hydrostatic particulars of the ship, including :—

- (i) the heights of the transverse and longitudinal metacentres above base line.
- (ii) the positions of the centre of buoyancy, both vertical and longitudinal.
- (iii) the positions of the longitudinal centres of flotation.
- (iv) the values of the moments to change trim by one centimetre.
- (v) the values of the cross-sectional areas (Bonjean's Curves) and the waterplane areas,

for a range of mean draughts extending at least between the waterline representing the deepest load line and the waterline of the ship in light condition.

Where a tabular statement is used the intervals between such draughts shall be sufficiently close to permit accurate interpolation. In the case of ships having raked keels, the same datum for the height of centres of buoyancy and metacentres shall be used as for the centres of gravity referred to in paragraph 8.

(3)(i) A diagram of cross-curves of stability showing clearly the keel points on the inclined axis from which the righting levers are measured and the trim which has been assumed. In the case of ships having raked keels, where a datum other than the top of the keel has been used, full information is to be provided as to its position.

A sufficient number of cross-curves for an adequate range of the angles of inclination and each such curve extending over the displacement range from the light condition of the ship to the deepest load line, should be provided so that the statistical stability curve of righting levers over all positive ranges could be obtained with sufficient accuracy by interpolation.

(ii) An illustrative example shall be given showing how to obtain a curve of righting levers (GZ) from the cross curves.

10. The stability characteristics of each of the loading conditions required to be investigated in Part II of this schedule shall be represented in the stability booklet by the following diagrams and statements :

- (i) A profile diagram of the ship drawn to a suitable small scale showing the dispositions of the main components of the deadweight ;
- (ii) Suitable tabular statements including the lightweight, the disposition and moments of components of the deadweight, the final displacement, the corresponding position of the centre of gravity, the metacentre, the free surface effects and the metacentric height duly corrected for free surface effect ;
- (iii) A diagram of statical stability curve of righting levers (GZ). Where credit is given for the buoyancy of timber deck cargo, the curve of righting levers (GZ) must be drawn both with and without this credit. The curve of righting lever shall be duly corrected for free surface effect.

11. (1) In deriving the cross-curves of stability account may be taken of the stability and buoyancy provided by enclosed superstructure and efficient trunks, such structures being described in paragraphs 7 and 8 of Second Schedule.

(2) The stability and buoyancy provided by the following structures may also be taken into account in deriving the cross-curves if the Director General of Shipping so approves, in each particular case, having regard to their location, integrity and means of closure.

- (i) Superstructure located above the superstructure deck;
- (ii) Deck houses on the freeboard deck, whether wholly or in part only;
- (iii) Hatchway structure on or above freeboard deck.

Additionally, if the Director General so approves, in the case of a ship carrying timber deck cargo, the volume of timber deck cargo or part thereof, may be taken into account in deriving a supplementary curve of stability appropriate to the ship when carrying such cargo.

(3) Where the buoyancy of a superstructure or any other structure is taken into account in the calculations of stability, suitable endorsement shall always be made on the cross-curves clearly indicating the extent of such inclusion. Notices shall also be conspicuously displayed near weathertight doors or any other special openings to the effect that these openings must be closed weathertight at sea on account of stability.

#### THE FOURTH SCHEDULE

(See rules 5 and (26) FORM ALL INDIA

International Convention on Load Lines, 1966.

#### RECORD OF CONDITIONS OF ASSIGNMENT LOAD LINE SURVEY

Ship's Name.....	Port and Date of Survey.....
Official Number.....	Surveyors Signature .....
Nationality and Port of registry .....	Surveying Organisation .....
Builder and Yard No.....	Building Year.....
Owner .....	
Ship Type (existing/type A/type B).....	
Freeboard Length.....	Gross Tonnage.....

#### 1. SUPERSTRUCTURE BULKHEADS (Paragraph 6)

Forecastle Bulkhead	Material and Scantlings	Details of openings	Closing appliances
---------------------	-------------------------	---------------------	--------------------

Bridge Forward Bulkhead

Bridge Aft Bulkhead

Poop Bulkhead.

Is the construction of superstructure efficient ?

#### 2. HATCHWAYS ON FREEBOARD AND SUPERSTRUCTURE DECKS

(Paragraphs 8 and 9)

Description of Hatch	Hatch Nos.	Hatch Nos.	Hatch Nos.	Hatch Nos.	Hatch Nos.
----------------------	------------	------------	------------	------------	------------

Dimension of Opening

Coaming

Hatchbeam :  
Scantlings &  
Bearing Surface.

Fore-and-Aft.  
Scantlings.

Hatchboards/  
Pantoon Covers

Weathertight  
Hatchcovers.

Are the closing devices of hatches strong and efficient in accordance with the rule requirements ?

#### 3. MACHINERY SPACE OPENINGS (Paragraph 10)

Details of materials and scantlings of fiddle funnel, skylight and casings.	Details of sill and openings.	Details of Closing Appliances
---	-------------------------------	-------------------------------

Are ventilators fitted on the machinery casings well protected ?

#### 4. MISCELLANEOUS OPENINGS ON FREEBOARD AND SUPERSTRUCTURE DECKS (Paragraph 11)

(a) Give details of openings and closing appliances of manholes and flush scuttles.

Are such constructions efficient ?

(b) Details of companion ways :

#### VENTILATORS IN EXPOSED POSITIONS ON FREEBOARD AND SUPERSTRUCTURE DECKS (Paragraph 12)

Positions of ventilators	Size of openings	Height and thickness of coamings	Ventilated space.	Closing appliances
--------------------------	------------------	----------------------------------	-------------------	--------------------

Are any ventilators situated in space particularly subjected to weather and sea ? If so, how are they protected ?

#### 6. AIR PIPES IN EXPOSED POSITIONS ON FREEBOARD AND SUPERSTRUCTURE DECKS (Paragraph 13)

Position	Nos. and type of air pipe	Diameter and height	Closing appliances
----------	---------------------------	---------------------	--------------------

(a) Give particulars of any air pipe situated on the deck of a superstructure of less than standard height.

(b) Are all the air pipes are substantially constructed ?

#### 7. CARGO PORTS AND SIMILAR OPENINGS ON SHIPSIDE (Paragraph 14).

(a) State the longitudinal locations, sizes and numbers of Cargo ports and similar openings below the freeboard deck.

(b) State the vertical distance of the lower edge of any such cargo port or similar openings with respect to a line parallel to the freeboard deck at side and passing the upper edge of the deepest load line.

(c) State particulars of closing appliances of such opening and if such closing appliances ensure structural and watertightness.

#### 8. SCUPPERS, INLETS AND DISCHARGES (Paragraph 15)

Vertical position of inboards end of pipe	Compartment/Deck being drained	Nos. and diameter of pipes and type of closing appliance and material	Outboard end of discharge
Keel to 0.01 L above SLWL			
0.01 L to 0.02 L above SLWL			
More than 0.02 L above SLWL			

(a) State particulars of location and accessibility of controls of valves in

(i) manned machinery space and (ii) unattended machinery space.

(b) State particulars of the devices giving warning of entry of water into unattended machinery space.

#### 9. SIDE SCUTTLES (Paragraph 16)

(a) State locations and particulars of construction of side scuttles, deadlights and flasses.

(b) Are the sills of all side Scuttles at or above a Line drawn parallel to the freeboard deck at side and having at its lowest point :

(i) 2.5 percent of B above summer load line, or

(ii) 500 millimetres above the summer load line.

#### 10. FREEING PORTS AND ARRANGEMENTS (Paragraph 17).

(a) Freeing Arrangement on weather Deck :

Length and Height of bulwark	Number and sizes of Freeing ports	Area each side	Rule each	Area side.
Forward Well				
After Well				

FORM L.L. (India)

The Fifth Schedule

[See rules 7 and 12]

International Load Line Certificate (1966)

Issued under the provisions of the International Convention on Load Lines, 1966, under the authority of the Government of India by the Director General of Shipping.

Name of the Ship	Distinctive Nos. or letters	Port of Registry	Length(L) as designed in Article 2 (g)
------------------	-----------------------------	------------------	--

Freeboard assigned as :

- \*A new Ship
- An existing ship

Type of ship :

- \*Type 'A'
- Type 'B'
- Type 'B' with reduced freeboards
- Type 'B' with increased freeboard

\*Delete whatever is inapplicable.

(b) State particulars of provisions made for freeing water from superstructures other than enclosed superstructure. Are such provisions efficient.

#### 11. PROTECTION OF CREW (Paragraph 18)

(a) State particulars, including spacing and height of guard rails, guard wires and stanchions fitted at the perimeters of exposed freeboard and superstructure decks.

(b) State particulars of the gangways, underdeck passages and other means of access enabling the crew to pass between their quarters, the machinery space and other working spaces.

(c) State particulars of lifelines, access ladders guard rails, guard wires, handrails and others safety fittings.

#### SPECIAL REQUIREMENTS APPLICABLE TO TYPE A SHIPS OR TYPE B SHIPS WITH REDUCED FREEBOARD.

#### 12. MACHINERY CASINGS (Paragraph 19).

If casings enclosing machinery space openings in Position 1 or Position 2 are not protected by a Poop, Bridge or a deckhouse, state reasons thereof or any equivalent protection measures employed.

#### 13. GANGWAY AND ACCESS (Paragraphs 20 and 23)

Where access between Poop and detached bridge or the forward part of a ship where there is no detached bridge is obtained by means other than by a permanent gangway or on underdeck passage, state the equivalent arrangement provided.

#### 14. FREEING ARRANGEMENTS (Paragraphs 22 and 24)

(a) Where guard rails, guard wires and Stanchions are not provided for at least a half of the length of the freeboard and superstructure decks, state the equivalent freeing arrangement.

(b) State the numbers, type and positions of breakwaters fitted if such fittings are efficient.

#### SPECIAL REQUIREMENTS APPLICABLE TO SHIPS TO BE ASSIGNED TIMBER FREEBOARDS.

#### 15. BULWARKS, GUARD RAILS AND STANCHIONS (Paragraph 27).

(a) State particulars of stiffening and supports of bulwarks. Are such arrangement adequately strong and efficient.

(b) Where bulwarks are not fitted, state particulars of guard rails and stanchions provided in lieu and if they are adequately strengthened.

Note.—Reference to paragraphs in this record are reference to paragraphs of First Schedule to these rules.

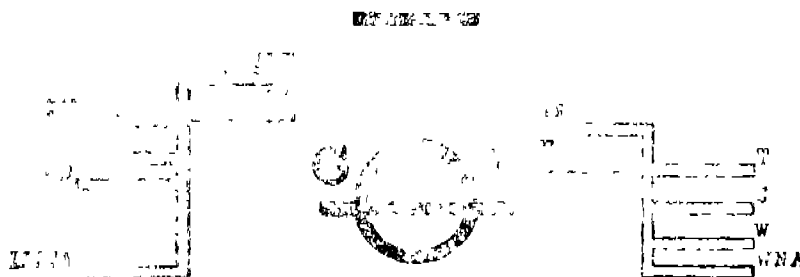
Certificate No. ....



Freeboard from deck line	Load Line
Tropical.....mm.(T)	.....mm. above (S)
Summer.....mm. (S)	Upper edge of line through centre of ring
Winter.....mm. (W)	.....mm. below (S)
Winter North Atlantic.....mm. (WNA)	.....mm. below (S)
Timber tropical.....mm (LT)	.....mm. above (LS)
Timber Summer.....mm. (LS)	.....mm. above (S)
Timber winter.....mm. (LW)	.....mm. below (LS)
Timber winter North Atlantic.....mm. (LWNA)	.....mm. below (LS)

Note :—Freeboard and load line which is not to be entered on the certificate.

Allowance for fresh water for all freeboards other than timber.....mm. For timber freeboards.....mm.  
 The upper edge of the deck line from which these freeboards are measured.....mm.....  
 .....deck at side.



Date of initial or periodical survey .....

This is to certify that this ship has been surveyed and that the freeboards have been assigned and load lines shown above have been marked in accordance with the International Convention on Load Lines, 1966.

This certificate is valid until.....subject to periodical inspections in accordance with Article 14(1)(c) of the Convention.

Issued at ..... on the ..... day of ..... 19 .....

The undersigned declares that he is duly authorized by the said Government to issue this certificate.

Director General of Shipping,  
 Ministry of Transport and Shipping

This is to certify that at a periodical inspection required by Article 14(1)(c) of the Convention, this ship was found to comply with the relevant provisions of the Convention.

Place..... Date.....  
 Surveyor

Place..... Date.....  
 Surveyor

Place..... Date.....  
 Surveyor

Place..... Date.....  
 Surveyor

The provisions of the Convention being fully complied with by this ship, the validity of this certificate is, in accordance with Article 14(2) of the Convention, extended until .....

Place..... Date.....  
 Surveyor.

Note :— (1) When a ship departs from a port situated on a river or inland waters, deeper loading shall be permitted corresponding to the weight of fuel and all other materials required for consumption between the point of departure and the sea.

(2) When a ship is in fresh water of unit density the appropriate load line may be submerged by the amount of the fresh water allowance shown above. Where the density is other than unity, an allowance shall be made proportional to the difference between 1.025 and the actual density.

FORM L L (India)

Certificate No. ....

**India Load Line Certificate**  
**Issued by the Government of India.**

Name of Ship	Distinction Number of Letters	Port of Registry	Length (L) as defined by rules made under section 311 of the Merchant Shipping Act, 1958.	Gross Tonnage.
--------------	-------------------------------	------------------	---	----------------

Freeboard assigned as :

\*(A new ship

(An existing ship.

Type of ship :

(Type 'A'

(Type 'B'

(Type B with reduced freeboard.

(Type B with increased freeboard.

\*Delete whichever is inapplicable.

Freeboard from Deck Line

Load Line

Tropical .....mm. (T)

.....mm. above (S)

Summer .....mm. (S)

Upper edge of line through centre of ring.

Winter .....mm. (W)

.....mm. below (S)

Allowance for fresh water for all freeboards .....mm.

Note :—Freeboard and load line which is not applicable need not be entered on the certificate.

The upper edge of the deck line from which freeboard are measured is .....mm.....deck at side.

This is to certify that this ship has been surveyed and the freeboards and load lines shown above have been assigned in accordance with the rules made under section 311 of the Merchant Shipping Act, 1958.

This certificate is valid until .....subject to periodical inspections in accordance with the provisions of the rules made under section 311 of the Merchant Shipping Act, 1958.

Issued at .....on the .....day of ..... 19.....

Director General of Shipping  
 Ministry of Transport and Shipping.

This is to certify that at periodical inspection required by the rules made under section 311 of the Merchant Shipping Act, 1958, this ship was found to comply with the relevant provisions of the said rules.

Place ..... Date .....

Surveyor

Place ..... Date .....

Surveyor

Place ..... Date .....

Surveyor

Place..... Date.....

Surveyor

Place .....

Note :—(1) When a ship departs from a port situated on a river or inland waters, deeper loading shall be permitted corresponding to the weight of fuel and all other materials required for consumption between the point of departure and the sea.

(2) When a ship is in fresh water of unit density the appropriate load line may be submerged by the amount of the fresh water allowance shown above. Where the density is other than unity, an allowance shall be made proportional to the difference between 1.025 and the actual density.

FORM L L (India)

Certificate No. ....

**International Load Line Exemption Certificate**

Issued under the provisions of the International Convention on Load Lines, 1966, under the authority of the Government of India by the Director General of Shipping.

Name of Ship	Distinction Number or letters	Port of Registry
--------------	-------------------------------	------------------

This is to certify that the above mentioned ship is exempted from the provisions of the 1966 Convention, under the authority conferred by Article 6(2)/Article 6(4) of the Convention referred to above.

The provisions of the Convention from which the ship is exempted under Article 6(2) are :

The voyage for which exemption is granted under Article 6(4)\* is :

From.....

To.....

Conditions, if any, on which the exemption is granted under either Article 6(2) or Article 6(4) :

This certificate is valid..... subject, where appropriate, to periodical inspections in accordance with Article 14(1)(c) of the Convention.

Issued at ..... on the ..... day of ..... 19 .....

The undersigned declares that he is duly authorised by the said Government to issue this certificate.

Director General of Shipping  
Ministry of Transport & Shipping.

\*Delete whichever is inapplicable.

This is to certify that this ship continues to comply with the conditions under which this exemption was granted.

Place..... Date.....

Surveyor

Place..... Date.....

Surveyor

Place..... Date.....

Surveyor

Place..... Date.....

Surveyor

This ship continues to comply with the conditions under which this exemption was granted, and the validity of the certificate is, in accordance with Article 19(2)(a) of the Convention, extended until.....

Place..... Date.....

Surveyor

## THE SIXTH SCHEDULE

(See rules 17 and 19)

### Zones, Areas and Seasonal Periods

1. The Zones and areas in this Schedule are, in general, based on the following criteria:

Summer—not more than 10 per cent winds of force 8 Beaufort (34 knots) or more.

Tropical—not more than 1 per cent winds of force 8 Beaufort (34 knots) or more. Not more than one tropical storm in 10 years in an area of 5° square in any one separate calendar month.

In certain special areas, for practical reasons, some degree of relaxation has been acceptable.

A chart is attached to this Schedule to illustrate the zones and areas defined below.

### Northern Winter Seasonal Zones and Area.

#### 2. (1) North Atlantic Winter Seasonal Zones I and II:

(a) The North Atlantic Winter Seasonal one I lies within the meridian of longitude 50° W from the coast of Greenland to latitude 45°N, thence the parallel of latitude 45°N to longitude 15°W, thence the meridian of longitude 15°W to latitude 60°N, thence the parallel of latitude 60°N to the Greenwich Meridian, thence this meridian northwards.

Seasonal periods:

WINTER: 16 October to 15 April.

SUMMER: 16 April to 15 October.

(b) The North Atlantic Winter Seasonal Zone II lies within the meridian of longitude 68°30'W from the coast of the United States to latitude 40°N, thence the rhumb line to the point latitude 36°N, longitude 73°W, thence the parallel of latitude 36°N to log-

tude 25°V and thence the rhumb line to Cape Torinana.

Excluded from this zone are the North Atlantic Winter Seasonal Zone I and the Baltic Sea bounded by the parallel of the latitude of the Skaw in the Skagerrak.

Seasonal periods :

WINTER : 1 November to 31 March

SUMMER : 1 April to 31 October

## (2) North Atlantic Winter Seasonal Area

The boundary of the North Atlantic Winter Seasonal Area is :—

the meridian of longitude 68°30'W from the coast of the United States to latitude 40°N, thence the rhumb line to the southernmost inter-section of the meridian of longitude 61°W with the coast of Canada and thence the east coasts of Canada and the United States.

Seasonal periods :

For ships over 100 metres (328 feet) in length :

WINTER : 16 December to 15 February

SUMMER : 16 February to 15 December

For ships of 100 metres (328 feet) and under in length :

WINTER : 1 November to 31 March

SUMMER : 1 April to 31 October

## (3) North Pacific Winter Seasonal Zone

The southern boundary of the North Pacific Seasonal Zone is :—

the parallel of latitude 50°N from the east coast of the USSR to the west coast of Sakhalin, thence the west coast of the Sakhalin to the southern extremity of Kurilion, thence to rhumb line to Wakkani, Hokkaido, Japan, thence the east and south coasts of Hokkaido to longitude 145°E, thence the meridian of longitude 145°E to latitude 35°N, thence the parallel of latitude 35°N to longitude 150°W and thence the rhumb line to the southern extremity of Dall Island Alaska.

Seasonal periods :

WINTER : 16 October to 15 April

SUMMER : 16 April to 15 October

## Southern Winter Seasonal Zone

3. The northern boundary of the Southern Winter Seasonal zone is :—

the rhumb line from the east coast of the American continent at Cape Tres Puntas to the point latitude 34°S, longitude 50°W, thence the parallel of latitude 34°S to longitude 17°E, thence the rhumb line to the point latitude 35° 10'S, longitude 20°E, thence the rhumb line to the point latitude 34°S, longitude 28°E, thence along the rhumb line to the point latitude 30° 30'S, longitude 118°E, and thence the rhumb line to Cape Grim on the northwest coast of Tasmania; thence along the north and east coasts of Tasmania to the southern coast point of Bruny Island, thence the rhumb line to black Rock Point on Stewart Island, then the rhumb line to the point latitude 47°S, longitude 170°E, thence along the rhumb line to the point latitude 33°S, longitude 170°E, thence along the rhumb line to the point latitude 33°S, longitude 170°W, and thence the parallel 33°S to the west coast of the American continent.

Seasonal periods :

WINTER : 16 April to 15 October

SUMMER : 16 October to 15 April

## 4. Regulation 48

### Tropical Zone

(1) Northern Boundary of the Tropical Zone

The northern boundary of the Tropical Zone is -

the parallel of latitude 13°N from the east coast of the American continent of longitude 60°W, thence the rhumb line to the point latitude 10°N, longitude 58°W, thence the parallel of latitude 10°N, to longitude 20°W, thence the meridian of longitude 20°W to latitude 30°N and thence the parallel of latitude 30°N to the west coast of Africa; from the east coast of Africa the parallel of latitude 8°N to longitude 70°E, thence the meridian of longitude 70°E to latitude 13°N, thence the parallel of latitude 13°N to the west coast of India; thence the south coast of India to latitude 10°30'N on the east coast of India, thence the rhumb line to the point latitude 9°N, longitude 82°E, thence the meridian of longitude 82°E to latitude 8°N, thence the parallel of latitude 8°N to the west coast of Malaysia, thence the coast of South-East Asia to the east coast of Viet-Nam at latitude 10°N, thence the parallel of latitude 10°N to longitude 145°E, thence the meridian of longitude 145°E to latitude 13°N and thence the parallel of latitude 13°N to the west coast of the American continent.

Saigon is to be considered as being on the boundary line of the Tropical Zone and the Seasonal Tropical Area.

(2) Southern Boundary of the Tropical Zone.

The southern boundary of the Tropical Zone is—

the rhumb line from the Port of Santos, Brazil, to the point where the meridian of longitude 40°W intersects the Tropic of Capricorn; thence the Tropic of Capricorn to west coast of Africa; from the east coast of Africa the parallel of latitude 20°S to the west coast of Madagascar, thence the west and north coasts of Madagascar to longitude 50°E, thence the meridian of longitude 50°E to latitude 10°S, thence the parallel of latitude 10°S to longitude 98°E, thence the rhumb line to Port Darwin, Australia, thence the coasts of Australia and Wessel Island eastwards to Cape Wessel, thence the parallel of latitude 11°S to the west side of Cape York; from the east side of Cape York the parallel of latitude 11°S to longitude 150°W, thence the rhumb line to the point latitude 26°S, longitude 75°W, and thence the rhumb line to the west coast of the American continent at latitude 30°S.

Coquimbo and Santos are to be considered as being on the boundary line of the Tropical and Summer Zones.

### Areas to be included in the Tropical Zone

The following areas are to be treated as included in the Tropical Zone—

- The Suez Canal, the Red Sea and the Gulf of Aden, from Port Said to the meridian of longitude 45°E. Aden and Berbera are to be considered as being on the boundary line of the Tropical Zone and the Seasonal Tropical Area.
- The Persian Gulf to the meridian of longitude 59°E
- The area bounded by the parallel of latitude 22°S from the east coast of Australia to the Great Barrier Reef, thence the Great Barrier Reef to latitude 11°S. The northern boundary of the area is the southern boundary of the Tropical Zone.

### Seasonal Tropical Areas

#### 5. The following are Seasonal Tropical Areas :

(1) In the North Atlantic

An area bounded

on the north by the rhumb line from Cape Capoché, Yucatan, to Cape San Antonio, Cuba, the north coast of Cuba to latitude 20°N and thence the parallel of latitude 20°N to longitude 20°W;

on the west by the coast of the American continent;

on the south and east by the northern boundary of the Tropical Zone.

Seasonal periods :

TROPICAL : 1 November to 15 July

SUMMER : 16 July to 31 October

(2) In the Arabian Sea

An area bounded—

on the west by the coast of Africa, the meridian of longitude 45°E in the Gulf of Aden, the coast of South Arabia and the meridian of longitude 59°E in the Gulf of Oman;

on the north and east by the coasts of Pakistan and India ;  
on the south by the northern boundary of the Tropical Zone.

Seasonal periods :

TROPICAL : 1 September to 31 May

SUMMER : 1 June to 31 August.

(3) In the Bay of Bengal

The Bay of Bengal north of the northern boundary of the Tropical Zone.

Seasonal Periods :

TROPICAL : 1 December to 30 April

SUMMER : 1 May to 30 November.

(4) In the South Indian Ocean

(a) An area bounded—

on the north and west by the southern boundary or the Tropical Zone and the east coast of Madagascar ;

on the south by the parallel of latitude 20°S ;

on the east by the rhumb line from the point latitude 20°S, longitude 50°E, to the point latitude 15°S, longitude 51°30'E, and thence by the meridian of longitude 51°30'E to latitude 10°S.

Seasonal periods :

TROPICAL : 1 April to 30 November

SUMMER : 1 December to 31 March.

(b) An area bounded—

on the north by the southern boundary of the Tropical Zone ;

on the east by the coast of Australia ;

on the south by the parallel of latitude 15°S from longitude 51°30'E, to longitude 120°E and thence the meridian of longitude 120°E to the coast of Australia ;

on the west by the meridian of longitude 51°30'E.

Seasonal periods :

TROPICAL : 1 May to 30 November

SUMMER : 1 December to 30 April.

(5) In the China Sea

An Area bounded—

on the west and north by the coasts of Vietnam and Port of Sual (Luzon Island) and the west coasts of the Islands of Luzon, Samar and Leyte to latitude 10°N ;

on the south by the parallel of latitude 10°N.

Hong Kong and Sual are to be considered as being on the boundary of the Seasonal Tropical Area and Summer Zone.

Seasonal periods :

TROPICAL : 21 January to 30 April

SUMMER : 1 May to 20 January.

(6) In the North Pacific.

(a) An area bounded :—

on the north by the parallel of latitude 25°N ;  
on the west by the meridian of longitude 160°E ;  
on the south by the parallel of latitude 13°N ;  
on the east by the meridian of longitude 130°W.

Seasonal periods :

SUMMER : 16 July to 31 October.

SUMMER : 1 November to 31 March.

(b) An area bounded :—

on the north and east by the west coast of the American continent ;

on the west by the meridian of longitude 123°W from the coast of the American continent to latitude 33°N and by the rhumb line from the point latitude 33°N, longitude 123°W, to the point latitude 13°N, longitude 105°W ;

on the south by the parallel of latitude 13°N.

Seasonal Periods.

TROPICAL : 1 March to 30 June and 1 November to 30 November.

SUMMER : 1 July to 31 October and 1 December to 28/29 February.

(7) In the South Pacific.

(a) The Gulf of Carpentaria south of latitude 11°S.

Seasonal periods :—

TROPICAL : 1 April to 30 November.

SUMMER : 1 December to 31 March.

(b) An area bounded—

on the north and east by the southern boundary of the Tropical Zone ;

on the south by the Tropic of Capricorn from the east coast of Australia to longitude 150°W thence by the meridian of longitude 150°W to latitude 20°S and thence by the parallel of latitude 20°S to the point where it intersects the southern boundary of the Tropical Zone ; on the west by the boundaries of the area within the Great Barrier Reef included in the Tropical and by the east coast of Australia.

Seasonal periods :

TROPICAL : 1 April to 30 November.

SUMMER : 1 December to 31 March.

6. Summer Zones.

The remaining areas constitute the Summer Zones.

However, for ships of 100 metres (328 feet) and under in length, the area bounded :—

on the north and west by the east coast of the United States ;

on the east by the meridian of longitude 68°30'W from the coast of the United States to latitude 40°N and thence by the rhumb line to the point latitude 36°N, longitude 73°W ;

on the south by the parallel of latitude 36°N ; is a Winter Seasonal Area.

Seasonal periods :

WINTER : 1 November to 31 March.

SUMMER : 1 April to 31 October.

7. Enclosed Seas :

(1) Baltic sea.

This sea bounded by the parallel of latitude of the Skaw in the Skagerrak is included in the Summer Zones.

However, for ships of 100 metres (328 feet) and under in length, it is a Winter Seasonal Area.

Seasonal periods :

WINTER : 1 November to 31 March.

SUMMER : 1 April to 31 October.

(2) Black Sea.

This sea is included in the Summer Zones. However, for ships of 100 metres (328 feet) and under in length, the area north of latitude 44°N is a Winter Seasonal Area.

Seasonal periods :

WINTER : 1 December to 28/29 February.

SUMMER : 1 March to 30 November.

(3) Mediterranean :

This sea is included in the Summer Zones.

However, for ships of 100 metres (328 feet) and under in length, the area bounded :—

on the north and west by the coasts of France and Spain and the meridian of longitude 3°E from the Coast of Spain to latitude 40°N;

on the south by the parallel of latitude 40°N from longitude 3°E to the west coast of Sardinia;

on the east by the west and north coasts of Sardinia from latitude 40°N to longitude 9°E, thence by the meridian of longitude 3°E to the south longitude 9°E and thence by the rhumb line to Cape Sicir is a Winter Seasonal Area.

Seasonal periods.

WINTER : 16 December to 15 March.

SUMMER : 16 March to 15 December.

(4) Sea of Japan.

This sea south of latitude 50°N is included in the Summer Zones.

However, for ships of 100 metres (328 feet) and under in length, the area between the parallel of latitude 50°N and the rhumb line from the east coast of Korea at latitude 38°N to the west coast of Hokkaido, Japan, at latitude 43°N is a Winter Seasonal Area.

Seasonal periods :

WINTER : 1 December to 28/29 February.

SUMMER : 1 March to 30 November.

8. The Winter North Atlantic Load Line.

The part of the North Atlantic comprises :

(a) that part of the North Atlantic Winter Seasonal Zone II which lies between the meridians of 15°W and 50°W ;

(b) the whole of the North Atlantic Winter Seasonal Zone I, the Shetland Islands to be considered as being on the boundary.

[5-MSR(4)/75-MA.]

K. LALL, Under Secy.

(परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 22 मई, 1979

सां०का०वि० 798. महापत्तन न्याय अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 132 की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त अधिनियम की धारा 124 की उपधारा (2) के साथ पठित धारा 28 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए विभाजापत्तनम पत्तन के व्यासी मण्डल द्वारा निर्मित और आन्ध्र प्रदेश सरकार के तारीख 14 दिसम्बर, 1978 और 21 दिसम्बर, 1978 के राजपत्र में प्रकाशित विभाजापत्तनम पत्तन कर्मचारी (साधारण) (दूसरा संशोधन) विनियम, 1978 का अनुमोदन करती है।

[सं० पी०ई०वी० 30/79]

राम तिलक पाण्डेय, अवर सचिव,

(Transport Wing)

New Delhi, the 22nd May, 1979

G.S.R. 798.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 read with sub-section (1) of section 132 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approve of the regulations entitled 'the Visakhapatnam Port Employees' (Conduct) (Second Amendment) Regulations, 1978', made by the Board of Trustees of the Visakhapatnam Port in exercise of the powers conferred by section 28 read with sub-section (2) of section 124 of the said Act and published in the Andhra Pradesh Government Gazette dated the 14th December, 1978 and the 21st December, 1978

[No. PEV-30/79]

R. T. PANDEY, Under Secy.

नई दिल्ली, 24 मई, 1979

सां०का०वि०. 799. राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परामर्श द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और, परिवहन मंत्रालय (सड़क पक्ष) वर्ग 3 और वर्ग 4 पद वर्गीकरण नियम, 1965 को अधिकांश करते हुए, नौबहन और परिवहन मंत्रालय (सड़क पक्ष) के क्षेत्रीय कार्यालयों में अप्रयोजित पदों पर भर्तियों की पद्धति को विनियमित करने वाले विनियमित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का नाम नौबहन और परिवहन मंत्रालय (सड़क पक्ष) (समूह 'ग' और 'घ' पद) भर्ती नियम, 1979 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागू होना :—ये नियम इससे उपावद्ध अनुसूची के स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट नौबहन और परिवहन मंत्रालय के क्षेत्रीय कार्यालयों में अप्रयोजित पदों को लागू होंगे।

3. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनके वेतनमान वे होंगे जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अर्हताएं आदि :—उक्त पर्वों पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उनके संबंधित अन्य बातें होगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4क. अपरासी के रूप में नियुक्त किए गए व्यक्तियों का होम गार्ड के रूप में प्रशिक्षण पाने के लिए बायिल्व :—इन नियमों में किसी बात की होते हुए भी, इन नियमों के अधीन अपरासी के रूप में नियुक्त प्रत्येक व्यक्ति तीन वर्ष की अवधि के लिए होम गार्ड के रूप में प्रशिक्षण प्राप्त करेगा। परन्तु होम गार्ड का कमान्डेंट जनरल, प्रशिक्षण की अवधि के दौरान किसी व्यक्ति द्वारा प्राप्त प्रशिक्षण स्तर और सम्पादन को ध्यान में रखते हुए, प्रशिक्षण की अवधि को घटाकर दो वर्ष कर सकता है।

5. निरर्हताएं :—बहु व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो;

उक्त पर्वों में से किसी पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुशेष है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूब हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती।

6. नियम शिथिल करने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या वर्गों के व्यक्तियों या पर्वों की बाबत, आदेश द्वारा, शिथिल कर सकती।

7. व्याप्ति :—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे धारकों, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष वर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करने अपेक्षित है।

#### अनुसूची

पद का नाम	पर्वों की संख्या	वर्गीकरण	वैतनमान	चयन पद अथवा प्रचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
1. प्रधान लिपिक	9	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ग', (भराज-पत्रित) लिपिकवर्गीय	425-15-18-520 रु० व०रो०-15-560-20-700 रु०	अवयव	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए चिह्नित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होगी या नहीं	परिवीक्षा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की वशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	प्रोन्नति करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा	
8	9	10	11	12	13	
लागू नहीं होता	दो वर्ष	प्रोन्नति द्वारा जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा और दोनों के न हो सकने पर स्थानान्तरण द्वारा।	ऐसे उच्च श्रेणी लिपिकों में से प्रोन्नति, जिन्होंने अपनी श्रेणी में 5 वर्ष नियमित सेवा कर ली हो। प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण/स्थानान्तरण : केन्द्रीय या राज्य सरकार के कार्यालयों में समान या समतुल्य श्रेणी में कार्यरत व्यक्ति या उ०श्रे०लि० पद धारण करने वाले ऐसे व्यक्ति, जिन्होंने नियमित आधार पर पांच वर्ष सेवा कर ली है। (प्रतिनियुक्ति की अवधि साधारणतया 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी।	समूह 'ग' विभागीय प्रोन्नति समिति जिसमें, निम्न-लिखित होंगे :— 1. उप सचिव (सड़क)—अध्यक्ष 2. अवर सचिव (प्रशासन)—सदस्य 3. अवर सचिव (सड़क मशीनरी)—सदस्य	लागू नहीं होता	

1	2	3	4	5	6	7
2. ग्राशुलिपिक श्रेणी 2	14	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ग' अराज- पत्रित, लिपिकवर्गीय	425-15-500 रु० रो०-15-560-20- 700-रु०-रो०-25- 800 रु०	चयन	18-28 वर्ष (सरकारी सेवकों के लिए शिथिल करके 35 वर्ष की जा सकती है।	(1) सरकार से मान्यता प्राप्त बोर्ड/विश्वविद्यालय से मैट्रि- कुलेशन या उसके समतुल्य अर्हता। (2) ग्राशुलिपिक में गति—प्रति मिनट कम से कम 120 शब्द। (3) टंकण में गति—प्रति मिनट कम से कम 40 शब्द। (4) किसी सरकारी विभाग/अर्ध सरकारी संगठन या किसी ख्याति प्राप्त वाणिज्यिक संग- ठन में ग्राशुलिपिक के रूप में कम से कम 3 वर्ष का व्याव- हारिक अनुभव।
3. ग्राशुलिपिक श्रेणी 3	20	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ग', अराज- पत्रित लिपिकवर्गीय	330-10-380-रु० रो०-12-500-रु० रो०-15-560 रु०	लागू नहीं होता।	18-25 वर्ष सरकारी सेवकों के लिए शिथिल करके 35 वर्ष तक की जा सकती है।	(1) सरकारी की ओर से मान्यता प्राप्त किसी बोर्ड/विश्वविद्यालय से मैट्रिकुलेशन या उसके सम- तुल्य। (2) ग्राशुलिपि में गति—प्रति मिनट 80 शब्द। (3) टंकण में गति—प्रति मिनट 40 शब्द।

8	9	10	11	12	13
मायु—नहीं अर्हताएं—हां	दो वर्ष	(1) 50 प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा, जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा। (2) 50 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा।	प्रोन्नति : श्रेणी 3 का ऐसा ग्राशुलिपिक, जिसने उस में 5 वर्ष सेवा कर ली है।	समूह 'ग' विभागीय प्रोन्नति समिति में निम्नलिखित होंगे :— 1. उप सचिव (सड़क)— अध्यक्ष। 2. अवर सचिव (प्रशा- सन)—सदस्य 3. अवर सचिव (सड़क मशीनरी)—सदस्य।	लागू नहीं होता
लागू नहीं होता	दो वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा, जिसके न हो सकने पर स्थानान्तरण द्वारा और दोनों के न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्था- नान्तरण द्वारा।	स्थानान्तरण/प्रतिनियुक्ति : केन्द्रीय/राज्य सरकार के किसी विभाग में समान या सम- तुल्य श्रेणियों में कार्यरत व्यक्ति (प्रतिनियुक्ति की अवधि साधारणतया 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)।	समूह 'ग' विभागीय प्रोन्नति समिति में निम्नलिखित होंगे :— 1. उप सचिव (सड़क)— अध्यक्ष। 2. अवर सचिव (प्रशा०)—सदस्य 3. अवर सचिव (सड़क मशीनरी)—सदस्य।	लागू नहीं होता



1	2	3	4	5	6	7
4. उच्च श्रेणी लिपिक	9	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ग' (अराज-पक्षित, लिपिकवर्गीय)	330-10-380-द० रो०-12-500-द० रो०-15-560 द०	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
5. निम्न श्रेणी लिपिक	19	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ग' (अराज-पक्षित) लिपिकवर्गीय	260-6-290-द० रो० 6-326-8-366- द० रो०-8-390- 20-400 द०	लागू नहीं होता	18—25 वर्ष (सरकारी सेवकों के लिए शिथिल करके 35 वर्ष तक की जा सकती है)	(1) मेडिकलेशन या उसके समतुल्य ग्रहण । (2) टंकण में गति—प्रति मिनट 30 शब्द ।

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	दो वर्ष	(1) 75 प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा (2) 25 प्रतिशत सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा, जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा । (3) उक्त (1) और (2) के न हो सकने पर, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा ।	ज्येष्ठता के आधार पर प्रोन्नति : निम्न श्रेणी लिपिकों में से जिन्होंने अपनी श्रेणी में 8 वर्ष सेवा कर ली है । सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम पर प्रोन्नति ऐसे निम्न श्रेणी लिपिकों तक सीमित रहेगी जिन्होंने सड़क पक्ष के क्षेत्रीय कार्यालयों में अपनी श्रेणी में कम से कम 5 वर्ष नियमित सेवा कर ली है । प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : केन्द्रीय/राज्य सरकार के अन्य कार्यालयों में सवृष/समतुल्य पदों पर कार्यरत व्यक्ति (प्रतिनियुक्ति की अवधि साधारणतया 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)	समूह 'ग' विभागीय प्रोन्नति समिति में निम्नलिखित होंगे :— 1. उप सचिव (सड़क)— अध्यक्ष 2. अवर सचिव (प्रशा०)— सदस्य 3. अवर सचिव (सड़क मशीनरी)—सदस्य	लागू नहीं होता
लागू नहीं होता	दो वर्ष	(1) 90 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा (2) 10 प्रतिशत स्थानान्तरण द्वारा	स्थानान्तरण रिक्त स्थानों में से 10 प्रतिशत पद भारक्षित रहेंगे, जो निम्न-लिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, सड़क पक्ष के क्षेत्रीय कार्यालयों के समूह 'घ' कर्मचारियों से भरे जाएंगे, अर्थात् (1) न्यून विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा किया जाएगा जो समूह 'घ' के उन कर्मचारियों तक सीमित रहेगा जो अपेक्षित न्यूनतम शैक्षिक ग्रहण/ए जैसे मेडिकलेशन या उसके समतुल्य रखते हों । (2) इस परीक्षा के लिए आयु सीमा 45 वर्ष होगी । (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों के लिए 50 वर्ष) (3) इस प्रक्रिया द्वारा प्रोन्नत व्यक्तियों की अधिकतम संख्या, निम्न श्रेणी लिपिकों के काडर में संबंधित वर्ष के दौरान होने वाले रिक्त स्थानों के 10 प्रतिशत तक सीमित रहेगी, यदि कोई स्थान रिक्त रह जाते हैं तो वे अगले वर्ष में नहीं भरे जाएंगे ।	समूह 'ग' विभागीय प्रोन्नति समिति में निम्नलिखित होंगे :— 1. उप सचिव (सड़क)— अध्यक्ष 2. अवर सचिव (प्रशा०)— सदस्य 3. अवर सचिव (सड़क मशीनरी)—सदस्य	लागू नहीं होता

1	2	3	4	5	6	7
6. प्रयोगशाला सहायक	1 माधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ग' (अराज-पत्रित) प्रलिपिक-बर्गीय	380-12-500-५०० रो० -15-560 रु०	अन्योन	25 वर्ष (सरकारी सेवकों के लिए शिथिल करके 35 वर्ष तक की जा सकती है)	1. आवश्यक : विज्ञान में उपाधि तथा प्रयोगशाला का एक वर्ष का व्यावहारिक अनुभव । 2. बांछनीय : इंजीनियरी सामग्री से संबंधित, प्रयोगशाला कार्य में एक वर्ष का अनुभव ।	
7. कनिष्ठ प्रयोग-शाला सहायक	1 माधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ग' (अराज-पत्रित) प्रलिपिक-बर्गीय	280-8-300-५०० रो०-8-340-10-380-५०० रो०-10-430-५००	लागू नहीं होता	25 वर्ष (सरकारी सेवकों के लिए शिथिल करके 35 वर्ष तक की जा सकेगी )	1. आवश्यक : विज्ञान विषयों सहित उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण या समतुल्य और किसी प्रयोगशाला में एक वर्ष का अनुभव या विज्ञान में उपाधि । 2. बांछनीय : इंजीनियरी सामग्री से संबंधित प्रयोगशाला कार्य में अनुभव ।	
8	9	10	11	12	13	
लागू नहीं होता	दो वर्ष	प्रोन्नति द्वारा, जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण द्वारा और दोनों के न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा ।	प्रोन्नति : ऐसे कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायकों में से, जिन्होंने अपनी श्रेणी में 8 वर्ष नियमित सेवा कर ली प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण : केन्द्रीय/राज्य सरकार के अधीन सद्यः/समतुल्य पद धारण करने वाले व्यक्ति, जिनके पास सीधी भर्ती के लिए विहित आवश्यक प्रहस्ताए हैं ( प्रतिनियुक्ति की अवधि साधारणतया 5 वर्ष से अधिक नहीं होगी ।	समूह 'ग' विभागीय प्रोन्नति समिति में निम्नलिखित होंगे :— 1. अपर महाविदेशक (पुल)—अध्यक्ष 2. अपर महाविदेशक (सड़क) —सदस्य 3. मुख्य इंजीनियर और प्रशासक—बाहरी सदस्य 4. मुख्य इंजीनियर (मो०) —सदस्य 5. अपर सचिव (प्रशा०) —सदस्य	लागू नहीं होता	
लागू नहीं होता	दो वर्ष	100 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	समूह 'ग' विभागीय प्रोन्नति समिति में, निम्नलिखित होंगे :— 1. अपर महाविदेशक (पुल) —अध्यक्ष 2. अपर महाविदेशक (सड़क) —सदस्य 3. मुख्य इंजीनियर और प्रशासक—बाहरी सदस्य 4. मुख्य इंजीनियर (मो०) (प्रशा०) —सदस्य 5. अपर सचिव (प्रशा०) —सदस्य	लागू नहीं होता	

1	2	3	4	5	6	7
8. विद्युत प्रचालक	2	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ग' (अराज-पक्षित) अलिपिकवर्गीय	260-6-326-द०रो०-8-350 रु०	लागू नहीं होता	18-30 वर्ष (सरकारी सेवकों के लिए शिथिल करके 35 वर्ष तक की जा सकती है)	मैट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य भाग 1(क), 1(ख), 2 और 4 में, विद्युत अनुशासन जोड़ से कर्मकार अनुशासन
9. यांत्रिक प्रचालक	1	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ग' (अराज-पक्षित) अलिपिकवर्गीय	260-6-326-द०रो०-8-350 रु०	लागू नहीं होता	18-30 वर्ष (सरकारी सेवकों के लिए शिथिल करके 35 वर्ष तक की जा सकती है)	मैट्रिकुलेशन या उसके समतुल्य तथा किसी मान्यताप्राप्त कर्मशाला में फिटर के रूप में 3 वर्ष का अनुभव
10. सड़क प्रचालक (रोड अपरेटर)	1	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ग' (अराज-पक्षित) अलिपिकवर्गीय है	260-6-326-द०रो०-8-350 रु०	लागू नहीं होता	18-30 वर्ष (सरकारी सेवकों के लिए शिथिल करके 35 वर्ष तक की जा सकती है )	मैट्रिकुलेशन और सड़क संबंधी कार्य में 3 वर्ष का अनुभव

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	दो वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	समूह 'ग' विभागीय प्रोन्नति समिति में निम्नलिखित होंगे :--- 1. अधर महानिदेशक (पुल) —अध्यक्ष 2. अधर महानिदेशक (सड़क) —सदस्य 3. मुख्य इंजीनियर और प्रशासक—बाहरी सदस्य 4. मुख्य इंजीनियर (मो०) —सदस्य 5. अधर सचिव (प्रशा०) —सदस्य	लागू नहीं होता
लागू नहीं होता	दो वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	समूह 'ग' विभागीय प्रोन्नति समिति में निम्नलिखित होंगे:— 1. अधर महानिदेशक (पुल) —अध्यक्ष 2. अधर महानिदेशक (सड़क) —सदस्य 3. मुख्य इंजीनियर और प्रशासक—बाहरी सदस्य 4. मुख्य इंजीनियर (मो०) —सदस्य 5. अधर सचिव (प्रशा०) —सदस्य	लागू नहीं होता
लागू नहीं होता	दो वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	समूह 'ग' विभागीय प्रोन्नति समिति में निम्नलिखित होंगे :— 1. अधर महानिदेशक (पुल) —अध्यक्ष 2. अधर महानिदेशक (सड़क) —सदस्य 3. मुख्य इंजीनियर और प्रशासक—बाहरी सदस्य 4. मुख्य इंजीनियर (मो०) —सदस्य 5. अधर सचिव (प्रशा०) —सदस्य	लागू नहीं होता

1	2	3	4	5	6	7
11. स्टाफकॉर डाइरेक्टर	27	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ग' भराजपत्रित प्रतिपक्षकर्मीय	260-6-290-द०रो०- 6-326-द०रो०-8- 390-10-400 रु०	लागू नहीं होता	18-25 वर्ष (सरकारी सेवकों के लिए शिथिल करके 35 वर्ष तक की जा सकती है)	आवश्यक : मोटर चलाने, मोटर यान्त्रिकी में आवधिक कौशल और उसके प्राप्त मोटर चलाने को विधिमान्य अनुज्ञाति हो । वांछनीय : मिडिल स्कूल स्तर उत्तीर्ण लागू नहीं होता
12. दफ्तरी	2	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ब' भराजपत्रित	200-3-206-4-234- द०रो०-4-250 रु०	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	
13. अपरासी	30	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ब' भराजपत्रित	196-3-220-द०रो०- 3-232 रु०	लागू नहीं होता	18-25 वर्ष (सरकारी सेवकों के लिए शिथिल करके 35 वर्ष तक की जा सकती है)	मिडिल स्कूल उत्तीर्ण

8	9	10	11	12	13
आयु : नहीं अर्हता : हाँ	दो वर्ष	प्रतिनियुक्ति द्वारा जिसके तहत सकने पर सीधी भर्ती द्वारा	स्थानान्तरण : पद के लिए पर्याप्त उपयुक्तता को ध्यान में रखते हुए लिए गए मोटर चलान-परिक्षण के परिणाम के आधार पर नौबत और परिक्षण मंत्रालय (सड़क पक्ष) के क्षेत्रीय कार्यालयों के नियमित रूप से नियुक्त समूह 'ब' के ऐसे कर्मचारियों में से स्था- नान्तरण द्वारा जिनके पास स्वयम् 7 में उल्लिखित अर्ह- ताएं हैं ।	समूह 'ग' विभागीय प्रोन्नति समिति में निम्नलिखित होंगे : 1. अपर महाविशेषक (मुख्य) अध्यक्ष 2. अपर महाविशेषक (सड़क) सदस्य 3. मुख्य इंजीनियर और प्रशासक-बाहरी सदस्य 4. मुख्य इंजीनियर (मो०) सदस्य 5. अपर सचिव-(प्रशा०) सदस्य	लागू नहीं होता
लागू नहीं होता	दो वर्ष	प्रोन्नति द्वारा	प्रोन्नति : अपरासी, जिन्होंने अपनी श्रेणी में 3 वर्ष नियमित सेवा कर ली है।	समूह 'ब' विभागीय प्रोन्नति समिति निम्नलिखित होंगे 1. अपर सचिव (स्थापना) अध्यक्ष 2. अपर सचिव (प्रशा०) सदस्य 3. अपर सचिव, श्रम मंत्रा- लय—सदस्य	लागू नहीं होता
लागू नहीं होता	दो वर्ष	(1) 75 प्रतिशत सीधी भर्ती (2) द्वारा (2) 25 प्रतिशत स्थानान्तरण द्वारा	स्थानान्तरण : 25 प्रतिशत रिक्तिया ऐसे आइकशो, कारायां, चौकावारो में स्थानान्तरण द्वारा भरा जाएंगी जिन्होंने कम से कम पांच वर्ष सेवा कर ली है, चाहे उनके पास पद पर सीधी भर्ती के लिए विहित अर्हताएं नहीं हैं किन्तु जो मामूलीतौर से पद निभाने में सक्षम हैं और जो अंग्रेजी या हिन्दी या प्रादेशिक भाषा पढ़ने की योग्यता का सबूत दे सकते हैं।	समूह 'ब' विभागीय प्रोन्नति समिति में निम्नलिखित होंगे :— 1. अपर सचिव (प्रशा०) —अध्यक्ष 2. अपर सचिव प्रशा० —सदस्य 3. अपर सचिव, श्रम मंत्रा - लय—सदस्य	लागू नहीं होता

1	2	3	4	5	6	7
14. फराश	5	समूह 'घ' अराजपत्रित	196-3-220-द०रो०- 3-232 रु०	लागू नहीं होता	18-25 वर्ष	काम में एक वर्ष का अनुभव
15. चौकीदार	5	समूह 'घ' अराजपत्रित	196-3-220-द०रो०- 3-232 रु०	लागू नहीं होता	18-25 वर्ष	काम में एक वर्ष का अनुभव
16. झटुकन	2	समूह 'घ' अराजपत्रित	196-3-220-द०रो०- 3-232 रु०	लागू नहीं होता	18-25 वर्ष	काम में एक वर्ष का अनुभव
टिप्पण प्रत्येक मामले में स्तंभ 6 में उल्लिखित आयु सीमा अध्यागत करने के लिए निर्णायक तारीख भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों में (उनसे भिन्न जो अल्पमान और निकोबार द्वीपसमूह तथा लक्ष द्वीप में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी। ऐसे पदों की भांति, जिन पर नियुक्ति राजगार कार्यालय के माध्यम से की जाती है, प्रत्येक मामले में प्रायु सीमा अध्यागत करने की निर्णायक तारीख अथवा तारीख होगी जिस तक राजगार कार्यालय में नाम भेजने का विवरण कहा गया है।						
8	9	10	11	12	13	
लागू नहीं होता	2 वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	समूह 'घ' विभागीय प्रोन्नति समिति में निम्नलिखित होंगे	लागू नहीं होता	
				1. अवर सचिव (स्थापन)		
				—प्रशिक्ष		
				3. अवर सचिव (प्रशा०)		
				—मदस्य		
				3. अवर सचिव, अम सञ्चालन		
				लय—मदस्य		
लागू नहीं होता	2 वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	समूह 'घ' विभागीय प्रोन्नति समिति में निम्नलिखित होंगे :	लागू नहीं होता	
				1. अवर सचिव (स्थापन)		
				—प्रशिक्ष		
				2. अवर सचिव (प्रशा०)		
				—मदस्य		
				3. अवर सचिव, अम सञ्चालन		
				लय—मदस्य		
लागू नहीं होता	2 वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	समूह 'घ' विभागीय प्रोन्नति समिति में निम्नलिखित होंगे :	लागू नहीं होता	
				1. अवर सचिव (स्थापन)		
				—प्रशिक्ष		
				2. अवर सचिव (प्रशासन)		
				—मदस्य		
				3. अवर सचिव, अम सञ्चालन		
				लय—मदस्य		

[फा० सं० ए II-2 (23)/76]

एम० रामचन्द्र राज, अवर सचिव

New Delhi, the 24th May, 1979

**G.S.R. 799.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, and in supersession of the ministry of Transport (Roads Wing) Class III and Class IV posts Recruitment Rules, 1965, the President hereby makes the following rules regulating the method or recruitment to the excluded posts in the Regional Offices of the Ministry of Shipping and Transport (Roads Wing), namely:-

1. (1) Short title and commencement.—The rules may be called the Ministry of Shipping and Transport (Roads Wing) (Group 'C' and 'D' posts) Recruitment Rules, 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official gazette.

2. Application.—These rules shall apply to the excluded posts in the Regional Offices of the Ministry of Shipping and Transport (Roads Wing) specified in column 1 of the Schedule annexed to these rules.

3. Number, classification and scale of pay:—The number of the said posts, their classification and scales of pay attached thereto, shall be specified in columns 2 to 4 of the Schedule aforesaid.

4. Method of recruitment, age limit and other qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said posts shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

4A. Liability of persons appointed as peons to undergo training as Home Guards.—Notwithstanding anything contained in these rules, every person appointed as a peon under these rules shall undergo training as a Home Guard for a period of three years :

Provided that the Commandant General, Home Guards, may having regard to the performance of and standard of training achieved by, any person during the period of training, reduce such period to two years.

5. Disqualifications.—No person,

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for any of the said posts :

Provided that the Central Government, may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and other party to the marriage and that there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, or

may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons or posts.

7. Savings.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

#### SCHEDULE

Name of Post	No. of posts	Classification	Scale of Pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits.
1	2	3	4	5	6	7
1. Head Clerk	9	General Central Service Group 'C' (non-gazetted) Ministerial	Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700	Non-selection	Not Applicable.	Not Applicable.
2. Stenographer Grade II	14	General Central Service, Group 'C' Non-gazetted Ministerial	Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700-EB-25-800.	Selection	18-28 years (relaxable for Government servants upto 35 years)	(i) Matriculation or its equivalent qualification from a Government recognised Board/University. (ii) Minimum speed of 120 w.p.m. in Shorthand. (iii) Minimum speed of 40 w.p.m. in typewriting. (iv) Practical experience as stenographer of at least 3 years in a Government Department/ Semi-Government organisation or in a commercial organisation of repute.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees.	Period of probation	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In the case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made.	If a DPC exists what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment.
8	9	10	11	12	13
Not applicable	2 years	Promotion failing which by transfer on deputation and failing both, by transfer.	Promotion from amongst the UDCs having 5 year's regular service in the grade. Transfer on deputation/transfer Persons working in similar or equivalent grade in other Central/State Offices or holding posts of UDC on regular basis for at least 5 years (period of deputation ordinarily not exceeding 3 years).	Group 'C' Departmental promotion Committee consisting of : 1. Deputy Secretary (Roads)—Chairman 2. Under Secretary (Admn.)—Member. 3. Under Secretary (Road Machinery)—Member.	Not Applicable.
Age : No Qualification : Yes	2 years	(i) 50% by promotion failing which by direct recruitment. (ii) 50% by direct recruitment.	Promotion From the stenographer Grade III with 5 years' service in the grade.	Group 'C' Departmental Promotion Committee consisting of : 1. Deputy Secretary (Roads)—Chairman 2. Under Secretary (Admn.)—Member. 3. Under Secretary (Road Machinery)—Member	Not Applicable.

1	2	3	4	5	6	7
3. Stenographer Grade III	20	General Central Service Group 'C' (non-gazetted) Ministerial	Rs.330-10-380-EB-12-500-EB-15-560	Not Applicable	18-25 years (relaxable for Government servants upto 35 years)	(i) Matriculation or its equivalent from a Government recognised Board/University. (ii) Minimum speed of 80 w.p.m. in shorthand. (iii) Minimum speed of 40 w.p.m. in typewriting.
4. Upper Division Clerk	9	General Central Service Group 'C' (non-gazetted) Ministerial	Rs.330-10-380-EB-12-500-EB-15-560	Non-selection	Not applicable.	Not applicable.

8	9	10	11	12	13
Not applicable	2 years	By direct recruitment failing which by transfer, and failing both by transfer on deputation	Transfer/Deputation : Persons working in similar or equivalent grades in the Central/State Government department (period of deputation ordinarily not exceeding 3 years)	Group 'C' Departmental Promotion Committee consisting of : 1. Deputy Secretary (Roads)—Chairman 2. Under Secretary (Admn.)—Member. 3. Under Secretary (Road Machinery)—Member.	Not applicable
Not applicable.	2 years	(i) 75% by promotion, (ii) 25% through limited departmental competitive examination failing which by promotion. (iii) Failing (i) and (ii) by transfer on deputation.	Promotion on the basis of Seniority from amongst the DLCs having 8 years' service in the grade. Promotion on the results of limited departmental competitive examination will be confined to Lower Division clerks who have rendered not less than 5 years' regular service in the grade in the regional offices of the Roads Wing. Transfer on Deputation : Persons working in analogous/equivalent posts in other central/State Government offices (Period of deputation ordinarily not exceeding 3 years.)	Group 'C' Departmental Promotion Committee consisting of : 1. Deputy Secretary (Roads)—Chairman 2. Under Secretary (Admn.)—Member. 3. Under Secretary (Road Machinery)—Member.	Not applicable

1	2	3	4	5	6	7
5. Lower Division Clerk	19	General Central Services Group 'C' (non-gazetted) Ministerial	Rs.260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400	Not Applicable.	18-25 years (relaxable for Government servants upto 35 years)	(i) Matriculation or its equivalent qualification. (ii) Minimum speed of 30 w.p.m. in typewriting.
6. Senior Laboratory Assistant	1	General Central Service, Group 'C' (non-gazetted) Non-Ministerial	Rs.380-12-500-EB-EB-15-560.	Non-Selection	25 years (relaxable for Government servants upto 35 years)	1. Essential : Degree in Science with 1 year's practical experience in a laboratory. 2. Desirable : One year's experience in Laboratory work in Engineering materials.
8	9	10	11	12	13	
Not Applicable	2 years	(i) 90% by direct recruitment. (ii) 10% by transfer	Transfer : 10% of the vacancies will be reserved for being filled by Group 'D' employees in the Regional Offices of the Roads Wing subject to the following conditions :—  (i) Selection would be made through a departmental competitive examination . confined to Group 'D' employees who fulfill the requirements of minimum educational qualifications viz. matriculation or its equivalent.  (ii) the maximum age for this examination would be 45 years (50 years for SC/ST employees)  (iii) the maximum number of promotees by this method would be limited to 10% of the vacancies in the cadre of Lower Division Clerks occurring in a year; unfilled vacancies would not be carried over to the next year.	Group 'C' Departmental promotion Committee consisting of : 1. Deputy Secretary (Roads)—Chairman 2. Under Secretary (Admn.)—Member. 3. Under Secretary (Roads Machinery )—Member.	Not applicable	
Not applicable.	2 years	By promotion, failing which by transfer on deputation, and failing both by direct recruitment.	Promotion : From amongst Junior Laboratory Assistants with 8 years' regular service in the grade.  Transfer on deputation : Persons holding analogous/ equivalent posts under the Central/State Government and possessing essential qualifications prescribed for direct recruitment (period of deputation ordinarily not exceeding 3 years.)	Group 'C' Departmental Promotion Committee consisting of : 1. Addl. Director General (Bridges)—Chairman. 2. Addl. Director General (Roads)—Member. 3. Under Secretary (Adm)—Member. 4. Chief Engineer & Administrator—Outside—Member. 5. Chief Engineer (Mon)—Member.	Not applicable	



1	2	3	4	5	6	7
7. Junior Laboratory Assistant	1	General Central Service-Group 'C' (non-gazetted) non-Ministerial	Rs.260-8-300-EB-8-340-10-380-EB-10-430	Not applicable	25 years (relaxable for Government servants upto 35 years)	1. Essential : Higher Secondary pass with Science group or equivalent with 1 year's experience in a laboratory or a Degree in Science. 2. Desirable Experience in Laboratory work in Engineering materials.
8. Electrical Operator	2	General Central Service Group 'C' (non-gazetted) non-Ministerial	Rs. 260-6-326-EB-8-350	Not applicable	18-30 years (Relaxable for Govt. servants upto 35 years)	Matriculation or its equivalent; workmen's permit from Electrical licensing Board in part 1(a), 1(b), II and IV.
9. Mechanical Operator	1	General Central Service Group 'C' (non-gazetted) non-ministerial	Rs. 260-6-326-EB-8-350.	Not applicable.	18-30 years (relaxable for Government servants upto 35 years)	Matriculation or its equivalent with 3 years' experience as a fitter in a recognised workshop.
8	9	10	11	12	13	
Not applicable	2 years	100% by direct recruitment.	Not applicable	Group 'C' Departmental Promotion Committee consisting of : 1. Addl. Director General (Bridges)—Chairman. 2. Addl. Director General (Roads)—Member. 3. Under Secretary (Admn.)—Member. 4. Chief Engineer & Administrator—Outside Member. 5. Chief Engineer (Mon)—Member.	Not applicable.	
Not applicable	2 years	Direct Recruitment	Not applicable.	Group 'C' Departmental Promotion Committee consisting of : 1. Addl. Director General (Bridges)—Chairman 2. Addl. Director General (Roads)—Member 3. Under Secretary (Admn.)—Member 4. Chief Engineer & Administrator —Outside Member 5. Chief Engineer (Mon) —Member	Not applicable	
Not applicable	2 years	Direct Recruitment	Not applicable.	Group 'C' Departmental Promotion Committee consisting of :— 1. Adl. Director General (Bridges)—Chairman 2. Addl. Director General (Road)—Member 3. Under Secretary (Admn.) —Member 4. Chief Engineer & Administrator —Outside Member 5. Chief Engineer (Mon) —Member		

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
10. Road Operator	1	General Central Service Group 'C' (non-gazetted), non-Ministerial	Rs. 260-6-326-EB-8-350	Not applicable	18-30 years (Relaxable for Govt. servants upto 35 years)	Matriculation with 3 years' experience in road work.
11. Staff Car Driver	27	General Central Service Group 'C' (non-gazetted), non-Ministerial	Rs. 260-6-290-EB-6-326-EB-8-390-10-400	Not applicable	18-25 years (Relaxable for Government servants upto 35 years).	Essential: Professional skill in driving, motor mechanism and possession of valid driving licence. Desirable: Middle School standard pass
12. Daftry	2	General Central Service Group 'D' (non-gazetted)	Rs. 200-3-206-4-234-EB-4-250	Not applicable	Not applicable	Not applicable.

(8)	(9)	(10)	(11)	(12)	(13)
Not applicable	2 years	Direct recruitment.	Not applicable.	Group 'C' Departmental Promotion Committee consisting of :— 1. Addl. Director General (Bridges) —Chairman 2. Addl. Director General (Roads) —Member 3. Under Secretary (Admn.) —Member 4. Chief Engineer & Administrator —Outside —Member 5. Chief Engineer (Mon) —Member	Not applicable.
Age : No Qualification : Yes	2 years	By transfer, failing which by direct recruitment	Transfer : From amongst the regularly appointed Group 'D' employees of the Regional offices of the Ministry of Shipping & Transport (Roads Wing) on the results of a test in driving designed to adequate suitability for the post and possessing the qualifications mentioned in Col. 7.	Group 'C' Departmental Promotion Committee consisting of :— 1. Addl. Director General (Bridges) —Chairman. 2. Addl. Director General (Roads) —Member 3. Under Secretary (Admn.) —Member 4. Chief Engineer & Administrator —Outside Member 5. Chief Engineer (Mon) —Member	Not applicable
Not applicable.	2 years	By promotion.	Promotion : Peons with 3 Years' regular service in the grade.	Group 'D' Departmental Promotion Committee consisting of :— 1. US (E) —Chairman 2. US (A) —Member 3. Under Secretary, M/O Labour —Member	Not applicable.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
13. Peon	30	General Central Service Group "D" (Non-gazetted)	Rs. 196-3-220-EB-3-232	Not applicable.	18-25 years (Relaxable for Govt. servants upto 35 years)	Middle school pass.
14. Farash	5	Group "D" non-gazetted.	Rs. 196-3-220-EB-2-232	Not applicable.	18-25 years.	One years' experience in the job
15. Chowkidar	5	Group "D" Non-gazetted.	Rs. 196-3-220-EB-2-232	Not applicable.	18-25 years	One year's experience in the job.
16. Sweeper	2	Group "D" Non-gazetted	Rs. 196-3-220-EB-3-232	Not-applicable.	18-25 years.	One year's experience in the job.

NOTE : The crucial date for determining the age mentioned in col. 6 of the Recruitment Rules will in each case, be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep).

In respect of posts, the appointments to which are made through the Employment Exchanges, the crucial date for determining the age limit will, in each case, be the last date upto which the Employment Exchange are asked to submit the names.

(8)	(9)	(10)	(11)	(12)	(13)
Not applicable.	2 years	(i) 75% by direct recruitment. (ii) 25% by transfer.	Transfer : 25% vacancies by transfer from sweepers farashes, chowkidars who have put in minimum of 5 years' of service and who may not be possessing the qualifications prescribed for direct recruitment for the post but who may possess elementary literacy and give proof of ability to read either English or Hindi or Regional language	Group 'D' Departmental Promotion Committee consisting of :— 1. US (E) —Chairman 2. US (A) —Member 3. Under Secy. M/O Labour —Member	
Not applicable	2 years	Direct recruitment.	Not applicable.	Group 'D' Departmental Promotion Committee consisting of :— 1. US (E) —Chairman 2. US (A) —Member 3. Under Secy. M/O Labour —Member	Not applicable.
Not applicable	2 years	Direct recruitment.	Not applicable.	Group 'D' Departmental Promotion Committee consisting of :— 1. US (E) —Chairman. 2. US(A) Member 3. Under Secy. M/O Labour —Member	Not applicable
Not applicable.	2 years	Direct recruitment.	Not applicable	Group 'D' Departmental Promotion Committee consisting of :— 1. US (E) —Chairman 2. US (A) —Member 3. Under Secy. M/O Labour —Member	Not applicable

[File No. AII-2(23)/76]

S. RAMACHANDRA RAO, Under Secy.

नई दिल्ली, 25 मई, 1979

New Delhi, the 25th May, 1979

सां० का० नि० 800.—कोचीन बन्दरगाह यान (संशोधन) नियम, 1978 में का प्ररूप, भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 6 की उपधारा (2) की अपेक्षानुसार भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3(1), तारीख 13 जनवरी, 1978 पृष्ठ 144 पर भारत सरकार के नौवहन और परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) की तारीख 26 अक्टूबर, 1978 की अधिसूचना सं० 55 के अधीन प्रकाशित किया गया था और राजपत्र में उक्त अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से पैंतालीस दिन की अवधि के भीतर उन सभी व्यक्तियों से आपत्तियां या सुझाव मांगे गए थे जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी ;

और, उक्त राजपत्र तारीख 22 जनवरी, 1979 का जनता को उपलब्ध करा दिया गया था ;

अतः अब केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के खण्ड (ट) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :-

1. (1) इन नियमों का नाम कोचीन बन्दरगाह यान (संशोधन) नियम, 1979 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. कोचीन बन्दरगाह यान नियम, 1947 में :-

(1) नियम 22 के उपनियम (3) में निम्नलिखित परन्तुक जोड़ा जाएगा, अर्थात् :-

“परन्तु उप-नियम संरक्षक ऐसा कोई अनुज्ञप्ति तब तक रद्द नहीं करेगा जब तक कि बन्दरगाह यान के स्वामी को सुनवाई का युक्तियुक्त अवसर नहीं दे दिया जाता।”

(2) नियम 22क में निम्नलिखित परन्तुक जोड़ा जाएगा, अर्थात् :-

“परन्तु किसी व्यक्ति पर ऐसा कोई जुर्माना तब तक नहीं किया जाएगा जब तक कि उसे सुनवाई का युक्तियुक्त अवसर नहीं दिया जाता।”

(3) नियम 25 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :-

“25. स्वामी को उसके यान पर उसके द्वारा नियोजित टिडल या कर्मियों के किसी अन्य सदस्य के कार्यों के लिए जिम्मेदारी :-

यान का स्वामी, इन नियमों के उपबन्धों के अधीन यान चलाते समय, अपने यान पर उसके द्वारा नियोजित टिडल या कर्मियों के किसी अन्य सदस्य के किसी कार्य के लिए जिम्मेदार होगा ;

(4) नियम 26 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :-

“26 अनुज्ञप्ति का प्रतिसंहरण :- यदि उप-नियम संरक्षक की राय में किसी अनुज्ञप्ति बन्दरगाह यान का स्वामी या टिडल या कर्मियों का कोई सदस्य इन नियमों के किसी उपबन्ध का उल्लंघन करता है तो वह किसी ऐसी अन्य कार्रवाई पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना जो ऐसे उल्लंघन को बाधते ऐसे स्वामी के विरुद्ध की जा सकती हो, स्वामी द्वारा धारित सभी अनुज्ञप्तियों या उसमें से किसी को, रद्द कर सकेगा :

परन्तु उप-नियम संरक्षक द्वारा इस नियम के अधीन ऐसी अनुज्ञप्ति (अनुज्ञप्तियां) तब तक रद्द नहीं की जाएगी (जाएंगी) जब तक कि अनुज्ञप्ति बन्दरगाह यान के स्वामी को सुनवाई का अवसर नहीं दे दिया जाता।”

[पी जी एल-51/58]

मुदगोन वसुदेव, उप-सचिव

G.S.R. 800.—Whereas the draft of the Cochin Harbour Craft (Amendment) Rules, 1978, was published as required by sub-section (2) of section 6 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908), at pages 144-145 of the Gazette of India, Part II, Section 3(i), dated the 13 January, 1979, under the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Transport wing), G.S.R. 55, dated 26 December 1978, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby till the expiry of a period of forty-five days from the date of publication of the said notification in the Official Gazette ;

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 22nd January, 1979 ;

And whereas the objections and suggestions received have been considered by the Central Government ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (k) of sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby makes the following rules, namely :-

1. (1) These rules may be called the Cochin Harbour Craft (Amendment) Rules, 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Cochin Harbour Craft Rules, 1947 :-

(i) to sub-rule (3) of rule 22, the following proviso shall be added, namely :-

“Provided that no such licence shall be cancelled by the Deputy Conservator of the Port, unless the owner of the harbour craft is given a reasonable opportunity of being heard.”

(ii) to rule 22-A, the following proviso shall be added, namely :-

“Provided that no such fine shall be imposed on any person unless he is given a reasonable opportunity of being heard.”

(iii) for rule 25, the following rule shall be substituted, namely :- “25. Liability of the owner for the acts of tindal or any other member of the crew employed by his craft.

The owner of the craft shall be responsible for any acts of tindal or any other member of the crew employed by him on his craft, while plying the craft under the provisions of these rules ;

(iv) for rule 26, the following rule shall be substituted, namely :- “26. Revocation of Licences. If in the opinion of the Deputy Conservator of the port, the owner of any licensed harbour craft or tindal or any member of the crew has contravened any of the provisions of these rules, he may, without, prejudice to any other action that may be taken against such owner in respect of the contravention, cancel all or any of the licences held by the owner :

Provided that no such licence(s) shall be cancelled under this rule, by the Deputy Conservator, of the Port, unless the owner of the licensed harbour craft is given a reasonable opportunity of being heard.”

[No. PGL-51/78]

S. VASUDEV, Dy. Secy.

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

नई दिल्ली, 18 मई, 1979

सां० का० नि० 801.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति भारत मौसम विज्ञान विभाग (ग्रुप-सी और ग्रुप-डी पद) भर्ती नियम, 1971 में आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं। यथा —

1. (i) इन नियमों को भारत मौसम विभाग (ग्रुप सी, तथा ग्रुप डी पद) के भर्ती (संशोधन) नियम, 1979 कहा जा सकता है।

(ii) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।  
2. भारत मौसम विज्ञान विभाग (ग्रुप सी तथा ग्रुप डी पद) भर्ती नियम 1971 की अनुसूची की क्रम संख्या 18 में प्रयोगशाला सहायक के पद में सम्बंधित कालम 11, में विद्यमान प्रविष्टि के बदले उसके स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जायेगी :—

“प्रयोगशाला परिचर के रूप में कम ग्रेड में कम से कम 5 वर्ष की सेवा अथवा, वेधशाला, परिचर के रूप में कम ग्रेड में कम से कम 8 वर्ष की सेवा, बशर्ते कि वे ऐसी पदोन्नतियों के लिये आयोजित प्रवीणता परीक्षा में शामिल हो और उसे उत्तीर्ण कर लें।”

[सं० ई (2) 139/23 (एस एफ एस)/78 (एस ए.)]  
पी० के० वाम, महानिदेशक

## MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION

New Delhi, the 18th May, 1979

**G.S.R. 801.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the India Meteorological Department (Group C and Group D posts) Recruitment Rules, 1971, namely :—

1. (1) These rules may be called the India Meteorological Department (Group C and Group D posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the India Meteorological Department (Group C and Group D posts) Recruitment Rules, 1971, against serial number 15, relating to the post of Laboratory Assistant, for the existing entry in column 11, the following entry shall be substituted, namely :—

“Laboratory Attendants with at least 5 years' service in the grade, or Observatory Attendants with at least 8 years' service in the grade provided they appear and pass a proficiency test conducted for such promotion.”

[No. E(2)139/23(SFS)/78(LA)]

P. K. DAS, Director General

नई दिल्ली, 23 मई, 1979

सा०का०नि० 802.—केन्द्रीय सरकार, वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, वायुयान नियम, 1937 में कतिपय और संशोधन करना चाहती है। जैसा कि उक्त अधिनियम की धारा 14 में अपेक्षित है, प्रस्तावित संशोधनों का निम्नलिखित प्रारूप उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है, जिनके उससे प्रभावित होने की सम्भावना है। इसके द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर उस तारीख से, जिस तारीख को यह राजपत्र जिसमें यह अधिसूचना प्रकाशित होती है, जनता को उपलब्ध करा दिया जाता है, तीन मास की अवधि के पश्चात् विचार किया जाएगा।

2. इस प्रचार विनिर्दिष्ट अवधि से पूर्व उक्त प्रारूप की बाबत जो भी आपत्तियाँ या सुझाव किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार उन पर विचार करेगी।

### नियम का प्रारूप

1. इन नियमों का नाम वायुयान (संशोधन) नियम, 1979 है।

2. वायुयान नियम, 1937 में, नियम 35 के स्थान पर, निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“35. रजिस्ट्रीकरण फीस—(1) रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र को बाबत निम्नलिखित फीस संदेय होगी :—

(क) 15,000 कि०ग्रा० से कम पूर्ण-भार वाले वायुयान के लिए  
—एक सौ रुपए।

(ख) 15,000 कि०ग्रा० से अधिक पूर्ण-भार वाले वायुयान के लिए  
—पाँच सौ रुपए।”

(2) यदि मूल रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र खो जाता है या नष्ट हो जाता है, तो फीस के रूप में पन्द्रह रुपए संवेत किए जाने पर उसकी दूसरी प्रति जारी की जा सकेगी।

(3) नियम 32 में निर्दिष्ट अस्थायी रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी करने के लिए, फीस के रूप में पचास रुपए संवेत होंगे।

(4) इस नियम के अधीन संवेत सभी फीसों, निष्ठा अधिकारी, केन्द्रीय वेतन और लेखा कार्यालय, नागर विमानन विभाग मुख्यालय, नई दिल्ली को संवेत रेखांकित भारतीय पोस्टल ऑर्डर/ मांगदेय ट्राफ्ट द्वारा संवेत की जाएगी।”

[फा० सं० वि० 11012/12/78-ए]

एस० इकाम्बरम, उप-सचिव

New Delhi, the 23rd May, 1979

**G.S.R. 802.**—The following draft of certain rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, which the Central Government proposes to make, in exercise of the powers conferred by section 5 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934), is hereby published as required by section 14 of the said Act, for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the draft will be taken into consideration after a period of three months from the date on which the official Gazette containing this notification is made available to the public.

2. Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the period so specified will be considered by the Central Government.

### DRAFT RULE

1. These rules may be called the Aircraft(..... .. Amendment) Rules, 1979.

2. In the Aircraft Rules, 1937, for rule 35, the following rule shall be substituted, namely :—

“35 Registration Fees—(1) The following fee shall be payable in respect of a certificate of registration—

(a) for aircraft with all-up-weight below 15,000 kgs.—one hundred rupees.

(b) for aircraft with all-up-weight 15,000 kgs.—and above—Five hundred rupees.

(2) Where the original certificate of registration is lost or destroyed, a duplicate thereof may be issued on payment of a fee of fifteen rupees.

(3) A fee of fifty rupees shall be payable for the issue of a temporary certificate of registration referred to in rule 32.

(4) All fees payable under this rule shall be paid by crossed Indian Postal Order/Demand Draft payable to the Accounts Officer, Central Pay and Accounts Office, Civil Aviation Department Headquarters, New Delhi.”

[File No. AV. 11012/12/78-A]

S. FKAMBARAM, Dy. Secy.

## पूर्ति और पुर्नवास मंत्रालय

(पुर्नवास विभाग)

नई दिल्ली, 26 मई 1979

सा. का. नि. 803.—सविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके हुए राष्ट्रपति इसके द्वारा दण्डकारण्य परियोजना (वर्ग "क") तथा ("ख" के पदों पर) भर्ती नियम 1968 में और संशोधन करते हुए निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात्—

1 (1) ये नियम दण्डकारण्य परियोजना वर्ग "क" तथा वर्ग ("ख" के पदों पर) भर्ती नियम 1979 कहलाएंगे।

(2) ये सरकारों राजपत्र में प्रकाशित होने का तारख से लागू होंगे।

2 दण्डकारण्य परियोजना (वर्ग "क" तथा वर्ग "ख" के पदों पर) भर्ती नियम, 1968 की अनुसूची में "वर्तमान मलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी और सहायक वित्तीय मलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी या लेखा अधिकारी" के पदों में मर्यादित क्रम संख्या 1 और 3 तथा उनके मर्यादित प्रविष्टियों के लिए क्रमशः निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्—

## अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वर्तमान	चयन पद है अथवा नैर-चयन पद	सीधी भर्ती वाले उर्म - सीधी भर्ती वाले उर्मोद्वारो के लिए आयु सीमा	म अपक्षित शैक्षिक तथा अन्य योग्यताएं
1	2	3	4	5	6	7
1 वित्त मलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी	1	सामान्य केन्द्रीय सेवा वर्ग "क" राज-पत्रित	2000-125/2-2250	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
क. सीधी भर्ती के परीक्षाओं में अग्रिम भर्ती की विधि सीधे भर्ती यदि पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती होना हो तो वे ग्रेड जिनसे पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाना है	यदि कोई विभागीय पदोन्नति समिति हो तो उसकी संरचना क्या है	परिस्थिति, जिनमें भर्ती के लिए सघ लोक सेवा आयोग का परामर्श लिया जाना है।				
8	9	10	12	13		
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण	लागू नहीं होता	सघ लोक सेवा आयोग के परामर्श की तब तक आवश्यकता नहीं होगी जब तक कि इन नियमों में किसी प्रकार की छूट दिए जाने का प्रस्ताव न हो।	
			(1) भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा सेवा, भारतीय रेल लेखा सेवा, भारतीय रक्षा सेवा, भारतीय डाक और तार लेखा व वित्त सेवा तथा भारतीय सिविल लेखा सेवा जैसी किसी भी सग-ठित लेखा सेवा का कोई भी ऐसा अधिकारी जो केन्द्रीय सचिवालय के किसी मन्त्रालय में निदेशक (2000-2200/६०) के रूप में नियुक्ति होने का पात्र है।			
			(2) उपरोक्त (1) के म होने पर भारतीय प्रशासन सेवा के या केन्द्रीय सेवा के वर्ग "क" के ऐसे अधिकारी ऐसे जो केन्द्रीय सचिवालय के किसी मन्त्रालय में निदेशक (2000-2250 ६०) के पद पर नियुक्त होने का पात्र हो तथा जिन्हें वित्त व लेखा कार्यों का पर्याप्त अनुभव हो।			
			(प्रतिनियुक्ति की अग्रिम सामान्यतया 5 वर्ष से अधिक नहीं होगी)			

1	2	3	4	5	6	7
3 सहायक वित्तीय सलाहकार/अनन्य तथा लेखा अधिकारी	7 सामान्य केन्द्रीय सेवा वर्ग "ख" राजपत्रित	840-40-1000-द०-रो०-40-1200 द०	चयन	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	
8	9	10	11	12	13	
लागू नहीं होता	2 वर्ष	प्रतिनियुक्ति पर पदोन्नति द्वारा	स्थानान्तरण/ प्रतिनियुक्ति पर पदोन्नति	स्थानान्तरण/ वर्ग "ख" विभागीय पदोन्नति समिति जिसमें निम्न-लिखित अधिकारी होंगे—	प्रत्येक अवसर पर चयन संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से	
			भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग, भारतीय रक्षा लेखा विभाग, भारतीय रेल लेखा विभाग, भारतीय डाक और तार लेखा एवं वित्त विभाग और भारतीय सिविल लेखा विभाग जैसे संगठित लेखा विभागों में लेखाधिकारी/लेखा परीक्षा अधिकारी/कनिष्ठ लेखा अधिकारी के ग्रेड में 5 वर्ष की नियमित सेवा। दण्डकारण्य अधीनस्थ सेवा परीक्षा पास ऐसे कनिष्ठ लेखा अधिकारियों के मामले पर भी विचार किया जाए जिन्होंने ग्रेड में नियुक्ति के पश्चात् 5 वर्ष की नियमित सेवा पूरी कर ली हो और यदि वे पद पर नियुक्ति के लिए चुन लिए जाते हैं तो उसे पदोन्नति द्वारा भरा माना जाएगा।	1. अध्यक्ष, दण्डकारण्य विकास प्राधिकरण—अध्यक्ष 2. सचिव, दण्डकारण्य विकास प्राधिकरण—सबस्य 3. वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी—सबस्य सचिव		
			(प्रतिनियुक्ति की अवधि सामान्यतया 5 वर्ष से अधिक नहीं होगी।)			

## MINISTRY OF WORKS, HOUSING, SUPPLY AND REHABILITATION

(Department of Rehabilitation)

New Delhi, the 26th May, 1979

**G.S.R. 803.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend and Dandakaranya Project (Group 'A' and Group 'B' posts) Recruitment Rules, 1968, namely :—

### SCHEDULE

1	2	3	4	5	6	7
1. Financial Adviser & Chief Accounts Officer	One	General Central Service Group 'A' Gazetted	Rs. 2000-125/2-2250	Not applicable	Not applicable	Not applicable
8	9	10	11	12	13	
Not applicable	Not Applicable.	By transfer on deputation.	Transfer on deputation : (i) Officers from any of the organised Accounts services, namely, Indian Audit and Accounts Service, Indian Railway Accounts Service, Indian Defence Accounts	Not applicable.	Consultation with the Union Public Service Commission not necessary unless the provisions of these	

[संख्या 11 (12)/77-प्रशा 3]

सोहन लाल मेदीरता, प्रवर सचिव

1. (1) These rules may be called the Dandakaranya Project (Group 'A' and Group 'B' posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. In the Schedule to the Dandakaranya Project (Group 'A' and Group 'B' posts) Recruitment Rules, 1968, for Serial Numbers 1 and 3 relating to the posts of 'Financial Adviser and Chief Accounts Officer' and 'Assistant Financial Adviser and Chief Accounts Officer, or Accounts Officer' and the entries relating thereto, the following shall respectively be substituted, namely :—

8	9	10	11	12	13
			Service, Indian Posts and Telegraphs Accounts and Finance Service and Indian Civil Accounts Service eligible for appointment as Director (Rs.2000-2250) in a Ministry of the Central Secretariat.		rules are proposed to be relaxed on any occasion.
			(ii) Failing (i) above, officers of the Indian Administrative Service or Central Services Group 'A' eligible for appointment as Director (Rs. 2000- 2250) in a Ministry of the Central Secretariat and having adequate experience in finance and accounts work.		
			(Period of deputation shall ordinarily not exceed five years).		

1	2	3	4	5	6	7
3 Assistant Financial Adviser/Pay & Accounts Officer	7 General Central Service Group 'B' Gazetted.	Rs.840-40-1000-EB-40-1200.	Selection		Not applicable	Not applicable.

8	9	10	11	12	13
Not applicable.	Two years	By transfer on deputation/promotion.	Transfer on deputation/promotion: Officers of the rank of Accounts Officer/Audit Officer/Junior Accounts Officer with 5 years regular service in the grade from any of the organised Accounts Departments namely, Indian Audit and Accounts Department, Indian Defence Accounts Department, Indian Railway Accounts Department, Indian Posts & Telegraphs Accounts and Finance Department and Indian Civil Accounts Department, Junior Accounts Officers who have passed Dandakaranya Subordinate Accounts Services Examination, with 5 years' service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis, will also be considered and in case they are selected for appointment to the post, it will be treated as having filled by promotion. (Period of deputation shall ordinarily not exceed 5 years).	Group 'B' Departmental Promotion Committee comprising : 1. Chairman, Dandakaranya, Development Authority.—Chairman 2. Secretary, Dandakaranya Development Authority.—Member. 3. Financial Adviser and Chief Accounts Officer.—Member Secretary.	Selection shall be made on each occasion in consultation with the Union Public Service Commission".



**इस्पात और खान मंत्रालय**

(खान विभाग)

नई दिल्ली, 22 मई, 1979

ता० का० नि० 804—केन्द्रीय सरकार, खान और खनिज (विनियमन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 67) की धारा 13 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, खनिज रियायत नियम, 1960 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनायी है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम खनिज रियायत (द्वितीय संशोधन) नियम, 1979 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. खनिज रियायत नियम, 1960 में—

(1) नियम 37 के पश्चात्, निम्नलिखित नियम अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“37क पट्टे के अंतरण का तीन मास के भीतर निष्पादित किया जाना :—जहां नियम 37 के अधीन खनन पट्टे के अंतरण के लिए आवेदन पर राज्य सरकार ने ऐसे पट्टे के अंतरण के लिए सम्मति दी है, वहां प्रकरण या संधारण उससे मिलते जुलते प्ररूप में अंतरण पट्टा विलेख, ऐसी सम्पत्ति की तारीख से तीन मास के भीतर या ऐसी अतिरिक्त अवधि के भीतर जो राज्य सरकार इस निमित्त अनुज्ञात करे, निष्पादित किया जाएगा।”

(2) अनुसूची 1 में, प्ररूप 8 के पश्चात्, निम्नलिखित प्ररूप ‘ज’ अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

प्ररूप ‘ज’

खनन पट्टा के अंतरण के लिए आवेदन प्ररूप  
(नियम 37क देखिए)

जब अन्तरक व्यष्टि है। यह करार एक पक्षकार के रूप में ..... (व्यक्ति का नाम, पता और उपजीविका) (जिसे इसमें आगे “अन्तरक” कहा गया है और जहां संदर्भ के अनुकूल हो इसके अन्तर्गत उसका वारिस, निष्पादक, प्रशासक प्रतिनिधि तथा अनुज्ञात समनुदेशिनी भी है)।

जब अन्तरक एक से अधिक व्यष्टि हैं। ..... (व्यक्ति का नाम, पता और उपजीविका) और ..... (व्यक्ति का नाम, पता और उपजीविका) (जिन्हें इसमें आगे “अन्तरक” कहा गया है और जहां संदर्भ के अनुकूल हो इसके अन्तर्गत कमशः उनके वारिस, निष्पादक, प्रशासक प्रतिनिधि और अनुज्ञात समनुदेशिनी भी हैं।

जब अन्तरक रजिस्ट्रीकृत फर्म है :— ..... (सभी भागीदारों के पदों के साथ व्यक्ति का नाम) जो ..... (फर्म का नाम) फर्म के नाम और अभिनाम से, जो भारतीय भागीदारी अधिनियम, 1932 (1932 का 9) के अधीन रजिस्ट्रीकृत है और जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय ..... में है, (जिसे इसमें आगे “अन्तरक” कहा गया है तथा जहां संदर्भ के अनुकूल हो वहां इसके अन्तर्गत उक्त सभी भागीदार, उनके अपने वारिस, निष्पादक, विधिक प्रतिनिधि और अनुज्ञात समनुदेशिनी भी समझे जाएंगे) भागीदारी में कारबार कर रहे हैं।

जब अन्तरक रजिस्ट्रीकृत कम्पनी है :— ..... (कम्पनी का नाम) जो ..... (वहां उस अधिनियम का नाम लिखिए जिस के अधीन यह निगमित है) के अधीन रजिस्ट्रीकृत है और जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय ..... में है। (पता) (जिसे इसमें आगे

“अन्तरक” कहा गया है और जहां संदर्भ के अनुकूल हो वहां इसके अन्तर्गत इसके उत्तराधिकारी और अनुज्ञात समनुदेशिनी भी समझे जाएंगे)

तथा

जब अन्तरिती व्यष्टि है :—दूसरे पक्षकार के रूप ..... (व्यक्ति का नाम, पता और उपजीविका) (जिसे इसमें आगे “अन्तरिती” कहा गया है और जहां संदर्भ के अनुकूल हो वहां इसके अन्तर्गत उसके वारिस, निष्पादक, प्रशासक, प्रतिनिधि तथा अनुज्ञात समनुदेशिनी भी समझे जाएंगे)।

जब अन्तरिती एक से अधिक व्यष्टि है :— ..... (व्यक्ति का नाम, पता और उपजीविका) और ..... (व्यक्ति का नाम, पता और उपजीविका) (जिन्हें इसमें आगे “अन्तरक” कहा गया है और जहां संदर्भ के अनुकूल हो वहां इसके अन्तर्गत उनके अपने वारिस, निष्पादक, प्रशासक, प्रतिनिधि और उनके अनुज्ञात समनुदेशिनी भी समझे जाएंगे)।

जब अन्तरिती रजिस्ट्रीकृत फर्म है :— ..... (सभी भागीदारों का नाम, पता) जो ..... (फर्म का नाम) फर्म के नाम और अभिनाम से, जो भारतीय भागीदारी अधिनियम, 1932 (1932 का 9) के अधीन रजिस्ट्रीकृत है और जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय ..... में है (जिसे इसमें आगे “अन्तरिती” कहा गया है तथा जहां संदर्भ के अनुकूल हो वहां इसके अन्तर्गत उक्त सभी भागीदार, उनके अपने वारिस, निष्पादक, विधिक प्रतिनिधि और अनुज्ञात समनुदेशिनी भी समझे जाएंगे) भागीदारी में कारबार कर रहे हैं।

जब अन्तरिती रजिस्ट्रीकृत कम्पनी है :— ..... (कम्पनी का नाम) जो ..... (वहां उस अधिनियम का नाम लिखिए जिसके अधीन वह निगमित है) के अधीन रजिस्ट्रीकृत है और जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय ..... में है (पता) जिसे इसमें आगे “अन्तरिती” कहा गया है तथा जहां संदर्भ के अनुकूल हो वहां इसके अन्तर्गत इसके उत्तराधिकारी और अनुज्ञात समनुदेशिनी भी समझे जाएंगे)।

तथा

तीसरे पक्षकार के रूप में ..... राज्य के राज्यपाल (जिन्हें इसमें आगे “राज्य सरकार” कहा गया है और जहां संदर्भ के अनुकूल हो वहां इसके अन्तर्गत उनके उत्तरवर्ती और समनुदेशिनी भी समझे जाएंगे) के बीच तारीख ..... को किया गया।

ता० ..... के पट्टा करार के आधार पर, जो ..... (स्थान) के उप रजिस्ट्रार के कार्यालय में ता० ..... को मं० ..... के रूप में रजिस्ट्रीकृत है, (जिसे इसमें आगे ‘पट्टा’ कहा गया है) और जिसकी मूल प्रति संलग्न है और उस पर ‘क’ चिह्न अंकित है तथा जो राज्य सरकार (जिसे उसमें पट्टाकर्ता कहा गया है) और अन्तरक (जिसे उसमें पट्टेदार कहा गया है) के बीच हुआ था, अन्तरक उसकी अनुसूची में और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भी वर्णित भूमियों में उस अवधि के लिए तथा उन भाटकों और स्वामित्वों का संधारण करने पर और पट्टेदार की प्रसविदा और शर्तों का, जो उक्त पट्टा विलेख में प्रारक्षित और अन्तर्लिखित है और जिनके अन्तर्गत यह प्रसविदा भी है कि वह राज्य सरकार की पूर्व मंजूरी के बिना, पट्टे का या उसके अधीन किसी हित का समनुवेशन नहीं करेगा, पालन करने पर ..... (खनिज/खनिजों का नाम) की तलाश करने, उन्हें प्राप्त करने और उनके संबंध में खान और खनिज खोदने का हकदार है। अब अन्तरक, अन्तरिती को पट्टे का अन्तरण और समनुवेशन करना चाहता है और अन्तरक की प्रार्थना पर राज्य सरकार ने (केन्द्रीय सरकार की पूर्व अनुमोदन से) तारीख ..... के आदेश सं० ..... द्वारा अन्तरक को पट्टे का ऐसा अन्तरण और समनुवेशन इस शर्त पर करने की अनुज्ञा दी है कि अन्तरिती ऐसा करार करेगा और उसमें वे निबंधन और शर्तें होंगी जो इसमें आगे वर्णित हैं।

यह विवेक इस बात का साक्षी है कि —

1. अन्तरिती द्वारा अन्तरक को २० का संघाय जिसकी प्राप्ति अन्तरक इसके द्वारा अभिवर्धित करता है, किए जाने के प्रतिकूलस्वरूप अन्तरक इसके द्वारा अन्तरिती को उसमें इसके पूर्व उल्लिखित पट्टे के अधीन सब अधिकार और दायित्व हस्तांतरित, समनुदेशित और अन्तरित करता है और पट्टेदार उन्हें तारीख ..... में उक्त पट्टे की अनवसित अधि के लिए धारण करेगा।

2. अन्तरिती इसके द्वारा राज्य सरकार से यह प्रसविदा करता है कि पट्टे के अन्तरण और समनुदेशन के समय से और उसके बाद, अन्तरिती इसमें इसके पूर्व उल्लिखित पट्टे में अन्तर्निष्ठ सभी प्रसविदाओं, अनुबंधों और शर्तों के सभी उपबंधों का सभी प्रकार से पालन और अनुपालन करने के लिए और उनके अनुरूप कार्य करने के लिए उसी रूप में आबद्ध होगा और उनके अधीन होगा मानो वह पट्टा अन्तरिती को उस पट्टे के अधीन पट्टेदार के रूप में दिया गया था और उसने उसे मूल रूप में निष्पावित किया था।

3. एक पक्षकार के रूप में अन्तरक और दूसरे पक्षकार के रूप में अन्तरिती के बीच वह भी करार किया जाता है और उनके द्वारा घोषणा की जाती है कि —

(1) अन्तरक और अन्तरिती इस बात की घोषणा करते हैं कि उन्होंने यह सुनिश्चित कर लिया है कि जिस क्षेत्र के विषय में खनन पट्टा अन्तरित किया जा रहा है उक्त क्षेत्र पर खनिज अधिकार राज्य सरकार में निहित हैं।

(2) अन्तरक घोषणा करता है कि उसने उस खनन पट्टे का, जो इस समय अन्तरित किया जा रहा है, समनुदेशन, उप-पट्टाकरण, बन्धक या किसी अन्य रीति से अन्तरण नहीं किया है और वर्तमान खनन पट्टे में, जिसका अन्तरण किया जा रहा है, किसी अन्य व्यक्ति या व्यक्तियों को कोई अधिकार, हक या हित नहीं है।

(3) अन्तरक यह भी घोषणा करता है कि उसने ऐसा कोई करार, संविदा या समझौता नहीं किया है जिसके द्वारा उसका पर्याप्त विनाश पोषण प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप में किया गया था या किया जा रहा है और जिसके द्वारा या जिसके अधीन अन्तरक की मकिया या उपबन्धों का सारभूत रूप में नियंत्रण, अन्तरक में भिन्न किसी व्यक्ति या व्यक्ति निकाय द्वारा किया जा रहा था या किया जा रहा है।

(4) अन्तरक यह भी घोषणा करता है कि उसने वर्तमान खनन पट्टे के अन्तरण के लिए अपने आवेदन के साथ एक शपथपत्र भी पेश किया है जिसमें यह रकम विनिर्दिष्ट की गई है जो यह अन्तरिती में प्रतिकूल के रूप में प्राप्त कर चुका है या प्राप्त करने का विचार रखता है।

(5) अन्तरिती यह भी घोषणा करता है कि वह खनन माफ़्या के लिए विनीय रूप से सक्षम है और उसे मध्य आरंभ कर देगा।

(6) अन्तरिती के पास अनुमोदन-प्रमाणपत्र और सम्बद्ध आयकर अधिकारी से प्राप्त आयकर समाशोधन प्रमाणपत्र है।

(7) अन्तरक ने अन्तरिती को उस क्षेत्र में और उसके चारों ओर २.5 मीटर के दायरे में सभी परित्यक्त खनिजों के सभी मण्डों की मूल/या अधिप्रमाणित प्रति दे दी है।

(8) अन्तरिती यह भी घोषणा करता है कि इस अन्तरण के परिणाम स्वरूप खनिज गिवायतों के प्रमाण उसके द्वारा धारित क्षेत्र में खान और खनिज (विनियमित और अविनियमित) अधिनियम, 1957 की धारा 6 या खनिज विनियमन नियम, 1960 के नियम 15 का उल्लंघन नहीं होता है।

(9) अन्तरक ने इस पट्टे की वास्तव प्राप्त तक सम्पत्ति को शीघ्र सभी भाटक, स्वामित्व और अन्य देय रकम का संचाय कर दिया है।

इसके माध्यमस्वरूप इसके पक्षकारों ने इसमें सर्वप्रथम किसी तारीख को इस पर हस्ताक्षर कर दिए हैं।

अनुसूची

पट्टे की अवस्थिति और क्षेत्र

..... जिला ..... उपजिला .....  
 रजिस्ट्रार जिला ..... में .....  
 (परगना) में ..... (क्षेत्र या क्षेत्रों का वर्णन) में अवस्थित सभी भूखंड जिसका मासगुजारी विषयक सर्वेक्षण नं० ..... है और जिसका क्षेत्रफल ..... या उसके लगभग है और जो इसमें उपाखण्ड नम्बरी में ..... में रंग की रेखा से बनाया गया है और उसमें ..... रंग भरा गया है तथा उस भूखंड के—

उत्तर में ..... है  
 दक्षिण में ..... है  
 पूर्व में ..... है  
 पश्चिम में ..... है

राज्य सरकार के लिए उसकी ओर से

1.  
2.

का उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।

निम्नलिखित साक्षियों की उपस्थिति में अन्तरक के हस्ताक्षर

1.  
2.

निम्नलिखित की उपस्थिति में अन्तरिती के हस्ताक्षर

1.  
2.

[सं० फा० 7(2)/78-एम की प्रार्थ/एम एम]  
 जे० ए० चौधरी, उप-सचिव

## MINISTRY OF STEEL AND MINES

(Department of Mines)

New Delhi, the 22nd May, 1979

**G.S.R. 804.**—In exercise of the powers conferred by section 13 of the Mines and Minerals (Regulation and Development) Act, 1957 (67 of 1957), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Mineral Concession Rules, 1960, namely :—

1.(1) These may be called the Mineral Concession (Second Amendment) Rules, 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Mineral Concession Rules, 1960,—(1) after rule 37, the following rule shall be inserted, namely :—

“37A. Transfer of lease to be executed within three months.—Where on an application for transfer of mining lease under rule 37, the State Government have given consent for transfer of such lease, a transfer lease deed in Form O or a form as near thereto, as possible, shall be executed within three months of the date of the consent, or within such further period as the State Government may allow in this behalf.”

(2) In Schedule I, after Form N, the following Form ‘O’ shall be inserted, namely :—

“Form O

Model form for transfer of mining lease

(see rule 37A)

When the transferor is an individual.—The indenture made this—day of—19—between—(Name of the person with address and occupation) (hereinafter referred

to as the "transferor" which expression shall where the context so admits be deemed to include his heirs, executors, administrators, representatives and permitted assigns).

When the transferors are more than one individual.——(Name of the person with address and occupation) and——(Name of person with address and occupation) (hereinafter referred to as the "transferor" which expression shall where the context so admits be deemed to include their respective heirs, executors, administrators, representatives and their permitted assigns).

When the transferor is a registered firm.——(Name of the person with address of all the partners) all carrying on business in partnership under the firm name and style of——(Name of the firm) registered under the Indian Partnership Act, 1932 (9 of 1932) and having their registered office at——(hereinafter referred to as the "transferor" which expression where the context so admits be deemed to include all the said partners, their respective heirs, executors, legal representatives and permitted assigns).

Where the transferor is a registered company.——(Name of Company) a company registered under——(Act under which incorporated) and having its registered office at——(Address) (hereinafter referred to as the "transferor" which expression shall where the context so admits be deemed to include its successors and permitted assigns) of the first part

And

And when the transferee is an individual.——(Name of person with address and occupation) (hereinafter referred to as the "transferee" which expression shall where the context so admits be deemed to include his heirs, executors, administrators, representatives and permitted assigns).

When the transferees are more than one individual.——(Name of the person with address and occupation) and——(Name of person with address and occupation) (hereinafter referred to as the "transferee" which expression shall where the context so admits be deemed to include their respective heirs, executors, administrators, representatives and their permitted assigns).

When the transferee is a registered firm.——(Name and address of all the partners all carrying on business in partnership under the firm name and style of)——(Name of the firm) registered under the Indian Partnership Act, 1932 (9 of 1932) and having their registered office at——(hereinafter referred to as the "transferee" which expression where the context so admits be deemed to include all the said partners, their respective heirs, executors, legal representatives and permitted assigns).

When the transferee is a registered company.——(Name of Company) a company registered under (Act under which incorporated) and having its registered office at——(Address) (hereinafter referred to as the "transferee" which expression shall where the context so admits be deemed to include its successors and permitted assigns) of the second part.

And

The Governor of——(hereinafter referred to as the 'State Government' which expression shall where the context so admits be deemed to include the successors and assigns) of the third part.

Whereas by virtue of an indenture of lease dated the——and registered as No.——on——(Date) in the office of the Sub-Registrar of——(place) (hereinafter referred to as lease) the original whereof is attached hereto and marked 'A' entered into between the State Government (therein called the lessor) and the transferor (therein called the lessee), the transferor is entitled to search for, win and work the mines and minerals in respect of——(name of mineral/s) in the lands described in the Schedule thereto and also in Schedule annexed hereto for the term and subject to the payment of the rents and royalties and observance and performance of the lessee's covenant and conditions in the said

deed of lease reserved and contained including a covenant not to assign the lease or any interest thereunder without the previous sanction of the State Government.

And whereas the transferor is now desirous of transferring and assigning the lease to the transferee and the State Government has, at the request of the transferor, granted (with the prior approval of the Central Government) permission to the transferor vide order No.——dated——to such a transfer and assignment of the lease upon the condition of the transferees entering into an agreement is and containing the terms and conditions hereinafter set forth.

Now this Deed Witnesseth as follows :

1. In consideration of Rs.——paid by the transferee to the transferor, the receipt of which the transferor hereby acknowledges, the transferor hereby conveys assigns and transfers unto the transferee all the rights and obligations under the said hereinbefore recited lease and to hold the same unto the transferee with effect from——for the unexpired period of the said lease.

2. The transferee hereby covenants with the State Government that from and after the transfer and assignment of the lease the transferee shall be bound by, and be liable to perform, observe and conform and be subject to all the provisions of all the covenants, stipulations and conditions contained in said hereinbefore recited lease in the same manner in all respects as if the lease had been granted to the transferee as the lessee thereunder and he had originally executed it as such.

3. It is further hereby agreed and declared by the transferor of the one part and the transferee of the other part that

(i) The transferor and the transferee declare that they have ensured that the mineral rights over the area for which the mining lease is being transferred vest in the State Government.

(ii) The transferor hereby declares that he has not assigned subject, mortgaged or in any other manner transferred the mining lease now being transferred and that no other person or persons has any right, title or interest whereunder in the present mining lease being transferred.

(iii) The transferor further declares that he has not entered into or made any agreements, contract or understanding whereby he had been or is being directly or indirectly financed to a substantial extent by or under which the transferor's operation or understandings were or are being substantially controlled by any person or body of persons other than the transferor.

(iv) The transferor further declares that he has furnished an affidavit alongwith his application for transfer of the present mining lease specifying therein the amount that he has already taken/proposes to take as consideration from the transferee.

(v) The transferee further declares that he is financially capable of and will directly undertake mining operations.

(vi) The transferee holds a Certificate of Approval and Income Tax Clearance Certificate in Form 'C' from the Income Tax Officer concerned.

(vii) The transferor has supplied to the transferee the original/or certified copies of all plans of abandoned workings in the area and in a belt 65 metres wide surrounding it.

(viii) The transferee hereby further declares that as a consequence of this transfer, the total areas while held by him under mineral concessions are not in contravention of Section 6 of the Mines and Minerals (Regulation and Development) Act, 1957 or rule 35 of the Mineral Concession Act 1960.

(ix) The transferor has paid all the rent, royalties and other dues towards Government till this date, in respect of this lease.

In witness whereof the parties hereto have signed on the date and year first above written.

## SCHEDULE

## Location and area of the lease

All that tract of lands situated at———(Description of area or areas)———in (Paragana) in———the Registration District———Sub District———and Thana———bearing Cadestral Survey Nos.———containing an area of———or thereabout delineated on the plan hereto annexed and thereon coloured———and bounded as follows :—

ON THE NORTH BY  
ON THE SOUTH BY  
ON THE EAST BY  
AND  
ON THE WEST BY

Signed by

for an on behalf of the State Government in the presence of

1.  
2.

Signature of Transferor in presence of witnesses.

1.  
2.

Signature of Transferee in the presence of

1.  
2.

[File No. 7(2)/78-MVI/MM]

J. A. CHOWDHURY, Deputy Secy.

नई दिल्ली, 18 मई, 1979

सांख्यिकी 805.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परम्परा द्वारा प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति, एतद्वारा भारतीय खान भूरो (श्रेणी 3 अतिपिकवर्गीय पद) भर्ती नियम, 1965 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

- (1) इन नियमों को भारतीय खान भूरो (वर्ग 3 अतिपिकवर्गीय पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1979 कहा जाएगा।
- (2) ये नियम सांख्यिकीय राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख से लागू माने जाएंगे।

2. भारतीय खान भूरो (श्रेणी-3 अतिपिकवर्गीय पद) भर्ती नियम 1965 की धनूषूची में, क्रम सं० 82 और उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के बाद निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टियाँ जोड़ी जाएंगी, अर्थात्:—

1	2	3	4	5	6	7
	पद की संख्या					
3. विद्युत पर्यवेक्षण	1	सामान्य केन्द्रीय सेवा, वर्ग 'ग' (प्रराज-पक्षित) (अतिपिकवर्गीय)	सं० 330-10-380- व०रो०-12-500- व०रो०-15-560.	अप्रवर्ण	25 और 30 वर्ष के बीच (सरकारी कर्म-चारियों को 35 वर्ष की आयु तक छूट)।	किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से विद्युत इंजीनियरिंग में डिप्लोमा या समकक्ष योग्यता हो।
					अथवा	
					आयु सीमा के निर्धारण के लिए निर्णायक तारीख प्रत्येक मामले में वह होगी जो भारत (अबमान और निकोबार द्वीप समूह तथा सक्षद्वीप के उम्मीदवारों को छोड़कर) के उम्मीदवारों से आबेदन पत्रों की प्राप्ति की अन्तिम तारीख होगी। यदि नियुक्ति रोजगार कार्यालयों के माध्यम से की जाती है तो आयु सीमा निवर्तन के लिए निर्णायक तारीख वह अन्तिम तारीख होगी जिन रोजगार कार्यालयों द्वारा नाम भेजे जाने होंगे।	किसी लाइसेंसिंग बोर्ड द्वारा प्रवृत्त इस आशय का सक्षमता प्रमाण पत्र हो कि वह विद्युत उपकरणों और मध्यम शक्ति की प्रेषण लाइनों पर काम कर सकता है और साथ में विद्युत मशीनों और उपकरणों की स्थापना, मरम्मत और उनके रख-रखाव की सीमा वर्ष का अनुभव हो।
					सीधी भर्ती बालों के लिए निर्धारित अनुभव संबंधी योग्यता में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों को सक्षम प्राधिकारी अपने विवेकानुसार उस स्थिति में छूट दे सकता है जब जयन के किसी स्तर पर सक्षम प्राधिकारी का यह अभिमत हो कि इन जातियों के लिए प्रारक्षित पदों को भरने के लिए उनमें से अपेक्षित अनुभव वाले उम्मीदवार पर्याप्त संख्या में मिलने की सम्भावना नहीं है।	

8	9	10	11	12	13
नहीं	2 वर्ष	पदोन्नति द्वारा जिसके असफल होने पर सीधी भर्ती द्वारा।	पदोन्नति. विजली मिस्त्री, जिसने उस ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्ति के बाद 8 वर्ष सेवा की हो।	वर्ग 'ग' विभागीय पदोन्नति समिति जिसमें निम्न-निश्चित होंगे :— 1. अधीक्षक अधिकारी (प्रमुख प्रसाधन)/ क्षेत्रीय ज्ञान नियंत्रक, भारतीय ज्ञान व्यूरो— अध्यक्ष 2. रसायनज्ञ (वरिष्ठ) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण—सदस्य। 3. वरिष्ठतम राजपत्रित अधिकारी बरोयतः अनु-सूचित जाति अनुसूचित जनजाति का, भारतीय ज्ञान व्यूरो—सदस्य। 4. प्रसाधन अधिकारी, भारतपत्रित स्थापना का प्रभारी—सदस्य।	लागू नहीं होता

[फाइल सं० एन-12018/27/78-ज्ञान-6]

प्रसन्न चन्द्र, प्रवर सचिव

New Delhi, the 18th May, 1979

**G. S. R. 805.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Indian Bureau of Mines (Class III Non-Ministerial Posts) Recruitment Rules, 1965, namely:—

1. (1) These rules may be called the Indian Bureau of Mines (Group 'C' Non-Ministerial Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Indian Bureau of Mines (Class III Non-Ministerial Posts) Recruitment Rules, 1975, after serial number 82 and the entries relating thereto, the following serial number and the entries shall be inserted, namely:—

1	2	3	4	5	6	7
83	Electrical Supervisor (Number of post one)	General Central Service Group 'C' (Non-Gazetted) (Non-Ministerial)	Rs.330-10-380-EB-12-500-EB-15-560/-	Non-Selection.	Between 25 and 30 years. (Relaxable for Government servants upto 35 years). The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep). In case the appointment is	Must have a Diploma in Electrical Engineering from a recognised Institute or its equivalent. OR Must possess competency certificate granted by the Licensing Board enabling him to undertake work in Electrical Apparatus and transmission lines upto medium voltage along with three years' experience in the installation, repairs, maintenance of Electrical Machines and Apparatus. The qualification regarding experience prescribed for direct recruits is relaxable at the discretion of the competent authority in case of candidates belonging to the Scheduled Caste or the Scheduled Tribes, if at

1	2	3	4	5	6	7
					to be made through Employment Exchanges, the crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the Employment Exchanges are to submit the names.	any stage of selection, the competent authority is of the opinion that sufficient number of candidates belonging to these communities possessing the requisite experience, are not likely to be available to fill up the posts reserved for them
8	9	10	11	12	13	
No	Two years	By promotion which by direct recruitment.	failing	Promotion : Electrician with eight year's service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis.	Group 'C' Departmental Promotion Committee consisting of :— 1. Superintending Officer (Ore Dressing)/Regional Controller of Mines, Indian Bureau of Mines—Chairman. 2. Chemist (Senior) Geological Survey of India —Member. 3. Senior-most Gazetted Officer preferably belonging to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, Indian Bureau of Mines—Member. 4. Administrative Officer Incharge of Non-Gazetted Establishment—Member.	Not applicable.

[File No. A-12018/27/78-M6]

PARSAN CHANDRA, Under Secy.

## संचार मंत्रालय

(बेतार आयोजना और समन्वय स्कन्ध)

नई दिल्ली, 14 मई, 1979

## शुद्धि-पत्र

सांकांनि० 308.—भारत राजपत्र के भाग ii—खण्ड 3 उपखण्ड (i) के दिनांक 16 मई 1978 के संक में पृष्ठ 2861-2874 पर (हिन्दी में) तथा पृष्ठ 2874-2886 पर (अंग्रेजी) प्रकाशित संचार मंत्रालय (बेतार आयोजना एवं समन्वय स्कन्ध) की दिनांक 25-10-78 की अधिसूचना संख्या सार-11013/3/75-एल०सार० सांकांनि० 1499 में नीचे लिखे अनुसार सुधार किया जाए।

वैरासक	ग्रन्थ	शुद्ध	पृष्ठ संख्या
1	2	3	4
1(2)	की	को	2861
2(ख)	व्यक्ति	व्यक्ति (तीसरी पंक्ति)	
5(1)	की	को (दूसरी पंक्ति)	
5(2)	की	को (तीसरी पंक्ति)	2862
7(ख)	संवायन	संवायन (पहली पंक्ति)	
8(1)	को	को (दूसरी पंक्ति)	2862
8(2)	को	को (तीसरी पंक्ति)	2862
8(3)	—	“कथन” (कृपया तीसरी पंक्ति में जोड़ दें)	2862
14(ग)	की	को (तीसरी पंक्ति)	2863

1	2	3	4
14(घ)	—	'तार' (पाँचवीं पंक्ति में जोड़ दें)	2863
19(1)	की	को (चौथी पंक्ति)	2863
20(1)	सूचित	समूचित (12वीं पंक्ति)	2864
20(1)	जाएगी	जाएगी (14वीं पंक्ति)	2864
21	प्रस्थापित	प्रस्तापित (7वीं पंक्ति)	2869
22	को	की (17वीं पंक्ति)	2864
26(2)(1)	बीमा	बीसा (दूसरी पंक्ति)	2865
28	निरमल	निरमन (पहली पंक्ति)	2865
अनुबन्ध-1			
1	का	या (पाँचवीं पंक्ति)	2865
6	पारेषिताया	पारेषित या (दूसरी पंक्ति)	2866
6(क)	सबस्थान	सबस्थान (दूसरी पंक्ति)	2866
6(2)	के मे	मे के (पहली पंक्ति)	2866
6(5)	की	को (दूसरी पंक्ति)	2866
7(2)	प्राशयित	प्राशयित (दूसरी पंक्ति)	2866
7(3)	बेतार	बेतार (प्रथम पंक्ति)	2866
9(1)(क)	संज्ञा	संज्ञा (तीसरी पंक्ति)	2866
लाग का नमूना नामक शीर्ष में	शर्त	शर्त	2867
उपाबन्ध 5 के			
(क) के चौथे कालम में	5	25 (दूसरी पंक्ति) 5 (तीसरी पंक्ति)	2870
(ग) का चौथा कालम	10	150 (चौथी पंक्ति)	2871
उपाबन्ध 6 के	15	150 (पहली पंक्ति)	
7वें कालम में	क य	क य (पहली पंक्ति)	2871
उपाबन्ध 7 में			
नीचे से चौथी पंक्ति	प्रशयित	दर्शित	2872
भाग 4 मोर्स नामक			
शीर्ष का उपपंरा (ख)	गणित	गति (छठी पंक्ति)	2973
	सं	मोर्स (29 वीं पंक्ति)	2874

[सं० आर० 11013/3/75-एल० आर०]

के० सरदारराजप, सहायक बेतार सलाहकार

## MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(W. P. C. Wing)

New Delhi, the 14th May, 1979

## CORRIGENDUM

G.S.R. 806.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Communications (W.P.C.) Wing) No GSR

1499 (R. 11013/3/75-LR dated 25th Oct 1979), published at page 2874–2886 of the Gazette of India Part II Section 3 Sub-Section (i) dated 16th December, 1978, the following correction may be carried out—

Palatigraph	Incorrect	Correct	Page No
1	2	3	4
5(2)	Sub-clause	Sub-clause	2875
	Years'	Years	2875
8(3)	Opportunity	Opportunity	2875
19(2)(vi)	of	or	2877
26(2)(ii)	age	age of	2878
28(2)	Cesser	Cesser	2878
II(2)(b)	or signals	or signals,	2878
IV(2)	reable	reliable	2878
V(1)	licenece	the licensee	2879
VII(1)	Listeners'	Listeners Amateurs'	2879
IX(2)(d)	Hallo	Hello	2879

1	2	3	4
IX(3)a	AR	AR	2879
IX(3)(b)	VA	VA	2879
XI(2)	message of	message or	2880
XI(2)	far particular	particular	2880
XII	any person	any person,	2880
Annex III	Name 1	Name	2882
"	Date of birth	Date of birth <sup>1</sup>	2882
"	Designation 2	Designation	2882
"	Nationality	Nationality <sup>1</sup>	2882
Annex V(C)	Satellite/Working	Satellite Working	2884
Annex VI	Annex. V	Annex VI	2884
Annex VI	Chassis	Chassis	2884
Appendix I 2.1(d)	AR	AR,	2885
abbreviations	AC	AS,	2885
	VA,	VA,	2885
Appendix I 2.3(a)	terms	items	2886

[R. 11013/3/75-LR]

K VARADARAJAN, Asst. Wireless Adviser

नई दिल्ली, 23 मई, 1979

सां.कां.नि० 807—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के मूलपूर्व परि-  
बहन और संचार मंत्रालय (संचार और नागर विमानन विभाग) की तारीख 5 अप्रैल, 1961 की अधिसूचना सं० सां० कां० नि० 524 द्वारा प्रकाशित बेतार  
आयोजना और समन्वय तथा अनुश्रवण संघटन (तकनीकी अधिकारी और कर्मचारिवृन्द) भर्ती नियम, 1960 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम  
बनाते हैं, अर्थात् :-

1. (1) इन नियमों का नाम बेतार आयोजना और समन्वय तथा अनुश्रवण संघटन (तकनीकी अधिकारी और कर्मचारिवृन्द) भर्ती (द्वितीय संशोधन)  
नियम, 1979 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. बेतार आयोजना और समन्वय तथा अनुश्रवण संघटन (तकनीकी अधिकारी और कर्मचारिवृन्द) भर्ती नियम, 1960 की अनुसूची में, मद 1 के पश्चात्  
निम्नलिखित मद रखी जाएगी, अर्थात् :-

1	2	3	4	5	6	7
1क निदेशक (बेतार अनुश्रवण)	1	माधवारण केन्द्रीय सेवा समूह 'क'	2000-125/2-2250६०	भयन	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
8	9	10	11	12	13	

समूह 'क' विभागीय प्रोन्नति  
समिति :

लागू नहीं होता	2 वर्ष	प्रोन्नति द्वारा	भारत सरकार के ऐसा उप बेतार सलाहकार जिसे नियमित आधार पर नियुक्ति के बाद उस श्रेणी में 5 वर्ष सेवा कर ली हो।	1 संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या सदस्य— अध्यक्ष 2 अपर सचिव (संचार)— सदस्य 3 बेतार सलाहकार, भारत सरकार, संचार मंत्रालय—सदस्य	प्रोन्नति और इन नियमों के किसी उप- बन्ध की शिथिल/ संशोधित करते समय आयोग से परामर्श किया जाएगा।
टिप्पण : जब कभी इस श्रेणी पृष्ठ पर विचार करने के लिए विभागीय प्रोन्नति समिति की बैठक होगी, संघ लोक सेवा आयोग की सहयोजित नहीं किया जाएगा और					



8	9	10	11	12	3 1
				मंत्रालय के सचिव या अपर सचिव इसकी अध्यक्षता करेंगे।	
				टिप्पण 2: विभागीय प्रोन्नति समिति की कार्यवाहियां संघ लोक सेवा प्रायोग के अनुसोचनार्थ भेजी जाएंगी। यदि संघ लोक सेवा प्रायोग इनका अनुसोचन नहीं करता है तो संघ लोक सेवा प्रायोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य की अध्यक्षता में विभागीय प्रोन्नति समिति की तए सिते से बैठक होगी।	

(सं० ए० 12018/2/77-प्रशासन)

टी० आई पंजाबी, अपर सचिव

New Delhi the, 23rd May, 1979

**G.S.R. 807.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Wireless Planning and Co-ordination and Monitoring Organisation (Technical Officers and Staff) Recruitment Rules, 1960, published with the notification of the Government of India in the late Ministry of Transport and Communications (Department of Communications and Civil Aviation) No. G. S. R. 524, dated the 5th April, 1961, namely :—

1.(1) These Rules may be called the Wireless Planning and Co-ordination and Monitoring Organisation (Technical Officers and Staff) Recruitment (Second Amendment) Rules, 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette

2. In the Schedule to the Wireless Planning and Co-ordination and Monitoring Organisation (Technical Officers and Staff) Recruitment Rules, 1960, after item 1, the following item shall be inserted, namely :—

1	2	3	4	5	6	7
"1A Director (wireless Monitoring)	1	General Central Service Group 'A'.	Rs. 200-125/2-2250	Selection	Not applicable	Not applicable.

8	9	10	11	12	13
No	2 years.	By promotion	Promotion : Deputy Wireless Adviser to the Govt. of India with 5 years' service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis	Group 'A' Departmental Promotion Committee-- 1. Chairman or Member. Union Public Service Commission—Chairman 2. Additional Secretary (Communications)—Member. 3. Wireless Adviser to the Government of India Ministry of Communications—Member. Note 1. Whenever the Departmental promotion committee meets to consider confirmation in the Grade, the Union Public Service Commission shall not be associated	Commission shall be consulted while making promotion and relaxing/amending any proviso of these rules".

8

9

10

11

12

13

with it and the Secretary or the Additional Secretary of the Ministry shall act as its Chairman.

Note 2.

The Proceedings of the Departmental Promotion Committee shall be sent to the Commission for approval. If, however, these are not approved by the Commission, a fresh meeting of the Department Promotion Committee to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be held

[No. A.12018/2/77-Admn.]

T.I. PANJABI, Under Secy.